English FIESTA

Teacher's Manual

1–8

₹ 100.00

English Class–1

1 : Alphabet

Let's Do It...

A. Do yourself.

B. O, Q, V, B, X, F, T, H, Y

2 : Vowels and Consonants

Let's Do It...

A. **1.** Engine, Ant

B. Apple, Flower

3 : Sound Drill of 'A'

Let's Do It...

A. **1.** Fan **2.** Cat **3.** Car **4.** Watch

B. **1.** gate **2.** day **3.** was **4.** talk

C. **1.** man **2.** rat **3.** cap **4.** farm **5.** past **6.** dog **7.** may **8.** walk **9.** date

4 : Sound Drill of 'E'

Let's Do It...

A. **1.** Net **2.** Pen **3.** Bee **4.** Tree

B. meat—seat, deep—weep, men—pen, free—tree, let—pet

5 : Sound Drill of 'I'

Let's Do It...

A. **1.** Lip **2.** Zip **3.** Kite **4.** Light

B. **1.** top **2.** big **3.** hit **4.** race **5.** till **6.** kite **7.** lice **8.** night **9.** pen **10.** ice **11.** milk **12.** light

6 : Sound Drill of 'O'

Let's Do It...

A. **1.** Dog **2.** Book **3.** Doll **4.** Food

B. **1.** top **2.** boy **3.** coat **4.** road **5.** book **6.** foot **7.** soap **8.** horse

C. **1.** sound **2.** toil **3.** room

7 : Sound Drill of 'U'

Let's Do It...

A. **1.** Tub **2.** House **3.** Cow **4.** Sun

B. **1.** tub **2.** bat **3.** shut **4.** cute **5.** pull **6.** full **7.** bun **8.** bush

C. **1.** bun **2.** pub **3.** hut

8 : Use of 'A' and 'An'

A. **1.** A **2.** An **3.** A **4.** An **5.** A **6.** A **7.** A **8.** An **9.** An

B. **1.** a **2.** an **3.** an

9 : Use of 'This' and 'That'

Let's Do It...

1. This is a book. That is a hut. **2.** This is a chair. That is a tree. **3.** This is a mango. That is a lion.

10 : Use of 'These' and 'Those'

Let's Do It...

1. These are friends. Those are animals **2.** These are glasses. Those are spoons. **3.** These are shoes. Those are boats.

11 : Use of 'Am', 'Is' and 'Are'

Let's Do It...

A. **1.** are **2.** am **3.** is

B. **1.** (✓) **2.** (×) **1.** (✓)

C. **1.** (c) **2.** (a) **3.** (b)

12 : One and Many

Let's Do It...

A. **1.** Cat **2.** Girls **3.** Bat **4.** Balls

B. **1.** chairs **2.** cups **3.** hens **4.** tables **5.** rats **6.** trees **7.** dolls **8.** bags **9.** pens

13 : Naming Words

Let's Do It...

A. **1.** Book **2.** Cat **3.** Watch **4.** House **5.** Car **6.** Table

B. **1.** Ravi **2.** cow **3.** tree **4.** Mother **5.** elephant **6.** birds **7.** Driver **8.** chair

14 : Use of 'He' and 'She'

Let's Do It...

A. **1.** She **2.** He **3.** He **4.** She

B. **1.** He **2.** She **3.** He **4.** She **5.** He **6.** He

15 : Describing Words

Let's Do It...

A. **1.** green **2.** cold **3.** good **4.** long **5.** blue **6.** yellow

16 : Doing Words

Let's Do It...

A. **1.** jumping **2.** eating **3.** playing

B. **1.** going **2.** flying **3.** walking **4.** running **5.** weeping

17 : Position Words

Let's Do It...

A. **1.** in **2.** under **3.** on **4.** over **5.** on

B. **1.** under **2.** in **3.** on

18 : Use of 'And'

Let's Do It...

A. **1.** and **2.** and **3.** and

19 : Use of 'What are these/those'

Let's Do It...

A. **1.** these; these **2.** those; those **3.** those; those

B. **1.** These are apples. **2.** Those are stars. **3.** These are hens.

20 : Use of My, Our, Your, His, Her, Their

Let's Do It...

A. **1.** my **2.** his **3.** my **4.** my **5.** your **6.** his

B. I—My, We—Our, You—Your, He—His, She—Her, They—Their

21 : Opposites

Let's Do It...

hot cup—cold bottle, rat—elephant, under—on, happy—sad, fat—thin

22 : Parts of the Body

Let's Do It...

A. **1.** Nose **2.** Ear **3.** Eye **4.** Arm **5.** Hand **6.** Leg

B. **1.** ears **2.** head **3.** fingers

C. To see—Eyes, To speak—Mouth, To walk—Legs, To listen—Ears, To smell—Nose

23 : Days of the Week

Let's Do It...

1. Tuesday **2.** Thursday **3.** Saturday **4.** Sunday **5.** Monday **6.** Sunday

24 : Months of the Year

साठ सेकेण्ड एक मिनट बनाते है,

साठ मिनट एक घण्टा बनाते है।

चौबीस घण्टे एक दिन बनाते है,

सात दिन एक सप्ताह बनाते है।

चार सप्ताह एक माह बनाते है,

बारह माह एक वर्ष बनाते है।

Let's Do It...

A. **1.** January **2.** December **3.** minute **4.** day **5.** February

B. **1.** January, March, May, July, August, October, December **2.** April, June, September, November

25 : Colours

Let's Do It...

A. **1.** black **2.** yellow **3.** red **4.** white **5.** green **6.** blue

B. Do yourself.

26 : Counting

Let's Do It...

1. five **2.** two **3.** nine **4.** six **5.** four **6.** seven **7.** three **8.** one **9.** eight

27 : Use of 'What is this/that'

Let's Do It...

A. **1.** that; that **2.** this; this

B. **1.** That **2.** This

28 : Rain, Rain, Go Away

बारिश, बारिश

चले जाओ

फिर से आना,

कभी दूसरे दिन,

छोटा जॉनी

खेलना चाहता है,

बारिश, बारिश

स्पेन जाने के लिये

मत दिखाना

अपना चेहरा दोबारा।

Let's Do It...

1. another **2.** Spain **3.** play **4.** face

28 : People Who Help Us

वह एक किसान है।

वह कठिन परिश्रम करता है।

वह हमारे लिये भोजन उगाता है।

वह हमारे लिये सब्जियाँ उगाता है।

वह खराब कपड़े पहनता है।

वह साधारण प्रकृति का है।

वह एक डाकिया है।

वह जनता का सेवक है।

वह हमारे लिये उपयोगी है।

वह हमारे लिये पत्र लाता है।

वह सभी लोगों को जानता है।/

वह साधारण और ईमानदार है।

वह एक बढ़ई है।

वह लकड़ी मे काम करता है।

वह हमारे लिये लकड़ी की वस्तुएँ बनाता है।

वह दरवाजे और खिड़कियाँ बनाता है।

वह एक बहुत मेहनती है।

वह एक दर्जी है।

वह हमारे कपड़े बनाता है।

वह अपनी दुकान चलाता है।

वह अच्छी ट्रेनिंग लेता है।

वह समाज के लिये लाभदायक है।

वह त्यौहारों के समय व्यस्त रहता है।

वह एक अध्यापक है।

वह एक प्रतिष्ठित व्यक्ति है।

वह बच्चो को पढ़ाता है।

वह उन्हें शिक्षित व्यक्ति बनाता है।

वह समाज को डॉक्टरस, इन्जीनियर

और अच्छे नागरिक देता है।

वह एक पुलिसवाला है।

वह अपनी वर्दी मे रहता है।

उसके हाथ मे एक छड़ी होती है।

वह नियमों को तोड़ने वालो को पकड़ता है।

वह जनता का सेवक है।

वह एक कुली है।

वह साधारण तथा मजबूत होता है।

वह पूरा दिन लम्बे समय काम करता है।

वह बोझा उठाता है।

उसकी मजदूरी कम है।

वह बुर्जुगो और कमजोरो के लिये लाभदायक है।

वह एक धोबी है।

वह गन्दे कपड़े धोता है।

वह बहुत मेहनत करता है।

वह शिक्षित नही है।

उसकी आमदनी कम है।

वह हमारे लिये लाभदायक है।

Let's Do It...

A. 1. A farmer grows food and vegetables for us. **2.** Carpenter makes doors and windows for us. **3.** A tailor stitches our clothes. **4.** Policeman arrests law breakers. **5.** Washerman washes dirty clothes.

B. 1. F **2.** T **3.** F **4.** T

C. 1. FOOD **2.** HARD **3.** SHOP **4.** WEAK

30 : My Teacher

मैं एक सचिन हूँ।

मिस्टर विनय शर्मा मेरे कक्षा अध्यापक है।

वह हमे अंग्रेजी पढ़ाते है।

मेरी कक्षा में तीस विद्यार्थी है।

मेरी कक्षा का प्रत्येक विद्यार्थी उनका सम्मान करता है।

मेरे कक्षा अध्यापक ने कहा, ''हमेशा सत्य बोलो और गरीब की मदद करो।''

एक दिन मेरी कक्षा अध्यापक मेरे घर आये और मेरे माता-पिता और मेरी प्यारी बहन से मिले।

मैं अपनी कक्षा अध्यापक से बहुत प्यार करते हूँ।

Let's Do It...

A. 1. Mr Vinay is Sachin's class teacher. **2.** He teach English. **3.** Mr Vinay say, "Always speak truth and help the poor."

B. 1. English **2.** respects **3.** truth; poors **4.** house **5.** love

C. 1. (d) **2.** (e) **3.** (b) **4.** (f) **5.** (a) **6.** (c)

English Class–2

1 : The Lord of Everything

सूरज और चन्द्रमा और तारे और बादल,

और सभी चलते है, तैरते है और उड़ते है,

चीटियाँ और हाथी, महान और छोटे,

उन सभी को भगवान ने बनाया।

पर्वत, घाटियाँ, नदियाँ समुद्र

फूल और फल और लताएँ और पेड़,

गर्मी, सर्दी, पतझड़, सदाबहार

सभी जगह वह देवता है।

Comprehension

A. 1. maker of all things. **2.** Mountains, valleys, rivers, seas **3.** summer, winter, autumn, spring.

B. 1. T **2.** F **3.** T

Grammar & Activity

1. (d) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (b) **5.** (c)

2 : Shweta's Family

श्वेता एक छोटी लड़की है। वह केवल छ: वर्ष की है। वह कक्षा २ की छात्रा है। वह दिल्ली मे अपने माता-पिता के साथ रहती है। उसका एक बड़ा भाई है। उसका नाम नीशू है। रॉक्सी उसका पालतू है। यह एक छोटा प्यारा पपी है।

श्वेता का परिवार एक छोटा परिवार है। वहाँ उसे परिवार मे केवल चार सदस्य है। आओ उसके परिवार के सदस्यो के बारे मे जानते है।

मिस्टर विशाल अरोरा श्वेता के पिता है। वह बहुत सज्जन है। वह बैंक मे काम करते है। प्रत्येक दिन वह अपनी कार के द्वारा कार्यालय जाते है। वह फल मिठाईयां और खिलौने श्वेता और नीशू के लिये लाते है। कई बार वह उन्हे कार से ले जाते है।

मिससे सुधा अरोरा श्वेता की माँ है। वह एक अध्यापिका है। वह बहुत दयालु और साधारण महिला है। वह परिवार के लिये खाना बनाती है। वह श्वेता और नीशू के गृह कार्य मे मदद करती है। रात को, वह उन्हे रोचक कहानियाँ सुनाती है।

नीशू कक्षा ४ मे पढ़ता है। वह बहुत होशियार है। वह श्वेता को बहुत प्यार करता है। श्वेता और नीशू एक ही विद्यालय मे पढ़ते है। वे स्कूल बस से स्कूल जाते है और दोपहर मे साथ-साथ वापिस आते है। अपना गृह कार्य करने के बाद, वे साथ-साथ आगन मे खेलते है।

रॉक्सी श्वेता का पालतू पपी है। यह बहुत प्यारा और शैतान है। जब श्वेता और नीशू विद्यालय को जाते है यह बहुत तेजी से भौकता है। जैसे ही श्वेता स्कूल से वापिस आती है यह पूंछ हिलाने लगता है। यह कोने मे बैठता है जब वे अपना गृहकार्य करते है। यह उनमे सम्मिलित हो जाता है जब वे खेलते है। कई बार नीशू अपनी गेंद फेकता है। रॉक्सी बाद मे दौड़ता है बॉल के पीछे और मुँह से वापिस लाता है। श्वेता का परिवार खुशहाल परिवार है। सभी परिवार के सदस्य परिवार मे एक दूसरे से बहुत प्यार करते है।

Comprehension

A. **1.** six years **2.** in Delhi with her parents **3.** four members in Shweta's family **4.** Shweta's mother **5.** Shweta's father **6.** wags its tail as soon as

B. **1.** T **2.** F **3.** T

Grammar & Activity

A. **2.** Grandmother **3.** Uncle **4.** Aunt **5.** cousin **6.** *bua*

B. **1.** in **2.** in front of **3.** under **4.** at **5.** behind

3 : Shweta Goes to School

सुबह के छ: बजे है। श्वेता सो रही है। उसकी माँ उसे बुलाती है, ''श्वेता, उठो। पहले से ही छ: बजे गये है।''

श्वेता जग जाती है। वह कहती है, ''सुप्रभात, मम्मी माँ: सुप्रभात, श्वेता।

श्वेता : सुप्रभात, पापा।

पापा: सुप्रभात, श्वेता

श्वेता अपने बिस्तर से उठ गयी। उसने अपने दाँत साफ किये। वह नहाने गयी है। उसने अपने ड्रेस और अपने जूते पहने। तब अपने बालो मे कंघी की। श्वेता रसोईघर मे जाती है। मम्मी श्वेता का सुबह का नाश्ता तैयार कर रही है। श्वेता कहती है, ''मम्मी, मै तैयार हूँ। कृपया मुझे मेरा सुबह का नाश्ता दे।''

माँ उसे सुबह का नाश्ता देती है। श्वेता मक्खन के साथ टोस्ट खाती है। उसने उबले हुए अण्डे खाये और दूध भी पिया। इस समय ७ बज गये है। श्वेता अपना बैग उठाती है। इस विद्यालय जाने के लिये तैयार है। वह बस स्टॉप तक अपने पापा के साथ जाती है। बस आती है। श्वेता बस मे चली जाती है। वह कहती है पापा ''अलविदा'' और बस स्कूल के चली जाती है।

Comprehension

A. **1.** six o'clock **2.** the kitchen **3.** Mummy **4.** toasts with butter; milk **5.** papa

B. **1.** T **2.** T **3.** F **4.** T **5.** F

Grammar & Activity

A. **2.** drinks **3.** morning **4.** toast **5.** bath **6.** combs

B. Do yourself.

4 : Shweta's First Day at School

हैलो, मैं श्वेता हूँ।

मैं छ: साल की हूँ। आज मेरा विद्यालय मे पहला दिन है। मेरी माँ ने मुझे सुबह ही जगा दिया था।

मैने अपने दाँत साफ किये। मैने ड्रेस पहनी और अपने जूते पहने। मम्मी ने मुझे सुबह का नाश्ता दिया। मैने ब्रेड, मक्खन और जैम सुबह के नाश्ते मे खाया। मैने दूध भी पिया। मेरी माँ ने मेरा दोपहर का खाना बांधा। मैने अपनी किताबे, रजिस्टर, और पेन्सिल का डिब्बा अपने स्कूल बैग मे रखा। मेरी माँ ने बैग मे मेरा दोपहर का खाने का डिब्बा रखा। तब उन्होंने ने मेरी पानी की बोतल भरी।

मैने अपने दादी, बाबा और माता-पिता के पैर छुए। उन्होंने मुझे आर्शीवाद दिया।

मेरा विद्यालय मेरे घर के बहुत पास है। मैं अपनी माँ के साथ विद्यालय आयी। जल्दी ही वह स्कूल के गेट पहुँची। मेरी माँ ने मुझे गले लगाया। वह मुस्क्रायी और कहा, ''चिन्ता मत करो। तुम्हारा सब अच्छा होगा। तुम्हे विद्यालय मे कई नये मित्र मिलेंगे।''

मेरा विद्यालय बहुत बड़ा है। यहाँ बहुत सारे विद्यार्थी विद्यालय मे है। अचानक किसी ने मेरा नाम बुलाया। मैने पीछे देखा। यह मेरी दोस्त और पड़ोसी सुनीता है। उसने मुझे परिचित कराया अपनी दोस्तो से- मीना, लारा, सुधा और रुबीना। वे सब मेरी कक्षा मे पढ़ती है। मुझे और अधिक डरा हुआ नही महसूस हुआ। विद्यालय की घण्टी बजी और हम लाइन मे लगे और साथ मे राष्ट्रीय गान गाया। तब मे कक्षा

मे गयी हूँ। मिस सोनिया हमारी कक्षा अध्यापिका है। वह बहुत दयालु और सज्जन है। वह हमे कई नयी चीजे पढ़ाती है। यह वास्तव मे बहुत रोचक है। विद्यालय खत्म होने के बाद मैने अपने अध्यापिका का धन्यवाद किया और अपने दोस्तो को अलविदा कहा।

मै सुनीता के साथ घर वापिस आयी और मैने अगले दिन विद्यालय की ओर देखा।

Comprehension

A. 1. mother **2.** books, registers, pencil box, and lunch box **3.** very near to **4.** Sunita

B. 1. T **2.**T **3.** F **4.** T **5.** F

Grammar & Activity

1. 1. (d) **2.** (e) **3.** (b) **4.** (a) **5.** (c)

2. One : pencil, diary, box, pupil

Many : books, crayons, cats, friends

5 : What do They do?

मधुमक्खी क्या करती है?

शहद घर लाती है।

पिता क्या करते है?

धन को घर लाते है।

और माँ क्या करती है?

धन को खर्च करती है।

और बच्चा क्या करता है?

शहद को खाता है।

Comprehension

A. 1. brings home honey **2.** Bee **3.** eats up

B. 1. F **2.** T **3.** T

Grammar & Activity

1. (c) 2. (d) 3. (e) 4. (a) 5. (b)

6 : Shweta Visits Her Grandparents

श्वेता अपने दादी माँ और दादा को देखने जा रही है। वे कालका मे रहते है। वह अपनी मम्मी पापा और भाई नीशू के साथ जा रही है। वे ट्रेन से जा रहे है।

पहले वे रेलवे स्टेशन जाते है। उसके पापा ने टिकटे खरीदी। एक कुली ने प्लेटफार्म मे उनका सामान पकड़ा। जल्द ही

ट्रेन पहुंच गयी। वे ट्रेन मे चढ़े। श्वेता अगली खिड़की मे बैठी। नीशू उसके बगल मे बैठा।

गार्ड ने हरा झण्डा दिखाया। ट्रेन की सीटी बजी जल्दी ही चलना शुरु हुयी। छुक----छुक---छुक--छुक! छुक---छुक---छुक ट्रेन ने तेजी पकड़ी (रफ्तार बढ़ाई)।

मम्मी ने किताब पढ़ना शुरु किया। पापा सो गये। श्वेता ने खिड़की से बाहर देखा। वह गाय, पेड़ और खेतो को देख सकती है। सब पीछे जा रहे है। नीशू भी खिड़की के बाहर देख रहा है।

अब ट्रेन नदी के ऊपर पुल पर से जा रही है। यह बहुत शोर कर रही है। तब यह एक सुंरग मे प्रवेश करती है। बहुत अंधेरा हो गया। श्वेता और नीशू डर से चिल्लाये। उनकी माँ मुस्क्रायी।

ट्रेन अब स्टेशन पहुंच रही है। वे अब प्लेटफार्म मे इन्तजार करते हुए नाना-नानी को देख सकते है। जल्दी ही ट्रेन प्लेट फार्म मे रुक गयी। वे ट्रेन से नीचे उतर गये। श्वेता और नीशू ने अपने नाना नानी के पैर छुए। उनके पापा और मम्मी ने भी वैसा किया। नाना और नानी ने उन्हें गले लगाया। वे प्लेटफार्म से बाहर आये। सभी कार मे बैठे और घर के लिये चले गये।

Comprehension

A. 1. to visit her grandparents **2.** live in Kalka **3.** A coolie **4.** is going on the bridge over a river

B. 1. Kalka **2.** grandparents **3.** enters a tunnel **4.** grandparents

Grammar & Activity

A. 1. Ship **2.** Bus **3.** Van **4.** Tonga **5.** Bicycle **6.** Motorcycle

B. 1. to **2.** with **3.** in **4.** by **5.** over

7 : Shweta Celebrates Her Birthday

माँ ने कहा, नीशू, यहाँ आओ।

नीतू बैठक मे आता है।

उसका पालतू भी जल्दी मे है।

माँ ने कहा, आज श्वेता का जन्मदिवस है।

नीशू ने पूछा, ''क्या हम उसका जन्मदिन मनायेगे।''

''क्यों नही? मैं उसके जन्मदिन पर एक बड़ा केक बनायेंगे,'' माँ ने कहा।

''कितना अच्छा! मै उसके लिये एक सुन्दर सा टैडी खरीदूंगा,'' नीशू ने कहा।

माँ ने एक केक बनाया। उसने इसे खाने की मेज पर रखा। उसने केक पर ''हैप्पी बर्थडे श्वेता लिखा।

नीशू बाजार गया। उसने बहुत सुन्दर टैडी बियर खरीदा वह इसे श्वेता को देता है। और ''हैप्पी बर्ड डे'' श्वेता'' कहा ''ओह, क्या एक सुन्दर टैडी बियर, धन्यवाद तुम्हारा श्वेता ने कहा।

डैडी अपने आफिस वापिस आये। वह एक बड़ी गुड़िया श्वेता के लिये लाये है। उन्होंने यह श्वेता को दिया। ''धन्यवाद पापा।'' श्वेता ने कहा।

बिन्नी, मीना और शालू शाम को आ रहे वे श्वेता के मित्र है। श्वेता की माँ ने बच्चो का स्वागत किया। श्वेता अन्दर आयी। उसने एक नयी गुलाबी फ्रॉक पहनी है। यहाँ पाँच मोमबत्तियाँ है। वह मोमबत्तियाँ

जला रही है।

श्वेता ने मोमबत्तियाँ फूंक देती है।

नीशू, बिन्नी, मीना और शालू ने गाया और ताली बजाई। ''हैप्पी बर्थ डे टू यू

हैप्पी बर्थ डे टू श्वेता।''

बिन्नी ने उसे एक प्यारी गुड़िया दी है। इसके घुघराले बाल है। मीना ने उसे एक चाकलेट बार दिया।

शालू ने श्वेता को एक सुन्दर हेयर-बैण्ड दिया। श्वेता बहुत खुश है। उसने अपने मित्रो के साथ नाचा ओर गाया।

Comprehension

A. 1. a big cake **2.** beautiful teddy bear **3.** big doll **4.** Shweta's mother

B. 1. T **2.** F **3.** T **4.** T **5.** F

Grammar & Activity

A. 1. celebrate **2.** pet **3.** market **4.** candles **5.** chocolate

B. 1. Shweta helped her friends. **2.** Nishu played cricket. **3.** Shweta danced with her friends. **4.** Roxy barked at the strangers. **5.** He asked a question.

8 : Kasim Saves the Moon

कासिम एक साधारण, ईमानदार था लेकिन मूर्ख साथी था। उसने कई प्रकार की माजाकिया वस्तुएँ बनायी। एक दिन, वह अपने मित्र से मिलने जा रहा था जो कि दूसरे गाँव मे रहता था। अब पढ़ते है---

ओह!कितना अंधेरा हो रहा है। चन्द्रमा आकाश मे पहले से बाहर आ गया! तेजी से चलना चाहिये।

कासिम ने रास्ते मे कुंआ देखा। मुझे प्यास लग रही है। वहाँ एक बाल्टी और कुंए के पास रस्सी है। मैने रस्सी से कुंए से पानी खींचा और पिया।

कासिम कुंए के पास जाता है। और उसमे देखता है।

कासिम गाँव वापिस दौड़ा और एक हुक ले आया।

अरे मेरे भगवान! चंद्रमा कुएं मे गिर गया। यदि मैं इसे बाहर नहीं निकालता यह ठण्ड से मर जायेगा। मुझे इसे बाहर लाना है।

मुझे रस्सी के साथ हुक कसने दो और इसे कुंए मे छोड़ दिया। तब मैं चंद्रमा को बाहर खींच सकता हूँ।

कासिम ने बाल्टी हटायी और हुक को रस्सी से बांधा

कासिम ने कुंए मे हुक डाला चारो ओर घुमाया और चारो ओर से चंद्रमा को पकड़ा।

जैसे ही कासिम ने पानी मे झांका वह कुंआ मे चंद्रमा नही देख सकता है।

मैं चांद नहीं देख सकता हूँ। निश्चित ही डूब गया है। जल्दी करना है।

अचानक हुक किसी भारी चीज से उलझ गया। ओह! मैने चंद्रमा को पा लिया लेकिन यह बहुत भारी है। मैं कठिनता से खींचा।

कुछ समय बाद, कासिम अपने होश मे आया। उसने अपनी आँखे खोली और चंद्रमा को आकाश मे देखा।

कासिम ने कठिनाई से खींचा। अचानक रस्सी टूट गयी और कासिम नीचे गिर गया। वह अपने होश खो बैठा।

धन्यवाद भगवान! मैंने चंद्रमा को डूबने से बचा लिया।

कासिम अपने रास्ते पुन: चला।

9 : My Pussy Cat

मैं पूसी से प्यार करती हूँ,
उसको कोट इसलिये गर्म है:
और यदि मैं उसको चोट नहीं पहुँचाती
वह मुझे नुकसान नही करती।

इसलिये मै उसकी पूँछ नही खींचूगी,
न ही उसे भगाऊंगी।
लेकिन पूसी और मै
बहुत शान्ति से खेलूंगी।

वह मेरी ओर बैठेगी।
और मै उसे कुछ खाना दूंगी।
और वह मुझे प्यार करेगी।
क्योंकि मैं एक आदर्श अच्छी हूँ।

Comprehension

A. 1. so warm **2.** hurt my Pussy **3.** I am gentle and good.

B. 1. F **2.** T **3.** T

Grammar & Activity

1. (c) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (b) **5.** (d)

10 : The Naughty Monkey

एक दिन, जंगल मे दो लकड़हारे काम कर रहे थे। वे लकड़ी के एक बड़े लट्ठे को काट रहे थे। वे एक लम्बी आरी का उपयोग कर रहे थे। वे बहुत कठिन परिश्रम कर थे। वह खीचते और धक्का देते। उन्होंने धक्का दिया ओर उन्होंने खींच दिया। स्विश, स्वैश! श्विश, स्वैश! आरी चल रही थी और इधर-उधर हो रही थी। जल्द ही उन्होंने लट्ठे मे गहरा चीरा लगा दिया।

वे बहुत थके हुए ओर भूखे थे। उन्होंने कर मे एक कील लगायी और आरी को नीचे रख दिया। उन्होंने एक बड़े पेड़ के नीचे छाया मे आराम किया।

उन्होंने अपना दोपहर का खाना निकाला और कुछ खाना खाया।

थोड़ी देर बाद, वे सोने लगे।

जल्दी ही, कुछ बन्दर पेड़ से नीचे आये। उन्होंने आदमी को देखा। तब वे लट्ठे के पास गये। उनके समूह मे एक छोटा बन्दर का बच्चा था। उसका नाम चिम्पू था। वह बहुत शैतान था। वह उनके लट्ठे मे कूद गया ओर गाना ओर नाचना शुरु कर दिया।

उसकी माँ ने उसे चिल्लाया, ''चिम्पू! नीचे उतर आओ यह बहुत खतरनाक है।'' लेकिन चिम्पू ने नही सुना। वह लट्ठे के ऊपर नाचता और खेलता रहा। उसने किनारे से खीचना प्रारम्भ किया।

जल्द ही किनारा आया और चिम्पू की पूंछ लट्ठे मे फंस गयी।

आउछ! आउछ। आउच! चिम्पू दर्द से चिल्लाया। लकडहारे ने आवाज सुनी और जग गये। वे लट्ठे की ओर दौड़ने लगे। उन्होंने चिम्पू को पकड़ा और कठोरता से उसे पीठा।

Comprehension

A. **1.** huge log of wood **2.** to and fro. **3.** a wedge **4.** baby monkey in the group.

B. **1.** F **2.** T **3.** T **4.** F **5.** T

C. **1.** wood **2.** hungry **3.** naughty **4.** tail **5.** beat

Grammar & Activity

A. **1.** Two **2.** saw **3.** Chimpu **4.** mother **5.** woodcutter

B. **1.** Two woodcutter were cutting a log of wood. **2.** Some monkeys cam down from the tree. **3.** Chimpu was very naughty. **4.** Soon the wedge came out.

C. Do yourself.

11 : Simmi and the Sparrow

सिम्मी एक छोटी लड़की है। वह पक्षी और जानवरों से प्यार करती है। एक दिन वह अपनी माँ के साथ बाजार से वापिस आ रही थी। रास्ते मे उसने एक गौरैया देखी! वह सड़क पर लेटी थी। यह घायल थी। सिम्मी गौरैया को उठा कर घर ले आयी। ''माँ, क्या यह पुन: उडेगी?'' उसने अपनी माँ से पूछा। उसकी माँ ने कहा, ''सिम्मी, इसे मुझे दो।'' सिम्मी गौरैया को अपने पास ले आयी और इसे सावधानी से देखा। इसका एक पंख टूटा हुआ था।

सिम्मी की माँ ने घाव को पानी से धोया उन्होंने कुछ दवाइयाँ और पट्टी घाव पर लगाया सिम्मी कुछ रोटी के टुकड़े लायी और गौरैया को दिया। गौरैया ने टुकड़े उठा लिये। सिम्मी ने इसे कुछ पानी दिया।

तीन दिनो के बाद, गौरैया ने अच्छा लगा। इसने कमरे मे चारो ओर कूदना शुरु किया। सिम्मी इसे देख कर खुश थी। सिम्मी जहाँ भी गयी गौरैया पीछे पीछे कूदने लगी।

''एक हफ्ते मे, गौरेया पूरी तरह ठीक हो गयी। उसके घाव भर गये। सिम्मी इसे बगीचे मे ले गयी। यह कुछ समयश के लिये उड़ी और तब एक पेड़ मे बैठ गयी। सिम्मी ने खुशी से ताली बजायी। जल्दी ही ये आसमान मे उड़ गयी। सिम्मी और उसकी माँ खुश थे।

Comprehension

A. **1.** little girl. with her mother. **2.** a small sparrow. **3.** washed the wound with clean water. **4.** bread crumbs. **5.** clapped

B. **1.** T **2.** T **3.** T **4.** F **5.** F

C. **1.** (d) **2.** (a) **3.** (e) **4.** (b) **5.** (c)

D. **1.** market **2.** sparrow **3.** washed **4.** Simmi **5.** hopped

Grammar & Activity

A. **1.** enemy **2.** old **3.** false **4.** bad **5.** duffer

B. Duck, Eagle, Sparrow, Parrot, Humming bird, Pigeon, Crow, Owl, Peacock

12 : The Moon

चन्द्रमा को देखो!

वह इतना ऊंचाई मे चमक रहा है,

अरे माँ, उसे देखो

आसमान मे एक लैम्प के जैसे।

पिछले सप्ताह वह बहुत छोटा था

और आकार झुका हुआ था,

लेकिन अब वह बड़ा हो रहा है।

एक 'O' की तरह घूमता है।

Comprehension

A. **1.** a lamp in the sky. **2.** he was smaller. **3.** round

B. **1.** T **2.** T **3.** F **4.** T **5.** F

Grammar & Activity

A. **1.** (d) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (c) **5.** (b)

13 : Festivals of India

भारत हमारी जन्मभूमि है। इसे त्यौहारो की भूमि के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष भर मे हम कई त्यौहारों को मनाते है।

दशहरा: हिन्दू दशहरा दीवाली और होली मनाते है। दशहरा बीस दिनो पहले शुरु होता है। दीवाली के दिन भगवान राम ने रावण को हराया था।

रावण बुराई का प्रतीक था। शाम को रावण, मेघनाद और कुम्भकरण का पुतला जलाया जाता है।

दीवाली: दीवाली रोशनी का त्योहार है। इस दिन भगवान राम चौदह वर्ष के बनवास के बाद वापिस लौटे थे। हिन्दू बहुत उत्साह से ये त्यौहार मनाते है। वे अपने घरो को दिये और बल्ब से सुसज्जित करते है। शाम को वे देवी लक्ष्मी का पूजन करते है और अपने सम्बन्धियों और बच्चे इस पर्व पर पटाखे जलाते है।

गुरुपर्व: सिक्खो के प्रमुख त्यौहार गुरुपर्व है। यह त्योहार उनके गुरु को याद मे मनाते है। लोग गुरुद्वारा जाते है और अरदास करते है।

गुरुद्वारे मे बड़े जलूस निकालते है और लंगर निकालते है।

ईद: ईद मुसलमानों का प्रमुख त्यौहार है। इसे बड़े उत्साह और आनन्द से मनाते है। लोग मस्जिदो मे नमाज पढ़ते है। नमाज के बाद, लोग एक दूसरे से गले मिलते है। इस दिन वे भी उपहार और मिठाइयां बांटते है।

क्रिसमस: क्रिसमस इसाइयों का प्रमुख त्यौहार है। यह प्रत्येक वर्ष २५ दिसम्बर को मनाया जाता है। इस दिन जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था क्रिममस को लोग बहुत उत्साह के साथ मनाते है और दिखाई देते है। लोग अपने घरो मे क्रिसमस के पेड़ से सजाते है और चर्च मे प्रार्थना करते है।

होली: होली मार्च के माह मे मनायी जाती है। यह रंगों का त्यौहार है। लोग एक दूसरे को रंग लगाते है। होली बुराई पर अच्छाई की जीत के लिये मनायी जाती है।

त्यौहार हमारे जीवन मे खुशी और (उत्साह) प्रसन्नता लाते है। वे हमारे हृदय मे प्यार और भाईचारा लाते है।

Comprehension

A. 1. India 2. Ravana, Meghanada, Kumbhakarna **3.** Diwali **4.** Guruparv **5.** great fun and frolic.

B. 1. (d) **2.** (c) **3.** (a) **4.** (e) **5.** (b)

Grammar & Activity

A. 1. Do yourself.

B. Boxes, Children, Men, Festivals

14 : An Evening in the Park

यह बच्चो के बगीचे का चित्र है। बगीचा बहुत सुन्दर दिखता है। कई बच्चे बगीचे मे खेल रहे है। पार्क मे बड़े पेड़ है। चिड़िया एक पेड़ पर बैठी है। कुनाल और सुदीप फुटबॉल खेल रहे है।

कुछ आदमी और महिलाएँ भी बगीचे मे है। कुछ पुरुष टहल रहे है। कुछ महिलाएं बात कर रही है।

प्रिया और रिया रस्सी कूद रही है। कुछ तितलियाँ फूलो पर बैठी है।

अनुज और शुभम हरी घास पर बैठे है। वे काामिक्स की किताबे पढ़ रहे है।

प्रिया के दादीमाँ और दादा भी पार्क मे बैठे है। वे बेंच मे बैठै है।

अब अंधेरा हो गया। सभी बच्चे थक गये। है। इसलिये वे वापिस घर जा रहे है। वे अब अपना गृहकार्य करेंगे। तब वे अपना रात का भोजन करेंगे।

रात का खाना खाने के बाद वे 'शुभ रात्रि' अपने मम्मी और पापा को कहेंगे। तब वे बिस्तर को जायेंगे। अगले दिन वे सुबह जल्दी उठ जायेंगे।

Comprehension

A. 1. very beautiful. **2.** sitting on a tree. **3.** are playing football. **4.** Pria and Ria **5.** Flowers.

B. 1. T **2.** F **3.** T **4.** T **5.** T

Grammar & Activity

A. tree-free, good-would, book-look

B. 1. (b) **2.** (b) **3.** Do yourself.

C. 2. The cat is chasing the rat. **3.** The boy is eating an apple. **4.** A girl is riding a bicycle. **5.** You are reading a book.

15 : Where is My Mother?

अनामिका एक छोटी लड़की थी। वह केवल छ: वर्ष की थी। वह बहुत बेफिक्र थी। एक दिन, उसकी माँ बाजार जा रही थी। उसने अनामिका को अपने साथ लिया।

बाजार मे, अनामिका की माँ अपने एक पुराने मित्र से मिली। वह रुक कर बात करने लगी। अनामिका कुछ देर के लिये खड़ी हुयी। जल्दी ही, वह आगे चली। उसने अपनी माँ का हाथ छोड़ दिया और आगे चली। जल्दी ही वह खिलौने की दुकान पहुंच गयी। उसने ऊपर और ऊपर देखा। इसके बाद उसने दो छोटे कुत्ते के बच्चे (पपी) देखा। कुत्ते के बच्चे भौंके।

वे गली मे चले गये। उनके बाद अनामिका गयी। कुत्ते के बच्चे कार के पीछे छिप गये। अनामिका ने उन्हे देखा लेकिन उनको नही देख सकी। उसने चारो ओर अपनी माँ को देखा। वह अपनी माँ को नही देख सकी। उसने रोना शुरु कर दिया। ''मम्मी! तुम कहाँ हो मम्मी?''

एक दुकानदार ने उसे रोते हुए देखा, ''क्या तुम खो गयी हो? मत रो,'' उसने कहा, तुम्हारा माँ को हम ढूंढ लेंगे। यहाँ प्रतीक्षा करो। ''मैं उन्हें देंखूगा।'' वह अनामिका की माँ को तलाशते बाहर गया। अनामिका की माँ भी रो रही थी। '' मैं अपनी बेटी नहीं ढूढ़ सकती हूँ।

दुकानदार ने कहा, ''तुम्हारी पुत्री वहाँ है। ''मेरे साथ आओ'' वह उसे अनामिका के पास ले गया। अनामिका की माँ बहुत खुश थी। ''आपका बहुत धन्यवाद'' उसने दुकानदार से कहा। ''तुम बहुत अच्छे हो।''

उसने अनामिका का हाथ पकड़ा। उसने कहा, दोबारा मेरा हाथ छोड़ कर जाना। अनामिका मुस्क्रायी।

Comprehension

A. 1. a little girl. six year **2.** with her mother. **3.** beautiful doll **4.** behind a car. **5.** one of her old friends.

B. 1, 2, 5, 4, 3

C. 1. (d) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (b) **5.** (c)

Grammar & Activity

A. 1. are **2.** are **3.** is **4.** is **5.** am **6.** is

B. ball, doll, car, teddy, train, vase, school bus, bat, TV

English Class–3

1 : Spare the Tree

लकड़हारे, उस पेड़ को छोड़ दो!
एक शाखा को भी नही है!
युवावस्था मे मुझे आश्रय दिया,
और मै अब इसकी रक्षा करुँगा।

पेड़ मेरे पूर्वजो का हाथ है
जिसने उसे अपनी चारपाई के पास रखा:
लकड़हारे इसे खड़ा रहने दो
तुम्हारी कुल्हाड़ी इसका नुकसान नही करेगी।

लेकिन जब एक आदर्श लड़का
इस शानदार छाया की तलाश की;
उसकी सारी खुशी मे
यहाँ मेरी बहनो ने भी खेला।

मेरी माँ ने यह मुझे प्यार किया
मेरे पिता मेरे हाथ को पकड़ा (दबाया)
इस मूर्खतापूर्ण आँसू को क्षमा करो
लेकिन उस पुराने ओक को खड़ा रहने दो।

Comprehension

A. **1.** The poet told the woodman, spare that tree and do not touch a single bought. **2.** The tree gave the poet shelter when he was young. **3.** The forefather's planted the tree.

B. **1.** F **2.** T **3.** T

Grammar & Activity

A. **1.** (c) **2.** (a) **3.** (e) **4.** b) **5.** (d)

B. Near, Idle, Foolish, Stand

2 : Seasons in India

मई का महीना था। देखो, आकाश मे सूरज की चमक चमक रही है। यह बहुत गर्म है। रोहन को प्यास लग रही है। वह पंखे के नीचे बैठा है। वह ठण्डा पानी पी रहा है। सभी तालाब सूख गये है। पेड़ो की पत्तियों भूरी हो गयी है। सभी वर्षा होने की प्रतीक्षा कर रहे है।

यह जुलाई का माह है। आसमान अंधेरे बादलों से ढका है। प्रत्येक अब तब वर्षा होने वाली है। मैदान मे छोटे गड्ढे है तालाब भी पानी से भर गये थे। रोहन भी बाहर जाना चाहता था और कागज की नाव छोटे गड्ढो मे तैराता। किसान अपना खेत जोत रहे है।

यह दिसम्बर माह है। बाहर बहुत ठण्ड है। टीना गर्म कपड़े पहने है। वे अपने को गर्म रखते है। वह गर्म चाय पी रही है।

यह फरवरी का माह है। आसमान साफ और नीला है। सूरज आसमान मे चमक रहा है। यह प्यारी सुबह है। घास हरी है। बगीचे मे कई फूल है।

Comprehension

A. **1.** May month is very hot. **2.** Everybody is waiting for the rain. **3.** It is the month of July. The sky is covered with dark clouds. **4.** Rohan wants to go out and sail his paper boats in the small puddles. **5.** brown

B. **1.** T **2.** F **3.** T **4.** T **5.** T

Grammar & Activity

A. **2.** Cold **3.** Feeling **4.** Grass **5.** Puddles **6.** Weather

B. a, an, a, an, a, an, an, a, a

3 : Congratulations Mr Tappit !

मि० तापित एक खिलौने बनाने वाला था। बचपन से, वह खिलौने बना रहा था। अधिकतर अपने द्वारा बनाये गये खिलौने वह अपनी दुकान मे प्रदर्शित करता था१

''कल'' एक रात मि० तापित कहा, जब अपनी दुकान बन्द, कर रहे थे '' मै पचास साल एक खिलौने बनाता रहूँगा।'' उसने अपनी खिलौने की दुकान ताला लगाया और घर गया।

दुकान मे सभी खिलौने ने सुना जो मि० तापित ने कहा।

एक बेबी डॉल ने कहा ''हम कल पार्टी करेंगे।'' ''आज के साथ!'' टैडी ने कहा। अलमारी के सभी खिलौने चिल्लाये '' और आतिशबाजी'' खिड़की के खिलौने चिल्लाये ''हम सब तीनो कर सकते है!'' ''हाँ! हम सब एक पार्टी, उपहार और आतिशबाजी!'' बार्बी डाल ने कहा!

एक बडा केक मत भूलना!'' एक छोटा चूहा चिल्लाया। ''चलो एक की तैयारी करते है,'' उन चारो ओर के इकट्टे हो गये टैडी ने कहा।

अगली सुबह सब कुछ तैयार था। अगली सुबह, मि० तापित ने अपनी खिलौने की दुकान को खोला जैसे ही अन्दर की ओर कदम रखा------ फर्श के बीचो बीच मे एक बहुत बड़ा सा केक दिखाई दिया।

अचानक से सहसा जोर से धमाका हुआ, और सभी आकार के खिलौने विशाल केक से बाहर कूद गये।

उनमे से कुछ उपहार के, कुछ कार्ड्स के और कुछ ने एक सुन्दर बर्फीला केक पकड़े हुए थे।

''मि० तापित: बधाई हो'' वे झण्डे को हिलाते हुए खिलौने चिल्लाये और रोशनी किरणे फेंकी।

''क्या आश्चर्य है!'' मि० तपित धीरे से खुश हुए और हँसे! ''तुम सब कितने अच्छे हो तुमने मुझे बहुत खुश कर दिया।''

हम सब बहुत आतिशबाजी रात को करेंगे।'' छोटा चूहा चीखा और वह अपने केक को खाने के लिये भाग गया।

Comprehension

A. **1.** Mr Tappit was a toy marker. **2.** Since childhood, he

had been making toy. **3.** All the toys in the shop overhead what Mr Tappit had said. **4.** The toys decided a party tomorrow. **5.** The tiny mouse squeaked and remind them about a great big cake.

B. 1. baby doll **2.** wind up toy **3.** Tinny mouse **4.** Mr Tappit **5.** Tiny mouse

C. 1. displayed **2.** baby **3.** fireworks **4.** bang **5.** happy

Grammar & Activity

A. 2. I ate many bananas. **3.** The dolls congratulated Mr Tappit. **4.** The cats chased the mice. **5.** The birds were flying in the sky.

B. Do yourself.

4 : Curlylocks and the Three Bears

एक बार एक लड़की घुंघराले बालो वाली तथा सुन्दर थी। उसका नाम करली लाक्स था। एक दिन वह जंगल के पास अपने घर गयी। उसने एक छोटी सी झोपड़ी देखी।

उसने पूछा क्या कोई अन्दर है? वहाँ कोई नहीं है। एक भालू का परिवार छोटी झोपड़ी मे रहता था। वे टहलने के लिये गये करलीलॉक्स अन्दर गयी। वह देखना चाहती थी कि कौन रहता है।

उसने मेज़ पर तीन खिचड़ी के कटोरे देखे। वहाँ एक बड़ा कटोरा पापा भालू और मध्यम आकार का कटोरा मम्मी भालू और सबसे छोटा कटोरा बेबी भालू के लिये था।

करली लॉक्स भूखी थी। उसने बड़े कटोरे से खिचड़ी खायी। यह बहुत गरम थी। उसने मध्यम आकार के कटरे से खाया। यह बहुत ठण्डी थी। उसने सबसे छोटे कटोरे से खाया। यह बिल्कुल सही थी।

करलीलॉक ने सब खिचड़ी खायी। तब वह शयनकक्ष गयी।

वहाँ एक बड़ा बिस्तर पापा भालू के लिये एक मध्यम आकार का बिस्तर उसके मामा भालू और एक छोटा बिस्तर बेबी भालू का था।

बड़ा बिस्तर बहुत कठोर था। मध्यम आकार का बिस्तर बहुत मुलायम था। लेकिन सबसे छोटा बिस्तर बिल्कुल ठीक था।

कर्लीलॉक्स सबसे छोटे बिस्तर पर सो गयी। भालू का परिवार वापस आ गया।

''कोई मेरी खिचड़ी खा गया!'' मम्मी भालू ने कहा। ''कोई मेरी भी खिचड़ी खत्म कर गया,'' छोटे भालू ने अपने धीमे स्वर मे कहा।

भालू का परिवार बिस्तर मे (शयनकक्ष) मे गये। ''कोई मेरे बिस्तर मे सो गया,'' अपने बडी कर्कश स्वर मे भालू पापा चिल्लाया। ''मेरे बिस्तर मे भी कोई सो गया,'' मम्मी भालू ने कहा। कोई मेरे बिस्तर मे सो गया!'' बेबी भालू ने अपने धीमे स्वर मे कहा।

करलीलॉक जग गयी। उसने तीन भालू को देखा। वह नीचे कूद गयी और झोपड़ी के बाहर जितनी तेज़ी से भाग सकती थी भाग गयी।

Comprehension

A. 1. Curlylocks saw a small cottage in the forest. **2.** A bear family lived in the cottage. **3.** Curlylocks saw three bowls of porridge on the table. **4.** Curlylocks was hungry taht's why she ate up all the porridge from the Baby Bear's bowl. 5. bears

B. 1. T **2.** T **3.** T **4.** F **5.** F

Grammar & Activity

A. 1. hair 2. there 3. bear 4. hot 5. little

B. 1. small **2.** big **3.** tiny; little **4.** tiny; little **5.** very **6.** big; very

5 : Lisha Learns to Read

लीसा पाँच साल की प्यारी छोटी लड़की है। उसके बाल घुंघराले और गहरी भूरी आंखे है। वह एक सम्मिलित परिवार मे रहती है। वह सारे परिवार के सदस्यों को प्यारी नही है बल्कि पड़ोसियों को भी प्यारी है।

पूरा परिवार बहुत ही उत्सुक होता था जब लीसा याद करने के लिये पढ़ती थी। दादी और बाबा ने कई सारी किताबे और दृश्य चित्र लीसा के पढ़ने के लिये मंगवाई। मम्मी और पापा ने दुकानो मे जाकर लीसा के लिये कई किताबे खरीदी जिसमे जादुई टापू की यात्रा कहानियाँ परियो की कहानी और बहुत सी दूसरी रोमाचंक कहानियो की किताबे ली। लीसा ने सब पढ़ ली। एक दोपहर जब सब लोग साथ बैठकर टीवी देख रहे थे लीसा ने अपनी किताबे से एक किताब ली और उसका पहला पन्ना खोला।

क्या मैं इसमे से एक कहानी पढ़ सकती हूँ राजकुमारी और मटर की? छोटी लड़की ने पूछा। और सब तैयार हो गये क्योंकि सब प्यारी बच्ची को सुनना चाहते थे।

एक समय की बात है, लीसा ने पढ़ना शुरु किया और तब तक पढ़ती रही जब तक उसने पूरी कहानी पढ़ नही ली।

लीसा ने पूछा क्या दूसरी कहानी सुनना पसन्द करेंगे। स्वाभाविक था, सबने हाँ कर दिया तो उसने एक दूसरी किताब उठायी फिर पढ़ने लगी। लीसा लगातार एक कहानी से दूसरी कहानी पढ़त रही ओर सब उसको ध्यान से सुनते रहे। तब लीसा ने सोचा।

Comprehension

A. 1. Lisha is a sweet little girl of five years. **2.** Lisha lives in a joint family. **3.** Grandma and Grandpa ordered a whole set of story books for Lisha. **4.** Mom and Dad bough for LIsha a whole set of books of adventures on magic islands, fairy tales and other interesting books. **5.** excited

B. 1. F **2.** T **3.** T **4.** T **5.** F

C. 1. joint **2.** excited **3.** Princess **4.** whole **5.** listened

Grammar & Activity

1. a **2.** the **3.** an **4.** the

6 : Letter

मैं एक पत्र लिख रही हूँ

इसे डाक द्वारा भेजूंगी;
यह उस व्यक्ति के लिये है
जो मेरी सबसे ज़्यादा परवाह करता है।
मैने तारीख साफ साफ लिखी
और पता लिखा;
और शुरुआत करो'' मेरे प्यारी माँ,
(क्या किसी ने सोचा था?)
मै पेन से बहुत धीमे लिख रही थी
पूरे लम्बे पन्ने के ऊपर
क्योंकि मै बहुत उत्सुक थी
कि सब साफ लिखा जाय।
मैंने पन्ने को पलटा
और पेन से फिर लिखने लगी
जब तक आखिरी मे चुम्मी नही दी
दस के लिये बस कमरा है!
मेरा लिफाफा तैयार है
मैंने उस पर डाकटिकट लगा दिया है।
और मैं भाग कर पोस्ट-बॉक्स गयी
और अब यह चला गया।

Comprehension

A. **1.** Dearest mummy, the poet writing the letter. **2.** The poet wrote slowly because he is so anxious to keep it all neat. **3.** Ten kisses the poet mark in the letter.

B. **1.** F **2.** F **3.** T

Grammar & Activity

1. (d) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (c) **5.** (b)

7 : The Selfless Act

बहुत पुराने समय एक महान राजा रहता था। वह बहुत दयालु और बहादुर था। वह अपनी प्रजा को बहुत प्यार करता था। वह हमेशा अपने राज्य के लोगो की भलाई के लिये कार्य करता था। इस लिये वहाँ के लोग भी उसे प्यार करते थे ओर मानते थे।

एक दिन, राजा अपने घोड़े की सवारी करते हुए गाँव पहुँचा। उसके कुछ सैनिक पीछे चल रहे थे। रास्ते मे उसने एक बूढ़े आदमी को खेतो मे काम करते देखा।

यह बूढ़ा आदमी अपने खेतो मे क्या कर रहा है, राजा ने अपने सैनिको से पूछा:, उसमे से एक सैनिक ने कहा ये अपने खेत को खोद रहा है और आम के पेड़ लगा रहा है।

वह आदमी बहुत थका हुआ और कमजोर दिख रहा था। राजा को उसके ऊपर बहुत दया आया। राजा अपने घोड़े से उतर कर उसके पास गया, सुप्रभात, तुम इतने गर्म सूर्य की गर्मी मे क्या कर रहे हो, राजा नू पूछा।

मै आम के पेड़ लगा रहा हूँ जो कि बड़े होने पर मीठे स्वादिष्ट फल देंगे। उस बूढ़े व्यक्ति ने धीमे से कहा।

लेकिन यह बहुत लम्बा समय लेगे और तुम बहुत कमजोर और बूढ़े हो। तुम बहत समय तक जीवित नही रहोगे कि तुम इन आमो को खा सको राजा ने कहा।

बूढ़े ने मुस्क्राते हुए कहा कि राजन आप सही कहते है, ''मै शायद इनके फल न खा सकूँ लेकिन दूसरे तो खायेगें'' मै ये पेड़ उनके लिये लगा रहा हूँ राजा उसके जवाब से बहुत खुश हुआ। उसने कहा कि तुम बहुत ही अच्छे और दयालु इन्सान हो।

तब राजा ने अपने एक सिपाही को बुलाया और कहा। वह सिपाही महल की तरफ वापिस चला गया और जल्दी ही अपने हाथ मे सोने का आम लेकर जल्दी ही लौटा।

राजा ने वह आम बूढ़े आदमी को दिया और कहा,'' कृपया यह छोटा सा उपहार स्वीकार करे आपकीर दयालुता के लिये''।

''धन्यवाद महाराज'', उस बूढ़े व्यक्ति ने मुस्क्राते हुए कहा, ''यह मेरा पहला फल है छोटे से पेड का!''

Comprehension

A. **1.** The king was very kind and brave. **2.** King always worked for the welfare of the people of his kingdom, so the people of the kingdom love and admire the king. **3.** King sent to the village riding on his horse. **4.** Old man was digging the soil and planting sapling. **5.** The king gave the old man a golden mango because this is the first fruit of that trees. **6.** mango

B. **1.** subjects **2.** pity **3.** tasty **4.** sapling **5.** accept

Grammar & Activity

A. **2.** She **3.** I **4.** We **5.** They

B. Do yourself.

8 : The Mama Duck and Her Ducklings

मम्मा बत्तख और उसके छोटे बत्तख

पीटर तालाब' के किनारे टहल रहा था। उसने मम्मा बत्तख को देखा जो अण्डो के ऊपर बैठी थी पीटर ने पूछा,''आप यहाँ क्यो बैठी है, मैं अपने अण्डे को से रही हूँ'' माँ बत्तख ने बड़े उत्साहित हो कर जवाब दिया।

'' जल्द ही इसमे से बहुत ही सुन्दर बत्तख के बच्चे बाहर आ जायेगे।''

''तुमको ये कैसे मालूम कि ये तुम्हारे ही अण्डे है?''

''थोड़ा इन्तजार करो,'' तुम खुद ही देख लेना'' माँ बत्तख ने कहा,

तभी अचानक, उन अण्डो मे से एक टूट गया और एक बत्तख का बच्चा बाहर आ गया। माँ बत्तख ने बहुत प्यार से अपने पंखो मे समेट लिया। बारी-बारी से, चार और बत्तख के बच्चे अपने खोलों से बाहर आ गये।

''देखो, ये बत्तख के बच्चे अपने जन्म के पहले ही दिन से तैरना सीख जाते है। माँ बत्तख ने कहा।

''आओ बच्चो! तैरने चलते है।'' माँ बत्तख ने अपने छोटे बच्चो से कहा और तब तालाब के अन्दर चली गयी।

तब छोटे बत्तख के बच्चे अपने छोटे पैरो पर खड़े हुए और अपनी माँ के पीछे चल दिये। वह तालाब मे भागो मे बंट कर तैरने लगे जैसे वो इसे सीख कर आये हो।

पीटर ने उनको हाथ हिलाते हुए अलविदा कहा, और अपने रास्ते चला गया।

Comprehension

A. **1.** Meadow was near the pond. **2.** Mama duck was sitting on her eggs. **3.** By and by five little beautiful ducklings came out of the eggs. **4.** A duckling can swim from the very first day of its birth. **5.** The Mama Duck called her little duckling for a swim and then entered into the pond. **6.** tiny

B. **1.** T **2.** T **3.** T **4.** T **5.** F

Grammar & Activity

A. **1.** lion **2.** dog **3.** duck **4.** horse **5.** elephant

B. **1.** puppy **2.** kitten **3.** cub **4.** calf **5.** chick

C. one, many , one, one, many, many, many, one, many

9 : The Garden Fairy

मीठू को फूल प्यारे है। वह लाल, सफेद, गुलाबी, नीले, और पीले फूल को प्यार करती है। उसे नारंगी और बैंगनी फूल भी पसन्द है। मीठू उन्हे बहुत प्यार करती है इसलिये वह उन्हे तोड़ती और अपने कमरे मे रख लेती। लेकिन ऐसा करना अच्छा नही था। आप का क्या विचार है?

मीठू को देखा। वह एक डलियां के साथ बगीचे मे जा रही है। वह और अधिक फूलो को तोड़ने जा रही है।

यह क्या है? बगीचे के सभी फूल मुरझा गये! पेड़ और पत्तियाँ भी मुरझा गयी और भूरी हो गयी। और कोई रंग नहीं दिख रहा है।

मीठू जब बहुत दुखी है। वहाँ कोई नही था जिससे वह पूछ सकती कि क्या हुआ था। मीठू ने फूट-फूट कर रोना शुरु कर दिया।

अचानक उसने एक आवाज सुनी। उसने अपने चारो ओर देखा और पेड़ के नीचे खड़ी एक छोटी सी परी को देखा। परी भी दुखी दिखाई दे रही थी।

परी : मीठू तुम क्यों रो रही हो?

मीठू : बगीचे मे कोई फूल नही है। सारे रंग भरे फूल कहाँ चले गये?

परी : फूल मुरझा गये इसलिये तुम्हे उनको नहीं तोड़ना चाहिये।

मीठू : मै फूलो को प्यार करती हूँ। मै उन्हें तोड़ती हूँ और उन्हे अपने कमरे मे रखती हूँ।

परी : लेकिन मीठू, यदि तुम उन्हें तोड़ोगी तो उन्हे कोई नही देख सकता। मधुमक्खियां और तितलियाँ उनसे शहद नहीं इकट्ठा कर सकती। फूलों को यह पसन्द नहीं है। वे बगीचे मे रहना चाहते है और धूप मे खेलना चाहते है। वे मधुमक्खी और तितलियों को खिलाना चाहते है। इसलिये उनकी रंग भरी मुसक्राता खो गयी।

मीठू : अब मै समझी। लेकिन यह बगीचा अब पुन: कैसे रंगभरा हो सकता है। प्यारी परी, मै अपने फूलो को वापिस रंग भरा चाहती हूँ।

परी : यह बगीचा पुन: रंगों से भरा हो जायेगा यदि तुम वादा करोगे कि कभी फूल नहीं तोड़ोगी।

मीठू : मै वादा करती हूँ, मैं वाद करती हूँ-------- अचानक मीठू ने अपनी माँ की आवाज सुना।

माँ : मीठू, उठ जाओ। सुबह हो गयी। चलो बगीचे जाते है। यह कितने प्यारे फूल है।

मीठू : ओह मम्मी! परी कहाँ है? उसे बता दो कि मै पुन: कभी फूल नहीं तोड़ूगी।

मीठू अब फूलो से प्यार करती है, लेकिन अब वह उन्हे कभी नहीं तोड़ती। वह प्रतिदिन पौधो को पानी देती है। वह उन्हे देखती और प्रसन्नता महसूस करती है। उसे अपना वादा याद है। मीठू फूलो को जीवित और उगाना चाहती है।

Comprehension

A. **1.** Mithu loves red, white, pink, blue and yellow flowers. **2.** Mithu loves them so much that she plucks them and keep them in her room. **3.** Mithu heard a voice of little fairy standing under a tree one day. **4.** Mithu saw a little fairy standing under a tree. The fairy also looks sad. **5.** The fairy told Mithu that the flowers have withered so that you don't pluck them. **6.** fairy

B. **1.** T **2.** F **3.** T **4.** T **5.** T

Grammar & Activity

A. **1.** white **2.** black **3.** busy **4.** slow **5.** cold

B. **1.** Mithu **2.** Delhi; India **3.** Shiela **4.** Rohit **5.** Abhinav; Himalayas **6.** Dhoni

10 : Ganga : The Holy River of India

भारत हमारी मातृभूमि है। यह एक बहुत बड़ा देश है। हमारे देश में कई सुन्दर नदियाँ है। गंगा, यमुना, गोदावारी, कृष्णा और ब्रहमपुत्र आदि कुछ हमारे देश की प्रमुख नदियाँ है। उनमे से गंगा सबसे अधिक पवित्र नदी है। वह सौ सालो से लोगो के द्वारा पूजी जाती है।

गंगा हिमालय से निकलती है। हिमालय का दृश्य भी बहुत सुन्दर है। ऊँचे पर्वत, वहाँ अजीब और सुन्दर जगहे है। हिमालय की चोटी

आसमान को छूते दिखाई देती है। वे हमेशा बर्फ़ से ढ़की रहती है।

गंगा जिस स्थान से निकलती है वह गाय के मुख जैसा प्रतीत होता है। इस लिये इसे गौ-मुख बुलाते है। गौमुख ऊंचाई पर विशेष बर्फीली गुफा हिमालय मे है। इसे गंगा का जन्म स्थान के नाम से भी जाना जाता है। गंगा का उद्गम स्थान ऊँचाई पर बर्फीली गौ-मुख गुफा है। बर्फ के छोटे टुकड़े हो जाते है। और पिघल जाते है। इस प्रकार, पानी बनता है। गंगा गौ-मुख गुफा से निकलने वाली एक छोटी धारा है। जैसे ही वह आगे बढ़ती है, अन्य व छोटी धाराएं उनसे जुड़ जाती है। इस प्रकार वह बड़ी और बड़ी होती जाती है।

गंगा का बहाव पहाड़ियों से ऋषिकेश पर से बहता है। तब यह नीचे समतल पर हरिद्वार पर आती है।

ऋषिकेश और हरिद्वार हिन्दुओं का तीर्थयात्रा के दो प्रसिद्ध स्थान है। पूरे वर्ष मे लोग इन स्थानो को देखने और गंगा से स्नान करने आते है। नदी के किनारे स्थित मंदिरो मे वे पूजा और प्रार्थना करते है।

कई दूसरे प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जैसे वाराणसी, प्रयागराज (अलाहाबाद) आदि भी गंगा नदी के किनारे बसे है, पसन्द किये जाते है।

गंगा उत्तरी मैदानों से होकर बहती है और इसे बहुत उपजाऊ बनाती है। गंगा नदी से सटे खेतो मे कई फसले उगायी जाती है। जहाज और नाव नदी पर चलते है। उनके किनारे दोनों ओर हरे-भरे खेत है। धाना के पानी की नहरो के माध्यम से खेतों मे ले जाया जाता है।

इलाहाबाद मे दो प्रसिद्ध नदी यमुना और सरसस्वती गंगा से जुड़ती है। जिस स्थान मे वे दोनों मिलती है उसे त्रिवेणी या संगम कह कर बुलाते है। हिन्दुओं के अनुसार यह एक बहुत पवित्र स्थान है। प्रत्येक बारह वर्ष बाद यह कुभ के मेला मनाया जाता है। लाखों तीर्थयात्री पास के और दूर के इस संगम मे स्नान करने (डुबकी) लगाने के लिये आते है।

एक लम्बे दूरी के बाद, गंगा पश्चि चमी बंगाल मे प्रवेश करती है। यह नदी हुंगली कहलाती है। नदियों की यात्रा एक अन्त मे आती है जब वह बंगाल की खाड़ी मे जुड़ कर विलीन हो जाती है।

Comprehension

A. **1.** Name of some major rivers of our country– The Ganga, Yamuna, Godavari, Krishna, and Brahmaputra etc. **2.** The Ganga originates high up in the icy Gomukh cave. **3.** Rishikesh, Haridwar are two famous place and many other famous place of pilgrims like Varansi, Prayagraj (Allahabad), etc. are also situated on the bank of the river Ganga. **4.** The Ganga flows through the northern plains and makes it very fertile. many crops are grown on the fields adjacent to the river Ganga. **5.** Bay of Bengal

B. **1.** T **2.** T **3.** F **4.** T **5.** T

C. **1.** (b) **2.** (d) **3.** (e) **4.** (a) **5.** (c)

D. **1.** scenery **2.** is a ice cave **3.** pilgrimage **4.** fair **5.** Bay of Bengal.

Grammar & Activity

1. in **2.** under **3.** at **4.** into **5.** over **6.** on **7.** with **8.** behind **9.** from **10.** upon

11 : What are They Made of?

वे क्या बनाते है।
छोटे लड़के क्या बना रहे है?
छोटे लड़के क्या बना रहे है?
मेढ़क और घोंघे और छोटे कुत्ते की पूंछ
और वह छोटे लड़के बना रहे है।
छोटी लड़की क्या बना रही है?
छोटी लड़की क्या बना रही है?
चीनी और मसाला और सब अच्छा है,
और यह छोटी लड़कियाँ बना रही है।
युवा पुरुष क्या बना रहे है?
युवा पुरुष क्या बना रहे है?
आह, और लीवर और मगमरमच्छ के आँसू
और वे युवा पुरुष बना रहे है।
युवा महिला क्या बना रही है?
युवा महिला क्या बना रही है
डाकू और फीते और मीठी प्यारे चेहरे
और वह युवा महिला बना रही है।

Comprehension

A. **1.** Frogs and snails and little dogs tails that are little boys made of. **2.** Sighs and leers and crocodiles tears that are young men made of. **3.** Ribbons and laces and sweet pretty faces that are young women made of.

B. **1.** T **2.** T **3.** T

Grammar & Activity

A. **1.** (d) **2.** (c) **3.** (b) **4.** (a)

B. Small, Beautiful, Young, Sweet

12 : The Talkative Tortoise

एक कछुआ एक तालाब मे रहता था। वह बहुत बातूनी था। पास मे ही दो हंस भी रहते थे। तीनो बहुत अच्छे दोस्त हुए। एक बार वर्षा नहीं हुयी। तालाब सूख गये। हंसो ने किसी ओर स्थान मे जाने का निश्चय किया। उन्होंने अपने विचार के बारे मे कछुआ को बताया। अब पढ़ते है-----

हमने जंगल के मध्य मे एक अच्छा तालाब देखा है। वहाँ पानी भी साफ है। हम कल से रह रहे है।

क्या तुम मुझे मरने के लिये यहाँ छोड़ दोगे मेरे मित्रो?

लेकिन हम क्या कर सकते है? हमारे जैसे तुम उड नहीं सकते।

कृष्णा मुझे अकेले मत छोड़ा (मुझे अपने साथ लेती अथवा मे मर जाऊँगा)

हंस ने कुछ समय के लिये सोचा

विचार किया। हम अपने साथ तुम्हे ले जा सकते है। हम एक छड़ी दोनों ओर से पकड़ते है और तुम अपने मुँह से मध्य मे पकड़ोगे। लेकिन तुम बहुत बातूनी हो। तुम्हें अपना मुँह नहीं खोलना चाहिये नहीं तो तुम गिर जाओगे और मर जाओगे।

अगले दिन, हंस एक छड़ी के साथ आये।

अपने मुँह से यह छड़ी पकड़ो लेकिन तुम याद रखना तुम्हारा मुँह नहीं खोलना चाहिए।

चिन्ता मत करो! मैं अपना मुँह कभी नहीं खोलूगा।

हंस छड़ी के साथ उड़े कछुआ ने छड़ी के मध्य कस के पकड़ा।

वे एक गाँव से गुजरे। कुछ छोटे बच्चे वहाँ खेल रहे थे। अचानक उन्हें एक कछुआ दिखाई पड़ा।

देखो! कितना मजाकिया दृश्य है! कछुआ हंसों के साथ उड़ रहा है।

जल्दी ही यह गिर जायेगा और हम इसे मार कर खा जायेंगे।

कछुए ने उन्हें सुना और क्रोधित हुआ। वह हंसो की सलाह भूल गया। जैसे ही उसने कुछ कहने के लिये अपना मुँह खोला, उसने अपनी पकड़ खो दी और नीचे गिरने लगा।

कछुआ जमीन पर गिर गया और मर गया। बच्चे जोर से (प्रसन्नता) चिल्लाये।

अरे! हम इसे आज खायेंगे।

उन्होंने मरे कछुए को उठाया और गाँव की दौड़े।

13 : Master Lin

चाइना मे एक छोटा लड़का रहता था। उसका नाम मास्टर लिन था। वह पेटू था। उसे पूरा दिन खाना पसन्द था। जब भी तुम उसे देखते, तुम खाने को ढूढ़ते। वह खाता और पूरा दिन खाता। अकसर उसकी माँ कहती, इतना मत खाओ, कभी अपनी माँ को आज्ञा नहीं मानता। उसके पिता भी उसे डांटते। लेकिन उनकी परेशानी कभी कम नहीं हुयी।

सुबह मे, मास्टर लिन के पास अण्डे, मीट (मांस) ओर बहुत सारा दूध था। नाश्ते के बाद उसने कहा, मै थका हुआ महसूस कर रहा हूँ।'' मैं सोने जा रहा हूँ मुझे कोई परेशान नहीं करे।

वह केवल दोपहर के भोजन पर उठूंगा। तब वह पुन: अपने दोपहर के खाने के लिये बैठ गया। पहले उसने एक बड़ा सूप का कटोरा बढ़ती भूख के साथ उठाया। तब उसने बहुत सारे चावल अण्डे के साथ मटन और विभिन्न प्रकार की मछलियाँ खायी उसने कई प्रकार की सब्जियाँ भी अच्छे से खायी इसके बाद, मिठाई के लिये उसके पास फलो की टोकरी थी।

चाय के समय पर उसने बहुत सारे केक, बिस्किट और रोटियों के पीसेस खाये। उसने एक भरा दूध का जग भी पिया। वह खाना तभी रोकता जब वह सोता था।

कुछ दिनो बाद वह इतना मोटा हो गया कि वह अधिक नही चल सकता था। वह आलसी भी हो गया। लेकिन उसने खाना नहीं रोका।

एक दिन, उसके पेट मे गम्भीर दर्द हुआ था। ना ही वह खा सकता था ना ही पूरा दिन सो सकता था। उसकी माँ बहुत चिन्तित थी। उसने उसे डॉक्टर के लिये भेजा। डॉक्टर ने उसका पूर्णतया जाँच की। तब उसने उसे कम खाने की सलाह दी और हल्का व्यायाम करने को कहा। लेकिन मास्टर लिन ने उसकी सलाह नहीं मानी। वह हमेशा की तरह खाना जारी रखा।

एक दिन पुन: डॉक्टर आया। उन्होंने मास्टर लिन को अपने चिकित्सालय मे जांच करने के लिये जाने को कहा। इस लिये मास्टर लिन के अपनी कार मे डॉक्टर और उससे कहा उत्तर जाओ। मास्टर लिन फंस गया था। जैसे ही वह नीचे उतरा, डॉक्टर ने उसे चलने को कहा दिया। उसे बहुत बुरा (क्रोधित होना) और वह चल दिया। उसे बहुत बुरा महसूस हुआ।

अब उसे डॉक्टर ने कहा, अब तुम इतने मोटे हो, तुम आसानी से चारो ओर चल नहीं सकते। यह भयानक है तुम्हारे हृदय के लिये यदि तुम इसे नहीं रोकते। तुम एक स्मार्ट युवा लड़को हो। क्या तुम समय से पहले मरना चाहते हो?

मास्टर लिन ने डॉक्टर के शब्दों में सत्यता महसूस की।

धीरे से उसने खाना कम कर दिया और प्रत्येक खाने को कम किया। पहले से ज्यादा बेहतर महसूस किया। उसके माता-पिता और उसका डॉक्टर बहुत खुश थे।

Comprehension

A. **1.** Master Lin was a glutton. **2.** A little boy lived in China was master Lin. **3.** Don't eat so much, otherwise you will become fat and lazy. **4.** Mater Lin ate eggs, meat and plenty of milk in his breakfast. **5.** His mother sent to a doctor because he had a severe stomach ache.

B. **1.** F **2.** T **3.** F **4.** F **5.** T

C. 1. eat **2.** scolded **3.** puffed and panted **4.** severe **5.** appetite

Grammar & Activity

2. Lin is eating the food. **3.** Lin was a very fat boy. **4.** You are reading a book. **5.** A girl is riding a bicycle.

14 : Our Green Friends

प्रिया एक छोटे से घर मे रहती थी। उसके घर के सामने एक प्यारा सा बगीचा था। उसके बगीचे मे बड़े और छोटे कई पेड़ थे। एक दिन, बहुत तेजी से हवा चली। कुछ बगीचे मे कुछ पेड़ तुफान से गिर गये। माली चोट लगने से बच गया।

''अरे! गरीब आदमी!'' प्रिया ने कहा। वह अपना जीवन आज खो

देगा। डैडी, मैं पेड़ नही पसन्द करती। मैं उनसे नफरत करती हूँ। वे हमारे शत्रु है।

''अे नही, प्रिया'' डैडी ने कहा। ''पेड़ हमारे वास्तविक मित्र है।''

प्रिया ने कहा, ''मै विश्वास नही करती डैडी,'' डैडी ने कहा, ''देखो प्रिया! पेड़ वास्तव मे हमारे मित्र है। हमे उनसे बहुत-सी उपयोगी वस्तुएँ प्राप्त होती है। क्या तुम मुझे कुछ फलों के नाम बता सकती हो।

प्रिया ने कहा, '' हाँ, डैडी। आम, सन्तरा, केला, सेब, अमरुद, पपीता और चीकू कुछ ऐसे फल हम सब को पसन्द है।

''हाँ मेरी प्यारी बच्ची!'' डैडी ने कहा, 'और यह फल पेड मे ही बढ़ते है।

प्रिया, क्या तुम कुछ आम पेड़ो के नाम बता सकती हो? डैडी ने पूछा।

''हाँ, डैडी! नीम, पीपल, बरगद, और नारियल कुछ मामूली पेड़ है जिसे हम अपने चारो ओर देखते है।''

डैडी ने कहा, ''बहुत अच्छे'' ये सभी पेड़ हमारे लिये लाभदायक है। ये सब हमे फल और फूल देते है (कुछ हमे दवाइयाँ भी देते है।) वे हम लकड़ियाँ देते है, वे हमे छाया देते है, वे हवा को शुद्ध करते है। वे हमारे लिये वर्षा लाते है, वे बाढ़ को मियत्रित करते है और वे पक्षियों और जानवरों को शरण देते है। इतना सब के बाद, वे हमे लाभदायक गैसे: ऑक्सीजन जो कि हम सब के जीवित रहने के लिये आवश्यक है।

प्रिया ने पूछा, ''डैडी, क्या छोटे पेड़ भी लाभदायक है हमारे लिये?

डैडी ने उत्तर दिया, ''हाँ प्रिया, छोटे पेड़ भी हमारे लिये लाभदायक है। है। वे हमे भोजन, सब्जियाँ और कई दूसरी वस्तुएँ देते है। हम पौधों से रेशम प्राप्त करते है। ये रेशम से हमारे कपड़े बनते है।''

''धन्यवाद, डैडी, प्रिया ने कहा। '' अब मै समझ गयी कि पेड़ और पौधे कितने महत्वपूर्ण है। हमे और अधिक पौधे और अधिक पेड़ लगाने चाहिये। लम्बे समय तक पेड़ जीवित रहते है!

Comprehension

A. **1.** The garden was in front of Priya's house. **2.** The storm knocked down a few trees in the garden. **3.** Priya hated trees because he would have lost his life today. **4.** Oh, no Priya siad Daddy "Trees are our real friends." **5.** food

B. **1.** narrowly **2.** enemies **3.** Trees **4.** shelter **5.** plant

Grammar & Activity

1. a **2.** The **3.** a; an **4.** a; a; an; the **5.** The; the

1 : A Better World

थोड़ा और धैर्य,

थोडी और भक्ति,

थोड़ी सी सहनशीलता,

थोडी सी भावना।

थोडे से लोभ से,

थोड़े से अभिमान से,

थोड़े से क्रोध से,

थोड़े से क्लेश से।

यदि तुम इस सलाह का अनुसरण करोगे,

मेरे बच्चो, तुम इस दुनिया को

एक बेहतर जगह बनाओगे

और एक बेहतर जीवन जी पाओगे।

Comprehension

A. **1.** A little more patience, devoting, tolerance and emotions. 2. We should tried to get rid of greed, pride, anger and strife. 3. A little more– patience, devotion, tolerance and emotions. A little less– greed, pride, anger and strife.

B. **1.** T **2.** T **3.** F

Grammar & Activity

1. (d) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (e) **5.** (c)

2 : The Clever Fox and the Greedy Wolf

जंगल मे फॉक्सी नाम की एक लोमड़ी रहती थी। वह बहुत चालाक थी। उसी जंगल मे एक भेड़िया भी रहता था। उसका नाम वॉल्फ था। वह बहुत चालाक था।

एक दिन, लोमड़ी नदी मे अपने दोस्त मगरमच्छ से मिलने जा रही थी। वॉल्फ नदी मे पानी पीने गया। जब वॉल्फ ने फॉक्सी को देखा, वह उसे खाना चाहता था। ''मै भूख हूँ!'' वॉल्फ गुर्राया।''मै तुम्हे खा जाऊँगा।''

फॉक्स डर गयी।'' कृपया मुझे मत खाओ!'' फॉक्सी ने आग्रह किया।

''क्यों नहीं?'' वॉल्फ चिल्लाया।'' मै भूखा हूँ।'' फॉक्सी ने उसी समय विचार किया। जल्द ही उसे एक विचार आया।

उसने कहा, ''मेरे साथ आओ'' मुझे तुम्हारे लिये कुछ खाने को मिला।''

फॉक्सी गाँव के एक घर मे उसे ले गयी। उन्होंने रसोईघर की खिड़की से देखा। एक महिला अवन मे केक बना रही थी।

वॉल्फ बहुत खुश था '' आह!'' उसने कहा, ''केक को बहुत स्वादिष्ट होना चाहिये।'' जल्द ही महिला अपने पीछे का दरवाजा बंद करके

रसोई से बाहर चली गयी। वॉल्फ ने पूछा, '' हम केक को कैसे पा सकते है?''

''श!श!'' फॉक्सी ने कहा, ''खिड़की के द्वारा हम पा सकते है।

फॉक्सी दुबला था। वह आसानी से आ गया। लेकिन वॉल्फ मोटा था। हॉलकि वह भी बहुत कठिनाई के साथ आ गया। ''अब हम केक खा सकते है।'' वॉल्फ ने कहा। वह बहुत खुश था।

''ध्यान से! फॉक्सी ने कहा महिला किसी समय अन्दर आ सकती है। दोनों ने केक खाना शुरु किया। फॉक्सी ने दो केक खाये। ''फिर उसने कुछ केक लिया और उन्हे खिड़की के बाहर रख दिया।

वॉल्फ लालची था। उसने एक केक खाया, तब दूसरा और दूसरा। वह केक खा कर चला गया। उसने छः केक खाये लेकिन अब भी वह नही रुका।

अचानक फॉक्सी ने पीछे से आवाज सुनी। उसने पीछे देखा। महिला ने दरवाजा खोल दिया।

लोमड़ी बहुत चालाक थी। जैसे ही महिला आयी वह कूद गयी खिड़की से बाहर और जो केक उसने बाहर रखा था, उसके साथ गायब हो गया।

बेचारे वॉल्फ ने भी खिड़की के द्वारा भागने का प्रयास किया। लेकिन वह ऐसा नही कर सका। उसका मोटा पेट खिड़की मे अटक गया। औरत ने एक छड़ी उठायी और वॉल्फ को निर्दयता से पीटा।

Comprehension

A. **1.** Foxy lived in the forest. **2.** One day, foxy was going to meet his friend, the crocodile. **3.** Wolf had gone to drink water in the river. **4.** The walf said to the fox, "I am hungry!" growled walf. "I shall eat you up!" **5.** river

B. **1.** T **2.** F **3.** T **4.** F **5.** T

C. **1.** cunning **2.** thought **3.** kitchen **4.** outside **5.** belly

Grammar & Activity

A. **1.** The fox was not scared. **2.** The walf was not cunning. **3.** The cakes were not tasty. **4.** The house was not in a village. **5.** The fox was not slim.

B. Do yourself.

3 : Saying 'Thank You'

हम बहुत सुन्दर संसार मे रहते है। यहाँ हमारे चारो ओर कई आश्चर्यजनक वस्तुएँ रहती है। वहाँ पहाड़ियां और पर्वत शानदार धाराएँ और नदिया, हरी घास के मैदान और घाटियाँ थे। वह नीले सागर और सुनहरी रेत पेड़ पौधे और फूलो, पक्षियो और जानवर! सब कुछ बहुत सुन्दर था। ये कुछ अनमोल उपहार भगवान के द्वारा हमे दिये गये है। हमे भगवान को कई सुन्दर वस्तुएँ देने के लिये धन्यवाद कहना चाहिये। जब हम प्रार्थना करते है, हमे सभी वस्तुओ के लिये धन्यवाद कहना चाहिये। प्रार्थना कहने का एक तरीका है, ''भगवान आपको धन्यवाद।''

कई लोग कठिन परिश्रम से वस्तुएँ बनाते है जो कि हमारे लिये लाभदायक होती है। किसान फसलो को फलो को और सब्जियों को हमारे लिये उगाता है। राजमिस्त्री हमारे लिये घर और ऑफिस (कार्यालय) बनाते है। बढ़ई लकड़ियो से हमारे लिये फर्नीचर बनाते है। मोची हमारे लिये जूते बनाते है और नाई हमारे बाल काटते है। डाकिया हमारे लिये चिट्टी लाता है। दूधवाला हमारे लिये दूध लाता है और हॉकर समाचार पत्र सुबह मे हमारे लिये लाता है।

इसके बाद हमारे माता-पिता हमे देखते है। हमारे अध्यापक हमे पढ़ाते है। दाँतो के चिकित्सक हमारे दाँतो की देखभाल करते है। चिकित्सीय इलाज करते है ओर अभियन्ता हमारे लिये सड़क और पुलो का निर्माण करते है। कुछ लोग जो हमारा मनोरंजन सिनेमा, गाने, नृत्य, खेलो से, चित्रकला, किताबे और कहानियो से करते है।

क्या तुम उन लोगो के बारे मे सोच सकते हो जो हमारे काम को आरामदायक बनाते है? हमे उनका क्यो नही करना चाहिये? हम कैसे उन्हे धन्यवाद करे?

इन लोगों पर कृतज्ञता दिखाने के कई मार्ग है। हमे हमारे माता-पिता को प्यार और सम्मान देना चाहिये, जो हमारे लिये काम करते है उनके साथ विनम्र होना चाहिये और हमे उनके लिये पत्र लिखना चाहिये जो हमारे लिये जी रहे है। कई और भी मार्ग है जिससे हम उन्हे धन्यवाद करने के लिये जो हमारे लिये किया या हमे देते है।

मेरी बहन टीना ने अपने चाचा से कलाई की एक घड़ी प्राप्त की अपने जन्मदिवस पर। हम उन्हे धन्यवाद कहने के लिये एक प्यारे से उपहार के लिये पत्र लिखेगे।

137, पहाड़ो से दिखाई देता अपार्टमेंटस

21 हिलकाट रोड,

डार्ज लिंग

तारीख 12 अगस्त 2021

प्यारे चाचा

आप कैसे हो?

आपने मेरे जन्मदिन पर बहुत प्यारी कलाई की घड़ी भेजी जिसके लिये आपका धन्यवाद। मुझे उपहार बहुत पसन्द आया।

पापा ने मेरे जन्म दिन पर शानदार पार्टी की व्यवस्था की मेरे सभी मित्र मेरे जन्मदिन मे आये और मै केक सात मोमबत्तियों के साथ काटूगी।

तब हमने गाना गाया नाच किया खेल खेले और बहुत सारे मजे किये। मम्मी ने हमारे लिये स्वादिष्ट भोजन दिया। काश आप भी हमारी जन्मदिन की पाटी मे होते। आशा है कि मेरे अगले जन्मदिवस मे आप मेरे चाची रेनू को भी मेरा सादर प्रणाम, और मेरे भाई बहनो को मेरा प्यार, रामा और रग्घू।

ढेर सारा प्यार।

टीना

क्या आप धन्यवाद कहने के किसी अन्य तरीके के बारे मे सोच सकते है।

Comprehension

A. **1.** We see around us the wonderful things hills and mountains, sparkling streams and rivers, green meadows and valleys. There are blue oceans and the golden sands! Trees and flowers, birds and animals! **2.** We thank God for all these things. Prayer is a way of saying, "Thank you God." **3.** Farmer, mesons, carpenters, cobblers, barbers, postman, milkman, newspaper hawker, our teachers, our parents, dentist, doctor, engineers help to make our lives comfortable. **4.** We should love and respect our parents and teacher, we should be polite to those who work for us and we should write letters to those who are living away from us. **5.** wristwatch

B. **1.** T **2.** T **3.** F **4.** F **5.** T

C. **1.** (c) **2.** (g) **3.** (f) **4.** (b) **5.** (d) **6.** (a) **7.** (e)

Grammar & Activity

A. **1.** cobbler **2.** teacher **3.** carpenter **4.** doctor **5.** gardener

B. **1.** Artist **2.** Electrician **3.** Plumber **4.** Baker

C. Do yourself.

4 : Who is the Real Wild?

एक दिन, डिकी, बत्तख मोर के पास दौड कर आया था मेरी मदद करो!वह चिल्लायी। ''कृपया मुझे कही छुपा दो। मेरे दोस्त को सिर्फ एक आदमी ने मारा है। ''वह आदमी आपके दोस्त को पकाएगा और उसे खाने के लिये कहेगा। मोर ने कहा।

डिकी बत्तख ने रोना प्रारम्भ कर दिया। ''मुझे बहुत डर लग रहा है। डिक्की बत्तख ने कहा, वे मुझे मार सकते है अगलीबार।''

''(डरो मत) चिनता मत करो,'' मोर ने कहा। पिछली बार शिकारी ने मेरे सुन्दर पंखो के लिये मेरे पीछे पड़ा था, संग्राम, घोड़े ने मेरी मदद की थी। चलो दोबारा से उसके पास चलते है।

जैसे ही वे घोड़े की ओर जल्दी कर रहे थे, डिक्की ने मोर से पूछा, ''वह तुम्हारे पंखो को क्यों चाहते थे? क्या वह पंखों को खाते है?'' मोर मुँह दबा कर हँसा।'' नही! मेरे पंख खाने के लिये नही है। वह उनको पंखो के जैसे प्रयोग करते है।''

''कितना आश्चर्य!इसके बजाय वह सूखे पत्तो से पंखे बना सकता है, डिक्की ने कहा, वह नही। जल्दी वे घोड़े संग्राम की आवाज सुन सकते थे। संग्राम ने कहा, मै तुम्हारे लिये क्या कर सकता हूँ। वह केवल डिक्की के दोस्त को मारने आया है।''

''क्या ऐसा है?'' संग्राम गुस्से से चिल्लाया। ''चलो चलते है और मि० बरली से मिलते है, हाथी से वह मजबूत और बुद्धिमान भी है। शायद वह हमारी मदद कर सकते है।

बस तब, एक गधा, जो गुजरते हुए उनकी बातचीत सुना ओर बुद्धिमानी से टिप्पणी करते हुए कहा, ''हाहा! तुम हाथी के पास मदद के लिये जाना चाहते हो?

पिछले हफ्ते उसके पीछे शिकारी आये थे। वह अपने जीवन के लिये भागा और अब पूरा झुण्ड जंगल मे छिपा हुआ है।

डिक्की ने पूछा, ''वे हाथी का पीछा क्यों कर रहे है?

''अच्छा, शिकारी उनका दाँत चाहते थे। वे इसे हाथी दात कहते है। क्या तुम विश्वास कर सकते है।

जब डिक्की ने ऐसा सुना, वह जोर से रोने लगा। ''यदि मि० बरली अपनी स्वयं की रक्षा नही कर सकता, तो मेरी ओर तुम्हारी कैसे कर सकता?''

''आशा नही छोड़नी चाहिये। हम मि० तरान (शेर)'' के पास जायेगे। उन चारो ने तूरान की ओर दोड लगाई। वह रात के शिकार के बाद आराम कर रहा था।

जब तुरान इस भयानक समूह को देखा वह अचम्भित हुआ और अपनी भौंहो को उठाया।

'' आप सभी मेरे पास क्या लाये हो?'' मि० तुरान आपको हमारी मदद करनी चाहिये। हम बहुत बडी मुसीबत मे है। शिकारी फिर से यहाँ आया है।

तुरान ने अपने पैर फैलाए। ''ओह, मेरे भगवान! क्या आदमी के पास बन्दूक है?''

''एक बहुत बड़े धमाके के साथ! उन्होंने एक घण्टे पहले मेरे दोस्त को मारा।'' डिक्की का तेजी से रोना शुरु हो गया१

''अरे मेरी मूछ!'' शेर ने कहा और अपने जीवन के लिये दोडा।

और दूसरे क्या कर सकते थे। वे भी उसके पीछे दोड़े।

Comprehension

A. **1.** Dicky Duck came running to the peacock. **2.** "My friends have just been killed by a man." That's why Dicky Duck worried. **3.** Man killed the peacocks for their feathers, he uses them as a fan. **4.** A donkey that was passing by over heard their conversation. **5.** God

B. **1.** T **2.** T **3.** T **4.** F **5.** T

C. **1.** (e) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (b) **5.** (c)

Grammar & Activity

A. **1.** Yes, Dicky Duck was afraid of the hunter. **2.** Yes, peacock was ready to help Dicky Duck. **3.** No, the horse was not running. **4.** Yes, the donkey was ready to help them. **5.** No, the animals were not going to the elephant.

B. roars, quacks, crows, mews, barks, caws

5 : A Visit to the Appu Ghar

आज शिबी का जन्मदिन है। शिबी और उसका भाई रोमू बहुत खुश

है। उनके पिता ने उन्हें अप्पू घर ले जाने का वादा किया था। माँ रसोईघर मे थी। वह स्नैक्स बना रही थी। पिता ऑफिस के लिये तैयार हो रहे है।

शिबी रसोईघर को दौड़ी।'' मम्मी क्या बना रही हो?'' उसने पूछा। माता ने उनके माथे को चूमा और मुस्क्राई। उन्होंने कहा '' कुछ विशेष तुम्हारे लिये!''

शिबी बैठक मे जाती है। ''पापा आप वापिस कब आओगे? वह पिता के गले लग गयी।

''तुम्हे जन्म दिन की बधाई हो,'' पिता मुस्क्राये, ''तुम्हारे लिये मैं क्या लाऊँगा?''

''जल्दी वापिस आऊँगा,'' शिबी भी मुस्क्रायी। माता उन्हे बाजार ले गयी। उसने शिबी और रोमू दोनो के लिये सुन्दर कपड़े खरीदे। उसने कुछ बिस्कुट और खाने का सामान भी खरीदा।

पिता जल्दी ऑफिस से वापिस आ गये। उन्होंने नये कपड़े पहने। वे अपनी कार मे बैठे और अप्पू घर के लिये चल दिये। पिता कार चला रहे है। रोमू पीछे की बैठा है जब कि शिबी अपनी माँ के साथ बैठी है। वे बहुत उत्साहित है। जल्दी ही वे अप्पूघर पहुँच गये। पिता ने टिकट खरीदी और वे अन्दर गये।

''चलो पहले वाटर वर्ड चलते है, '' माँ ने कहा। इसलिये वे वाटरवर्ड गये। रोमू और शिबी ने अपने पिता पर पानी का छिड़क कर आनन्द किया। जैसे ही उनकी नाव पानपी मे गिरी, वे चिल्लाते। वे पानी के साथ छिड़क रहे थे।

अगली बार उन्होंने 'कोलम्बस' की सवारी को जाते है। यह बहुत तेजी से चला। रोमू अपने पिता की तरफ और शिबी अपनी माता के साथ बैठ है।

शिबी अपनी माँ का हाथ पकड़ रही है। पिता रोमू का हाथ पकड़े है। कुछ लोग तेजी से चिल्ला रहे है। जब सवारी रुकी, सभी लोग, नीचे आ गये।

''मै गदगद महसूस कर रही हूँ,'' शिबी ने कहा, वे दोपहर के भोजन के लिये वे पेड़ के नीचे बैठ गये। उन्होंने स्नैक्स खाये और कोल्डड्रिंक पी। तब उन्होंने डागजेम की कार ली सवारी के लिये गये। उन्हे यह बहुत पसन्द आयी। तब रोमू और शिबी वाटर किंगडम गये। यह बारिश हो रही है। कुछ बच्चे बारिश मे नाच रहे है। रोमू ओर शिबी ने ीाी उनमे शामिल हुए।

अन्त मे, वे कैन्टीन गये और आइसक्रीम खरीदी। ''बच्चो यह घर जाने का समय है,'' पिता ने कहा। तुम्हारे दोस्त शाम को तुम्हे जन्मदिन की बधाई देने आयेंगे।

रोमू और शिबी ने अपनी आइसक्रीम खत्म की। वे जा कर कार मे बैठे।

उन्होंने एक अच्छे दिन के लिये अपने माता-पिता को धन्यवाद कहा।

Comprehension

A. **1.** Romu and Shibi are very happy today because today is Shibi birthday. **2.** They went to Appu Ghar. **3.** Children are dancing in the rain Romu and Shibi also join them. **4.** The bought ice-cream from canteen. **5.** Shibi

B. **1.** Shibi **2.** Father **3.** Mother

C. **1.** snacks **2.** forehead **3.** tickets **4.** rushes **5.** parents

D. **1.** (c) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (b) **5.** (g) **6.** (d) **7.** (f)

Grammar & Activity

1. have **2.** has **3.** have **4.** has **5.** have **6.** has **7.** has

6 : The Peddler's Caravan

यदि मै एक काफिले मे रहता बैलो के साथ गाड़ी चलाने के लिये, फेरीवाले आदमी को तरह!

वह कहा से आता है किसी को नहीं पता

अथवा वह जहाँ भी जाता है, लेकिन वह जाता है!

उसके काफिले मे दो खिडकियां है,

और एक टिन की एक चिमनी है, कि

धुंआ उसके माध्यम से आता है।

उसकी एक पत्नी है साथ मे एक भूरे रंग का बच्चा

और वे एक शहर से दूसरे शहर की सवारी करते है!

कुर्सियों का बनाने के लिये और मिट्टी के पात्र को बेचने!

वह एक घण्टी की तरह घाटियों के जैसे टकराता;

चाय की ट्रे, टोकरियां क्रम मे लगाने की व्यवस्था करता है,

प्लेट्स वर्णमाला के साथ सीमा के चारो ओर!

सड़के भूरी है और समुद्र हरा है,

लेकिन उसका घर केवल, (पहिया दार बक्सा) स्नान करने की मशीन जैसा है

दुनिया गोल है और वह सवारी कर सकता है;

दूसरी तरफ गड़गड़ाहट और दिखावा है।

Comprehension

A. **1.** The poet wish I lived in a caravan, with oxen to drive, like the paddler-man! **2.** "Where he comes from" nobody knows. **3.** Peddler man has wife, with a baby brown.

B. **1.** F **2.** T **3.** T

Grammar & Activity

Mend, Sell, Round, Halt

7 : Rohit Learns a Lesson

रोहित अपने माता-पिता का एक लड़का था। वह केवल सात साल का

था। लेकिन वह बहुत घमण्डी था। वह शहर के प्रसिद्ध पब्लिक विद्यालयक मे पढ़ता था। प्रत्येक सुबह, वह स्कूल के लिये तैयार हुआ, विद्यालय ड्रेस पहनी और उसके पिता ने उसे विद्यालय छोड़ दिया।

एक दिन उसके पिता अपने ऑफिस मे एक मीटिंग मे थे। इसलिये रोहित की माँ ने कहा कि वह उसे रिक्शा के द्वारा विद्यालय से ले आयेगी।

जैसा कि आप जानते है, रोहित बहुत घमण्डी था उसने कहा कि वह रिक्शा से नही जाना चाहता था और उसके पिता को ही उसे विद्यालय छोड़ना चाहिये। उसकी माँ ने उसे समझाने का प्रयास किया लेकिन वह सुनने को तैयार नही था। अन्त मे उसके पिता ने ही जैसे-तैसे उसे छोड़ा। इसलिये, रोहित अपने पिता के साथ विद्यालय पहुँचा।

उसके पिता को पहले से अपने ऑफिस के लिये देर हो गयी थी। वह जल्दी मे थे और जब उसने रोड को पार करने की कोशिश की, उसका स्कूटर एक गड्ढे मे टकराया और वह नीचे गिर गया।

लोग उसे उठा कर डॉक्टर के चेम्बर मे ले गये। चिकित्सक ने उसके घाव मे पट्टी बाँधी, कुछ दवाइयां उसे दी और पूरे दिन उसे आराम करने की सलाह दी। वह आवश्यक सभा को खो चुका था।

रोहित दोपहर मे घर लौटा। उसने रसोई-घर मे देखा लेकिन उसकी माँ वहाँ नहीं थी। वह शयनकक्ष गया। लेकिन उसने वहाँ क्या देखा!

उसके पिता बिस्तर पर लेटे हुए थे। उनकी भुजाओ मे पट्टी बांधी थी और माथे मे भी। उनकी माता बगल मे बैठी थी। कुछ बवाइयां मेज के कोने मे रखी थी।

इस बार, रोहित को सब कुछ अहसास हो गया था। उसे अहसास हो गया कि वह उसके घमण्डी स्वभाव ही दुर्घटना के पीछे का कारण था। वह धीरे से एक कोने मे खड़ा हो गया। उसकी आखो मे आंसू गिरने लगे।

तब उसके पिता ने अपनी आँखे खोली। उन्होने राहित को देखा और हाथो का हिलाते हुए अपने पास बुलाया। रोहित सब कुछ भूल गया। वह अपने पिता की ओर भागा और उनके गले लग गया। वह फूट-फूट कर रोने लगा। वह भी पूरी तरह से बोल रहा था, ''पापा, पापा! कृपया मुझे इस समय मॉफ कर दीजिये। मैं वादा करता हूँ, मैं दोबारा कभी भी आज्ञा की अवहेलना नहीं करूँगा।'' उसके पिता ने उसे अपनी छाती से लगा लिया। दोनो की आँखों मे आँसू थे। उस दिन से रोहित का स्वभाव पूरी तरह से बदल गया।

Comprehension

A. **1.** Rohit was a haughty boy. **2.** His father dropped him to school everyday. **3.** On the way his father was trying to cross the road, his scooter bumped into a pit and fell down. **4.** Rohit saw his father was lying on the bed. There were bandages on his arms and forehead. His mother was sitting beside. Some medicines were kept on the side table. **5.** kitchen

B. **1.** F **2.** T **3.** T **4.** T **5.** T

C. **1.** renowned **2.** convince **3.** bumped **4.** forehead **5.** Tears

Grammar & Activity

A. **1.** (d) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (e) **5.** (c)

B. **2.** × **3.** They **4.** their **5.** We **6.** I; my **7.** his **8.** its **9.** you; your **10.** They

8 : Little Creatures are also Helpful

एक बार की बात है एक दयालु और उदार राजा राज्य पर शासन करता था। बल्कि देवी और देवता भी उसकी दयालुता की प्रशंसा करते थे। एक दिन, एक देवी ने उसे बहुत ही अनमोल और सुन्दर रत्न उसे विशेष उपहार मे दिया।

राजा उपहार के साथ बहुत प्रसन्न था। वह इसे अपने गले मे सोने के धागे मे बाँधना चाहता था। वह इसे अपने गले मे सोने के धागे मे बाँधना चाहता था। इसलिये उसने शाही जौहरी के लिये भेजा और उसे एक सोने का धागा माणी के विपरीत दिशा मे छोटे छेद के माध्यम से निकालने का आदेश दिया।

जौहरी वास्तव मे बहुत खुश था कि उसे एक आसान चुनौती मिली। उसने छेद मे एक के माध्यम से धागे को धकेल दिया। धागा मणि के अन्दर चला गया और अटक गया। जौहरी ने विपरीत दिशा मे धागा खीचने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह सफल नही हो सका। इसलिये उसने अपने सहायक को दिया। सहायक भी असफल रहा और उसने किसी और को दे दिया कई लोगों ने मणि के माध्यम से धागे को निकालने की कोशिश की लेकिन व्यर्थ हुयी।

जौहरी दोबारा से राजा के पास आया और उसे समस्या बतायी।

राजा बहुत निराश था चूँकि वह रत्नो का उपयोग करने मे असमर्थ था। इसलिये उन्होंने एक प्रसिद्ध बुद्धिमान व्यक्ति को भेजा, जो सुझाव के लिये जाना जाता था। ''मुझे समझ मे नही आता कि कोई भी ऐसा क्यो नहीं कर सकता,'' राजा को आश्चर्य हुआ ''दोनो छेद ठीक एक दूसरे के विपरीत है। एक छोर से दूसरे छोर तक एक सीधा मार्ग होना चाहिये। लेकिन प्रत्येक बार जब धागा को मणि मे धकेला जाता है, यह अटक जाता है और दूसरी तरक से बाहर नहीं आता है।'' बुद्धिमान व्यक्ति ने मणि को ध्यानपूर्वक देखा। उन्होंने थोड़ी देर बाद कहा कि ''एक कारण है कि धागा अटक जाता है। ऐसा इसलिये है क्योंकि दो छेदो के बीच का मार्ग मणि के अन्दर घूमता और मुड़ता है। यह उतना सीधा नही है जितना आप सोचते हो।

राजा ने कहा, ''ऐसा है क्या''। यदि तुम मुझे कोई ऐसा ढूड सकते हो जो इस काम को कर सकता है, मैं तुम्हे ईनाम दूँगा।

बुद्धिमान व्यक्ति मुस्क्राया, उसने कहा, ''मेरे महाराज'' आप असफल हो गये ऐसे व्यक्ति को ढूढ़ने मे जो इस काम को कर सकता है क्योकि आप सोचते हो कि केवल एक मनुष्य ही इे कर सकता है।

दूसरे और प्राणी है जो इस कार्य को सरलता से कर सकते है।

तो उन्हे ढूढ़ों और इस कार्य को करने को कहो। मैं उन्हें ढूढो और इस कार्य को करने को कहो। मैं उन्हे भी ईनाम दूँगा। राजा ने कहा।

बुद्धिमान व्यक्ति हँसा, ''धन उनके लिये कोई मायने नहीं रखता'' बुद्धिमान व्यक्ति ने ऐसा कहकर कमरे को छोड़ दिया। जल्दी ही वह शहद के जार के साथ वापिस आया। जब राजा उसे बड़ी उत्सुकता से देख रहा था उसने अपना कार्य प्रारम्भ किया। बुद्धिमान व्यक्ति ने कुछ शहद माणि के दोनों छेदों मे फैला दिया। तब उसने और अधिक शहद धागे के अन्त मे फैला दिया और उसे एक छेद के अन्दर की ओर धकेल दिया। अन्ततः उसने मणि को कमरे के कोने मे रख दिया। जहाँ बहुत सी चीटिंया थी। तब दोनों राजा और बुद्धिमान व्यक्ति ने देखा कि चीटियाँ काम कर रही है।

शहद के द्वारा परीक्षण, चीटियो ने पूरी मणि मे रेंगना (चलना) प्रारभ कर दिया। उन्होंने मणि के दूसरी तरफ के छेद को ढूढ़ निकाला और उसके अन्दर रेंगने लगी। जैसे ही वे और घूमी मणि के छोटे मार्ग मे अन्दर की और चली गयी, वे उस स्थान मे पहुँची जहाँ सुनहरा धागा अटक गया था। जब तक यह दूसरे छोर से बाहर नही निकला, उन्होंने धागे को खींच लिया।

राजा मस्त था। अन्त में वह अपने गले में मणि को डाल सकता था।

उसने कहा बुद्धिमान व्यक्ति से, ''मैं ईमानदारी से तुम्हारा धन्यवाद करता हूँ।

बुद्धिमान व्यक्ति ने जवाब दिया, ''आपको उन छोटी छोटी चीटियों को धन्यवाद बोलना चाहिये। केवल वे ही है जिन्होंने इस काम को किया। हमेशा याद रखिये, कि यह केवल इन्सान ही नही है जो सब कुछ करने की क्षमता रखता है। सभी जीवित प्राणी, तथापि बड़े अथवा छोटे, कार्य करने की क्षमता होती है। इस तरह से प्राणियों के माध्यम से काम करवाना ही मनुष्य की बुद्धिमत्ता है।

Comprehension

A. **1.** One day, a goddess gave him a beautiful and precious gem as a special gift. **2.** The king wanted to put it around his neck in a gold tread. So he sent for the royal jeweller. **3.** The royal jewellers called the king for putting the gold thread in the gem. **4.** When the thread wend inside the gem and got stuck that's why the jeweller could not put the thread in. **5.** thread

B. **1.** T **2.** F **3.** F **4.** T **5.** T

Grammar & Activity

A. **1.** (b) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (d) **5.** (c)

B. **1.** He did not tell a lie. **2.** We did not invite all our friends. **3.** The old man did not walk slowly. **4.** I did not see a lion in the zoo. **5.** She did not write a letter to her brother. **6.** The police did not arrest the thief.

9 : The Piedpiper of Hamelin

हैमलिन जर्मनी का एक छोटा लेकिन खूबसूरत शहर है। शहर मे बहुत शन्ति है और यहाँ लोग बहुत खुश है। लेकिन एक दिन, उनके साथ एक बड़ी समस्या आयी। पूरा शहर चूहो से पीड़ित था। चूहे बहुत बडे ओर डरावने थे। वे किसी से नहीं डरते है बल्कि बिल्ली से; बल्कि उन्होंने सभी बिल्यिों को शहर से खदेड दिया। एक दिन जब लोग लगातार आतंक से गुजर रहे है।

चूहों ने हमारा जीवन दुखी कर दिया है।

वे किसी चीजे से नहीं डर रहे है भगवान जाने हमे इन चूहो से कैस छुटकारा पा सकते है।

लेकिन हम क्या कर सकते है? जब कि बिल्ली और कुत्ते इनके डर से भाग रहे है।

चलो मेयर के कार्यालय चलते है और उनसे कुछ पूछते है।

हमे आपकी मदद की जरुरत है।

क्या मामला है? तुम सब क्यो उत्तेजित हो?

चूहे! बड़े चूहे! सभी जगह चूहे

चूहे सभी वस्तुएँ नष्ट कर रहे है। वे हमारे बच्चो काट रहे है; वे हमारा खाना और कपड़े खा रहे है।

लेकिन मै क्या कर सकता हूँ? तुम कुछ बिल्ली क्यो नही लाते? सभी चूहे भाग जायेंगे।

यह सब इतना आसान नहीं है। चूहों ने बिल्ली और कुत्तो को भगा दिया है।

तब क्या करना है?

तुम्हें कुछ करना चाहिये। लगातार इस डर से कोई नहीं रहेगा।

तब एक आदमीने एक टोपी पहनी और लम्बा कपड़ा आधा लाल और आधा पीला पहने प्रवेश करता है। उसके पास उसकी पीठ पर बोरा और एक हाथ में बांसुरी है।

देखा! कैसे चूहे उसके पीछे भाग रहे है!

हाँ, वे पागल हो गये है।

चलो देखते है। लेकिन यह स्पष्ट है कि वह जादू जानता है।

वह क्या करेगा?

कितना आश्चर्य जनक!

मैने अपने जीवन मे ऐसा दृश्य कभी नही देखा है।

अब मेरा उपहार दीजिये।

यहाँ है, 100 सोने के सिक्के

लेकिन तुमने 1000 सोने के सिक्के के लिये वादा किया था।

100 सोने के सिक्के पर्याप्त है। अब जा सकते हो।

अच्छा ठीक है अपने पास रखो और परिणाम के लिये तैयार हो जाओ।

10 : Real Beauty

बहुत समय पहले, प्राचीन ग्रीस मे एक आदमी रहता था। उसके दो बच्चे थे, एक लड़का और एक लड़की। लड़की कुरुप थी लेकिन लड़का खूबसूरत और अच्छा दिखता था। दोनों का बहुत अलग स्वभाव था। उनकी आदते और सोचने का तरीका अलग-अलग था। लड़की दयालु हृदय की थी लेकिन लड़का शैतान और कुटिल था।

एक दिन, लड़का ग्लास के टुकड़े के सामने आया ऐसा पहले कभी नही देखा था।

वह उसे देखना चाहता था कि वह कैसा दिखता था। उसने अपने हाथ मे शीशा उठाया और अपने चेहरे को सावधानी से देखा।

देखो बहन! मै कितना सुन्दर हूँ! मैं तुमसे बहुत बेहत हूँ। ''मैं खूबसूरत और सुन्दर हूँ लेकिन तुम बदसूरत हो,'' उसने अपनी बहन को बुरी तरह से छेड़ा।

उसने जल्दी से अपनी बहन की ओर दर्पण घुमाया और कहा, ''देखा! तुम कितनी बदसूरत हो।

लड़की ने उदासी महसूस की। वह नाराज हुयी ओर अपमानित महसूस किया। उसने अपने भाई को एक तरफ धकेल दिया ओर रोयी, ''मेरी दृष्टि से दूर हो जाओ।'' यहाँ से चले जाओ। मैं तुम्हारा-चेहरा नही देखना चाहती।''

लड़का जमीन पर गिर गया। शीशा जमीन पर गिर गया ओर टुकड़ो मे टूट गया। तब उनके पिता ने शोर सुना, वह आये। ''क्या हुआ? क्यो तुम झगड़ रहे हो?'' उन्होंने गुस्से मे पूछा।

लड़के ने अपने पिता से सब कुछ बता दिया। ''तुम्हारी कुरुपता बिल्कुल भी मायने नहीं रखेगी। आपको अच्छे दिल का होना चाहिये। मेरे बेटे कभी मत भूलो कि अच्छा व्यवहार केवल वही है जो किसी को अच्छा दिखाता है। पिता ने कहा सुन्दरता एक व्यक्ति के दिल के अन्दर होती है, किसी के चेहरे मे नहीं।

लड़का समझ गया कि उसके पिता ने क्या कहा था। उसने अपना अपराध स्वीकार किया और अपने पिता से उसे क्षमा करने को कहा। तब उसके पिता अपनी पुत्री की और मुड़े और कहा, ''प्यारी पुत्री!

यदि तुम जरुरतमंदो की मदद करते हो और अपना सर्वश्रेष्ठ काम करते हो तो हर कोई आपसे प्यार करेगा। इन सब मे आपकी बदसूरती से कोई फर्क नहीं पेड़ेगा। अच्छा व्यवहार और भाषण देने वाले व्यक्ति हमेशा अच्छा दिखता है और लोगों का दिल जीतता है।

लड़की को तुरन्त ही अपनी गलती का अहसास हुआ। '' प्यारे भाई! कृपया मुझे क्षमा कर दो। मैने तुम्हे सजा देकर बहुत बड़ी गलती की है।''मुझे अपने भाई के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिये,'' बहन ने भाई से क्षमा और भीख माँगते हुए कहा। ''नहीं बहन नहीं! यह मेरी गलती है कि मैने तुम्हारी बदसूरती का मजाक उड़ाया। तुम सच मे बहुत प्यारी और मुझसे ज्यादा सुन्दर और अच्छी हो,'' भाई ने अपनी बहन से कहा। भाई और बहन दोनो अब खुश थे। उन्होंने महसूस किया कि अच्छा दिखने की तुलना मे अच्छा होना बेहतर है।

Comprehension

A. **1.** The girl was kind hearted but the boy was naughty and crooked. **2.** The boy said to his sister, look sister! How handsome I'm. I'm for better than you. I am beautiful and handsome but you are ugly", he teased his sister badly showing the mirror. **3.** The girl felt dejected. She was annoyed and felt insulted. **4.** The boy fell flat on the ground. The mirror struck on the ground and broken to pieces. **5.** confessed

B. **1.** T **2.** F **3.** F **4.** F **5.** T

Grammar & Activity

A. **1.** (e) **2.** (d) **3.** (b) **4.** (a) **5.** (c)

B. **1.** Yes, I can drive a scooter. No, I cannot drive a scooter. **2.** Yes, I can solve this question. No, I cannot solve this question. **3.** Yes, He can swim in the river. No, he cannot swim in the river. **4.** Yes, your brother can speak English. No, your brother cannot speak English. **5.** Yes, he can fly a kite. No, he cannot fly a kite. **6.** Yes, the police can arrest the thief. No, the police cannot arrest the thief.

11 : The Trojan War

पुराने समय मे, दो पड़ोसी राज्य थे-ट्राय और ग्रीस, जो प्राय: प्रत्येक एक दूसरे के विरुद्ध खूनी युद्ध लड़ते रहते है। ट्रोजन शहर के चारों तरफ ऊँची दीवारो से घिरे शहर मे रहते थे। शहर पर राजा प्रियम का शासक था।

इस तरह के एक युद्ध के दौरान, यूनानियों ने ट्रॉय पर आक्रमण किया और दीवार वाले शहर के बाहर अपना शिविर लगाया।

दस साल तक यूनानी इस शिविर मे रहे क्यों कि वे ट्रोजन के खिलाफ युद्ध जीतने के बाद ट्रॉय पर कब्जा करना चाहते थे। लेकिन वे शहर मे प्रवेश नहीं कर सके।

अन्त मे, उन्होंने एक योजना सोंची। उन्होंने एक बड़ा लकड़ी का घोड़ा बनाया जो अन्दर से खोखला था। उन्होंने उसमे कुछ अच्छे सिपाही को घोड़े के पेट के अन्दर डाल दिया। तब उन्होंने अपने शिविरों मे आग लगा दी और अपने सभी सैनिकों और जहाजों के साथ जगह छोड़ने का नाटक किया। हालांकि वे जलते हुए टेंट के पास घर छोड़ कर चले गये।

अगली सुबह, चूंकि ट्रोजन यूनानियो के महान शिविर की ओर देखते है जो इतने सालो से वहाँ खड़े थे, वे अपनी आखें पर विश्वास नही कर सकते थे। उन्होंने अपनी आँखे मली और फिर से देखा।'' ग्रीक्रस वास्तव मे चले बये है! वे विशाल न करते हुए चिल्लाये। शिविर मे राख पड़ी है, न तो एक भी आदमी है, और न ही एक विशाल जहाज को देखा जा सकता है। लेकिन खंडहर के मध्य मे एक लकड़ी का घोड़ा खड़ा है, जिसे हमने पहले कभी भी नही देखा।'' उन्होने कहा।

तब ट्रॉय के द्वार खुले और युवा हो गये और बूढ़े, अपनी खुशी मे चिल्लये। यूनानी आखिकरकार चले गये थे। वे बर्बाद शिविर मे चले गये और विशाल लकड़ी के घोड़े को टकटकी लगा कर देखा जो खंडहर के बीच मे खड़ा था। जल्द ही एक भंयकर बात सामने आयी कि ट्रोजन्स के बीच इस घोड़े का क्या किया जाना चाहिये। कुछ इसे शहर के अन्दर ले जाना चाहते थे जबकि कुछ अन्य इसे समुद्र मे फेंकना चाहते थे। लम्बे समय की बहस के बाद, शहर के अन्दर लकड़ी के घोड़े को ले जाने का निर्णय लिया। उन्होंने इसे मैदान मे खींच लिया लेकिन जब वे शहर के गेट पर पहुँचे तो घोड़ा इसके माध्यम से बहुत बड़ा साबित हुआ। ट्रोजन ने दीवार के एक हिस्से को नीचे खींच लिया ओर लकड़ी के घोड़े को ट्रॉय के बीच मे ले आया।

उस रात ट्रोजन अपने हर्ष मे थे कि महायुद्ध समाप्त हो गया ओर यूनानी वास्तव मे चले गये। उन्होंने खाना खाया, पिया और गलियों मे नीचे और यह तक क सैनिक भी मीरा बनने मे शमिल हो गये।

अन्त मे उत्साह और उत्सव के साथ आनन्द किया और कुछ सैनिक दीवारों और फाटको को छोड़कर सो गये।

विशाल लकड़ी के घोड़े के अंदर यूनानी बैठे थे, प्रतीक्षा कर रहे थे ओर सतर्क थे। जब सुबह का पहला प्रकाश आया उन्होंने बोल्ट को खोल दिया और घोड़े के अंदर से दरवाजा खोला और सड़को पर उतर आये। सड़को पर कोई भी नही था और गेट और दीवार के पास गार्ड भी तेजी से (गहरी नींद) मे सो रहे थे। उन्होंने बिना किसी बाधा के सिपाहियों को मार डाला और अपनी सेना के लिये द्वार खोल दिये जो रात के मृतको मे ट्रॉय को वापिस भेज दिये! और इस प्रकार यूनानियों ने ट्राय पर कब्जा कर लिया।

Comprehension

A. **1.** In ancient time, there were two neighbouring countries name of Troy and Greece. **2.** The Greeks invaded Troy and put up their camp outside the walled city. **3.** At last Greeks built a large wooden horse which has hollow inside. They put some of their best soldiers inside the belly of the horse. **4.** Trojans looked out towards the great camp of the Greeks which had stood there for so many years, they could not believe their own yes. **5.** belly

B. **1.** F **2.** F **3.** F **4.** F **5.** T

C. **1.** neighbouring **2.** surrounded **3.** captured **4.** fierce **5.** hollow

Grammar & Activity

A. **1.** (c) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (b) **5.** (d)

B. **1.** Sita does not sing a song. **2.** They do not live near my house. **3.** My sister does not water the plants. **4.** He does not call you a fool. **5.** I do not do my homework in the morning. **6.** The porter does not carry the luggage. **7.** Meera does not go to school.

12 : The Great Wide Wonderful World

महान, चौड़ी, सुन्दर, अदभुत दुनिया,

अद्‌भुत, पानी के साथ आपने घुमाया है,

और आश्चर्य जनक घास अपने गोद मे उठाया,

संसार, आपकी खूबसूरती से तैयार है।

अद्‌भुत हवा मेरे ऊपर है,

और आश्चर्यजनक हवा पेड़ों को हिला रही है,

यह पानी पर चलता है और दूध को हिलाता है,

और पहाड़ियों के शीर्ष पर खुद से बात करता है।

आप पृथ्वी के अनुकूल है, आप कितनी दूर जाते है,

गेहूँ के खेती के साथ, और बहती नदियों के साथ,

और शहर और उद्यान और महासागर और द्वीप समूह,

और लोग हजारो मील तक तुम्हारे ऊपर है

आह! तुम इस लिये महान हो, और मै बहुत छोटा हूँ,

मै शायद ही सोच सकता हूँ, संसार के बारे में,

और फिर भी, जब मैने अपनी प्रार्थना आज कह दी

मेरे भीतर एक कानाफूसी होने लगी।

आप पृथ्वी से अधिक है,

यद्यपि आप एक वास्तव मे बिन्दु हो,

तुम प्यार कर सकते हो, सोच सकते हो और पृथ्वी नही कर सकती।

Comprehension

A. **1.** The wonderful water round the world. **2.** The wheat fields that nod. **3.** The poet is greater then the earth because he love and think and the earth can not.

B. **1.** T **2.** T **3.** T

Grammar & Activity

1. (e) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (c) **5.** (d)

13 : The Country Mouse and the Town Mouse

एक छोटा सा देश का चूहा दीवार के पत्थरों के नीचे एक छेद मे रहता था। वह बहुत परिश्रमी था। वह अपने और अपने परिवार के लिये सभी प्रकार के भोजन इकट्‌ठा करता था। वह अपने छेद मे एक राजकुमार के जैसे रहता था।

एक दिन, उसने शहर के चूहे को आने के लिये निमंत्रण पत्र भेजा और उसकी एक यात्रा का भुगतान करे। शहर का चूहा ने देश के चूहे से रिश्ता खत्म कर दिया था।

शहर के चूहे ने निमंत्रण पत्र स्वीकार किया और देश के चूहे के पास आया। देश का चूहा बहुत गर्व और खुशी के साथ, अपने बेटों और बेटियों को दिखाता है और उनके पास स्टोर मे मौजूद सभी बेहतरीन

भोजन निकालता है। लेकिन शहर के चूहे ने भोजन मे श्रेष्ठता की हवा के साथ अपने मूंछो को देखा।

''अरे, मेरे अच्छे चचेरे भाई,'' शहर के चूहे ने अन्त मे कहा,''क्या आप हर साल ऐसा खाना खाते है। ''क्यों! यहबहुत स्वादिष्ट भोजन है। आपको इस भोजन मे क्या कमी लगी? मेरे पति ने इसके लिये बहुत बहुत कठिन परिश्रम किया। मुझे यकीन है, दुनिया मे किसी भी घर मे खाने की तुलना मे बेहतर कर्जदाता है,'' देश के चूहे नाराज दिख रहे है।

उसका पति इस बुरे विषय को बदलना चाहता था। इसलिये उसने शहर के जीवन के बारे मे प्रश्न पूछना प्रारम्भ कर दिया। अन्त मे उसका चचेरा भाई निकलने वाला था, उसने देश के चूहे से एक वापसी यात्रा का भुगतान करने का अनुरोध किया, जिसके लिये देश का चूहा सहमत था।

इसलिये, एक सुबह, देश का चूहा शहर के लिये बंद हो गया। उसके फर को बहुत अच्छी तरह से ब्रश किया गया था और उसके पंजे और पूंछ साफ और स्वच्छ थी।

शहर का चूहा अब बड़े शहर की ओर जाने का इन्तजार कर रहा था। उन्होंने देश के चूहे का दिल से स्वागत किया और अपने घर ले गये। रास्ते मे, उसने देश के चूहे को चेतावनी दी कि उसे सावधान रहना चाहिये कि कोई भी उसे वहाँ न देखे, अन्यथा वे परेशानी मे पड़ सकते है। उन दोनों ने बहुत सतर्कता के साथ-साथ रेंगना शुरु किया, जहाँ कस्बे का चूहा रह रहा था। वह अपने मेहमान को एक आराम दायक छेद मे ले गया, और छेद के माध्यम से वे एक बड़े खाने की मेज थी। मेज के चारो ओर कई कुर्सियां थी। कुर्सिया भूरे साटिन से ढकी हुयी थी और मेज मे एक सुसज्जित कपड़ा फैला हुआ था। चूहा मेज पर अपने देशी भाई के साथ फुदक रहा था। चूहा मेज पर अपने देशी भाई के साथ फुदक रहा था। मेज मे कई चमकीली और सुनहरी प्लेट थी। देशी चूहा आश्चर्य मे था, उसके मुँह मे पानी आ रहा था और वह नही समझ पा रहा था कि कहाँ से प्रारम्भ करें।

शहर के चूहे ने सुझाव दिया, ''कि आप उबले हुए हैम को क्यो नही कोशिश करते। देशी चूहा धीरे-धीरे किनारे की तरफ से स्वादिष्ट हैम के लिये दौड़ा। वे अपना पर्व शुरु करने वाले थे जब अचानक दरवाजा खुला और हंसते हुए लोग कमरे मे आये। शहरी चूहा, एक बार छेद मे गायब हो गया ओर उसके मेहमान उसके पीछे भाग गये।

''कृपया शन्ति बनाये रखो'' शहरी चूहे फुसफुसाए अथवा वे जान जायेंगे कि हम यहाँ है'' और जब तक हमे नहीं मारेंगे, तब तक वे कभी आराम नही करेंगे।

शहरी चूहे ने देशी चूहे को आश्वासन दिया कि बहुत कुछ बचा हुआ है। लेकिन देशी चूहा सोंच रहा था कि वो अपने ही घर का मालिक है तब दूसरी जगह क्यों देखें।

शोर करते लोगो खाया और चले गये। तब दो चूहे दौड़ते हुए बाहर आये, मेज के कपड़े पर दौड़ा और स्वादिष्ट दावत के अवशेषो को मुँह मारना शुरु कर दिया। देशी चूहा सोच कर खुश हो रहा था कि अन्त मे उन्हें अपनी भूख शान्त करने का मौका मिला।

पुन: दरवाजा खुला और एक नौकर दो भयानक कुत्तो के साथ आया। दोनों चूहे अपने बिल मे भागें। लम्बे समय के लिये, कुत्तों ने छेद को खरोचा लेकिन व्यर्थ था। अन्त मे उन्होंने छोड़ दिया और नौकर ने मेज साफ की और कुत्तो को ले गये। देशी चूहे ने काँपते और डरते हुए कहा कि वे भयानक जीव जा चुके है और मैं भी जा रहा हूँ। भाई लेकिन फिर भी भूख लग जाती अगर कोई इसे खाने की अनुमति नही देता। मुझे मेरे जौ के दाने दे दो और

''नमस्ते मेरे दोस्तो, मैं चलता हूँ''

Comprehension

A. **1.** A little country mouse lived like a prince in a hole under the stones of a wall. **2.** Town mouse invited to country mouse on day. **3.** Country mouse looked angry because his whiskers at the food with an air of superiority. **4.** Town mouse welcomed country mouse warmly and took him to his house. **5.** When country mouse was about to start his feast suddenly the door opened and a party of laughing people came into the room. Town mouse at once, disappeared into the hole and his visitor rushed after him.

B. **1.** T **2.** F **3.** F **4.** T **5.** T

Grammar & Activity

A. **1.** (c) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (d) **5.** (b)

B. **1.** have **2.** has **3.** Have **4.** has **5.** have

C. **1.** burrow **2.** den **3.** kennel **4.** nest **5.** stable

14 : A Home for A Dinosaur

एक सुबह, सैम स्कूल जा रहा था, तो उसके सामने सड़क पर बड़ा ट्रक गुजरा। ट्रक मे एक झटके से टक्कर लग गयी और एक बॉक्स उसके पास गिर गया। बॉक्स खुल गया लेकिन ट्रक सड़क पर चलता रहा और जल्द ही वो दूसरी ओर था।

टूटे हुए बॉक्स से बाहर एक अण्डा गिर गया लेकिन क्या एक अण्डा। यह बडा था जैसे सैम और जब उसने इसे धक्का दिया तो अण्डा लुढ़क गया। सैम ने इसे स्कूल के पूरे रास्ते लुढ़काया।

सैम की अध्यापक मिस हैट फिल्ड ने कहा ''इसे चटाई पर रखो।'' जैसे ही सैम ने अण्डे को चटाई पर लुढ़काया, उसने देखा उसमे दरार थी।

तब उसे अजीब-सी आवाजे सुनाई दी। टैप, टैप, टैप, चिप, चिप, चिप। अण्डे की दरारे खुल गयी और अण्डा टूट गया। टूटे अण्डे से बाहर एक बडल लुढ़का। इसके बाद वह मुस्क्राया और बैठ गया। यह खूबसूरत डायनासोर का बच्चा था।

यह सैम के जीवन खुशी का पल था। उन्होंने डायनासोर की पीठ

थपथपायी और कहा, ''आपका नाम क्लेरेंस है।''

मिस हैटफिल्ड ने बच्चो से कहा, ''अब हमारे पास अपना डायनासोर है। वह स्कूल मे रह सकता है।''

क्लेरेंस को विद्यालय मे बच्चों के साथ रहना और खेलना पसन्द आया। वे उसके ऊपर चढ गये और उसकी ओर खिसक गये। वे उसके चारों ओर छिपा-छिपाई खेलते। जब बारिश हुयी उसके नीचे खड़े हुए।

सबसे पहले क्लैरेंस ने स्कूल के बगीचे के बाहर जैसे जैसे वह बड़ा हुआ उसे और अधिक भोजन की आवश्यकता हुयी। उसने पेड़ो को फूलों को और पेड़ो को निगल गया। खेल के मैदान मे जल्द ही पूरे खेल के मैदान मे कुछ भी नहीं उगा।

अन्त मे क्लैरेस बहुत बड़ा खेल के मैदान मे समा गया। वह पड़ोसियो मे सभी हरियाली को रखा गया।

एक दिए क्लैरेंस स्कूल के गेट के अंदर अपनी पूंछ के साथ सड़क के किनारे झपकी ले रहा था। उसकी पूंछ खिंची और कचरे के ढेर पर लगी जिससे कचरा बाहर आ गया। क्लैरेंस ने कूड़े का स्वाद लिया और वह मुस्क्राया। यह स्वादिष्ट था। जल्दी ही वह पूरा खा गया। ''अब हम जान गये थे कि हम क्लैरेंस के लिये भोजन कहाँ से प्राप्त कर सकते है। वह हमारा सारा कचरा खा सकता है'' सैम ने मिस हैटफिल्ड से कहा।

''क्लैरेंस अब बड़ा हो रहा है,'' मिस हैटफिल्ड ने कहा। इसे एक घर की आवश्यकता है जहाँ बढ़ रहे डायनासोर के स्वच्छ बड़ी जगह हो और उसे और अधिक कचरे की आवश्यकता है, हमारे स्कूल के पास है।

उसने कुछ क्षण सोचा और कहा, मैं जानती हूँ जहाँ स्वच्छ बड़ा स्थान और जहाँ ढ़ेर सारा भोजन है।''

''कहा?'' सैम ने पूछा।

''कचरे का ढेर है,'' मिस हैटफिल्ड ने कहा। नगर पालिका को उनका सभी कचरा को खारे की बात पसन्द आयेगी।

वह सही थी। नगर पालिका द्वारा लोगों को कचरे के ढ़ेर पर क्लैरेंस के लिये के खुश हुए क्लैरेंस अब एक प्यारी हरी पहाड़ी मे रहता है। प्रत्येक दिन, एक बड़ा ट्रक शहर के चारो ओर से कचरा इकट्ठा करता है और ढेर बना देता है इससे क्लैरेंस को स्वादिष्ट भोजन मिल जाये। अब पत्तियाँ और घास और फूल पुन: उगने लगे। शहर साफ और सुंदर हुआ कही भी कूड़े का ढेर नही है। क्लैरेंस संसार सबसे अधिक खुश डायनासोर है।

Comprehension

A. **1.** A big truck jolted over a bump in the road and a box fell from it. **2.** Sam gave to the baby dinosaur name Clarence. **3.** Children played with the baby dinosaur, climbed up on him and slid down his sides. The played hide and seed around him. when it rained they stood under him. **4.** Clarence begin to lives on a lovely green hill.

B. **1.** F **2.** F **3.** F **4.** F **5.** T

Grammar & Activity

A. **1.** (b) **2.** (c) **3.** (a) **4.** (d) **5.** (e)

B. Do yourself.

English Class–5

1 : If I Were the Ruler of the World

अगर मैं दुनिया का शासक होता,
तो कुछ बदलाव मैं तेजी से करता।
मै कहता, ''शासक हमेशा पहले है,''
उसका छोटा भाई अंतिम है।
शासक की बड़ी बहन
को भी, सुनना होगा
यदि मैंने कहा, ''जाओ और एक बग खाओ,''
तो उसे क्या करना होगा।
सभी रात्रि भोज अलग होगे।
तो आपको पूरा नहीं करना होगा।
मटर या बीन्स या बोकली
या बुसेल्स अंकुर या पालक
मैने अन्त में घर पर काम करने को डाल दिया,
और उसके सभी माता-पिता ने कहा,
अब और नही रहना चाहिये, जाओ,
अपने कमरे को धोकर साफ करो
''जाओ तुम बिस्तर पर !
मेरा स्कूल पूरा हो जायेगा,
कक्षाएँ अभी भी और अंधेरे में है
नहीं, बेहतर होगा मैं इसे नीचे दस्तक देता हूँ
और एक नया पार्क बनाता हूँ।
अगर मैं संसार का शासक होता
तो सब कुछ ठीक ही होगा
यह क्या है मै इसके बारे में सोचता
जैसे मै पूरी रात बहाव मे था।

Comprehension

A. **1.** The little girl made if she become the ruler of the world "The ruler is always first, his little brother is last. **2.** The dinner be different peas or beans or broccoli or bussels sprout or spinach. **3.** The little girl intended to made a brand new park in place of the school.

B. **1.** T **2.** T **3.** F

2 : Who Did Patrick's Homework?

पैट्रिक को अपना होमवर्क करने में कभी मजा नहीं आया।

''बहुत उबाऊ!'' उसने कहा। वह उसके बजाय बेसबॉल और बास्केटबाल और बास्केटबाल और निनटेन्डो पसन्द करता है।

शिक्षको ने उन्हें बताया, पैट्रिक! क्या तुम्हारा होमवर्क अथवा तुम कुछ नही कमाओगे।''

लेकिन पैट्रिक क्या कर सकता था। वह होमवर्क से नफरत करता था।

तब एक दिन, उसने देखा कि उसकी बिल्ली छोटी गुडिया के साथ खेल रही थी। पैट्रिक ने इसे छीन लिया।

लेकिन वह अपनी आँखो पर विश वास नही कर सका। कि वह एक गुडिया नही थी बल्कि बहुत छोटा आदमीए एक योगिनी!

योगिनी एक चुडैल की तरह एक लम्बी टोपी पहनी थी। ''मुझे बचाओ!'' वह चिल्लाया, ''मुझे उस बिल्ली को वापस मत दो। मै तुम्हारी एक इच्छा पूरी करुँगा, मैं आपको वादा करता हूँ।'' पैट्रिक को अपने भाग्य पर भरोसा नहीं कर सकता हूँ छोटे आदमी का चेहरा झुर्रीदार पोछने वाले कपड़े जैसा था। उसने पैर से ठोकर मारी, अपनी मुट्ठी को बँधा और उसने मुह सिकोडा और अपने होठो को सिकोडते हुए कहा, '' ओह, मैने वादा क्यो किया! लेकिन मैं करुँगा।''

और अपने शब्द को सत्य करने के लिये, उस छोटे आदमी (बौने) ने पैट्रिक का होमवर्क प्रारम्भ कर दिया। लेकिन एक समस्या थी। बौना प्राणी नहीं जानता था कि हमेशा क्या करना था और उसे मदद चाहिये थी। मेरी मदद करो! मेरी मदद करो! उसने कहा। और पैट्रिक को मदद करनी होगी जा हे जो भी हो।

'' मै इस शब्द के बारे में नही जानता जानता'' बौन आदमी चिल्लाया जब पैट्रिक का होमवर्क कर रहा था। ''मुझे एक शब्दकोश लाओ। नहीं, नहीं देखो शब्द को, और अर्थ पढ़ो।

जब गाणित आयी पैट्रिक भाग्य से बाहर था।। तालिकाएँ क्या है?'' बौना प्राणी चिल्लाया। '' हम बौनो को इसकी कभी आवश्यकता नहीं होती। और ये जोड़, घटाना, भाग और भिन्न क्या है। यहाँ मेरे बगल मे बैठ जाओ और तुम साधारणतया मेरा मार्ग दर्शन करो।'' बौने मानव इतिहास नहीं जानते तो उनके लिये यह एक रहस्य है। इस लिये छोटे बौने पहलने से ही एक शॉटर और जोर से बोलते है, मुझे और अधिक किताबे दो; मुझे किताबो की जरुरत है। अधिक से अधिक किताबे। और तुम मेरे मदद कर सकते हो उनको पढ़ने मे भी। इस लिये पैट्रिक ने पहले कभी इतनी मेहनत करनी पड़ी। उसे रात-रात भर जागते रहना था। उसे इतना थका हुआ कभी नहीं लगा।

अन्त में, आखिरी दिन स्कूल पहुँचा और पैट्रिक ने अपना वादा निभाया। और बौने प्राणी को जाने दिया। होमवर्क के लिये, वहाँ कोई और नहीं था, इसलिये वह शान्ति और घूरतापूर्वक पीछे के दरवाजे से खिसक गया।

पैट्रिक ने अपना और अपने सहपाठियों को आश्चर्यचकित कर दिया। उसके शिक्षक धीरे से मुस्क्राये और प्रशंसा से भरे हुए थे। और उसके माता पिता के रुप मे वे अचम्भित थे कि पैट्रिक को क्या हुआ। अब वह आदर्श बच्चा था। उसने अपना कमरा साफ किया और सदैव खुश रहा और कभी किसी के प्रति रुष्ट न हुआ, जैसे कि उसने एक नया रुप विकसित किया।

अन्त में पैट्रिक ने अभी भी सोचा था कि वह बौने प्राणी के कारण अपना होमवर्क कर पाया, लेकिन मुझे रहस्य बताने दो। यह केवल आपके और मेरे बीच मे है। यह बौना प्राणी नहीं था, जो पैट्रिक का होमवर्क करता था बल्कि यह पैट्रिक था जिन्होने यह सब किया था।

Comprehension

A. **1.** Patrick never liked to do his homework because he felt that it was boring. **2.** One day Patrick's cat playing with a little doll. It was a little doll at all; rather a very tiny man, an elf. **3.** The little elf's face wrinkled like a dishcloth. He kicked his legs, clinched his fists and he scolded and pursed his lips, "Oh, why did I promise! But I shall do it." **4.** Patrick asked the elf to do his homework. **5.** No, the little elf was not happy with task Partick had assigned to him.

B. **1.** T **2.** T **3.** T **4.** F **5.** F

C. **1.** boring **2.** a doll **3.** eyes **4.** slyly **5.** model

Grammar & Activity

2. They **3.** He **4.** He **5.** He **6.** She; her

3 : The Tug of War

एक दिन मिस्टर खरगोश जंगल मे टहलते हुए गुजर रहा था। अचानक वह मि० हाथी की और दौड़ा जो कि पेड़ो का अच्छा भोजन बना रहा था। '' हैलो, भाई,'' खरगोश ने कहा।'' अच्छे दिन है न?'' हाथी अपने पैरो पर छोटे प्राणी को देखने को रुका और सूंघा। मुझे अकेले रहने दो, खरगोश। मेरे पास कुछ एक छोटो के लिये समय बरबाद करने का समय नही है।

खरगोश से इतने आदर में बात करते हुए चौंक गया। उसने अपमान महसूस किया लेकिन वह नही जानता था कि क्या करना है। इसलिये वह शन्ति से चला गया और सोचने लगा कि क्या हुआ।

जैसे ही वह चला, उसने शक्तिशाली ह्वेल को दूर समुद्र से बाहर आते देखा। उसने उससे पूछने का फैसला किया कि वह हाथी की अशिष्टता के बारे मे क्या सोचती है। उसने अपने छोटे से पंजे सिकोड़े और जोर से चिल्लाया जितना जोर से चिल्ला सकता था, व्हेल! इधर आओ!'' ह्वेल ऊपर की ओर तैरी यह देखने के लिये कि कोन बुला रहा है और उसके बारे में देखा। कुछ ही मिनटो के बाद वह एक चट्टान पर ऊपर और नीचे कूदते हुए छोटी सी खरगोश देख सकती थी। '' खरगोश'' ह्वेल ने बेबसी से कहा, क्या तुमने मुझे यहाँ बुलाया? खरगोश ने कहा, '' निश्चित रुप से '' क्या आप सोचते है कि आप कौन है? आप इतने छोटे और इतने कमजोर है कि मुझसे कुछ भी कहना उचित नहीं है, व्हेल ने पीछे मुड़कर अपनी विशाल

पूँछ को झटक कर गहरे समुद्र में चली गई। लेकिन बस तब खरगोश को एक विचार आया। उसने उसे एक बार फिर से बुलाया व्हेल! तुम सोचती हो कि मै कमजोर हूँ लेकिन वास्तव में मै तुमसे ज्यादा मजबूत हूँ! '' तुम्हे इतनी जल्दी मुझे अनदेखा नहीं करोगी यदि मे तुम्हे टग-वार मे हरा दूँगा''। व्हेल ने एक क्षण आश्चर्य से उसे देखा हंसते हुए गिरने से पहले। ''एक छोटे बहुत अच्छे,'' व्हेल ने कहा, ''जाओ खरगोश सबसे मजबूत और मोटी बेल की इकट्टा के पास गया ओर उस विशाल पशु से कहा, ''वह हाथी आज दोपहर मे मुझे इस तरह से हतोस्साहित, करने का कोई कारण नहीं था। मैं साबित कर दूँगा कि हम सब समान है।''

हाथी ने नीचे देखा और मुस्कुराया। ''और कैसे तुम यह सब करोगे छोटू?''

खरगोश ऊंचाई मे खड़ा हो गया जितना हो सकता था, देखो हाथी अपनी दाहिनी आखों में और कहा, ''तुम्हे रस्सा कस्सी के खेल मे हरा करा'' हाथी आनन्दित था। वह तेजी से हँसा कि उसके पास की पत्तियाँ अवरुद्ध हो गया। हाँलिक, उसने सोचा कि छोटे जानवर का मजाक बन गया। इस लिये वह सहमत हो गया और अपनी विशाल, भारी कमर के चारो ओर रस्सी को पूरे समय खींचते हुए थक गया।

खरगोश ने दूसरा छोर लिया और जंगल मे जाने लगा। उसने हाथी को वापिस बुलाया और कहा, रुको जब तक मैं ''खीचों'' कहूँ तब पूरी शक्ति से खींचना। खरगोश ने रस्सी का दूसरा सिरा ह्वेल के पास ले गया और कहा, इसे अपनी पूँछ मे बाँध लो और जब मै खीचो कहूँ तब तुम पूरी शक्ति के साथ तैरना व्हेल ने अपनी पूँछ को रस्सी के छोर से बाँध दिया, खरगोश की मूर्खता पर मुस्क्राते हुए।

खरगोश ने कहा, अब मै जाऊँगा और दूसरा सिरा अपनी कमर में बाँधूगा, और जंगल के लिये चल दिया। खरगोश झाड़ियों में छुप गया। और तेज आवाज के शीर्ष पर बुलाया, ''खीचो''

हाथी ने अपने चेहरे मे मुस्कान के साथ चलते हुए प्रारम्भ किया, लेकिन जल्द ही मुस्क्राहट वापिस आश्चर्य चकित हुई जब बेल से उसका आसरण रुक गया। '' हे भगवान, ''उसने अपने आप से कहा, ''खरगोश मेरी अपेक्षा से जयादा मजबूत (ताकतवर) है। जल्दी ही हाथी की नजरे आश्चर्य चकित दिखने लगी क्योंकि हाथी ने कठिनता और कठिनता से खींच लिया, लेकिन वह बेल आगे बढ़ाने में असमर्थ था।

इसी बीच, व्हेल दूर किनारे तैरने लगी, लेकिन उसकी साँस लगभग खो गई जब बेल ने कस कर खींचा और उसके साथ आने से इनकार कर दिया। उसने अधिक जोर-जोर से खींचा पर वह उसे और नहीं रोक सकी। उसने गुस्से मे कहा, ''छोटा खरगोश मुझसे ज्यादा ताकतवर नही हो सकता'' उसने कड़ी और कड़ी महनत से खींचा और जल्द ही बेल के साथ और अधिक तनाव ही हो सकता'' और एक कान फूटने की आवाज के साथ उसके दो टुकडे हो गयो।

ऐसा होने पर बचेारा हाथी जंगल से होकर समुद्र की ओर चल पड़ा और एक खड़ी घाटी के नीचे एड़ी के बल सिर पटकने लगा। अचानक उससे बंधा हुआ अंत जो उसके लिये बंधा हुआ था व्हेल के साथ बंधे हुए अन्त ने अचानक उसे पकड़ लिया। और एक बहुत ही खरोच और बहुत ही असहज मूंगा चट्टान की तरह टूट गया।

खरगोश एक शब्द के बिना छोड़ दिया और फिर कभी इस बात का उल्लेख नहीं किया। हाथी और व्हेल भ्रमित थे कि इतना छोटा जीव खरगोश सबसे बड़े जानवरों को कैसे मार सकता था। और आज तक वे बहुत सावधानी से छोटे खरगोश को बहुत सम्मान के साथ बधाई देने के लिये मिलते है।

Comprehension

A. **1.** Mr Rabbit fell insulted at Mr Elephant's behaviour. **2.** Mr Rabbit said to whale, "Just who do you think you are? You are for too small and weak to have anything to say to me." **3.** Mr Elephant was amushed because he thought to make some fun of the tiny animal. **4.** Mr Elephant's smile turned to a look of surprise when the vine stopped following him. **5.** treetops

B. **1.** F **2.** T **3.** F **4.** T **5.** T

Grammar & Activity

A. **1.** (c) **2.** (d) **3.** (e) **4.** (a) **5.** (b)

B. Do yourself.

4 : The Real Education

एक बार की बात है, उत्तर भारत के एक छोटे से राज्य मे एक राजा शासन करता था। उसका केवल एक पुत्र था। उसका नाम अशोक था। राजा उसे बहुत अत्यधिक प्यार करता था। वह उसे बहुत अच्छी शिक्षा देना चाहता था। ताकि राजा की सेवा-निवृत्ति के बाद सफल राजा की आवश्यक योग्यताओ को सीख सके और सफल शासक बने।

अशोक एक अच्छा राजकुमार भी था। वह अपने माता-पिता की आज्ञा मानता, बड़ो का आदर करता और सभी विषयों में वह दयालु और सज्जन था। लेकिन एक बात थी, कि अध्ययन से नफरत थी। उसे हर समय खेलना और आनन्द के लिये विभिन्न गेम खलना अच्छा लगता था। यद्यपि उसके पिता ने अध्ययन की महत्ता को विस्तार से समझाने का प्रयत्न किया और कई अध्यापक नियुक्त किये, लेकिन अशोक ने किसी की नहीं सुनी।

राजा बहुत व्यथित था। अन्त में उसने एक घोषणा की कि जो कोई भी मेरे पुत्र को शिक्षित करेगा उसे एक हजार सोने के सिक्के उपहार मे देगा। कई अध्यापक आये और सबसे अच्छा देने का प्रयास किया लेकिन व्यर्थ था। राजकुमार कभी भी बैठने और अध्ययन के लिये तैयार नहीं था।

राजा के पास एक बूढ़ा नौकर था जो उसकी देखभाल करता था। उसका एक बेटा था जिसका नाम मृिनाल था। राजकुमार और मृिनाल एक ही आयु के थे। वे महल के अन्दर एक छोटे से घर मे रहते थे

और उसका काम महल के कबूतर और तोतो की देखभाल करता था। युवा राजकुमार को मृनाल बहुत पसन्द था। वह अकसर जाता था और अपने कार्य मे मृनाल की मदद करता था।

जब राजकुमार को शिक्षित करने मे असमर्थ हो गये, मृनाल एक दिन राजा के पास गया।

'' महाराज, यदि आप मुझे आज्ञा दे, मैं राजकुमार को अध्ययन कराने के लिये प्रयास कर सकता हूँ।' उसने राजा से विनम्रता पूर्वक कहा।

पहले तो राजा हंसा, लेकिन जब मृनाल ने पुन: पुन: प्रार्थना की, वह सहमत हो गया, ''लेकिन आप राजकुमार को इसके बारे में कभी नही बताएंगे'' मृनाल ने राजा से प्रार्थना की।

पहले कुछ दिनो के लिये, मृनाल ने राजकुमार को कुछ नहीं पढ़ाया। राजकुमार ने पहले की तरह शाही पक्षियों की देखभाल की। मृनाल केवल राजकुमार को सिखाना चाहता था कि पक्षियो की देखभाल कैसे की जाती है, उन्हे भोजन कैसे कराया जाता है, और कैसे विभिन्न चाल दिखाने के लिये उन्हे प्रशिक्षित किया जाता है। राजकुमार ने इसे बहुत पसन्द किया और इसलिये पूरी तरह से खुद को इस कार्य के लिये समर्पित कर दिया।

एक दिन मृनाल से राजकुमार ने पूछा, उस झुण्ड मे कितनी चिड़ियाँ उड़ रही है।

''दो सौ, '' मृनाल ने उत्तर दिया। ''क्या हमारे पास और कबूतर अथवा तोते है?'' राजकुमार ने पुन: कहा। मृनाल ने कहा, ''मैने कभी नहीं गिना। चलो हम उन्हे गिने ताकि हम अपने वास्तविक संख्या को पा सके जो उन्होने जोड़ा था।

इसलिये राजकुमार ने उन्हे एक के बाद गिनती प्रारम्भ कर दिया। जब कभी उनसे एक गलती होती, मृनाल संशोधन कर देता। इस तरह मृनाल ने उन्हें गिनती सिखाई।

पूरी गिनती के बाद राजकुमार ने मृनाल से कहा, ''वहाँ १५० कबूतर और ५० तोते है।''

''अब चलो, उनके नाम रखते है और उन्हे एक पेपर मे लिखे ताकि हम उन्हे भूल न सके।''

मृनाल ने राजकुमार को सुझाव दिया। राजकुमार ने प्रसन्नता से यह विचार स्वीकृत किया।

दोनो ने पक्षियों के लिये नाम चुने और उन्हे एक कागज के टुकड़े पर लिखना प्रारम्भ किया सबसे पहले, राजकुमार दुविधा मे था। उसने बहुत सारी गल्तियाँ की लेकिन बहुत कम के साथ, वह लिखने मे निर्पुण हो गये।

कुछ दिनो के बाद, मृनाल ने राजकुमार से कहा, ''सभी पक्षियों की एक सूची बनाओ और जब राजा के समक्ष यह सूची प्रस्तुत की तो राजा की खुशी की कोई सीमा न रही।

उसने मृनाल को बुलाया और राजकुमार के आम शिक्षा के तथ्यों को सिखाने के लिये धन्यवाद किया। उसने उसे ईनाम भी दिया। जो वादा किया था ओर उसे राजकुमार का युवा सलाहकार भी नियुक्त किया।

धीरे धीरे (कृतज्ञापूर्ण), राजकुमार ने स्कूल जाना प्रारम्भ कर दिया और कुछ ही समय मे वह एक नेक राजा बन गया।

Comprehension

A. **1.** Ashok was a good prince. **2.** His father wanted to teach him well so that he could learn all the necessary skills to become a successful king after his retirement. **3.** The king an announcement that anybody who could educate his son would get a reward of one thousand gold coins. He maked such announcement for teaching the prince the basic concepts of education. **4.** The king had an old servant who looked after him. He had a son named Mrinal. He requested "Sir, if you kindly allow me, I can have a try to educate the prince." **5.** Mrinal taught the prince "Both of the choose names for the birds and began to write them on a piece of paper. At first, the prince was hesitant. He made several mistakes. But within a short period, he became expert in writing.

B. **1.** T **2.** F **3.** T **4.** F **5.** T

Grammar & Activity

1. No, I cannot **2.** Yes, I can **3.** Yes, I can **4.** No, I cannot **5.** Yes, I can **6.** Yes, I can

5 : Leisure

यह जिन्दगी भी क्या होती यदि हम पूरी देखभाल करते हमारे पास खड़े हो कर देखना, का समय न ही है।

अब हमारे पास समय नहीं है कि टहनियो के नीचे, खड़े होकर भेड़ और गाय को देर तक देखे।

हमारे पास समय नहीं है कि जिन पेड़ों के पास से गुजर रहे है जहाँ गिलहरियाँ घास के नीचे खाना छुपा रही है।

हमारे पास समय नही है कि हम दूर तक फैली रोशनी को देखे।

तारो की धाराओं को जैसे रात मे आसमान होता है।

हमारे पास समय नहीं है कि हम सौन्दर्य की झलक को पलटकर देखे, कैसे वह अपने पैरों पर नाच रही है।

हमारे पास समय नहीं है कि उसके मुँह मे भरते हुए खुशियों को अपनी आँखों से देख सके।

ये बेचारी जिन्दगी, पूरी देखभाल के साथ हमारे पास समय नहीं है कि हम खड़े हो और देखे।

Comprehension

A. **1.** The poet says that a life without leisure is a great loss. The phrase "No time" is repeated throughout the poem. This is to emphasize how important it is to find time to enjoy the beauty around us. The poem encourages us to put aside our worries and busy schedules for a while and to take a break. We should

do nothing and look at what is happening around us. **2.** The poet thought that life is meaningless without leisure because we always lead a busy and hectic life. **3.** We should have time to look around and enjoy the beauty of nature.

B. 1. T **2.** F **3.** T

Grammar & Activity

A. 1. (b) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (c) **5.** (d)

6 : Picciola

बहुत समय पहले, एक छोटे से गाँव मे एक गरीब आदमी रहता था। आदमी बहुत कठिन परिश्रमी और ईमानदार था। वह दूसरों की मदद के लिये हमशा तत्पर रहता था। इस लिये गाँव के सभी लोग उसे बहुत प्यार करते थे। लेकिन कुछ लोग, जो उससे जलते भी थे, गढ़ा हुआ एक झूठे विवाद के विरुद्ध शिकायत की। एक सिपाही ने उसे पकड़ लिया और जेल मे डाल दिया। जेल बहुत शान्त और ठण्ड से भरी और अंधेरे से पूर्ण थी। इसकी दीवारे भूरे पत्थरों से बनी थी।

उस पत्थर से आस पास की आवाजें, सुन्दर दृश्य, और सूर्य का प्रकाश पत्थर की छत से ढ़क गया था। वहाँ पर एक छोटी सी खिड़की थी जो हवा आने के लिये बनी थी लेकिन वह इतनी ऊँची थी कि वह वहाँ तक नीले आसमान को देखने के पहुँच सके। वहाँ पर कोई आदमी नही था जो उससे बात कर सके और उसके पास कोई नही था जो उससे बात कर सके।

वह वहाँ पर कई सालो के लिये रखा गया था। और उसको यह आज्ञा नही थी कि वह अपने परिवार के बारे मे, दोस्तो के बारे मे, या अपने घर के बारे मे कोई जानकारी प्राप्त कर सकता। अन्त: मे जेल के दूसरे हिस्से का दरवाजा खुला। दीवारे बहुत ऊँची और मजबूत थी, वहाँ की फर्श मे भी भूरे पत्थर बिछे थे लेकिन वहाँ पर कोई छत नहीं थी।

यहाँ पर हवा आ सकती थी, पानी आ सकता था और सूरज की रोशनी आ सकती थी। यहाँ पर वो पूरे दिन मे आधे घण्टे के लिये घूम फिर सकता था। और उसके बाद उसे उसी काली काल कोठरी मे भेजकर दरवाजा बन्द कर दिया जाता था।

एक बार टहलते समय उस कैदी ने देखा एक छोटा सा पृथ्वीनुमा उठा हुआ पर्वत दो पत्थरों के बीच जमीन पर दिखाई दिया। पहले उसके दिमाग मे आया कि छोटा कीडा या वर्म अपना घर बनाने की कोशिश कर रहे है। जब उसने पास से देखने की कोशिश की, उसने देखा कि यह एक छोटे से पौधे का घर है। हवा के द्वारा लाया हुआ कद्दू का बीज था, अब वो अपनी जड़े उन पत्थरों के बीच फैला रहा था।

''बेचारा छोटा पौधा'', कैदी ने कहा, कितना दुखी घर तुमने पाया है। क्या मै तुम्हे कुचलू दूँ, नही, तुम यहाँ डरावनी जगह मे मुझे आराम देने आये हो। वह जल्दी से अपनी कोठरी मे गया और पानी से भरा हुआ कप ले आया, उसने कहा, नन्हे दोस्त, पानी पी लो, और उसके आस पास उसने पानी बिखेर दिया। पानी पियो और अपने सर को उठा लो।

अगले दिन उसने फिर उसको देखा और पानी दिया, और वह रोज ऐसा करने लगा। वह कितनी बहादुरी से अपना सर ऊँचा उठाने लगा और अपनी जड़ो को नीचे फैलाने लगा, जिससे वह अपनी पत्तियों को खोल सके और धीमी रोशनी को पकड़ सके।

आखिरकार वह छोटा पौधा उसका मित्र बनकर उसका सहपाठी बन गया। वह उस आधे घंटे उसके ऊपर झुका रहता ओर उससे धीरे-धीरे बाते करता। वह उसको पिकिओला बुलाता। जैसे ही वह पौधा बढ़ने लगा उसकी नयी सुन्दर पत्तियाँ देखता उसका हृदय प्यार और सहृदयता से भर गया और अब वो बाहर की दुनिया को भूल गया।

एक बार जब बहुत तेज तूफान आया और ओले पिकिओला के ऊपर गिरने लगे तो उसने कहा, ''मेरा छोटा पौधा मर जायेगा,'' यह कह के कैदी रोने लगा, और उसके ऊपर झुक कर उसको बचाने लगा। वो ओले उसके सिर पर तब तक गिरते रह जब तक वो तूफान चला नहीं गया। इस डर से ''दोबारा तूफान आयेगा तो वो अन्दर होगा, उसने उसके लिये घर बनाया उन लकड़ियों का जिसे उसको गर्म रखने के लिये दी गयी थी, और उसने उसके लिये अपने बिछोने की टुकड़े से उसके लिये छत बनायी। इससे उसको बहुत खुशी प्राप्त हुयी। जब कि वह सारा दिन मे पिकिओला के पास पूरे दिन मे मात्र आधे घण्टे के लिया आता था लेकिन उसको लगता था कि वो सुरक्षित है। तो वह छोटा पौधा बढ़ने लगा और बढ़ने लगा, और उसने अपने फूलो को खोल दिया, उसके द्वारा फैलाई हुई खुशबू से अकेले दोस्त का हृदय खुशी से भर दिया।

लेकिन एक दिन, आया जब पिकिओला को मुरझाकर टूट जाना था। दुखी कैदी बहुत ही दुखी हुआ और चिल्लाने लगा कि जो छोटा सा पौधा, मेरी खुशी था, मेरी आशा था, जिसके लिये मे जी रहा था वो भी मुझसे ले ली जा रीही है? उसने बहुत ही गहराई से देखा पिकिओला जो बहुत बड़ा हो गया था, उसकी भुजा जो बहुत बडी हो गयी थी और अब उसके कमरे मे उतनी जगह नही थी कि जिसमे वह समा सके। जो उसकी भुजाएँ बढ़ रही थी उन पत्थरों से रगड़ खा के टूट रही थी। उन पत्थरों से रगड़ खा के टूट रही थी। उसको कुछ नहीं बचा पा रहा था तब भी वो उस पत्थर की ओर बढ़ रही थी। कैदी ने अपने कमजोर हाथो से बहुत कोशिश की लेकिन वो असफल रहा। बहुत बुरी तरह से रोते हुए उसने जेलर से प्रार्थना की ये उसकी शाखाओं को ऊपर कर दे। लेकिन जेल कुछ नहीं कर सकता था क्योकि उसको राजा का आदेश नहीं था उस लता को ऊपर करने का लेकिन वह राजा के कैदी पूछता क्योकि राजा बहुत दूर रहता था। तो कैदी ने एक पत्र भेजने का निश्चय किया, लेकिन उसके पास कोई पेन नही था, स्याही नही थी, ना ही पेपर था। तो उसने अपने रुमाल पर लकड़ी के बुरादे से लिखा और प्रार्थनी की अपनी जिन्दगी के नही लेकिन पिकिओला की जिन्दगी के लिये कि पत्थर की वजह से वो

बढ़ नहीं पा रहा है और वो मर जायेगा।

जब राजा ने उसका पत्र पढ़ कर कहा, कोई व्यक्ति इतना खराब नहीं हो सकता जो एक एक छोटे से फूल वाले पौधे की चिन्ता करता हो। मैने सिफ वहाँ से पत्थरों को हटा दूंगा जिससे पिकिओला मर सकता है, बल्कि मै उसका क्षमा भी करता है। वह आजाद इसलिये हो रहा है क्योंकि वो एक छोटे से पौधे से इतना प्यार करता है।

उस छोटे से पौधे पिकिओला की वजह से उस अंधेरी से कैदी आजाद होने कारण उसे अपने साथ ले गया जिसके कारण वह बच पाया।

Comprehension

A. **1.** The poor man put into prison because some people, who were jealous of him to the king. The soldiers caught him and put him in to prison. Fabricated false case and complained against him to the king. **2.** The prison was dark and cold and still. It was made of gray stone walls. The stone roof shut out the sunlight and all the beautiful sights and sounds of the world. There was one little window to let in the air, but it was so high up beyond his reach that he could not even get a glimpse of the blue sky. There was no one for the man to talk to and there was no work for him to do. **3.** After many years, at last a door was opened in to another part the prison. The walls of this part were high and strong and the floor was paved with the same great, gray stones, but there was no rood overhead. **4.** One day prisoner saw while walking in the open space a little mound of earth rising between two of the great stones of the floor. **5.** Prisoner bent over her sheltered her. The cruel hail fell upon his own head until the storm was past.

B. **1.** T **2.** T **3.** F **4.** F **5.** F

C. **1.** prison **2.** window **3.** Picciola **4.** roots

Grammar & Activity

2. They **3.** He **4.** He **5.** He **6.** She; her **7.** It **8.** She

7 : Why Cats Chase Rats?

बहुत समय पहले, जेड राज्य में चाइना पर शासक करता है। वह बहुत शक्तिशाली शासक था। बल्कि जानवर भी उसका आदेश मानते थे।

एक बार शासक ने जानवरों के लिये दौड़ की प्रतियोगिता आयोजन का निश्चय किया। उसने जानवरों मे घोषणा की, कि दौड़ मे प्रथम बारह पदों की प्राप्ति करने वाले पशुओं की चीनी राशिफल मे स्थान दिया जायेगा। प्रत्येक सदस्य के नाम पर महीने भर नामकरण करके उन्हे सम्मानित भी किया जायेगा।

जानवर बहुत उत्सुक थे। उन सभी ने कड़ी मेहनत करने और राशि चक्र मे जगह बनाने का फैसला किया। बिल्ली और चूहे, दोनो देर से उठने वाले थे। उन्होंने बैल के पास जाकर उससे अनुरोध किया कि उन्हे दौड़ के दिन प्रात: मे उठा ले। बैल ने उन्हे ऐसा कर का वचन दिया।

अन्त मे, उत्सव का दिन आया। जैसा वादा किया था, बैल बिल्ली और चूहे के पास गया और बिल्ली और चूहे को जगाने की कोशिश की। लेकिन दोनो बिल्ली और चूहे आलसी दोस्त थे। उन्होंने अपनी आँखे खोली, दूसरी ओर मुड़े और पुन: वापस से सो गये।

दौड़ आरम्भ होने वाली थी लेकिन न ही बैल अपने वादे से पीछे हटने को तैयार था और न ही बिल्ली औ चूहा हिलने को तैयार थे। उसे रास्ता नही सूझ रहा था, बैल ने उन्हे अपनी पीठ पर बैठा लिया और दौड़ने लगा।

बैल बहुत तेजी से दौड़ रहा था। जल्दी ही उसने सभी जानवरो को हरा दिया। अन्त मे एक बाधा आयी, बीच मे एक नदी आयी विजय के मार्ग मे आयी। जब तक वह उसे भी पार कर लेता, चूहा जग गया। धूर्त चूहा जानता था कि वह दौड़ मे बिल्ली को कभी हरा नही सकता इसलिये उसने कुछ दुष्ट चाल बहाल की और बिल्ली को बैल के पीछे से धक्का दे दिया।

जैसे ही बैल ने नदी को पार किया, और दूसरी ओर पहुँचा, चूहे ने छलांग लगाई और बैल के आगे जीते के लिये भगदड़ मच गयी। शेर तीसरे स्थान पर आया, लेकिन उसने भी धोखा किया था और अपने एक दूसरे पे छलांग लगाते हुए, तैरते हुए जानवरों की पीठ पर कूद कर नदी को पार किया।

इसी लिये चीनी राशि चक्र का प्रारम्भ १२ साल का चक्र चूहे से होता है। उसके बाद, बैल आता है जिस बाघ द्वारा पीछा किया जाता है। उसके बाद खरगोश, अजगर, साँप, घोड़ा, बकरी, बन्दर, मुर्गा, कुत्ते और सुअर आते है।

और जैसा कि आप अच्छी तरह से समझ सकते है, कि बिल्ली को राशि चक्र मे कोई स्थान नही मिला क्यो कि वह पहले बारह मे शमिल नही थी। वास्तव मे नदी मे लगभग डूब जाने से वह भाग्यवान हो गयी थी।

उस दिन से, बिल्लियों ने चूहा का पीछा किया। वे अपने पूर्वजो पर लगे अपमान को एक कुतरने वाले जानवर (चूहे) के मुँह से कभी नही भूल सकते।

Comprehension

A. **1.** Jade was a powerful emperor. Even the animals obeyed his orders. **2.** One day the emperor decided to organize a race for animals. **3.** Emperor announced that the animals, who would secure the first twelve positions in the race, would be given a place in the Chinese Zodiac. They would also be honoured by naming a month after each of them. **4.** The cat and the rat request the ox to wake them up at down because both were late risers. **5.** As soon as the ox crossed the river and reached the other side, the rat jumped off and scampered to victory, just ahead of the ox.

B. **1.** T **2.** F **3.** T **4.** T **5.** T

C. 1. animals **2.** month **3.** sly **4.** scampered **5.** drowned

D. 1. China **2.** lazy **3.** river **4.** third **5.** rat

Grammar & Activity

1. too **2.** inn **3.** desert **4.** of **5.** route

8 : Deepawali : The Festival of LIghts

भारत त्यौहारो की भूमि है। यह समृद्ध संस्कृति और विरासत का भी देश है। हम कई रंगो के रंगीन त्यौहारो का वर्ष भर मे मानते है। हम कई रंगो के रंगीन त्यौहारो को मनाते है। त्यौहार एक ठहराव के रुप मे आते है और हमारे व्यस्त और नीरस जीवन मे बदलाव लाते है। साथ ही वे हममे नया उत्साह और ऊर्जा भर देते है।

हम कई प्रकार के त्यौहारों को मनाते है। कुछ हमारे राष्ट्रीय त्यौहार है: कुछ त्यौहार है; जब कि कुछ अन्य मौसमों के परिवर्तन धर्मिक से जुड़े हुए त्यौहार है। त्यौहार; जैसे दीपावली, दशहरा, होली, ईद आदि धार्मिक त्यौहार है।

दीपावली को रोशनी का त्यौहार भी कहते है। यह हिन्दुओ का त्यौहार है। लेकिन मुस्लिम्स और कृश्चियन भी उत्साह का आनन्द धूम-धाम और आनन्द से लेता है।

दीपावली को अक्टूबर या नवम्बर मे मनाया जाता है। इस दिन की मान्यता है कि भगवार राम, लक्ष्मण और सीता के साथ चौदह वर्षो के वनवास के बाद वापस आये थे। अयोध्या वासियो ने घी के दिये व रंग बिरंगी लाइटो से अपने घरो को रौशन करके उनका स्वागत किया था।

दीपावली खुशी और प्रसन्नता का त्यौहार है। त्यौहार के महिनो पहले घरो और दुकानो की सफाई और पुताई की जाती है। वे बहुत अच्छी तरह से सजाए जाते है। सुन्दर तस्वीरे दीवारो पर लटकाई जाती है। मन्दिर एक नयी दुल्हन की तरह प्रतीत होते है। मन्दिर एक नयी दुल्हन की तरह प्रतीत होते है। मिठाइयां बेचने वाले थी कई दिनो पहले से ही मिठाइयां तैयार करने लगते है। त्योहार के दौरान उनका व्यापार बहुत तेजी से होता है। व्यापारी अपना पुराना खाता बन्द कर देते है और नया प्रारम्भ करते है।

दीपावली मे लोग नये कपड़े पहनते है। वे बाजार जाते है ओर बर्तन खरीदते, फल, उपहार और मिठइयां खरीदते है। बच्चे खिलौने खरीदते है और पटाखे खरी देते है। लोग उपहार और मिठाइयों अपने दोस्तो के साथ और रिश्तेदारो वालो को भेजते है। सभी लोग खुश दिखाई देते है।

इस रात को, सभी जगह रौशनी दिखाई देती है। लोग अपने घरो को सजाने के साथ घी के दिये, मोमबत्तियाँ जगाते है और विद्युत बल्ब की कतारे लगाते है। वे धन की देवी लक्ष्मी, जी की पूजा करते है। वे स्वास्थ्य, धन और वैभव के लिये परिवार और दोस्तो के प्रार्थना करते है। बच्चे आतिशबाजी के साथ खेलते है। बल्कि बड़े भी पूरे उत्साह के साथ सम्मिलत होते है।

लेकिन कुछ मूर्ख लोग, इस शुभ दिन पर जुआ खेलते है और खुद को बर्बाद करते है। यह एक बुरी प्रथा है। इस पर रोक लगनी चाहिये।

Comprehension

A. 1. Festivals come as a short break and bring changes in our hectic and monotonous lives. They fill us with new vigour and energy. **2.** Our national festivals; some are religious; while some others are associated with the change of seasons. Festivals like Deepawali, Dussehra, Holi, Eid are religious festivals. **3.** Deepawali is celebrated in the month of October/ November. It is believed that on his day, Lord Rama, along, along with Lakshmana and Sita returned to Ayodhya after fouteen years of exile. The people of Ayodhya welcomed them by illuminating their houses with earthen lamp and colourful lights. **4.** Deepawali is the festival of joy and happiness. Months before this festivsal houses and shops are cleaned and whitewashed. They are decorated very nicely. Beautiful pictures are hung on the walls. Temples looks newly wed brides. **5.** On Deepawali, people wear new clothes go to the market and buy utensils, fruits, gifts and sweets. Children buy toys and crackers. People exchange gifts and sweet with their friends and relatives. Greeting card are sent to those living at far away places. Everybody looks happy and joy.

B. 1. (b) **2.** (d) **3.** (e) **4.** (c) **5.** (a)

C. 1. Deepawali **2.** Eid **3.** Christmas **4.** Deepwali **5.** Light

Grammar & Activity

A. 1. feminine **2.** feminine **3.** masculine **4.** masculine **5.** masculine

B. 1. The girl was beating the bitch. **2.** The boy was singing. **3.** An old man was sitting on the bench. **4.** The mare was pulling the cart. **5.** The tigress was roaring.

9 : When the Moon was Punished

बहुत समय पहले, एक समय था जब देवता पृथ्वी पर स्वतन्त्रता से घूम सकते थे। यह उन दिनो की बात थी कि जब भगवान गणेश अपने मूषिका पर सवार होकर गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपनी सभी भक्तो से मिलने निकल पड़े। उनका जन्मदिन।

अब पढ़ो।------

ओह, मेरे प्यारे लड्डू। लेकिन मै पूरी तरह तृप्त हूँ। मै और नही ख सकता हूँ। फिर भी मै अपने पसंदीदा लड्डू नहीं छोड़ सकता। मुझे उनका साथ मे ले जाना चाहिये।

क्या मामला है? तुम कैस गिर गये।

महाराज, मै तुमसे क्षमा मांगना चाहता हूँ मै रास्ते मे ठोकर खा गया।

चन्द्रा को अहसास हुआ कि वह मुसीबत मे है। वह अपने जीवन के लिये भागा। गणेश उसके पीछे भागे। मै तुम्हे नहीं छोडूंगा।

अचानक गणेश की आँखो ने चन्द्रा को देखा।

तुम क्या समझते हो! तुमने मेरा अपमान किया।

चन्द्रा ने घर मे प्रवेश किया ओर अन्दर की ओर देखा।

बिना चन्द्रमा के, रात मे प्रकाश नही है। लोग पृथ्वी मे उलझे हुए है।

हम इस अन्धकार मे कैसी रह सकते है।

चलो, स्वर्ग चलते है और गणेश से प्रार्थना करते है कि हमे प्रकाश दे।

हे भगवान! कृपया अंधकार से हमे बचाए। चन्द्रमा को क्षमा करके और उसे छोड़ दो।

गणेश ने लोगो के लिये अपनी गलतियों को महसूस किया। उसने चन्द्रा को छोड़ने का निश्चय किया।

चन्द्रा ने धीरे से द्वार खोला और मुड़े हुए हाथो के साथ बाहर आया।

बाहर आओ चन्द्रा। मै तुम्हे नुकसान नहीं पहुँचाऊंगा। तुम्हारा जीवन अब सुरक्षित है मेरे भक्तो के लिये।

हे भगवान! मेरे अनदेखे कार्यो के लिये मुझे क्षमा करे।

सोचो, अब मै तुम्हे नही मारुँगा। लेकिन निश्चित ही मै तुम्हे सजा दूँगा। तुम मेरे जन्मदिन पर मुझ पर हंस रहे थे।

अब से, जब तक आप पूर्ण गोल नही होते, तब तक आप अपना चेहरा कम करके दिखायेगे।

हे भगवान! मै आपका फैसला स्वीकार करता हूँ।

हे भगवान! आप महान हो।

तब से, इस दिन तक चन्द्रमा पूर्ण गोल नही होते, तब तक आप अपना चेहरा कम करके दिखायेगे

हे भगवान! मै आपका फैसला स्वीकार करता हूँ।

हे भगवान! आप महान हो।

तब से, इस दिन तक चन्द्रमा पूर्णिमा तक बड़ा होता है और उसके अमावस्या के समय तक छोटा होना प्रारम्भ कर देता है।

10 : The Hare and the Elephant

एक समय की बात है हिमालय की तलहटी के घने जंगल मे, हाथियो का झुण्ड रहता था। एक बहुत बड़ा खरगोश उसी जंगल मे एक बिल मे रहता था। वहाँ युवा हांथियो का झुण्ड था। उनमे से एक युवा हाथी ने खरगोश के साथ दोस्ती कर ली।

उनके आकार मे अन्तर के बावजूद वे अच्छे दोस्ते थे। वे अक्सर साथ-साथ खेलते थे और अजीब-सी अटकल के खेल खेला करते थे। एक दिन खरगोश ने हाथी से कहा, ''कि आपके विचार मे बड़ा कौन है, तुम या मै?

छोटा हाथी उसके मूर्खता पूर्ण सवाल से अचम्भित हुआ। ''बहुत अच्छा मजाक है'' उसने कहा। भले ही आप अपनी ऊँची एड़ी के जूते पर खड़े हो, आप मेरे घुटने के रुप मे उच्च नही है।

खरगोश ने कहा, '' यह आपकी अपनी राह है।'' ''क्यों कि मै कहता हूँ कि मै आपसे बड़ा हूँ, हमे निर्णय लेने के लिये एक न्यायाधीश की जरुरत है। क्या आप सहमत नही है?

''अरे हाँ,'' हाथी अभी तक इस सदमे से उबर नही पाया, हमे निश्चय ही इस मामले मे निर्णय के लिये एक न्यायाधीश की आवश्यश्कता है'' उसने कहा।

'' अच्छा! खरगोश ने कहा, ''चलिये गाँव की ओर चलते है ओर देखते है कि मनुष्यों का क्या कहना है। वे पृथ्वी के सभी प्राणियो मे सबसे अधिक चतुर है, और सबसे अच्छे न्यायाधीश है!''

इसलिये दोनो पास के गाँव की ओर चल पड़े। जैसे ही वे गाँव के बाहर पहुँचे वे कुछ ग्रामीणों से मिले। ''देखो उस युवा हाथी को। क्या वह छोटा नहीं है?'' एक ग्रामीण ने अपने क्षेत्र मे काम करते हुए कहा, असामान्य जोड़ी की ओर टिप्पणी करते हुए कहा।

हाँ, वास्तव मे है लेकिन वह जल्दी ुबड़ा हो जायेगा, दूसरे ने कहा। तब किसी ने खरगोश को देखा '' कितना बडा खरगोश!'' वह उत्तेजित हो कर चिल्ला उठा।

अब खरगोश ने हाथी के सामने आने का प्रयास किया और अपना सीना फुलाया। जैसे ही वह गुजरा सभी ग्रामीण चिल्लाये, ''उसके पंजे देखो! और उसके कान हमने अभी तक का सबसे बड़ा खरगोश देखा है। जब खरगोश ने यह चुना, वह अपने दोस्त की ओर मुड़ा और मुस्क्राते हुऐ कहा, '' कोई सन्देह! मेरे विचार से मामला सुलझ गया अब। मै बड़ा हूँ और तुम छोटे। हम अब घर जा सकते है!''

हाथी ने अपना भारी सिर पटका। उसे अपने शब्दो के लिये नुकसान मे था। वह जानता था कि खरगोश बेइमानी से जीता था लेकिन वह इस मामले मे कुछ नही कर सकता था।

और जंगल के रास्ते वापिस चला, उसने देखा उस खरगोश को जो अभी भी वर्चस्व की हवा के साथ आगे चल रहा था। गुस्से से बाहर, उसने अपना पैर उठा लिया और कहा, ''मेरे रास्ते से हट जाओ इससे पहले छोटा हाथी एक बैड खरगोश को कुचल दे।

Comprehension

A. **1.** The herd of elephants lived in a dense forest on the foothills of the Himalayas. A very large hare also lived in burrow in the same forest. **2.** They decided to make the human beings to make the judge. **3.** The two of them left for the nearby. As they reached the outskirts of the village, they met some of the villagers. **4.** The hare tried to keep in front of the elephant and puffed out of his chest. As he passed, all the villagers exclaimed. "Look at his paws! And those ears! That's the biggest hare we've ever seen!" **5.** The elephant tossed his heavy head. He was at a loss for words. He knew that the hare had won by foul means.

B. **1.** (e) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (c) **5.** (d)

Grammar & Activity

1. (e) **2.** (g) **3.** (f) **4.** (d) **5.** (b) **6.** (a) **7.** (c)

11 : Sun, Moon and Wind

सूरज, चन्द्रमा और हवा भाई और बहन थे। एक दिन वे अपने चाचा और चाची (बिजली और गर्जन) के महल मे उनके साथ भोजन करने गये। उनकी माँ (जो सबसे दूर के सितारो मे से एक है जिसे आप आकाश मे दूर तक देखते है) अकेले अपने बच्चो के वापिस आने की प्रतीक्षा करती थी।

उसकी चाची ने कई प्रकार के पकवान उनके लिये बनाये। अब दोनो सूरज और हवा लालची मतलबी हो गये। उन्होंने महान दावज का आनन्द लिया जो उनके लिये तैया की गई थी। उन्होने अपनी माँ को घर ले जाने के लिये इसे बचाने के बारे में कभी नही सोचा। लेकिन आदर्श चन्द्रमा उसे नहीं भूला। हर स्वादिष्ट व्यंजन मे, जिसे समेट कर रखा था, उसने अपने खूबसूरत लंबी उंगली के नाखूनो के नीचे एक छोटा सा हिस्सा रखा ताकि उनकी माँ भी हिस्से दारी मे शामिल हो। जब वे रात्रि के भोजन के पश्चात वापिस घर लौटे उनकी माँ तब भी इन्तजार कर रही थी। अपने अच्छा बच्चो, तुम मेरे लिये घर क्या लाये हो? उसने अपने बच्चो से पूछ। तब सब से पहले चन्द्रमा पहले बोला जो सबसे बड़ा था, मै तुम्हारे लिये घर मे कुछ नहीं लाया। मै अपने आनन्द के लिये बाहर चला गया था और न कि अपनी माँ के लिये रात का खाना खाने के लिये। हवा ने कहा, मै भी आपके लिये घर मे कुछ भी नही लायी। तुम सबसे मुझसे कैसे अच्छी चीजो का सग्रह लाले की उम्मीद कैसे कर सकते हो जब आप केवल अपनी खुशी के लिये बाहर गये थे। उनकी माँ उनके उत्तर से बहुत दुखी थी। लेकिन चन्द्रमा ने कहा, माँ एक प्लेट लाओ और देखो मै तुम्हारे लिये क्या लाया हूँ? इसके साथ, उसने अपने हाथो को हिला कर रखा दिया और इस तरह के एक साथ बहुत रात के खाने की बौछार की, जैसा कि पहले एसा कभी नही देख गया था तब तारा घूमा और सूरज से कहा, चूँकि आप घरपर अपनी माँ के बारे मे सोचते हे ओर आप कभी भी इसका आनंद नहीं लेते है इसलिये मै आपको बताती हूँ कि आपकी किरणे कभी भी गर्म और झुलसने वाली होंगी ओर वे सभी वस्तुएँ जल जायेगी जो वे छूते है। जब आप प्रकट होंगे तो सभी पुरुष आपसे घृणा करेगें और उसमे सिर को ढक लेगे।

(और आप जानते हो कि सूर्य आज कितना गर्म है) फिर हवा पीछे मुडी और बोली, तुम भी अपने स्वार्थ और खुशी के बीच अपनी माँ को भूल जाते हो इसलिये यहाँ तो तुम्हारी कयामत है। वह हमेशा गर्म शुष्क मौसम मे उड़ती रहेगी और सभी जीवित चीजों को साफ कर जाएगी। सभी लोग इस समय से आप से घृणा करगे और आपसे बचेगें।

(और यही कारण है कि गर्म मौसम मे हवा अभी भी इतनी असहनीय है।)

अब वह चाँद की ओर मुड़ी और बोली, ''बेटी, क्यों कि अपनी माँ को याद करते थे, और उसके लिये अपने भोग मे से हिस्सा रखते थे, इस लिये आगे से आप हमेशा शांत, ठण्डे और उज्जवल रहेगें।

(और यही कारण है कि चंद्रमा का प्रकाश आज भी नरम, ठण्डा ओर सुन्दर है।)

Comprehension

A. **1.** The sun, Moon and Wind were brothers and sisters. 2. One day, they went out to the palace of their uncle and aunt thunder and lightning to dine with them. 3. Of every delicious dish that was brought round, she placed a small portion under one of her beautiful long finger-nails, so that their mother might also have a share in the treat. 4. Mother asked, "Welcome children, what have you brought home for me?" She asked her children. 5. Star curse you that henceforth, your rays shall ever be hot and scorching and shall burn all that they touch.

B. **1.** T **2.** F **3.** F **4.** T

C. **1.** (d) **2.** (e) **3.** (a) **4.** (c) **5.** (b)

Grammar & Activity

1. The **2.** An; the **3.** the **4.** a **5.** A; the

12 : Change of Flavour

जहाँगीर महान अकबर का बड़ा पुत्र था। वह एकलौता एक ऐसा मुगल सम्राट था जिसने पूरे भारत मे शासन किया।

जहाँगीर को उनके प्यार, सुन्दर और न्याय के लिये याद किया जाता है। सके पास शाही महल के द्वार पर लटकी एक सुनहरी जंजीर पर एक बड़ी घंटी थी। कोई भी जब उस जंजीर को खींचता, उसकी सुनवाई होती थी ओर उसे उसके द्वारा न्याय मिलता।

उसे लकड़ियो की सुन्दरता का, फूलों की खुशबू का और फलों के स्वाद का भी शौक था। अक्सर, वह अपने मंत्रियों, दरबारियों और अन्य परिचारकों के साथ जुलूस में निकलता था। लेकिन कई मौको पर वह अपने साम्राज्य के लोगो की दशा देखने के लिये एक सामान्य आदमी के भेष में अकेले भी निकल जाता था। वह कस्बो और गाँवों का दौरा करते लोगों से बात करते और फिर अपने बहुत सुधार के लिये नये विचारों के साथ महल लौटते।

एक दिन वह एक व्यापारी के भेष मे अकेला वहाँ से चला गया। यह सितम्बर का महिना था। बारिश ने सिर्फ पृथ्वी को और पेड़ो और पत्तियों को धोया था। सभी वस्तुएँ बारिश के बाद नहायी हुयी चमकती प्रतीत हो रही थी।

जब ग्रामीण इलाकों के मध्य से सवारी निकली, उसने देखा किसान अपने खेत मे खेती कर रहा है। इस वर्ष बारिश भरपूर थी। खेत अपनी फसलों के साथ हरे दिखाई दे रहे थे। वे हल्की हवा मे लहरा रहे थे। वह यह सोच कर खुश हो रहा था कि उसके साम्राज्य मे कोई अकाल नही पड़ेगा और लोग भूखे नहीं मरेंगे।

दिन चढ़ गया था ओर लगभग दोपहर हो गयी थी। सूरज सर पर चढ़

गया था। और उसे प्यास और थकावट महसूस हो रही थी। जैसे ही अपने चारो ओर देखा, उसने एक छोटी झोपड़ी देखी, वही से थोड़ी दूर पर। वहाँ झोपड़ी के पीछे एक बगीचा भी था। वह कुछ आराम के लिये वहाँ गया।

यह बहुत सुन्दर बगीचा था। एक तरफ आम की कतार थी और दूसरी तरफ कुछ अनार के पेड़ थे। वह आम के पेड़ो के नीचे बैठ गया और आराम करना प्रारम्भ किया। जल्द ही, पेड़ो के बीच बहती कोमल हवा ने उसे तरोताजा कर दिया और उसे नया जोश महसूस हुआ।

उसे प्यास का अनुभव हो रहा था। इस लिये वह झोपड़ी की ओर गया और दरवाजे को खटखटाया। एक दयालु महिला बाहर आयी। वह बगीचे के साथ ही साथ उस झोपड़ी की मालकिन भी थी।

वह एक उदार और दयालु महिला थी। उसने थके हुए व्यापारी को देखा और उसे अन्दर बुलाया। उसने उसे बैठने के लिये प्रस्तावित किया और अपनी पुत्री मैरियल को बुलाया। जब वह अन्दरआयी तो महिला ने उसे एक ग्लास ताजा अनार का जूस तैयार करने को कहा।

मैरियन बगीचे मे गयी और कुछ ताजे अनार तोड़े। उसने उन्हे खोल दिया और एक ग्लास मे रस निचोड़े लिया। उसने उसमे थोड़ा सा नमक और चीनपी भी डाली। तब उसने उसमे कुछ हरी पुदीने की पत्तियाँ जूस की सतह मे तैराई और मेहमान को ग्लास भेट किया।

थका और प्यासा शासक ने ग्लास को धीरे से पिया। वह बहुत खुश था ओर उसकी प्यास बुझ गयी थी। लेकिन वह उस पर तैरते पत्तो के कार्य को जानने के लिये उत्सुक था।

उसने कहा कि ''जूस बहुत ही मीठा और स्वादिष्ट था,'' लेकिन इसमे पुदीने की पत्तियों का क्या उपयोग था?''

महाराज! ''मै आपसे क्षमा माँगती हूँ!'' मैरियन ने कहा, ''लेकिन एक लम्बी सवारी के बाद, आप बहुत प्यासे प्रतीत लग रहे थे। क्या आपने एक सूखे मे जूस पिया, आपको ठण्ड पकड ली होगी। इसलिये सबसे ऊपर पत्तियों को डाला ताकि आप जूस को धीरे धीरे पिये।

शासक बहुत ही ज्यादा खुश था जूस के साथ तरोताजा होने से, और दयालु महिला के गर्म आतिथ्य और युवा लड़की की बुद्धिमत्ता से। उसने और अधिक जूस के लिये पूछा।''

कुछ और अनार तोड़ने के लिये अपने मेहमान के लिये जूस तैयार करने के लिये मैरियन बाहर गयी। इसी बीच सम्राट के दिमाग मे एक विचार आया। उसने बगीचे की प्रशंसा की ओर पेड़ो पर भी कर लगाने के बारे मे सोचा। उसने अपने आप से कहा, ''''कि वह मेरे खजाने को समद्ध करेगा।

लेकिन इस बार लड़की जल्दी वापिस नही आयी। सम्राट अधीर हो रहा था। वह बहुत लम्बे समय बाद लौटी और उसे रस का ग्लास सौंप दिया। इस बार, ग्लास आधा खाली था। हालकि उसने रस को पी लिया लेकिन यह इतना स्वादिष्ट नहीं था जितना कि पहले था, यह कडुआ था।

अब शासक ने अपना धैर्य खो दिया था। उसने खुलासा किया कि वह कौन था और उसने लड़की से स्पष्टीकरण की मांग की।

मेरे महाराज!'' मैरियन से विनम्र स्वर मे कहा,''अब मुझे समझ मे आया कि पेड़ो के फल अचानक क्यों सूख गये। अन्य सभी जीवित प्राणियो की तरह, पेड़ भी सम्राट से न्याय और पक्ष की अपेक्षा करते है। केवल सम्राट की अच्छी इच्छा ही पेड़ो को रसदार फल देने मे मदद करती है। जब आप पहुँचे तो वे बहुत खुश थे कि आपको स्वाद से पूर्ण ग्लास मिला। लेकिन अब ऐसा लगता है कि वे आपसे डर गये है। इसलिये उन्होंने अपनी सुंगध और स्वाद को खो दिया है।

सम्राट को अपनी गलती का अहसास हुआ। उसी समय वह सुन्दर युवा लड़की के मजाकिया जवाब से मंत्रमुग्ध था।

''जाओ और अपने पेड़ो को आराम महसूस करने के लिये कहो,'' सम्राट ने मुस्क्राया, '' मै उन पर कोई कर नहीं धोपूँगा।

लड़की सम्राट के समक्ष झुक गयी ओर मुस्क्रायी थी।

Comprehension

A. **1.** Jahangir was the eldest son of Akbar, the great. Jahangir is remembered for his love for beauty and justice. **2.** Jahangir was found of the beauty of the woods, the fragrance of the flowers and taste of fruits. **3.** Jahangir was feeling thristy. So he went towards the cottage and knocked at the door. **4.** Marian said, "I beg your pardon, sir!" "But after a long ride on a hot day, you seemed to be very thirsty, had you drank the juice in a drought, you might have caught cold. So, I had added the leaves on the top so that you sip the juice slowly." **5.** The trees also expect justice and favour from the emperor. Only the good will of the monarchs helps the trees bear juicy fruits. They were happy when you arrived, so you got a glassful of flavoured juice.

B. **1.** T **2.** F **3.** T **4.** F **5.** F

C. **1.** (d) **2.** (a) **3.** (e) **4.** (b) **5.** (c)

Grammar & Activity

2. fragrance **3.** juicy **4.** gentle **5.** witty **6.** gracious **7.** pretty **8.** plentiful **9.** green **10.** thirsty

13 : Honesty Always Pays

मीनू केवल आठ वर्ष की है। वह बहुत दयालु विनम्र और सज्जन है। आज उसका जन्मदिन है और वह लम्बे समय से कलाई की घड़ी की उम्मीद कर रही थी। लेकिन उसके गरीब माता-पिता उसके लिये नही खरीद सकते थे। इसलिये उसने दुखी मन के साथ विद्यालय चल दी।

जब वह विद्यालय पहुँची, उसके किसी दोस्त ने उसका अभिवादन किया। बल्कि, उसके बहुत दोस्त नही थे। जबकि वह गरीब थी, सभी लोग उसे नजरअंदाज करने का प्रयास करते थे। वह कक्षा मे गई और उसने अपना बैग अपनी मेज पर रखा। अभी तक घण्टी नही बजी थी।

वह खेल के मैदान मे आयी। दूसरे बच्चे विभिन्न खेल खेल रहे थे।

किसी ने उसे नहीं बुलाया। दुखी हो कर वह एक कोने मे गयी और बैठ गयी। उसकी नजर अचानक, थोड़ी दूर पर पड़ी किसी चीज पर पड़ी और पास गई यह बहुत सुन्दर कलाई घड़ी थी उसने उसे उठा लिया और इसे अपनी जेब मे रख लिया। घड़ी बहुत महंगी थी और बहुत सुन्दर थी। एक बार के लिये, उसने यह सोच कर रखना चाहा। कि यह उसके जन्मदिन पर भगवान का उपहार होगा।

लेकिन जल्द ही उसके विवेक ने उसके दिल के अन्दर से कहा, ''मीनू, यह बुरी बात है। कलाई घड़ी तुम्हारी नही है। तब तुम इसे क्यों रखना चाहिये। उस बच्चे के बारे मे सोचो जिसने इसे खो दिया। वह बहुत ही दुखी होगी। उसके माता-पिता उसे वास्तव मे महंगी घड़ी खोने के लिये डाँट रहे होंगे। तुम्हे उसको वापिस दे देनी चाहिये।

मीनू ने एक बार उस पर कार्यवाही करने का फैसला किया। वह सीधे अध्यापक के कमरे मे गई और अपनी कक्षा अध्यापक को सौंप दिया। उसने कहा, जहाँ उसे यह मिला और उसने शिक्षक से इसे उसके असली मालिक को लौटाने का अनुरोध किया।

अध्यापक उसको ईमानदारी से बहुत प्रभावित थे। वह मीनू को प्रधानाध्यापक के कमरे मे ले गये और पूरी घटना सुनायी। तब उसने घड़ी प्रधानाध्यापक को सौंप दी। प्रधानाध्यापक ने मीनू की पीठ थपथपायी और उसे वापिस कक्षा मे जाने को कहा।

जल्द की घण्टी बजी और बच्चे प्रार्थना के लिये गये। प्रार्थना के बाद प्रधानाध्यापक ने मीनू को बुलाया और सामने आने के लिये प्रार्थना की। ''मीनू एक ईमानदार लड़की है, प्रधानाध्यापक ने कहा, ''आज खेल के मैदान मे उसने एक कलाई घड़ी पायी। उसने अपनी कक्षा अध्यापक को सौप दिया। घड़ी के मालिको आगे आना चाहिये और मीनू के हाथो से इसे ले ले।

इसके साथ ही, प्रिंसिपल ने कलाई घड़ी मीनू को सौप दी।

जल्द ही एक लड़की आगे आयी और उसने कहा कि यह उसकी कलाई घड़ी थी। उसको खो गयी थी। कल जब वह खेल के मैदान मे खेल रही थी। उसने मीनू के हाथ से घड़ी ले ली और उसकी ईमानदारी के लिये उसे धन्यवाद कहा। सभी बच्चे, अध्यापक और बल्कि प्रधानाध्यापक ने तालियाँ बजाई और उसकी प्रशंसा की। मीनू के नेक काम के लिये। यह क्षण मीनू के लिये खुशी से भरा हुआ था।

इसके बाद, सभी लोग जान गये थे कि मीनू एक ईमानदार लड़की थी। विद्यालय की सभी लड़कियाँ उसके साथ दोस्ती करने का प्रयास करती थी। मीनू ने सीखा कि ईमानदारी का अपना प्रतिफल होता है।

Comprehension

A. **1.** Minu could not get a wrist watch on her birthday because her parents were poor. **2.** None of her friends greeted her. In fact, she had not many friends. Since she was poor, everybody tried to avoid her. **3.** Minu found a beautiful wrist watch. She picked it up and put it in her pocket. The watch was expensive and very beautiful. **4.** Minu changed her mind because she thought, It's bad. The wrist watch is not yours. then why should you keep it? Just think of the child who has lost it. She must be very upset. Her parents must have scolded her for losing such an expensive watch. You must give it back to her. She went straight to the teacher's room and handed it over her class teacher. She told where she got it and requested the teacher to return it to its real owner. **5.** The principal spotted Minu on her back and told her to return to the class. "Menu is an honest girl."

B. **1.** F **2.** F **3.** T **4.** F **5.** T

C. **1.** heart **2.** playground **3.** class teacher **4.** honesty

Grammar & Activity

1. American **2.** Japanese **3.** Brazilian **4.** Germans **5.** French **6.** Russian **7.** Bangladeshi **8.** Indonesian **9.** Asian **10.** Canadian **11.** Spanish **12.** Negro **13.** Burmese **14.** Nepali

14 : The Goddess of the Tree

एक समय की बात है, हमारे देश मे एक राजा रहता था। एक बार वह अपने लिये एक महल का निर्माण करना चाहते थे, जो देश के किसी भी अन्य महल से अधिक सुन्दर हो। उन्होंने यह भी तय किया कि महल के केंद्र मे केवल एक स्तम्भ होना चाहिये जो पूरी इमारत का समर्थन करेगा या सहारा बनेगा।

इसलिये राजा ने अपने मुख्य मंत्री को बुलाया और कहा,''कुछ आदमियों को पास और दूर के जंगल में भेजो। उन्हें काटने को और सबसे बड़े और मजबूत पेड़ को लाने को कहा, वे ढूंट सकते है।''

एक बार पेड़ो के लिये उचित अनुभवी लकडहारों को ढूंढ़ने के लिये भेजा। उन्होंने राज्य की लम्बाई और चौड़ाई को मापा। लेकिन कई दिनों के बाद वे खाली हाथ वापिस आये।

समूह के मुखिया ने कहा, वहाँ कई मजबूत और विशाल पेड़ जंगल मे है। लेकिन हम राजधानी तक नहीं ले जा सकते और खींच नहीं सकते।

राजा ने कहा, ''बहुत अच्छा ''तुम्हे राजधानी के पास से ही, उसके जैसा बड़ा पेड़ ढूढंना चाहिये। सात दिनो मे ही उसे साथ ले कर आओ।''

लकड़हारे पुन: चले गये और चारो ओर देखा। अन्त मे उन्होंने शानदार नमकीन पेड़ देखा जो कि महल से दूर नही था, उगा हुआ था। यह एक अनुपयोगी मजबूत, बडा और बहुत ही सुंदर पेड और आसानी से इस उद्देश्य को पूरा किया जा सकता था।

इसलिये लकड़हारो ने पेड़ को काटने का निश्चय किया। पास के गाँव के लोग पेड़ की पूजा करते थे।

उनका विश्वास था कि पेड़ मे देवी रहती है। जब उन्होंने सुना कि लकडहारे पेड़ को काटेंगे, वे माला, दीपक और बैण्ड के साथ आये। उन्होंने पेड़ की देवी की पूजा की और लकड़हारों से पेड़ को ना

काटने की प्रार्थना की।

लकड़हारे देहाती लोग थे। उन्हे भी विश्वास था कि स्थानीय ग्रामीणो ने उन्हे पेड के बारे मे बताया था लेकिन वे मजबूर थे।

वे भी उनकी पेड की देवी से प्रार्थना करने का सुझाव दे रहे थे और पेड को छोड देने के लिये उनके मुखिया ने सात दिन बाद आकर काटने को कहा।

जो कुछ हुआ पेड़ की देवी समझती थी। कुछ पल आराम की हवा के रुप मे चुप रही फिर उसके सारे पत्ते कानाफूसी करने लगे। ''श-श! हमारे गिरने से हमारे संरक्षण के तहत उगने वाले सभी छोटे पेड़ो को कुचल दिया जायेगा। हमे खुद की परहवाह नहीं है, लेनिक बच्चो की खातिर हम चाहते है कि राजा को यह आदेश इच्छित नहीं था।

पेड की देवी को भी आराम हुआ। इसकी अनुमति नही होनी चाहिये। मुझे राजा से मिलने जाना चाहिये और उनका मन बदलने की कोशिश करनी चाहिये। उसने विचार बनाया।

उस रात, जब राजा बहुत गहरी नीद मे सोया था, एक चमकती हुयी आकृति उसके सपने मे दिखाई दी। उसने बहुत धीमी आवाज मे कहा, ''अरे राजा! मैं उस शानदार पेड़ की देवी हूँ। आज आपने मुझे काट देने की योजना के बारे मे सुना। इसलिये मै तुमसे यह कहने आयी हूँ कि तुम अपना दिमाग बदल दो।''

राजा ने कहा, ''नही! मै ऐसा नही कर सकता।'' महल के पास केवल तुम्हारा पेड़ ही पर्याप्त मजबूत और मेरे नये महल के लिये स्तम्भ खम्भा था। इसलिये इसे मेरे पास होना चाहिये।'' अरे राजा!'' देवी ने कहा, ''चारो तरफ गाँव वाले लोग हजारो वर्षो से मुझे पूजते है। कई पक्षी और जानवर मेरी शाखाओं में अपना घोंसला बना कर रहते है। लोग आते है और मेरी ठण्डी छाया के नीचे बैठते है और झुलसाने वाली धूप से छुटकारा पाते है। कृपया उनके बारे मे सोचो और पेड़ को छोड़ दो।

राजा ने कहा ''मैं सहमत हूँ, पेड़ की देवी मे सभी मे सहमत हूँ लेकिन मैं तुम्हे नहीं छोड़ सकता। मै अपना फैसला नही बदल सकता।

पेड की देवी कुछ समय के लिये शान्त हो गयी और तब उसने पुन: कहा।'' तब अरे शक्तिशाली राजा! क्या मेरे लिये एक काम करोगे। कृपया मुझे तीन भागो मे कर दो। पहला, हरे भाग मे काटना। दूसरा मेरा मध्य का भाग, इसकी सौ भुजाओं और हाथो के साथ। और अन्त मे मेरा घड़ काटना।

राजा ने कहा, ''यह अदभुद प्रार्थना है।'' ''मैने कभी नहीं सुना कि किसी ने तीन बार के दुख के लिये इच्छा की हो।''

''मेरा परिवार मेरे आस-पास ही विकसित हुआ है। दर्जनो युवा पेड़ मेरे चारो ओर कूदते है। वे मेरी छाया पर निर्भर रहते है। यदि तुम मुझे एक शक्तिशाली भाग मे काटते हो तो मेरा वजन निश्चित रुप से मेरी सभी बच्चो को कुचल देगा। यदि मै तीन बार दर्द झेलती हूँ और तीन टुकड़ो मे गिर जाती हूँ, तो कुछ लोग बच सकते है।''

राजा कुछ समय के शान्त हो गये।'' क्या महान बलिदान है।'' उसने सोचा

पेड की देवी ने पूछा, ''क्या तुम मेरी प्रार्थना स्वीकार करोगे?

''हाँ मैं करुँगा,'' राजा ने कहा।

''धन्यवाद तुम्हारा अरे राजा!'' पेड़ की देवी ने कहा और धीरे से आकृति गायब हो गयी।

अगली सुबह, राजा ने मंत्री को बुलाया और लकड़हारे के मुखिया को भी।

उसने उनसे कहा,'' मैने अपना मूड़ बदल दिया। नये महल का स्तम्भ पत्थर का बनना चाहिये, ना कि लकड़ी का।''

''लेकिन आपने अपना निर्णय क्यो बदल दिया?'' उन्होंने आश्चर्य से पूछा।

क्योंकि उस पेड़ मे एक सज्जन देवी रहती है,'' उसने कहा। तब उसने उन्हे अपने सपने के बारे में बतलाया।

Comprehension

A. **1.** The king decided that there should be only a single column in the centre of the palace which would support the entire building. So the king called his Chief Minister and said, " Sent men to our forest far and near. Ask them to cut down and bring to the city the biggest and strongest tree they can find." **2.** The woodcutters returned empty handed because there were many strong and gigantic trees in the forest and they cannot able to carry or drag them all the way of the capital. **3.** At last they saw a splendid Sal tree that grew not far from the palace. It was an unusually strong, large and beautiful tree and would easily serve their purpose. **4.** When villagers heard that the woodcutters would cut the tree, they came with garlands, lamps and bands. They worshipped the tree goddess and then requested the woodcutters not to cut the tree. The woodcutters were rustic people. They also believed what the local villages had told them about the tree. But they helpless. **5.** That night, while the king was fast asleep, a shining figure appeared to him in his dream. It spoke to him in a very soft voice, "O king! I am the goddess of the Sal tree. Today I heard of your plan to cut me down. So I have come to beg you to change your mind."

B. **1.** T **2.** F **3.** T **4.** T **5.** T

C. **1.** tree **2.** Sal **3.** restless **4.** shade

Grammar & Activity

A. **1.** went to **2.** told **3.** came **4.** won **5.** cleaned

B. **1.** parrot **2.** lion **3.** dog **4.** summer **5.** red **6.** car **7.** chair **8.** teaches **9.** the moon **10.** whale

English Class–6

1 : The Real Successor

एक बार एक समय पर, उत्तर भारत में एक राजा रहता था। उनकी अदालत में कई बुद्धिमान पुरुष थे। लेकिन जो मुख्यमंत्री बहुत बूढ़े थे वे सबसे ज्यादा बुद्धिमान थे। राजा को उनकी ईमानदारी और क्षमता पर दृढ़ विश्वास था और राज्य के कामकाज का भार सौंप कर वह शिथिल हो गया।

लेकिन मुख्यमंत्री इतने बूढ़े थे कि एक दिन उन्होंने अपनी यह इच्छा व्यक्त की कि अपना की कि अपना शेष जीवन पवित्र लोगों के साथ समर्पित कर दें। राजा यह सुनकर बहुत उदास था। हो सकता है, कि उसे मंत्री के रूप में ऐसा बुद्धिमान व्यक्ति न मिले। हालाकि, वह अपने धर्म के मार्ग में भी बाधा नहीं बनना चाहता था। इसलिए राजा ने मंत्री से अपने एक पुत्र को सफल बनाने के लिए कहा।

मंत्री ने उत्तर दिया कि उसके पास तीन पुत्र हैं। वह सभी समान रूप से उज्जवल और आकर्षक दिखाई देते थे। वे कर्तव्यनिष्ठ और साहसी थे। लेकिन वे सबसे छोटे बेटे को खाली पद में नियुक्ति की सलाह देते हैं।

''क्या तुमने अपने ज्येष्ठ पुत्र को राजनीति और न्याय के बारे में नहीं सिखाया?'' राजा ने पूछा।

मेरे महाराज, मैंने किया था। मैंने अपने तीनों पुत्रों को शासन के नियम सिखाए, पर उनमें से हर एक का चरित्र अलग है, मंत्री ने विस्तृत किया।

राजा मंत्री के शब्दों को सुनकर बहुत आश्चर्यचकित था। उन्होंने जाँच पड़ताल की, ''आप अपने बेटों के चरित्र के बारे में इतने सटीक कैसे हो सकते हैं? क्या आप मुझे उनके चरित्र में अंतर दिखा सकते हैं?''

मेरे महाराज, मैं आपकी जिज्ञासा को संतुष्ट करने की कोशिश करूँगा'', मंत्री ने एक विराम के बाद कहा। ''मै तीनों को एक ही निर्देश दूँगा। तब आप प्रत्येक के कार्य करने के तरीके का निरीक्षण कर सकते हैं।''

मंत्री ने एक योजना बनाई और राजा के साथ इस पर चर्चा भी की। तब मंत्री ने अपने सभी पुत्रों को भेजा। वह एक बड़े कमरे में बैठ गए। राजा ने उन्हें कमरे की दीवार में छिपे हुए आला से देखा।

मंत्री ने गंभीर स्वर में उनसे बात की, ''मेरे पुत्रों सुनों, मैंने राजनीति, न्याय और शासन के नियमों को पढ़ाया है। अब मैं राजा की सेवा करने के लिए बूढ़ाहो गया हूँ। अब, मैं तुम्हारे दिमाग का परीक्षण करना चाहता हूँ ताकि मैं राजा की अदालत में एक उपयुक्त नौकरी के लिए तुम्हारी सिफारिश कर सकूँ।''

उन्होंने आगे कहा शाही बगीचे के मध्य में झाड़ियों में विशेष काले गुलाब हैं। आप में से प्रत्येक को वहाँ जाना है और प्रत्येक को एक गुलाब तोड़कर लाना है। लेकिन विशेष काले गुलाबों पर भारी पहरा होता है। उन झाड़ियों से फूल को तोड़ना वर्जित है।

तुम्हें इस खतरे का ध्यान रखना है। यदि तुम पकड़े जाते हो तो आपको अपने मुँह का उपयोग करके सजा से बचना होगा— मैं फिरसे दोहराता हूँ— केवल तुम्हारे मुँह से।

बेटों ने अपने पिता को प्रणाम किया और वहाँ से चल दिए।

अगली सुबह भोर को, जब अँधेरा हुआ, तीनों पुत्र शाही बगीचे में घुस गए। काले गुलाब बगीचे के बीच में थे। बगीचे में भारी सुरक्षा थी और थोड़ी-थोड़ी दूरी पर कई सुरक्षाकर्मी तैनात थे।

पेड़ों और झाड़ियों के पीछे छिपते हुए वे काले गुलाब तक पहुँच गए। उनमें से प्रत्येक ने एक झुंड के एक काले गुलाब को तोड़ा। लेकिन जब वे वापस बगीचे से बाहर निकलने के लिए लौटे तो बीच में तैनात कुछ सतर्क रक्षकों द्वारा पकड़े गए।

सबसे बड़े बेटे ने तुरंत तीखी आवाज निकाली और आपने दाँतों से गार्ड के हाथ पर काट लिया जिससे रक्षक की पकड़ ढीली पड़ गई और वह वह वहाँ से भाग गया।

दूसरे बेटे ने गुलाब को अपने मुँह में डाला और खा गया। उसने दिखाया कि उसने गुलाब चोरी ही नहीं किया।

सबसे छोटा लड़का बिल्कुल शांत था। रक्षकों ने उसे महाराज के सामने पेश किया।

महाराज, मैं जानता था कि शाही उद्यान के बीच में गुलाब के फूल हर किसी के लिए नहीं हैं। परंतु आपके पहले और बुद्धिमान मंत्री ने ही मुझसे केवल एक फूल लाने के लिए कहा था। उन्होंने एक से अधिक के लिए नहीं कहा था, महाराज आप आश्वस्त महसूस करेंगे कि उनकी मांग के पीछे कोई बहुत ही समुचित कारण होना चाहिए, सबसे छोटे बेटे ने एक विनम्र आवाज में राजा को बताया।

दरबार में उपस्थित सभी बुद्धिमान लोगों ने उसकी प्रशंसा की। राजा भी बहुत खुश था। मंत्री ने स्पष्ट किया, ''उनमें से प्रत्येक के बारे में मेरी राय सही साबित हुई। मैंने उनमें से प्रत्येक को निर्देश दिया था कि पकड़ा जाए तो अपने मुँह का प्रयोग करे। लेकिन हर एक ने अपने ढंग से एसा किया है। सबसे बड़े ने इसे चालाकी से प्रयोग किया है, दूसरे ने चतुराई से और सबसे छोटे ने बुद्धिमानी और सच्चाई के साथ प्रयोग किया है।

राजा अपने मंत्री के फैसले से खुश था। उसने अपने दरबार में उसके तीनों पुत्रों की मंग की और हर एक व्यक्ति को उसने अपनी समर्थ के अनुसार नियुक्त किया कि उन्हें उनकी नौकरी में आगे मार्गदर्शन करने के लिए कुछ महीने और दें ताकि वे अच्छी तरह से अपनी नौकरी कर सकें।

Comprehension

A. **1.** (a) **2.** (c) **3.** (c) **4.** (c) **5.** (b)

B. 1. (T) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (F) **5.** (T)

C. **1.** The Chief Minister was very old. So one day, he expressed before the king the desire to devote the rest of his life in the company of holy men. **2.**The king was sad because he thought that he might not find such an intelligent person as his minister. **3.** The king requested the Chief Minister to let one of his sons succeed him. **4.**The Chief Minister suggested the name of his youngest son in his place. **5.**The Chief Minister asked his three sons to go to the royal garden and pluck a rose each from there. **6.**The youngest of the three sons proved out to be worthiest. He was caught by the guards and produced before the king. But he won the hearts of everybody by his polite and frank reasoning.

Grammar and Activity

A. **1.** Do yourself.

B.

1.	Open	quickly	slowly
2.	Play	intelligently	wisely
3.	Write	neatly	correctly
4.	Drive	safely	slowly
5.	Laugh	loudly	cunningly
6.	Read	slowly	minutely
7.	Behave	properly	gently
8.	Ask	politely	cleverly
9.	Try	earnestly	sincerely
10.	Sing	sweetly	merrily

2 : The Queen of Blue Grotto

एक समय की बात है, जब एक गरीब अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बर्फ से ढके पर्वत की तलहटी में एक घाटी में रहता था। उसका नाम हंस था। उसके पास कुछ भेड़ थी और जमीन का एक छोटा सेा टुकड़ा भी था।

हंस अकसर अपनी भेड़ों को चराने के लिए पहाड़ की ओर गुजरता था। वह एक कुशलता पूर्ण निशानेबाज था। भेड़ की रक्षा के लिए वह हमेशा अपने धनुषबाण को अपने साथ ले जाता था। एक बार हंस ने एक हिरन को मारा। हिरन का मांस उसके परिवार के लिए कई दिनों तक भोजन के रूप में काम करेगा।

एक दिन हंस अपने भेड़ों के झंड को चरागाह में चरा रहा था। वह एक पेड़ के नीचे बैठा अपनी भेड़ों को देख रहा था जो पहाड़ की तरफ चर रहे थे। अचानक उसने भेड़ों से थोड़ा दूर एक हिरन देखा। इसके फैले हुए शंकु सुबह के सूरज की रोशनी में चमक रहे थे।

हंस अपने धुनष-बाण के साथ खड़ा हो गया। वह लक्ष्य साध रहा था और जब अचानक पर्वत के ऊपर की चट्टानों पर हिरन भागने लगा तो उसने तीर मरना शुरू कर दिया।

हंस ने तेजी से पीछा किया। वह काफी पास जाकर बाण काने की कोशिश कर रहा था। लेकिन हिरन बीच में एक चट्टान से दूसरी चट्टान, ऊँचे से ऊँचे दौड़ता रहा। हंस ने हिरन का पीछा किया जब तक कि वे पहाड़ी के शिखर पर नहीं पहुँच गया।

वे बर्फ पर चढ़ गए और हिरण नीले गुफा में गायब हो गया। हंस उसके पीछे एक अँधेरी और संकीर्ण सुरंग में धीरे-धीरे चलने गला।

अचानक उनकी आँखों में दूर की एक चमकदार रोशनी का आभास दिखाई पड़ने लगा। वह चला और शीघ्र ही एक चमकदार प्रकाश वाली गुफा में पहुँच गया। गुफा की दीवारों और दत में बहुमूल्य क्रिस्टल और कीमती पत्थर लगे थे।

गुफा क बीच में, शुद्ध सफदे पोशाक में एक लंबी औरत खड़ी थी। उसकी कमर पर सोने की कमरबंद बंधी हुई थी। उनके सिर पर अनेक जवाहारात और बहुमूल्य रत्न जड़ा मुकुट था। उसके हाथ में सुंदर नीले रंग का एक गुच्छा था। वह कुछ सुंदर युवतियों से घिरे हुए लुटेरों से घिरी हुई थी। जिनके सिर पर अल्पाइन गुलाब की सुंदर माला थी।

हंस ने आश्चर्य के साथ काबू पा लिया था। उसने सुंदर महिलाओं के सामने घुटने टेक दिए। एक सपने में उसने बहुत कोमलता से सुना था, ''चुनिए, मेरे खजाने में से जो सोना चाँदी या बहुमूल्य रत्न हो।

''सबसे कृपालु रानी'', हंस ने उत्तर दिया, मैं आपको केवल फूल अपने हाथों से देने के लिए अनुरोध करता हूँ।''

रानी बहुत प्रसन्न हुई। फूल देने के लिए नीले गुफा की रानी ने कहा, ''आपने अच्छे से चुना है। इन बीजों को भी ले लो और अपने खेतों में बोना।''

अचानक एक तेज गरज ने गुफा को हिला दिया। जब यह रुक गया। हंस रानी को या उसके फूलों को नहीं देख सका। उसने खुद को पहाड़ पर अकेला पाया।

जब हंस घर पहुँचा, तो उसने अपनी पत्नी को सब कुछ बताया और नीले फूल और बीज को दिखाया, जो रानी ने उसे दिया था। अद्भुत क्रिस्टल और कीमती पत्थर गुफा की दीवारों और छत से लटका है, लेकिन रानी सभी की तुलना में अधिक सुंदर है। हंस चिल्लाया।

लेकिन उसकी पत्नी अप्रसन्न थी। आपने कुछ हीरे और सोना क्यों नहीं चुना? वह क्रोधित होकर बोली और उसने हंस को डांटा क्योंकि उसने केवल फूल और बीज लिए थे।

हंस ने कुछ नहीं कहा। वह अपने खेत में गया और जमीन की खेती की। तब उसनसे बीजों को सावधानी से खेती में बोया, जो रानी ने उसे दिए थे। दिन बीतते गए। शीघ्र ही छोटे-छोटे हरे पत्ते जमीन के ऊपर दिखाई देने लगे। पौधे ऊँचे और लंबे होने लगे। और तब सुंदर नीले फूल खिलने लगे। फूल इतने सुंदर थे कि नाराज पत्नी भी खुश थी। उसने अपने पूरे जीवन में इस तरह के सुंदर फूल कभी नहीं देखे थे।

हंस अपने खेत को दिन-रात देखता रहता। एक चाँदनी रात को, उसने नीली गुफा की प्यारी रानी को अपने परिवार के साथ घूमते देखा। वे खिलते हुए के सुरक्षाकर्मी दिखाई दे रहे थे।

अंत में फूल मुरझा गए, और बीज पकने लगे। तभी नीली गुफा की रानी हंस की छोटी कुटिया में प्रकट हुई। उसनसे कहा, ''मैं रानी हुल्डा हूँ। मैं तुम्हें सिखाने आई हूँ कि कैसे घुमाना और बुनाई की जाए।''

नीले फूल जो तुम्हारे पति ने चुने थे वह अद्भुत पटसन थे, रानी ने हंस की पत्नी से कहा। ''मैं इन फूलों को बहुत पसंद करती हूँ।''

रानी हुल्डा ने हंस और उसकी पत्नी को बताया कि कपड़े को कैसे बुना और काता जाता है। कई लोगों ने लिनन और सन बीज खरीदे, जल्द ही हंस और उसका परिवार बहुत समृद्ध हो गया।

प्रत्येक वर्ष रानी हुल्डा और परिवार पूरे खेतों पर नजर रखते थे। हंस बहुत प्रसन्न था, क्योंकि उसनसे अद्भुत सनस के नीले फूलों को चुना था।

Comprehension

A. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (a) **5.** (b)

C. **1.** × **2.** ✓ **3.** ✓ **4.** × **5.** ×

D. **1.** Hans was a poor peasant. He lived in a valley at the foot of a snow-capped mountain. **2.** Hans often drove his sheep to pasture up the mountain side. He always

carried his corssbow with him to protect his sheep form wild animals and to shoot a deer if he could get a chance. **3.** While grazzing his sheep on the mountain, Hans saw a deer a little away from the sheep. **4.** Hans chased the deer and was at the summit of the mountain. Soon the deer disappeared in the Blue Gotto and Hans also reached there chasing it. **5.** Hans met a tall woman dressed in pure white. A golden girdle was fastened around her waist and a crown set with many jewels and precious stones rested on her head. She was holding a bunch of beautiful blue flowers in her hand. Some beautiful maidens in dainty robes, with graceful wreaths of Alpine roses on their heads surrounded the woman. **6.** Hans sowed the seeds that the queen had given him. Plants grew form them and blossomed with beautiful blue flowers. When the flowers had withered and the seeds were ripe, Queen Hulda came to his cottage and told them that the blue flowers were the wonderful flax. Then she taught his wife how to spin and weave linen cloth out of the seeds. Many people bought the linen and the flax seeds. Thus Hans became rich.

Grammar and Activity

A. 1. (a)

3 : The Remarkable Rocket

यह चांदी की भूमि के राज्य में उत्सव का समय था। चांदी लड़का राजकुमार बहुत सुंदर राजकुमारी सोने से शादी कर रहा था। राजाओं, रानियों और संसार के चारो ओर से सज्जन पुरुष चांदी की भूमि में उनकी महान शादी में सम्मिलित होने के लिए एकत्रित हुए थे। राजा ने अपने दरबारियों को आदेश दिया कि वे इस विशेष अवसर पर आतिशबाजी की व्यवस्था करें। तैयारी तुरंत शुरु होती है और दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ पटाखे एकत्र किए गए। लेकिन वहाँ एक विशेष पटाखा भी था— यह एक अनूठा पटाखा था।

अनूठा रॉकेट हमेशा अंत के लिए बचाया जाता था। यह चमकीले सुनहरे कागज के साथ ढका था और जब सेट किया गया तो यह आसमान में बहुत ऊपर तक गया और फिर एक लाख चमकदार सितारों से टकराया। लोगों ने हैरत से रॉकेट को देखा।

हालांकि अद्‌भुत रॉकेट बहुत घमंडी था। प्रदर्शन से पहले दिन सभी पटाखे शाही बगीचे में रखे गए थे। चमकीली मोमबत्ती ने कहा, ओह, मैं बहुत उत्साहित हूँ। कल्पना कीजिए, चांदी भूमि के राजा ने एक विशेष आतिशबाजी के प्रदर्शन के लिए शादी में आदेश दिया। हमें अच्छा प्रदर्शन करना होगा। चकरगिन्नी पटाखे ने उत्तर दिया, ''ओह हाँ, हमें कल्पना करनी चाहिए कि सभी की आँखें हम पर होंगी।''

''ऑर्डर, ऑर्डर,'' एक कर्कश आवाज की व्याख्या की। सभी पटाखे चले गए और रॉकेट ने देखा। यह सब कितना उत्साहपूर्ण हैं?'' अद्‌भुत रॉकेट ने कहा— मेरे पूर्वज इस प्रदर्शन का हिस्सा रहे हैं और अब मेरी बारी है।''

यह हमारे लिए एक दुर्लभ सम्मान है,'' आकर्षक स्पिनर ने कहा।

यह मेरे लिए कोई सम्मान की बात नहीं हैं। राजकुमार भी उसी दिन शादी करने के लिए भाग्यशाली है जिस दिन रॉकेट को वापस फेंका जा रहा था।

ओह प्यारे, क्या हवह धूमधाम वाले रॉकेट हैं।'' चमकती मोमबत्ती अपनी हँसी की जाँच करने की कोशिश कर रही है।

''तुम क्यों हँस रहे हो?'' रॉकेट ने पूछा। ''ओह! मैं अपने लिए बहुत खुश हूँ।'' चमकीली मोमबत्ती ने उत्तर दिया।

तुम्हे भी खुश होना चाहिए क्योंकि तुम्हारे पास मेरे साथ, दुर्लभ अवसिर है। रॉकेट ने कहा, अपने शंक्वाकार सिर के साथ उच्च आयोजित किया हुआ है।

अद्‌भुत रॉकेट के अदम्य अहंकार को देखकर, आकर्षक स्पिनर ने समझने की कोशिक की, आप देखते हैं, साधारणतया? लेकिन मैं असाधारण हूँ। रॉकेट ने उत्तर दिया।

''ओह वह अपने से परे सोच भी नहीं सकता,'' दूसरों से चकरगिन्नी पटाखे ने फुसफसाया। आकर्षक स्पिनर ने कारण सहित बताया, ''कि उसे समझाने का कोई फायदा नहीं है।''

तभी राजा ने भव्य आतिशबाजी वाले दिन के समापन की शाम को घोषण की, एक भव्य आतिशबाजी के प्रदर्शन के लिए।

सभी प्रकार के पटाखे तेज स्पिनर, चकरगिन्नी, चमकीली मोमबत्ती और कई अन्य को रस्सी में रखा गया और फिर बंद कर दिया गया। आकर्षक स्पिनर ने सुनहरी वर्षा की। पटाखा पहिया ''बूम! बूम!'' जैसे ही वह गोल गोल घूमी और चमकदार मोमबत्ती धीरे-धीरे जगमगा रही थी।

अन्ततः इस अद्‌भुत रॉकेट की बारी थी। ''मैं सर्वोत्तम हूँ,'' उसे लगता है कि असंख्य आँखे उसे देख रही हैं।

राजा के आमियों ने उसकी पूँछ में आग लगा दी। जब कि सभी सांस के साथ इंतजार कर रहे थे। लेकिन अरे! अद्‌भुत रॉकेट नहीं गया। वह नम और ठंडा था। राजा के आदमियों ने एक बार फिर प्रयत्न किया लेकिन अद्‌भुत रॉकेट में आग नहीं लग सकी। हैरान पटाखों ने रॉकेट को दयनीय स्थिति में देखा।

अगली सुबह राजा के आदमी आए और मैदान को साफ किया। ''ओह क्या यह एक बुरा रॉकेट है।'' एक आदमी ने दावा किया।

''क्या मैंने बुरा रॉकेट सुना है?'' व्यर्थ में रॉकेट ने सोचा। नहीं इसे एक शानदार रॉकेट होना चाहिए।'' उसने खुद को दिलासा दिलाया।

अचानक किसी ने इसे उठाया और इसे कुचलकर कूड़ेदान में फेंक दिया।

''आउच! उसे दर्द हुआ, अद्‌भुत रॉकेट ने कहा वे मुझे त्याग कर गलती कर रहे हैं।

कूड़ेदान के दूसरे पटाखे जो उस रात नहीं चले, रो रहे थे, ''हम कितने दुर्भाग्यपूर्ण हैं। हम राजा को अपनी महिमा नहीं दिखा सके।''

''लेकिन मैं अभी जीवित हूँ और पूरे संसार में चमकूँगा।'' अद्‌भुत रॉकेट ने मुस्कुराते हुए कहा। कुछ समय बाद जब कूड़ेदान को उठाया गया और नदी में फेंक दिया गया। अद्‌भुत रॉकेट अब चिपचिपा कार्डबोर्ड के अलावा कुछ नहीं था और आपको उसका झुका हुआ सिर देखना चाहिए जो अभिमानी होने के कारण सही सेवा करने के लिए डूब गया।

Comprehension

A. **1.** (c) **2.** (a) **3.** (a) **4.** (c) **5.** (a)

B. **1.** It was time for celebration in the kingdom of Silver Land because Prince Silver Boy was marrying the very beautiful Princess Gold. **2.** The king ordered his courtiers to arrange for a spectacular fireworks display for the special occasion of marriage of Prince Silver Boy. **3.** The Remarkable Rocket was special. It was always saved for the last. It was covered with sparkling gold paper and when set off; it travelled high up into the sky and then burst into a million dazzling stars. People watched the rocket in wonderment. **4.** When the Bright Candle and the Cracker Wheel were taking about the display the Remarkable Rocket interrupted. **5.** The Remarkable Rocket said it. The arrogant character of the speaker is revealed in this comment. **6.** The Remarkable Rocket performed miserably in the firework display. When the king's men set fire to the Remarkable Rocket's tail, he did not go off at all.

Grammar and Activity

A. **1.** Yesterday, Ravi **went** to Delhi with his uncle. **2.** He is busy. He cannot **meet** you now. **3.** The train had already **arrived** when we reached the station. **4.** The function will **begin** at 3 p.m. **5.** I have **solved** the question paper. **6.** Have you **read** the newspaper today? **7.** Reena was **waiting** for me in her house. **8.** You can **take** my umbrella. **9.** Two little girls were **plucking** flowers in the garden. **10.** The cat has **spilled** all the milk.

4 : Diwali

सर्दी हमें डगमगाती है

पहाड़ों में तेंदुए के जैसे

शिकार की सुगंध

अंधेरा बढ़ता है,

नंगे पेड़ काल सलाखों छड़ियाँ

चंद्रमा की चाँदी की आँखों के पार

मैं तुम्हारे लिए लक्ष्मी को प्रकाश दूँगा,

अंधेरे को दूर भगाए।

मेरे घर में लक्ष्मी तुम्हारा स्वागत ळै

हर खिड़की से तुम्हे बलाना

बहुत तेज लपटों की तरह

कल्पित आकाश के आर-पार

कुछ घरो की

छाया में झुकना, सुनाई न देना

आपकी सौम्य आवाज

महसूस नहीं होगी।

आपके कोमल दिल की धड़कन

सौभाग्य और समृद्धि लाली

अँधेरा उनका शिकार करता है

पहाड़ों में तेंदुए के जैसे

पीछा कर रहा है।

Comprehension

A. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (T)

B. **1.** The three things the poet says he will do for Lakshmi are as following : (i) He will light his lamp for Lakshmi. (ii) Welcome Lakshmi into his home. (iii) Invite Lakshmi from every window into his home. **2.** People light lamps during Diwali to drive away the darkness and welcome Lakshmi. People who do not light lamps, darkness hunts them like a leopard in the mountains and Lakshmi does not come into there houses. **3.** The poet says that winter comes to us like a leopard which is scenting for pray. Trees shed their leaves in winter and become bare. The shadow of the branches seem like the black bars for the moon. **4.** The trees are bare in winter because they have already shed their leaves. **5.** dark, moon's silver eye, lamp, darkness, sombre, shadow.

Grammar and Activity

A. **1.** (a)

5 : The Last Leaf

यह सर्दी में नवंबर के दिन हैं। कई निमोनिया से पीड़ित हैं एक युवा कलाकार जॉनसी को इस बात का दुख होता है। वह अपने छोटे दूसरी मंजिल वाले घर के शयन कक्ष में पलंग पर लेटा है। डॉक्टर ने उसकी पूर्णताया जाँच की और तब फिर बात करने के लिए जॉनसी के दोस्त को साथ ले जाता है।

डॉ० बॉन्ड : जानसी को निमोनिया है। उसके पास ीवित रहने के लिए केवल दस मौके हैं, और यदि वास्तव में जीना चाहती है।

स्यू : वह जीना क्यों नहीं चाहेगी, डॉक्टर?

डॉ० बॉन्ड : शायद उसके पास जीने की इच्छाशक्ति नहीं है। कुछ लोग ऐसे हैं जैसे उसके दिमाग में कुछ है?

स्यू : वह नेपल्स की खाड़ी को चित्रित करना चाहेगी।

डॉ० बॉन्ड : ऐसा नहीं है। यह बकवास है। अच्छा, मुझे लगता है कि यह संभव है लेकिन जॉन्सी की मदद के बिना मैं मदद करने में सक्षम नहीं हो सकता। यदि आप उसे नये सर्दियों के फैशन के बारे में सोच सकते हैं तो शायद इससे मदद मिलेगी। मैं कल फिर आऊँगा। (डॉ० बॉन्ड चल देते हैं।)

(स्यू रोने में मदद नहीं कर सकता। तब वह अपने आप को ऊपर खींचती है। वह जानसी को देखने जाता है। जानसी अपने आप से बाते कर रहा है।)

जानसी : जानसी खिड़की को पूरा देख रहा है। आठ ... सात ...

(स्यू को समझ नहीं आ रहा है। वह उलझन में है।)

स्यू : प्रिय आप क्या गिन रहे हैं?

जानसी : (कमजोर आवाज में) छ:! यहाँ के पत्ते गिर रहे हैं। वे अब तेजी से गिर रहे हैं। तीन दिन पहले उनकी शाखा में उनमें सौ थे। अब केवल पाँच पत्ते बचे हैं।

स्यू : इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि सर्दी तेजी से आ रही है।

जानसी : जब आखिरी पत्ता गिरता है, तो मुझे भी जाना चाहिए।

स्यू : यह बकवास है। उन पत्तियों के जाने से तुम्हें क्या करना है? डॉ० बॉन्ड का कहना है कि आपके पास अच्छा होने के लिए दस से एक मौका है। क्या आप कुछ सूप पीना पसंद करेंगे।

जानसी : नहीं।

स्यू : ठीक है। मुझे अपना चित्र पूरा करने दो और इसे संपादक को दे देते हैं। तब मुझे कुछ मिलेगा जिसके साथ मैं तुम्हें गर्म करने के लिए कुछ खरीद सकता हूँ।

जानसी : आपको मेरे लिए कुछ खरीदने की जरूरत नहीं है। अब केवल चार पत्ते शाखाओं में बचे हैं। मुझे पता है कि अखिरी शाम से पहले गिर जाएँगें। तब मैं भी जाऊँगा।

स्यू : (जैसा कि उसने कुछ सुना ही नहीं था।) मैं खिड़की का पर्दा खींच रहा हूँ। शायद आपको थोड़ी नींद आ जाए।

जानसी : जब मैं उठता हूँ, तो कृप्या पर्दा उठाएँ। मैं बेल की तहर उन पत्तों की तरह नीचे जाना चाहूँगा।

स्यू : सोने की कोशिश करो, प्रिय। मैं भूतल पर बूढ़े आदमी से मेरी पेंटिंग के लिए मॉडल बनाने का अनुरोध करने जा रही हूँ। मैं जल्दी वापस आऊँगी।

(वह बूढ़े ब्राह्मण को देखने जाती है, जो भूतल में रहता है। वह एक असफल कलाकार है।)

स्यू : मि० ब्राह्मण! क्या लोग सिर्फ इसलिए मरते हैं। क्योंकि एक बेल से एक पत्ती गिरती है?

ब्राह्मण : क्या? क्या तुम पागल जो गए हो?

स्यू : कृपया परेशान न हो। क्या आप मेरे लिए पोज देंगे?

ब्राह्मण : क्यों नहीं? मैं आपके लिए पोज दूँगा। लेकिन जानसी इतना मूर्ख कैसे हो सकता है कि उसे विश्वास हो जाए कि वह मर जाएगा। क्योंकि एक बेल से एक पत्ता गिरता है।

स्यू : हो सकता है, बुखार ने उसके मन को प्रभावित किया हो।

ब्राह्मण : जानसी जैसी अच्छी लड़की इतनी बीमार कैसे हो सकती है। कुछ दिन, मैं एक सर्वोत्तम रचना चित्रित करूँगा। तब मैं ऐसे अच्दे लोगों की मदद कर सकूँगा।

(ब्राह्मण और स्यू ऊपर की ओर गए। जानसी सो रहा है। स्यू ब्राह्मण को बाहर दीवार पर बेल दिखाने के लिए पर्दा उठाती है। अब केवल एक पत्ता बचा है। ठंडी हवा बह रही है। पर्दे को स्यू ने नीचे खींचा।

(यह अगली सुबह है। जानसी ने स्यू को पर्दा खींचने को कहा । स्यू ने ऐस किया।)

जानसी : अभी एक पत्ता बाकी है। मुझे यकीन था कि रात के समय गिर जाएगा। यह नहीं था। ठीक है, यह आज गिर जाएगा और मैं उसी समय मर जाऊँगा।

स्यू : मूर्ख मत बनो, जानसी। तुम मेरे बारे में क्यों नहीं सोचते? मैं नहीं चाहती कि तुम मर जाओ।

(रात भर बारिश होती रही। तेज हवा चलती रही है। सुबह से सूने पर्दे पर जानसी घूर रहा है।)

जानसी : स्यू पर्दों को उठाओं (स्यू ने पर्दा उठाया। आखिरी पत्ता अभी बाकी है।) मैंने गलत किा, स्यू। ईश्वर ने वह अंतिम पत्ता नहीं बना रखा है शायद वह मुझे बताना चाहता है कि मरना गलत है।

स्यू : मुझे यह सुनकर खुशी हुई। क्या कुछ सूप चाहिए?

जानसी : हाँ, कृपया। लेकिन इससे पहले कि मेरी पीठ के पीछे कुछ तकिए रख दें, मैं बैठना चाहता हूँ और तुम्हें मेरे लिए सूप बनाते देखना चाहता हूँ।

(दोपहर में डॉ बॉन्ड आए। उन्होंने जानसी का निरीक्षण किया और स्यू से कहा)

डॉ० बॉन्ड : स्यू! अभी मौका है अच्छे नर्सिंग के साथा, वह खींच जाएगा। लेकिन, अब मुझे जाना चाहिए और बूढ़े मि० ब्राह्मण को देखना होगा। उन्हें भी निमोनिया है। उनकी कोई उम्मीद नहीं है। मैं आज उसे अस्पताल ले जा रहा हूँ।

(स्यू को सुनकर धक्का लगता है। अलगी सुबह डॉ० बॉन्ड फिर से जानसी को देखने आते हैं।)

डॉ० बॉन्ड : अब वह खतरे से बाहर है। वह जल्दी ही ठीक हो जाएगा। लेकिन दुखद समाचार है। बूढ़े मि० ब्राह्मण मर गए हैं। (स्यू दुखी है। वह जानसी के पास जाती है और जो उसने सुना था विस्तृत करती है।)

स्यू : मि० बूढ़े ब्राह्मण मर गए। सुरक्षाकर्मी ने उसे दो दिन पहले गंभीर रूप से बीमार पाया। वह गीला था और अपने बिस्तर में काँप रहा था।

जानसी : वह इतनी ठंडी और घुमावदार रात में कहाँ था?

स्यू : ठीक है, उन्हें एक सीढ़ी मिली जो दीवार के साथ खड़ी थी और एक लालटेन भी और कुछ पेंट ब्रुश जमीन पर पड़े हुए थे। पैलेट में हरा और पीला रंग था।

जानसी : (हैरान दिखा) वह क्या पेंटिंग कर रहा था?

स्यू : दीवार पर आखिरी पत्ते को देखता है। क्या तुमको आश्चर्य नहीं है कि यह क्यों नहीं हिलता है। हवा से यह नहीं हिलता। यह ब्राह्मण की उत्कृष्ट कृति है। उसनसे रात को आखिरी पत्ता वही गिरा चित्रित किया।

Comprehension

A. 1. (a) **2.** (c) **3.** (a) **4.** (b) **5.** (b)

B. 1. (F) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (F)

C.

	Column 'A'	***Column 'B'***
1.	Johnsy	Pneumonia

2.	Sue	Room-mate of Johnsy
3.	Leaves	Vine
4.	Mr Behrman	Masterpiece
5.	Palette	Green and yellow

D. **1.** There are four main characters in the play. **2.** Johnsy is a young artist. She suffers from acute pneumonia. **3.** Dr. Bond is the doctor who is treating Johnsy. According to him, Johnsy has only one to ten chances to survive and that too, if she really wants to live. **4.** According to Dr. Bond, if Sue can make Johnsy think positive, it might help her recover. **5.** Johnsy had related her death to the falling of the leaves from the vine. **6.** The last leaf in the vine is Mr Behrman's masterpiece. He died of cold.

Grammar and Activity

A. **1.** carpenter **2.** scientist **3.** botanist **4.** novelist **5.** butcher **6.** florist **7.** doctor **8.** goldsmith **9.** druggist **10.** chauffeur

B. **1.** The bird was **sitting** on the tree. **2.** Some boys were **waiting** in the room. **3.** The fisherman was **catching** fish in the river. **4.** I was **waiting** for the train when the rain started. **5.** A naughty boy was **throwing** stones in the pond. **6.** The teacher was **teaching** in the class. **7.** The carpenter was **making** a table. **8.** My mother was **reading** a novel. **9.** The birds were **flying** in the sky. **10.** The milkman was **bringing** milk.

6 : Kabuliwala

छोटी मिनी, मेरी बेटी, केवल पॉच वर्ष की है। वह बहुत बड़ी बातूनी है। वह एक मिनट के लिए भी बात करना बंद नहीं कर सकती है। उसकी माँ अकसर उसकी लगातार बक-बक के कारण बीमार पड़ती है और वह चुप करने की कोशिश करती है। लेकिन एक शांत मिनी एक असामन्य मिली है। उसके साथ मेरी आपनी बातचीत हमेशा बहुत ही प्यारी होती है।

एक दिन जब मैं अपने नए उपन्यास को लिखने में व्यस्त था, छोटी मिनी ने मेरे कमरे में चोरी की और अपना हाथ मेरे हाथ में दे दिया। ''पिताजी! रामपाल, द्वारापाल एक कौवे को बुलाता है। वह नहीं जानता है कि वह कुछ भी करता है।

इससे पहले कि मैं उसे भाषाओं और बोलियों में अंतर के बारे में समझाऊ, वह फिर से दूर थी। ''पिताजी आप क्या सोचते हैं? भोला कहता है कि बादलों में एक हाथी है जो अपने सूँड़ से पानी बाहर बहा रहा है और यही कारण है कि यह बारिश है।''

जब मैं उत्तर देने के बारे में सोच रहा था, तो वह फिर चली गई। ''पिताजी आपका माता से क्या रिश्ता है?'' इस पर, मैंने एक गंभीर अभिव्यक्ति उत्पन्न की और कहा, ''जाओ और खेलो मिनी! मैं व्यस्त हूँ।''

मिनी मेरी मेज के नीचे खेल रही थी और मैं अभी भी अपने उपन्यास का एक नया अध्याय लिखने में व्यस्त था। अचानक, मिनी खिड़की की ओर भागती हुई चिल्लाई, ''एक काबुलीवाला! एक काबुलीवाला!''

मिनी ने काबुलीवाले को बुलाया और जब उसने बाहर देखा, वह मेरे पास दौड़ी। उसे एक अंधविश्वास था कि सभी काबुलीवाला बच्चों को पकड़ते हैं, उनहें अपने बोरे में डालते हैं और उन्हें दूर ले जाते हैं।

काबुलीवाला हमारे घर आया और मैंने मिनी को बाहर आने और उससे मिलने के लिए कहा कि वह जल्द ही अपने डर से छुटकारा पा ले औरयह एक बड़ी दाढ़ी वाले पठान को छोटी-सी पाँच साल की बच्ची से बात करते हुए देखने का आनंद था।

काबुलीवाला अब हमारे घर पर एक दैनिक आगंतुक था। मिनी ने बड़ी दाढ़ी वाले पठान का डर खत्म कर दिया था। वे हमारे घर बैठते और एक-दूसरे के साथ मजाक करते थे।

काबुलीवाला! ओ काबुलीवाला! तुम्हारी बोरी में क्या है? मिनी ने पूछा।

''एक हाथी'' काबुलीवाले ने उत्तर दिया और उन दोनों की हँसी के ठहाके फूट पड़े।

एक बार जब मैं रहमान, काबुलीवाला अपने देश जाऊँगा। जाने से पहले वह सारा पैसा इकट्ठा करेगा जो लोगों के पास था। हालाँकि वह व्यस्त था फिर भी उसे हमेशा छोटी मिनी को देखने के लिए समय निकाल ही लेता था।

एक दिन, गली में एक आदिवासी उत्पात मचा रहा था। रहमान ने एक ऐसे शख्स को चाकू मार दिया है, जिसने उसे पैसे दिये थे। उन्हें कई वर्षों के कारावास की सजा दी गई थी।

समय बीत गया और मिनी अपने पुराने दोस्त काबुलीवाला को भूल गई। वह एक बहुत सुंदर युवती के रूप में बढ़ रही थी। उन्होंने मिनी की शादी की तय की।

उस रात मिनी की शादी हो रही थी। जैसाकि मैंने अपने अध्याय में कहा, एक आदमी आया और मुझे सम्मानपूर्वक सलाम किया। पहले तो मैं उसे पहचान नहीं सका। तब मैंने देखा कि वह रहमान था, काबुलीवाला। वह कमजोर हो चुका था। उसकी पीठ पर कोई बोरी नहीं थी। मैंने उसे बताया कि यह समारोह चल रहा है और उसे दूसरे दिन आना चाहिए।

वह छोड़ कर जाने वाला था, अचानक जब वह मुड़ा और उसने कहा, क्या मैं छोटे एक को देख सकता हूँ, सर?''

उसने अभी भी मिनी के बारे में सोचा है कि वह छोटी लड़की उसके पाल चुलबुलाती चली आ रही है, काबुलीवाला! ओ काबुलीवाला!'' उसने सोचा कि बात करेंगे और हँसेंगे जैसा कि वह बहुत पहले करते थे।

मैंने उसे एक फिर कहा कि समारोह था। फिर उन्होंने मुझे सूखे किशमिश, अखरोट और बादाम का एक छोटा पैकेट दिया और उस छोटी को देने को कहा।'' मैंने उसे कुछ धन दिया, लेकिन उसने लेने से इंकार कर दिया।

अचानक उसकी आवाज बदल गई, दूर जाने के बाद उन्होंने कहा, मैं भी अपने गाँव में उनके जैसा एक छोटा-सा व्यक्ति हूँ। मैं उसके बारे में सोचता हूँ और आपको फल लाता हूँ। मैं उन्हें बेचने के लिए नहीं लाता हूँ।

मेरी आँखों में आँसू आ गए। मैं भूल गया था कि वह भी एक पिता था, मैने मिनी को बुलाया और वह दुल्हन की तरह तैयार आई। काबुलीवाला स्तब्ध रह गया। उसने एक छोटी लड़की की उपेक्षा की थी और इसक बजाय यहाँ उसके बाल बड़े हो गए थे। अविवाहित! अचानक उसे अहसास हुआ कि उसकी भी बेटी है, जो बड़ी हो गई होगी।

मुझे शादी के खर्चों में कटौती करनी पड़ी। हम मिलेट्री बैंड और इलेक्ट्रिक लाइट का खर्च नहीं उठा सकते थे। लेकिन मेरे लिए दावत में सभी उज्जवल थे क्योंकि इस वजह से पूरे देश में एक लंबे समय से खोए हुए पिता ने अपने एकमात्र बच्चे से दोबरा मुलाकात की।

Comprehension

A. 1. (a)

Grammar and Activity

A. 1. (a)

7 : Jhalkari

झलकारी एक अनाथ थी। वह निडर और निर्भीक छोटी-सी लड़की थी। जो पेड़ों पर चढ़ना और नदी में तैरना पसंद करती थी और ऐसे खेल खेलती थी जिन्हें लोग लड़कों के खेल कहते हैं। गाँव वाले उसे पसंद करते थे। वे अक्सर उस समय की कहानी सुनाते थे जब उसने जंगल में एक तेंदुए से एक हाथ से लड़ाई की और उसे मजबूत छड़ी से मार डाला। इसके बाद उसका नाम झलकारी से बाघिन रख दिया।

जब वह बड़ी हुई, उसने रानी लक्ष्मीबाई की सेना में एक सैनिक से शादी की और झांसी में उसके साथ रहने चली गई। एक सदिन रानी ने उसे मौका दिया कि वह कैसी है। वह मेरी साथी होगी, रानी ने आदेश दिया, क्योंकि वह लड़कियों को स्वतंत्र और निडर देखती थी। वे अच्छे दोस्त बन गई और दोनों युवतियाँ साथ-साथ सवारी के लिए बाहर जाती। उन्होंने रिवाल्वर और बंदूक से निशानेबाजी का अभ्यास साथ-साथ किया।

वे कई बार पेरशान होती थी और हर जगह युद्ध की अफवाह थी। अंग्रेजीों ने अपने क्षेत्र का विस्तार किया था। उनके पास ईस्ट इंडिया कंपनी नामक एक व्यापारिक कंपनी थी। इसके अधिकारियों ने भूमि के लोगों पर कठोर शासन किया। 1857 में, पूरे देश में लड़ाई शुरू हो गई। हर जगह लोग विदेशी शासकों के खिलाफ विद्रोह में खड़े हो गए। ब्रिटिश (अंग्रेजों ने लड़ाई लड़ी और दोनों तरफ के हजारों लोग मारे गए।

मार्च 1858 में ब्रिटिश सैनिकों ने किले पर झांसी पर हमला किया। उनके भारी बंदूकों ने उस पर बमबारी की। रानी सेना के जवानों ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी। उनमें से झलकारी ने कभी अपनी प्यारी रानी का साथ नहीं छोड़ा। वह ए बिंदु से दूसरे सीान पर सवार हो जाती थी, एक स्थिर हाथ और निश्चित उद्देश्य के साथ ब्रिटिश सैनिकों पर गोलाबारी करती थी।

दुश्मन पुन: गिर गए। उन्होंने किल की इतीन मजबूत रक्षा की कि उम्मीद नहीं की थी। ब्रिटिश कमांडर की मदद के लिए टेलीग्राफ किया और अधिक सैनिकों को साथ भाग कर आया, लेकिन रानी की सेना अभी भी पकड़ में है।

जब अंग्रेजों ने पाया कि उन्नति नहीं हो सकती तो उन्होंने रात में चुपके से किले में प्रवेश करने का फैसला किया। उन्होंने दुल्लाजी ठाकुर नाम के एक व्यक्ति की हत्या कर दी, जो किले के दक्षिण द्वार का प्रभारी था।

एक बड़ी राशि के बदले में, दुल्लाजी उन्हें एक ऐसे स्थान पर ले गए जहाँ दीवार में एक दरार थी और सैनिकों ने रात के समय में किले में मार्ग बना लिया। जब वे चढ़ना शुरू करते है, झलकारी ने उन्हें देख लिया और जोर से अलार्म बजाया, तो रानी की सेना ने लड़ाई प्रारंभ कर दी और आग खोल दी और हमलावर पुन: गिर गए।

इसके बाद के दिन और रात में लड़ाई जारी रही। हालाँकि, भारतीय सैनिकों की हिम्मत थी लेकिन वे ब्रिटिश हमलों का सामना नहीं कर सके। जब तक वे महल के बाहर थे, तब तक शत्रु ने दृढ़तापूर्वक उनका मुकाबला किया। और तीन दिनों तक भयानक युद्ध जारी रहा।

अब रानी की सलाह ने उसे किले से सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा। हालाँकि पहले अनइच्छुक थी, लक्ष्मीबाई अंत में सहमत हो गई। कवच पहने और एक खंजर लिए और रिवाल्वर ले जाने के कलए वह दुश्मन की रेखाओं के माध्यम से पहाड़ी के नीचे और एक फाटक के बाहर पहचाने नहीं गए।

झलकारी रास्ते के हिस्सा बनकर उसके साथ गई। जैसे ही उसे पता चला कि रानी सुरक्षित हैं। झलकारी ने रानी लक्ष्मीबाई के कपड़ों को धारण किया और सफेद घोड़े पर सवार होकर किले में लौट आई। ब्रिटिश सैनिकों ने उसे देखा और रानी के लिए उसे गलत समझ लिया क्योंकि उसने उसे उन्हें घेरने का इरादा किया था। वे उसे अपने सेनापति के पाल ले गए।

कमांडर ने बंदी को करीब से देखा लेकिन उसे बिल्कुल भी यकीन नही था कि वह रानी है। दुल्ला जी को लाओ, उसने अपने सैनिकों को आदेश दिया। दुल्ला जी जान जाएँगे।

जब झलकारी ने दुल्ला जी को देखा, तो उसकी आँखे गुस्से से चमक उठी और उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, तुम गद्दार हो, तुम कायर हो, तुम अपने लोगों के साथ बेशर्मी करते हो।

अंग्रेजों ने दुल्ला जी से पूछा, ''क्या यह रानी लक्ष्मीबाई है?'' ''यह नहीं है'', दुल्ला जी ने उत्तर दिया। ''आपको क्या लगता है कि रानी को पकड़ना इतना आसान है?''

सेना गुस्से में था कि उसे एक चाल आई। वह जानता था कि अगर झलकारी को आजाद होने दिया गया तो खतरनाक होगी इसलिए उसे फांसी की सजा सुनाई गई।

मैं मरने से नहीं डरती, झलकारी ने गर्व से उत्तर दिया।

जब वे उसे उसकी मृत्यु के लिए ल गए तो वह चिल्लाकर अंग्रेजों से कहने लगी कि आप कभी भी हमें जीत नहीं सकते। हम बार-बार उठेंगे और तब तक लड़ेगें जब तक हम अपनी आजादी नहीं पा लेते।

''चुपचाप!'' वे चिल्लाए, लेकिन वह चुप नहीं हुई। रस्सी उसके गले में कस गई थी वह चिल्लाई ''लंबे समय तक जीवित भारत'', ''लंबे समय तक लक्ष्मीबाई जीवित रहे। लंबे समय आज़ादी!''

Comprehension

A. 1. (b) soldier **2.** (c) East India **3.** (d) 1857 **4.** (a) March **5.** (c) gunner

B. 1. (T) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (F) **5.** (T)

C. 1. Jhalakari was an orphan. She was a bold and fearless girl. She liked to play the games that people call boy's games. She had fought at leopard single-handed in the jungle and killed it with nothing more than a sturdy stick. After that they nick named her 'Jhalakari, the tigress'. **2.** When Jhalakari grew up, she was married to a soldier in the army of Rani

Lakshmibai and went away to live with him in Jhansi. **3.** In March 1858, the British troops attacked the fort at Jhansi first time. Their heavy guns bombarded it. **4.** In return for a large sum of money, Dulaji Thakur, a gunner, who was in charge of the South gate of the fort, led Britishers to a spot where there was a break in the wall and the soildiers of British army made their way into the fort through it. **5.** When the Britishers found that they could make no progress, they decided to gain entry into the fort by stealth at night. For this, they bribed a man named Dulaji Thakur, a gurner, who was in charge of the south gate of the fort. **6.** In the last, Jhalakari was hanged by the Britishers. She said before hang, "Long live India ! Long live Lakshmibai! Long live freedom !''

Grammar and Activity

A. 1. (a)

8 : A Good Boy

मैं सुबह होने से पहले जगा,

पूरा दिन मैं प्रसन्न था,

मैंने कभी भद्दे शब्द नहीं कहे,

लेकिन मुस्काया और साथ में खेला।

और अब सूरज का आखिरी में है,

लकड़ी के पीछे जा रहा है,

मैं उसके लिए बहुत प्रसन्न हूँ।

मेरा बिस्तर शांत और ताजा है,

साथ में चिकना और एक प्रकार का कपड़ा

और मेरी प्रार्थना को मत भूलना।

मुझे पता है कि, कल तक,

मैं कल का उगता सूरज देखूगा,

कोई बुरा सपना मेरे मन को डराएगा,

कोई बदसूरत दृष्टि मेरी आँखें नहीं देखती।

लेकिन नींद ने मुझे कसकर पकड़ लिया,

जब तक सुबह नहीं हो जाती,

और यहाँ पक्षियों का गीत सुनता,

मैदान के चारों ओर गोल करते हैं।

Comprehension

A. 1. (a)

Grammar and Activity

A. 1. (a)

9 : Valley of Gems

सिंदबाद बगदाद का एक प्रसिद्ध नाविक था। उसे जोखिम लेना पसंद था। अक्सर वह नए रोमांच के लिए समुद्र में जाता था। हर बार वह नए इलाकों में पहुँचता और नए लोगों से मिलता। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान कई कठिनाइयों और खतरों का सामना किया। लेकिन यह उन्हें नई यात्रा करने और नए रोमांच का सामना करने से नहीं रोक सकता था।

जब एक बार उन्होंने अपनी नाव में कीमती सामान के साथ लाद दिया और नई यात्राओं के लिए निकल पड़े। यह केवल उनकी दूसरी यात्रा था। समुद्र शांत था और अनुकूल हवा बह रही थी। हर कोई खुश था। वे इस समय की खोजन की गई नई भूमि की बात कर रहे थे।

18वें दिन अचानक आसमान में अंधेरा छा गया। एक तेज हवा चली और समुद्र बेचैन हो गया। जल्द ही एक चक्रवात पैदा हुआ जो उसकी नाव को एक अज्ञात दिशा में ले गया। नाव कई दिनों तक चलती रही और अंत में वह अज्ञात द्वीप के पास में पहुँच गई।

जैसे ही वे द्वीप पर उतरे नाविक भोजन और पानी की खोज में व्यस्त हो गए। लेकिन सिंदबाद एक पेड़ के नीचे बैठ गया और जल्द ही सो गया।

वह बहुत देर के बाद उठा और अपने साथियों को इधर उधर देखा। लेकिन कोई भी नहीं दिखाई दिया और नाव भी वहाँ नहीं थी। सिंदबाद को एहसास हुआ कि उसक दोस्त उसे द्वीप पर अकेला छोड़ गए। वह एक पेड़ पर चढ़ गया और नाव का पता लगाने की व्यर्थ कोशिश करने लगा।

अचानक उसे कुछ दूरी पर चमकती हुई गुबंद की तरह संरचना दिखाई दी। वह पेड़ से उतरा और उसके पास पहुँच गया। यह इतना विशाल गोल और चिकना था कि वह यह नहीं बता सकता था कि यह क्या था।

जब वह यह सोच रहा था कि यह क्या हो सकता है, आकाश में अंधेरा हो गया। सिंदबाद ने ऊपर देखा, उसे एक बहुत बड़ा पक्षी दिखाई दिया। उसने सूर्य को ढक दिया था। जल्द ही पक्षी एक सफेद वस्तु पर आकर बैठ गया। सिंदबाद ने अब महसूस किया कि विशाल चट्टान एक पक्षी और गोल वस्तु उसका अंडा था। सिंदबाद ने अपने पूर्वजों से इस पक्षी के बारे में सुना था।

चट्टान के पैर पेड़ के तने की तरह विशाल थे। सिंदबाद ने एक पल के लिए सोचा फिर अपनी पगड़ी उतार दी। उसने खुद को एक उम्मीद के साथ पक्षी के पैर से बाँध लिया कि पक्षी उसे किसी सुरक्षित स्थान पर ल जाएगा।

पक्षी रातभर अपने अंडे पर बैठा। अगली सुबह यह अपने पैरों से बंधे सिंदबाद को लेकर उड़ गया। पक्षी ने कई घंटे उड़ान भरी और फिर अचानक वह गहरी घाटी में उतरा। घाटी बड़े साँपों से भरी थी। जैसे ही पक्षी उतरा, सिंदबाद ने अपने आप को खोल लिया और फिसल गया। पक्षी की चोंच में एक बड़ा साँप आया और वह उसे लेकर उड़ गया।

पक्षी के डर से साँप पहले ही गायब हो गए थे। सिंदबाद ने चारों ओर देखा। यह एक गहरी घाटी थी, जो चारो ओर से पहाड़ों से घिरी थी।

उसने चारों ओर देखा, उसकी आँखे चारो ओर बिखरे हुए बड़े रत्नों पर पड़ी। उसे एहसास हुआ कि वह हीरे की घाटी में पहुँच गया, जिसके बारे` उसने बहुत कुछ सुना था। सिंदबाद ने अपनी सरी जेबें कीमती रत्नों से भर लीं और घाटी से बाहर जाने की सोचने लगा।

अचानक उसने घाटी में माँस के बड़े टुकड़ों को गिरते हुए देखा। पहले तो वह इसका कारण नहीं समझ सका, लेकिन जल्द ही उसने पहाड़ों पर कुछ

लोगों को देखा, वह चूजों को घाटी में गिरा रहे थे। ताकि रत्न माँस से चिपक जाए और जब भी चिड़िया आए और चूजों को उठाए तो रत्न भी मांस के साथ आ जाएँगे। तब वे पक्षियों के घोंसलों से रत्न इकट्ठा कर लेंगे।

सिंदबाद ने सोचा कि बाहर निकलने का यह एकमात्र तरीका है। उसने अपनी पीठ पर मांस का बड़ा टुकड़ा बाँधा और जमीन पर सपाट लेट गया और पक्षी के आने का इंतजार करने लगा।

कुछ देर बाद पक्षी आया, उसने झपट्टा मारा और मांस के साथ उसे भी उठा लिया। अगले क्षण, यह पहाड़ पर अपने घोंसले में वापस जा रहा था और उसके साथ सिंदबाद था। पक्षी अपने घोंसले तक पहुँच गया और उसने मांस को गिरा दिया। सिंदबाद भी धड़ाम से जमीन पर गिर गया लेकिन वह घायल नहीं हुआ।

जल्द ही उने पटाखे की आवज सुनी। कुछ लोग पक्षी को डराने के लिए फोड़ रहे थे। जैसे ही पक्षी उड़ा लोग दौड़ते हुए आए। जब उन्होंने सिंदबाद को मांस के साथ बँधा हुआ देखा तो भ्रमित हो गए। सिंदबाद ने उन्हें अपनी कहानी सुनाई और उनमें से प्रत्येक को एक हीरा दिया। वे उपहार पाकर बहुत खुश हुए वे अपनी नाव पर सिंदबाद को ले गए और उसे बंदरगाह पर छोड़ दिया। सिंदबाद ने दूसरी नाव किराय पर ली और घर पहुँच गया।

जब सिंदबाद ने अपने साहसिक कार्य और रत्नों की घाटी के विषय में लोगों को बताया तो किसी को भी पहली बार में विश्वास नहीं हुआ। लेकिन जब उसने उन्हें रत्न दिखाए जो वह वहाँ से इकट्ठा करके लाया था, तो उन्हें विश्वास हो गया।

Comprehension

A. **1.** (c) **2.** (c) **3.** (b) **4.** (c) **5.** (c)

B. **1.** (F) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (T)

D. **1.** Sindbad was a famous sailor of Baghdad. He loved adventure. **2.** After the ship was caught into the storm, it moved on and on for several days and at last, it reached in an unknown island. **3.** Sindbad saw a huge dome like structure shinning brightly at some distance. It looked like a huge dome. It was so huge, round and smooth that Sindbad couldn't make out what it was. **4.** Sindbad tied himself to the bird's leg and when it flew, it reached a deep valley, surrounded by high mountains from all sides. As he looked around, his eyes fell on the big gems scattered all around. Thus, he had reached the valley of diamonds. **5.** The people on the mountains dropped chunks of flesh on the valley so that the gems would get stick to the flesh and whenever the bird comes and picks up the chunks, the gems would also come out with the flesh. Then they would collect the gems from the bird's nest. **6.** Sindbad gave a diamond to each of the merchants who were very delighted to get the gifts. They took Sindbad to their boat and on their way back, dropped him on a harbour. Sindbad hired another boat from there and reached home.

C.

Column 'A'	***Column 'B'***
1. Sindbad	A famous sailor
2. Precious	Goods
3. Favourable	Wind
4. Dome like	Structure
5. Roc	Huge bird

Grammar and Activity

A. **1.** (a)

10 : Computer : The Great Invention of Modern Science

हम विज्ञान और प्रोद्योगिकी के समय में रहते हैं। नए उपकरणों के अविष्कयार ने हमारे जीवन को असान और आरामदायक बना दिया है। इन सभी अविष्कारों में, कंप्यूटर का अविष्कार सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए इसे विज्ञान का आधुनिक आश्चर्य कहा जाता है।

कंप्यूटर एक विश्लेषणात्मक मशीन है। यह लगभग सभी प्रकार के काम कर सकता है। इसलिए, यह लगभग हर क्षेत्र में उपस्थित होता है, जहाँ तेजी से सटीक गणना और जानकारी की आवश्यकता होती है।

कंप्यूटर ड्राइंग रूम में रखे टीवी की तरह दिखता है। इसके कई अन्य भाग हैं— की-बोर्ड, सी०पी०यू०, प्रिंटर, माउस, स्पीकर, स्कैनर, मॉनीटर आदि। की-बोर्ड, माउस और स्कैनर को इनपुट डिवाइस कहा जाता है। ये डाटा को समाहित करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। मॉनीटर एक आउटपुट डिवाइस है। यह गणना के बाद परिणाम की जानकारी प्रदर्शित करता है। प्रिंटर आपको मुद्रित जानकारी के रूप में डेटा को बाहर निकालने में मदद करता है।

सी०पी०यू या सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट कंप्यूटर का मुख्य भाग है। इसे कंप्यूटर का मस्तिष्क भी कहते हैं। सभी गणनाएँ इसके अंदर से प्रर्शित होती हैं और अंतिम परिणाम मॉनीटर में दिखता है।

हम बहुत जल्दी से बड़ी संख्या को शामिल करने के लिए कैलकुलेटर का उपयोग करते हैं।

कंप्यूटर एक कैलकुलेटर का सबसे उन्नत रूप है। कंप्यूटर की सहायतस से हम ऐसे योग कर सकते हैं, जिसमें मौलिक गणितीय संक्रियाएँ शामिल होती हैं। जैसे जोड़, घटाव, गुणा और भाग आदि में यह बहुत तेजी से काम करता है। यह ऊबता नहीं है और मानव की तरह थकता नहीं।

कंप्यूटर में ऑपरेशन करने को प्रोसेसिंग के रूप में जाना जाता है। संख्या और लेखन वाली जानकारी को डेटा कहा जाता है। कंप्यूटर शब्दों को, चित्रों और ध्वनियों को संग्रहीत और समाहित भी कर सकता है।

यदि आप पहले से ही एक प्रश्न का उत्तर जातने है तो जानकारी नहीं कहलाती। हालाँकि यदि उत्तर आपके लिए नया है या आश्चर्य की बता है, तो इसे 'सूचना' कहा जाता है। अराजक प्रणाली आश्चर्य से भरा स्रोत सूचना के स्रोत (जनरेटर्स) हैं। कंप्यूटर सूचना प्रोसेसर है।

कंप्यूटर स्कैन डेटा या सूचना को उनके द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रोसेस करता है। एक आधुनिक कंप्यूटर एक सेकंड में हजारों निर्देशों का पालन कर सकता है। निर्देश एक विशिष्ट भाषा में दिए जाते हैं। जिसे कंप्यूटर समझता है। हालाँकि एक कंप्यूटर आँख बंद करके दिए गए निर्देशों का पालन करता है। एक निर्देश में ऑपरेशन में शामिल प्रत्येक चरण को

शामिल किया जाना चाहिए। यदि आपसे एक स्टेप छूटता है तो कंप्यूटर इस सही नहीं करेगा।

कंप्यूटर में मेमोरी होती है, यही है, वे बहुत सारे डेटा या जानकारी संग्रहीत कर सकते हैं। वे अपनी स्मृति में अंक, शब्द, चित्र और ध्वनि मेमोरी में रख सकते हैं। टेलीफोन नंबर, पता, खाता, किताबों के टैक्स, गाने, फोटो कंप्यूटर में रखे जाते हैं। जब भी आपको किसी जानकारी की आवश्यकता होती है, तो आप इसे केवल कंप्यूटर को उपयुक्त कमांड देकर सेकंड के भीतर प्राप्त कर सकते हैं।

आधुनिक दुनिया में कंप्यूटर का उपयोग छलांग और सीमा से बढ़ रहा है। रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे और बड़े होटलों में, बड़े कार्यालायें में कंप्यूटर प्रयोग कर रहे हैं। कंप्यूटर का प्रयोग डेटा को संशोधिकत करने और बहुत तेज गति से परिणाम लाने के लिए किया जाता है। अब हवाई जहाज या रॉकेट से गाड़ियों को चलाना, बड़ी मशीनों को नियंत्रित करना आदि उद्योगों को कंप्यूटर की मदद से संचालित किया जाता है।

स्कूलों और कॉलेजों में कंप्यूटर का उपयोग विभिन्न विषयों को पढ़ाने के लिए किया जाता है जो स्पष्ट आरेखों और दृश्य ग्रंथों की सहायता से किया जाता है। चिकित्सा के क्षेत्र में एक डॉक्टर बीमारी की जाँच, विशेषण और उपचार का सुझाव देने में कंप्यूटर का प्रयोग करते हैं। यह एक बीमारी का इलाज करने के लिए उपयोगी नई दवाओं का अविष्कार करने के लिए भी प्रयोग किया जाता है।

आज बड़ी संख्या में कंप्यूटरों को एक नेटवर्क के माध्याम से जोड़ा गया है जिसे वर्ल्ड वाइड वेब (www) या इंटरनेट कहा जाता है। अब अपने घर बैठकर आप माउस के एक क्लिक पर दुनिया के सभी हिस्सों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कुछ लोगों द्वारा कंप्यूटर को मस्तिष्क की मशीन कहा जाता है, लेकिन एक मानव मस्तिष्क का विकल्प नहीं है। यह हमारे मस्तिष्क के लिए सिर्फ एक सहारा है। यह न तो इंसान की तरह महसूस कर सकता है और न ही सोच सकता है। इसमें कोई सामान्य ज्ञान नहीं होता है।

Comprehension

A. 1. (a)

Grammar and Activity

A. 1. (a)

11 : The Tragedy of Titanic

यह 12 अप्रैल 1912 था। टाइटैनिक विशाल जहाज था, जो दुनिया का सबसे बड़ा जहाज इंग्लैंड के साउथेम्पटन से न्यूयॉर्क जाने के लिए तैयार हुआ था। जहाज को उसकी पहली यात्रा पर देखने के लिए बंदरगाह में भीड़ जमा हो गई थी। जहाज ने पहले ही पूरी दुनिया में सनसनी पैदा कर दी थी। यह एक सुंदर और अद्भुत तैरते शहर की तरह था। जहाज के बोर्ड पर दो हजार से अधिक यात्री थे। वे सभी बहुत उत्साहित थे। वे याएियों के रूप में याद किया जाएगा जो उन्हें कम से कम समय में अमेरिका ले जाएगा।

लोगों को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि यह बहुत बड़े आकार का था। लेकिन न केवल बड़े आकार का था बल्कि जहाज के बारे में सबकुछ अद्भुत था। इसकी सुंदरता और आराम के मामले में उत्कृष्ट कृति थी। यात्री इस पर साढ़े चार मील चल सकते थे। टियर पर दस डेक गुलाब के पेड़ थे। जहाज के अंदर, एक बड़ी जगह थी जो एक बड़े होटल की तरह थी। 500 से अधिक लोगों की क्षमता वाला एक बड़ा डायनिंग हॉल था। एक बड़ा स्वीमिंग पूल, एक व्यायामशाला और लोगों के लिए एक विशाल बाथरूम था। सफेद स्टार लाइन, प्रसिद्ध शिपिंग कंपनी जिसने इसे बनाया था, ने दावा किया था कि जहाज कभी नहीं डूबेगा।

सब कुछ सहज हो रहा था। यात्रियों को यह सोंच कर गर्व हो रहा था कि वे दुनिया के सबसे अच्छे जहाज पर सवार थे। वहां संगीत और नृत्य था। कुछ लोग बॉलरूम में डांस का आनंद ले रहे थे, कुछ डाइनिंग रूम में, जबकि कुछ अन्य डेक पर खड़े गहरे नीले समुद्र का। वे अपनी यात्रा के हर पल का आनंद ले रहे थे।

अपनी यात्रा के दौरान, जहाज को बहुत ठंडे क्षेत्र से गुजरना पड़ा। यह हिमखंडों से भरा हुआ था। हिमखंड समुद्री जल पर तैरते हुए बर्फ के विशाल खंड है। यदि जहाज उनमें से किसी के खिलाफ हमला करता तो इससे बहुत नुकसान होगा। शांति से दो दिन बीत गए। जहाज सुचारू रूप से चल रहा था। हिमखंडो से बचता हुआ उन्हें चकमा दे रहा था। यात्रियों का भी दृढ विश्वास था कि जहाज किसी भी समस्या का सामना कर सकता है। यह 14 अप्रैल 11:30 बजे के आस-पास आधी रात थी। यह खतरे का संकेत था। ज्यादातर लोग दहशत में जाग गए। उसी समय कौए के घोसले से एक चीख सुनाई दी। कप्तान जोन्स ने भी चिल्लाना सुना। उन्होंने टाइटैनिक के रास्ते को बाहर से देखा। वहाँ बर्फ का एक विशाल पहाड़ था जो धीरे-धीरे जहाज की ओर बढ़ रहा था। खतरे को भाँपते हुए कप्तान इंजन कक्ष में गए और जहाज को हिमशैल से दूर ले जाने का आदेश दिया।

मगर बहुत देर हो चुकी थी। हिमशैल पहले ही जहाज से टकरा चुका था। हिमखंड के मोटे और तीखे किनारों ने टाइटैनिक के किनारे को चीर दिया था। बर्फ के टुकड़े हिमखंड से उड़ गए और बर्फ की बौछार की तरह डेक पर गिर गए।

अचानक यात्रियों को एक बड़ा झटका लगा। वे डेक पर दौड़ते हुए आए, यह जानने के लिए कि क्या हुआ था। कप्तान ने उन्हें टककर के बारे में बताया लेकिन साथ ही साथ उन्हें चिंता न करने के लिए कहा क्योंकि जहाज डूबने योग्य नहीं था।

लेकिन जल्द ही कैप्टन स्मिथ का भ्रम समाप्त हो गया। जहाज के कप्तान ने घोषणा की कि टाइटैनिक संकट में है। यह एक हिमशैल से टकराया और जहाज डूब रहा है।

रेडियो चालक दल ने मदद के लिए उन्मत्त एस०ओ०एस० भेजना शुरू किया। टाइटैनिक से लगभग 20 मील दूर एक जहाज था। यह कैलीफोर्निया था। इसकी रोशनी को कुछ ही दूरी पर देखा जा सकता था। कप्तान जोन्स को यकीन था कि कैलिफोर्निया उनकी मदद को आएगा और यात्री बच जाएँगे। लेकिन दुर्भाग्य से कैलिफोर्निया के रेडियो ऑपरेटर सो गए थे। उसे मदद के लिए टाइटैनिक के सिग्नल नहीं मिले। कई अन्य जहाज ने भी सिग्नल सुना और उनमें से कुछ ने जवाब भी दिया। लेकिन उनमें से सबसे निकट कारपाथिया डूबते हुए जहाज से लगभग चार घंटे की दूरी पर था।

अब तक सभी यात्री डेक पर इकट्ठे हो गए थे। घबराहट ने उन्हें जकड़

लिया था। लेकिन वे नहीं जानते थे कि क्या करना है। कप्तान जोन्स आदेश दे रहे थे, ''यात्रियों, कृपया अपने जीवन की बेल्ट को बांधे! जीवन रक्षक को कम करे! पहले बच्चे और महिलाएँ।'' चालक दल ने जीवनरक्षक नाव को उतारा। लेकिन यह मुश्किल से कुछ ही सौ लोगों को समायोजित कर सकी, जब कि कुल 2224 लोग सवार थे। कारपेथिया तेजी से रवाना हुआ लेकिन फिर भी उसे तीन घंटे लग गए।

लेकिन टाइटैनिक का कोई निशान नहीं था, यहाँ तक कि जीवन रक्षक भी नही दिख रहे थे। अस्थिर केवल टाइटैनिक डूब गया था। बहुत खोज के बाद जीवनव रक्षक में से एक को देखा गया था। जीवन नौकाओं के दौरान और उनके यात्रियों को कारपेथिया में खरीदा गया था।

कुल 711 यात्रियों को बचाया गया था, लेकिन समुद्री यात्रा के इतिहास में अत तक की सबसे भीषण त्रासदी में 1513 अन्य लोग मारे गए थे।

Comprehension

A. 1. (a)

Grammar and Activity

A. 1. (a)

12 : The Cunning Minister

शेर जंगल का राजा था। एक बार उन्होंने सोचा कि अन्य राजाओं की तरह, उसे भी अपने मामलों के लिए मंत्री होने चाहिए। इसलिए उन्होंने एक कौआ, एक लोमड़ी और एक तेंदुए को अपना मंत्री नियुक्त किया। अब पढ़ते हैं–

लोमड़ी, तुम बुद्धिमान और चालाक हो। मैं तुम्हे अपना गृह मंत्री नियुक्त करता हूँ।

धन्यवाद महाराज।

तेंदुए आप सतर्क और तेज हो। मैं आपको अपना रक्षा मंत्री नियुक्त करता हूँ।

धन्यवाद आपका मेरे महाराज।

कौए आप आसमान में ऊँची उड़ान भरते हो, मैं आपको अपना विदेश मंत्री नियुक्त करता हूँ।

धन्यवाद आपका मेरे महाराज।

मंत्री ने शिकार में शेर की मदद की।

क्या अपाने कभी ऊँट का मांस खाया है। यह बहुत स्वादिष्ट होता है।

नहीं, मैंने नहीं खाया। लेकिन हमें ऊँट कहा मिल सकता है।

मैंने कुछ दूरी पर रेगिस्तान में एक मोआ और बड़ा ऊँट देखा है।

वे रेगिस्तान पहुँचे। एक मोटा और बड़ा ऊँट बाओबाब पेड़ के नीचे आराम कर रहा है।

लेकिन हम कैसे वहाँ पहुँच सकते हैं? मेरे पंजे जल रहे हैं।

मेरे महाराज! अभी रेत इतनी भी गर्म नहीं है। कृपया यहीं प्रतीक्षा करे। मुझे जाने दीजिए और ऊँट को निमंत्रण देते हैं।

हमारे राजा शेर आपसे मिलना चाहते हैं।

मैं कोई शेर को नहीं जानता चले जाओ यहाँ से।

मुझे ले चलो और दिखाओ।

कृपया आइए हमारे राजा आपको अपना मंत्री नियुक्त करना चाहते हैं। हमारे राजा के जंगल में बहुत सारी हरी घास और पत्तियाँ हैं।

स्वागत है मिस्टर ऊँट आप मेरे पर्यटन मंत्री होंगे।

धन्यवाद महाराज।

अब हमें वापस जंगल ले चलो।

कृपया मेरी पीठ पर बैठ जाएँ।

मैं बहुत भूखा महसूस कर रहा हूँ। प्यारे मंत्री, कृपया कुछ खाने की व्यवस्था करो।

अभी लाता हूँ, मेरे महाराज।

वे योजना बनाते हैं।

हम कहेंगे कि कोई जानवर नहीं था। फिर हम अपने शरीर को पहले ऑफर करेंगे। पहले कौआ।

अच्छा विचार है! ऊँट ने भी अपने शरीर का ऑफर देगा और तब हम उसे फाड़ देगें।

मेरे महाराज! जंगल में कोई जानवर नहीं है।

अब क्या करें? मैं भूख से मर रहा हूँ।

मेरे महाराज! हम आपको भूखे नहीं मरने दे सकते। कृपया मुझे खाइए औरअपनी भूख को संतुष्ट कीजिए।

नहीं, मेरे महाराज! वह बहुत छोटा है। कृपया मुझे खाएँ और अपनी भूख मिटाएँ।

नहीं, नहीं मेरे महाराज। उसमें अधिक मांस नहीं है। मैं अपना शरीर आपको भेट करता हूँ। कृपया मुझे खाइए और अपनी भूख मिटाइए।

कितने इमानदार हैं वे सब मेरे महाराज। मैं उनमें सबसे बड़ा हूँ। मेरे शरीर में अधिक मांस है, आप मुझे खा सकते हैं और अपनी भूख मिटा सकते हैं।

जैसा तुम चाहों।

शेर ऊँट पर चढ़कर उसे मार डालता है। वे सब खुशी-खुशी ऊँट का मांस खाते हैं।

Comprehension

A. 1. (a)

Grammar and Activity

A. 1. (a)

13 : A Daring Escape

असम के एक छोटे से कस्बे में दो गरीब लड़के उदित और विक्रम रहते थे। उदित सत्रह वर्ष का था जबकि विक्रम सोलह वर्ष का था। दोनों गरीब थे और उनके पास धन नहीं था। वे छोटे कस्बे से बाहर जाकर और किसी दूसरे बड़े शहर में अपना भाग्य बनाने की कोशिश करना चाहते थे।

सप्ताह में एक बार एक विमान उनके छोटे शहर से लोगों को दिल्ली ले

जाता था। यह रास्ते में कहीं नहीं रुकता था। यह कहानी है कि कैसे उदित और विक्रम ने उस विमान में अपने ही शहर से भागने की कोशिश की

यह जनवरी की देर शाम थी। मौसम ठंडा था। उदित और विक्रम हवाई अड्डे के मार्ग के बगल में ऊँची घास में छिप गए। अचानक उन्होने विमान की दहाड़ सुनी। यह सीधे मार्ग पर नीचे उतरा। गोल घूमा और यात्रियों को लेने के लिए रुका।

यह उनके लिए मौका था। वे दोनों विमान में सवार हो गए और विमान के पहियों के ऊपर चढ़ने लगे। उदित जल्दी से दाएँ पहिए के ऊपर चढ़ गया। विक्रम बाएँ पहिए के ऊपर डिब्बे में चढ़ गया।

कुछ समय बाद विमान फिर से दहाड़ने लगा। शोर इतना था कि उदित लगभग पास में फिसल गया। वह किसी तरह डिब्बे में मशीन के एक हिस्से को पकड़ पाने में कामयाब रहा। यह डिब्बे की छत के विपरीत दबाना प्रारंभ कर देता है। वह मुश्किल से सांस ले सका। डिब्बे केनीचे का दरवाजा बंद हो गया और उदित अंधेरे में चला गया।

अचानक पहिए का दरवाजा फिर से खुलने लगता है। पहिया खुलने लगता है। उदित ने एक संकरे पाइप को पकड़ा और हवा में झूल गया। विमान पृथ्वी से सैकड़ों फीट ऊपर था। क्या होगा यदि उसके हाथ ने पकड़ खो दी? उदित ने डर से अपनी आँखे बंद कर ली। लेकिन पहिया फिर से मुडना शुरू हो गया। इस बार उदित को डिब्बे में मशीन के पीछे कुछ स्थान मिला। पहिए के पूरी तरह मुड़ने से पहले वह अंदर घूम गया। दरवाजा फिर से एक बार बंद हो गया। अंधकार में उदित ने प्रतीक्षा की। विमान के दिल्ली पहुँचने में काफी समय लगेगा।

चूँकि उदित ने कोई गर्म कपड़े नहीं पहने थे इसलिए उसे कपकपी लगने लगी। वह आश्चर्य में था कि विक्रम दूसरे पहिए के अंदर कैसा महसूस कर रहा था।

यह ठंडा और ठंडा होता गया। यहाँ पहिए के डिब्बे में सांस लेने के लिए कम से कम हवा थी। मुझे उम्मीद है कि विक्रम सुरक्षित होगा, उसने कहा कि इससे पहले कि वह बेहोश हो जाए।

दिल्ली हवाई अड्डे पर कप्तान ने सही लैंडिग की। जब वह नीचे उतरा तो व खुश था और विमान से बाहर चला गया। वह हवाई जहाज की नाक के पास कार लेने का इंतजार कर रहा था कि उसे नरम प्लॉप सुनाई दी। पहिये के डिब्बे के बाहर कुछ गिर गया। कप्तान देखकर दंग रह गया।

यह एक लड़के का बेहोश शरीर था। जब कप्तान ने उसे छुआ तो उसे लड़के की नाक और मुँह के ऊपर बर्फ महसूस कर सकता था। उसकी त्वचा मा रंग नीला होता जा रहा था।

लड़के को भागते हुए पास के एक अस्पताल में ले गए। कुछ दिनों में यह काफी अच्छी तरह से ठीक हो गया। उससने डॉ० को अपनी अद्‌भुत यात्रा के बारे में बताया। उसने पुलिस अधिकारी से पूछा कि विक्रम का क्या हुआ?

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मार्ग पर और कोई नहीं मिला। यह संभव हो सकता है कि विमान के उड़ान भरने से पहले ही विक्रम गिर गया हो।

गरीब विक्रम विमान पर नहीं चढ़ सकता था, लेकिन उदित बच गया था। उदित की आँखों में आँसू थे। उसका सबसे अच्छा दोस्त बहुत दूर हो गया था। शायद वह अगले कुछ दिनों में आए।

Comprehension

A. 1. (a)

Grammar and Activity

A. 1. (a)

14 : A Service of Love

जब कोई किसी की कला को प्यार करता है। तो कोई सेवा बहुत मुश्किल नहीं दिखाई देती। यह हमारा आधार है। कहानी दिखाएगी कि आधार गलत है। यह तर्क मे एक नई बात होगी। जो सचित्र कला के लिए सरल था। छः साल की उम्र में उन्होंने शहर के एक पंप का चित्र खींचा था। बीस साल की उम्र में उन्होंने न्यूयार्क के लिए प्रस्थान किया। डेलिया को संगीत में दिलचस्पी थी। उसके रिश्तेदारों ने पैसा जमा किया और बेहतर प्रशिक्षण ेि लिए उसे न्यूयार्क भेज दिया।

जो और डेलिया एक बैठक में मिले, जहाँ कई चित्रकारों और संगीतकारों पर चर्चा करने के लिए कई महान कला और संगीत के छात्र एकत्र हुए थे। वे एक दूसरे की ओर और थोड़े समय में जहाँ शादी हुई थी, उसकी ओर आकर्षित हुए। उन्होंने कला में सेवा करने के लिए हाथ मिलाया। वे फ्लैट में रहने लगे और वे खुश थे क्योंकि उनके पास अपनी कला थी और वे एक-दूसरे के पास थे। उन्हें सच्ची खुशी मिली।

जो महान चित्रकार मैजिस्टर के शार्गिद कला की कक्षाओं में शामिल हुए। उसे मोटी फीस चुकानी पड़ी।

डेलिया रोजेन के शार्गिद में पियानो पढ़ रही थी। जब तक उनका पैसा खत्म हुआ तब तक वे बहुत खुश थे। उनका उद्‌देश्य बहुत स्पष्ट और परिभाषित था। वे एक दिन अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की आशा करते थे। लेकिन थोड़ी देर बाद कला ने झंडी दिखा दी। मिस्टर मैजिस्टर और रोजेन को भुगतान करने के लिए पैसे की कमी हो गई। इसलिए डेलिया ने कहा कि उसे बर्तन को उबालने के लिए सबक देना चाहिए। एक शाम वह घर से आया।

जो प्रिय, उसने खुशी से कहा मेरा एक शिष्य है, सामान्य पिकनी की बेटी— क्लेमेटिना। वह 18 साल की है। मुझे उसे सप्ताह में तीन सबक देने हैं, और एक सबक के लिए पाँच डॉलर मिलेगे।

क्या आपको लगता है कि मैं अपनी कला का अभ्यास करते हुए मुझे लगात है कि मैं कागज बेच सकता हूँ या पत्थर तोड़ सकता हूँ और एक या दो डॉलर ला सकता हूँ जो ने उत्तर दिया।

जो प्रिय, तुम मूर्ख हो। आपको अपनी पढ़ाई जारी रखनी चाहिए। ऐसा नहीं है मैंने अपना संगीत बजाया है। जब में पढ़ता हूँ तो मैं भी सीखता हूँ। जब कोई किसी की कला को पसंद करता है, तो कोई भी सेवा कठिन नहीं होती।'' डेलिया ने कहा।

जो सेंट्रल पार्क में कुछ स्केच करने के लिए उत्सुक था। वह सुबह 8:00 बजे रवाना हुई और देर शाम वापस लौटी। सप्ताह के अंत में डेलिया ने टेबल पर 35 डॉलर के बिल को वापस ले लिया और फिर जो ने चौथे 18 डॉलर के बिल को खींचा और उन्हे डेलिया की कमाई के साथ रख दिया।

पियोरिया के एक आदमी को फव्वारे के पानी को बेच दिया। उन्होंने मुस्काते हुए घोषणा की कि आदमी ने एक और तेल का स्केच का आदेश दिया है।

मुझे खुशी है कि आपने इसे रखा, डेलिया ने दिल से कहा। ''आप जीतने के लिए बाध्य हैं, प्रिय। चलो आज रात बाहर खाने चले।''

अगले शनिवार की शाम को जो घर पहले पहुँचा। उसने मेज पर 18 डॉलर की कमाई रख दी। आधे घंटे बाद डेलिया पहुँची। उसका दाहिना हाथ पट्टियों से आकारहीन पोटली में बँधा हुआ था।

यह कैसा है? जो ने पूछा। डेलिया हंसी-खुशी से नहीं। क्लेमेंटिना ने गर्म खरगोश का पकवान परोसा। उसने इसे उबलता हुआ गर्म मेरे हाथ और कलाई में गिरा दिया लेकिन यह अब इतना दुखद नहीं है।

जो ने कुछ पट्टियों के सफेद किस्म की खींची गई थी। यह इंजन के तेल में डूबा हुआ था। यहाँ एक पल बैठो, डेलिया, उसने कहा। पिछले सप्ताह से मु क्या कर रहे हो।

उसने सिर को सच्चाई से नीचे झुकाया और आँसू निकल आए

मुझे कोई शिष्य नहीं मिल सका, मुझे एक बड़ा धोबीघाट में इस्त्री करने के लिए जगह मिली। आज एक लड़की ने मेरे हाथ पर गर्म लोहे का टुकड़ा रख दिया। तुम नाराज नहीं हो, क्या तुम हो, जो? और यदि मैने काम नहीं किया होता तो आप पियोंरिया के आदमी की अपना स्केच नहीं बेच पाते। लेकिन जिस बात का आपको संदेह हुआ, मैं क्लेमेटिना को संगीत का पाठ नहीं पढ़ा रहा था।

''वह पियोरिया में नहीं था। मैं पिछले दो हफ्तों से उसी इंजन को निकाल रहा था। मैने खुद ऊपर के किसी के लिए ओढ़ते हुए तेल वाले कपास भेजा है। उसने अपने हाथों को जला दियाथा। मेरे खरीदार प्योरिया और आपके क्लेकंटिना दोनों ही एक ही कला के प्राणी हैं, लेकिन इसे या तो पेंटिग या म्यूजिक (संगीत नहीं कहेंगे)।''

जब कोई किसी की कला को पसंद करता है तो कोई सेवा नहीं लगती है। लेकिन डेलिया ने उसे अपने होठों पर अपने हाथ से रोक दिया। ''नहीं'', उसने कहा, बस जब एक प्यार करता है।

Comprehension

A. 1. (a)

Grammar and Activity

A. 1. (a)

15 : Laughing Song

जब हरी लकड़ियाँ खुशी की आवाज़ के साथ हँसती हैं,

और धीमी मंद धाराएँ हँसते हुए चलती हैं :

जब हवा हमारी शादी की हाजिरजवाबी के साथ हँसती हैं,

और हरी पहाड़ी के शोर से हँसी आती है।

जब घास के मैदान के साथ प्यारी घास हँसती है,

और टिड्डा मेरी शादी के दृश्य में हँसता है,

जब मेरी और सूसान और एमिली

उनके गोल मधुर मुँह के साथ गाना गाते हैं, ''हा, हा, हा!''

जब चित्रित पक्षी छाया में हँसते हैं,

प्रसार में चेरी और नट्स के साथ हमारी मेज

जीवित आओ और खुश रहो और मेरे साथ रहो,

मधुर समूह गान गाती रहो ''हा, हा, हा!''

Comprehension

A. 1. (a)

Grammar and Activity

A. 1. (a)

16 : Little Snow Sister

सुबह से बर्फ पड़ रही थी। बच्चे अपनी माँ के साथ घर के अंदर थे। बेटसी और पीटर ने सभी खिलौनो के साथ खेला था। उन्होंने कोई होमवर्क नहीं किया। उनके पिता साइबर कैफे से रात की ड्यूटी करके वापस आए थे।

बेटसी और पीटर अंदर उबाऊ महसूस कर रहे थे। उन्होंने खिड़की खोली। दोपहर का समय था। बर्फबारी रुक गई थी। वे खुशी से चिल्ला उठे। अब वे बाहर जाने के लिए माँ से पूछ सकते थे।

''माँ क्या हम बगीचे में खेल सकते हैं? अब बर्फ नहीं गिर रही है। हम बर्फ की गेंदों के साथ खेलना चाहते हैं।''

''हाँ, तुब बाहर जा सकते हो लेकिन झगड़ा नहीं करना,'' उनकी माँ ने कहा और वे एक आशा के साथ चले गए, छोड़ कर कूद गए।

घर के सामने एक छोटा-सा बगीचा था, जिसमें कई पेड़-पौधे थे। अब वे पत्तियों रहित थे।

''बेटसी ने पीटर से कहा, चलो बर्फ से एक आकृति बनाते हैं— एक छोटी-सी लड़की बर्फ में सभी सर्दियों में हमारे साथ खेलती है।''

मूर्ख! बेटसी ने कहा, ''एक बर्फ की आकृति हमारे जैसे नहीं दौड़ सकती। हम इसके साथ खेल सकते हैं लेकिन यह हमारे साथ नहीं खेल सकती।''

पीटर ने कहा, ''यह हमारे साथ नहीं खेल सकती। लेकिन हम इसके साथ खेलेगें।''

''यदि हम इसे पहियों के साथ एक लकड़ी के बोर्ड पर बनाते हैं तो हम इसे घुमा सकते हैं।''

इसलिए बच्चों ने बर्फ की आकृति बनाना शुरु किया।

बेटसी ने कहा, ''अब हमे उसकी आँखों की चमक के लिए बर्फ के कुछ छोटे कण बनाने चाहिए।''

''माँ!'' पीटर ने बुलाया। ''बाहर देखों और हम एक छोटी से सुंदर लड़की बना रहे हैं।''

माँ ने अपनी पत्रिका रखी और खिड़की के बाहर देखा। धीमी गति से सूरज की चकाचौंध के माध्यम से, वह सिर्फ लड़की को देख सकती थी। वह यह देखकर बहुत खुश हुई कि बच्चों ने एक अच्छी बर्फ की आकृति बनाई है। दोनों बच्चों ने मंत्रमुग्ध उत्साह से बड़ी-सी मुस्कान दी। बेटसी ने कहा, ''कितना अच्छा साथी है वह हमारे साथ सभी सर्दियों में लंबे समय के लिए

अच्छा रहेगा।''

ओह, हाँ! पीटर चिल्लाया ''वह मेरे पास बैठ जाएगी और कुछ गर्म दूध पिएगी।''

''ओह नहीं पीटर!'' बेटसी ने कहा। ''गर्म दूध हमारी छोटी बर्फ बहन को नुकसान पहुँचाएगा। थोड़ा हिमपात लोग कुछ भी नहीं बल्कि आइकल्स खाते हैं।

''अब हमे अपनी बहन की गाड़ी को हिलाने के लिए रास्ते से कुछ बर्फ साफ करनी चाहिए।'' पीटर ने कहा।

बच्चो नसे बर्फ की आकृति के पास बगीचे में एक छोटा-सा रास्ता साफ किया। उन्होंने बर्फ की लड़की को पहियों के साथ उस बोर्ड को धक्का दिया।

बस तब खिड़की के पेनों को चीरती हुई एक हवा आई। माँ चिंतित हो गई अगर बच्चों को ठंड लग गई। जब वे दोनों माँ कह कर रोते हुए बाहर आते हैं। हमने बर्फ खत्म कर दी है। हमारी छोटी बर्फ बहन बगीचे में हमारे साथ्ज्ञ चल रही है।

बर्तन की खड़खड़ाहट में माँ स्पष्ट नहीं सुन पा रही थी। उसने खिड़की से बाहर देखा। सूरज अब नीचे जा चुका था। और वे स्पष्ट रूप से कुछ नहीं देख सकती थी। वह देख सकती थी एक छोटी लड़की, सफेद कपड़ों में जो सभी बच्चों के साथ खेल रही थी।

उसने बेटसी को बुलाया और फुसफुसाया, डार्लिंग, लड़की का नाम क्या है? क्या यह पास में रहती है? क्यों माँ, बेटसी हँसा, ''यह हमारी छोटी बर्फ बहन है।''

तभी बर्फ के पक्षियों का झुंड नीचे आया। वे एक बार बर्फ के बच्चे को उड़ाने के लिए उसके सिर के बारे में फड़फड़ाने लगे।

जब माँ, आश्चर्यचकित थी कि क्या सोचना है और क्या करना है, बगीचे का गेट खुला हुआ छोड़ दिया और बेटसी के पिता और पीटर के पिताजी प्रकट हुए। उन्होंने जल्दी ही छोटे सफेद अजनबी को ध्यान से देखा।

''यह छोटी लड़की क्या है? उसने कहा।'' उसकी माँ को इस हल्के मौसम में केवल एक पतली सफेद पोशाक पहने उसे बाहर जाने दे।

''मुझे नहीं पता,'' बेटसी की माँ ने कहा। मुझे लगता है ''कुछ पड़ोसी बच्चे हैं।''

''पिता आप यह नहीं देखते कि यह कौन है, बेटसी ने कहा। यह हमारी बर्फ आकृति है जिसे पीटर और मैंने बनया है। क्योंकि हमें खेलने के लिए एक साथ चाहिए था।

''क्या बकवास है!'' उनके पिता ने कहा। ''मजाक मत करो। इस ठंड में अजनबी छोटी लड़की मर जाएगी। उसे पार्लर में ले आओ और उसे गर्म दूध और रोटी दो। मैं बाहर जाकर इस खोए हुए बच्चे के बारे में पूछूँगा।''

पिता! बेटसी ने चिल्लया। उसे गर्म कमरे में न आने दें। जब तक वह ठंडी हवा में साँस न ही लेती न ही जीवित रह सकती।''

बकवास, पिता ने घर के अंदर जाने को कहा। उनकी आँखों में आँसू थे, बेटसी और पीटर पहिए वाले बोर्ड को गर्म पार्लर में ले गए। उसके पिता बाहर चले गए। लेकिन जब वह मुश्किल से गेट पर पहुँचा बेटसी और पीटर उसे वापस ले आए।

माँ सीढ़ियों से नीचे दौड़ी।

बच्चों क्या मामला है? उन्होंने साथ में पूछा।

''हमारी छोटी बर्फ-बहन को पिघलाया।'' और पिता कुछ समझ नहीं रहे हैं। पूछताछ की, ''वह छोटी लड़की कहाँ गई? और इतनी अधिक मात्रा में बर्फ कहाँ से लाए?''

बच्चों की माँ अब तक सब कुछ समझ चुकी थी।

उन्होंने कहा, ''इन्होंने एक बर्फ की आकृति बनाई थी जो गर्म पार्लर में पिघल गई।''

Comprehension

A. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (c) **5.** (c)

B. **1.** (F) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (T)

C.

	Column 'A'	***Column 'B'***
1.	Trees and shrubs	Leafless
2.	Wooden	Board
3.	Snow	Figure
4.	Little	Stranger
5.	Warm	Parlour

D. **1.** The children were feeling bored inside the house because it had been raining since morning and they could not go out and play. **2.** When the snowfall stopped, the children reached the garden hopping, skipping and jumping with joy. **3.** They decided to make a little snow-girl to run about and play with them in winter. **4.** After making the snow figure the children called out to their mother to see it. she looked from the window and smiled. Her broad smile enhanced the zeal of both the children. **5.** As the children were busy making the snow figure in the garden, a breeze came rattling the window panes and the mother become anxious thinking that the children might get cold. **6.** The father thought that the snow figure was a little girl from neighbourhood and she might get cold out in the garden. So he asked the children to bring the little girl into the parlour and give her a supper of warm milk and bread.

Grammar and Activity

A. Do yourself.

B. **1.** My grandfather is **old** but my father is **young**.

2. In winter, the days are **short** but the nights are **long**.

3. The tea is **hot** but the juice is **cold**.

4. The apple is **sweet** but the orange is **sour**.

5. Gold is **yellow** but silver is **white**.

17 : The Merchant's Caravan

अब्दुल बगदाद का एक बड़ा व्यापारी था। उसका कालीन और सिल्क का अच्छा व्यापार था। एक बार वह अपने सामान को रेतीले रेगिस्तान के दूसरी

तरफ किसी देश में भेजना चाहता था।

अब्दुल का ऊँटों का एक बड़ा कारवाँ था। ऊँट ही एकमात्र ऐसा जानवर था जो भीर भार के साथ रेगिस्तान में यात्रा करने के लिए पर्याप्त मजबूत थे। उनकी सेवा में भी अनेक आदमी थे।

कई दिनों तक, अब्दुल और उसके नौकर यात्रा की तैयार करते रहते थे। कारवाँ टेन्ट और डंडे एक ऊँट पर रखे गए। पानी की बड़ी चमड़े की बोतले दूसरे ऊँट पर रखी गई। आग के लिए लकड़ी और चावल के बैग और जौ का कच्चा भोजन को एक अन्य पर रखा गया। व्यापारियों के सामान को ले जाने के लिए कई ऊँटों की आवश्यकता थी।

अंत में कारवाँ यात्रा के लिए तैयार था। सूरज चमकीले ढंग से चमक रहा था। रेत को इतना गर्म कर दिया था कि कोई भी दिन के समय नहीं चल सकता था। लेकिन रात में मानव और ऊँट दोनों आसानी से यात्रा कर सकते थे।

इसलिए अब्दुल ने आदमियों से कहा, आज रात सूर्यास्त के बाद प्रारंभ करने के लिए तैयार रहें। ऊँट को पीने के लिए भरपूर पानी दें, और अच्छी तरह से खिलाएँ क्योंकि हमें एक लंबी और कठिन यात्रा करेंगे।

अब्दल और उसके आदमियों ने उस रात यात्रा की। एक आदमी मार्गदर्शक था। वह आगे सवार था, क्योंकि वह सितारों को जानता था और उनके द्वारा वह कारवाँ मार्ग दर्शन कर सकता था।

दिन के उजाले पर वे रुक गए। उन्होंने कारवाँ तंबू को फैलाया और ऊँटों को भोजन कराया। उन्होंने आग जलाई, चावल बनाए, कच्चे जौं की रोटी बनाई। यद्यपि दिन में आदमियों ने टैंट में आराम किया।

शाम के भोजन के बाद, कारवाँ अपने रास्ते पर पुन: चलना प्रारंभ हुआ। उन्होंने तीन रातों की लंबी यात्रा की। तीसरी सुबह, ऊँटों ने अपने सिर उठाए, अपने नथुने फैलाए और उत्सुकता से आगे बढ़े।

मार्गदर्शक चिल्लाया, ऊँट को पानी और घास में आती है। एक पानी का छोटा तालाब पास में है। लंबे समय बाद वे रेगिस्तान में एक छोटे तालाब के पास थे। नरम हवा में पत्तियों को फैलाए हुए ऊँचे ताड़ के पेड़ थे। खुशी से, उन्होंने दिन के दौरान आराम किया। ऊँटों ने स्वतंत्र रूप से पानी पिया। आदमियों ने विशाल चमड़े की बोतले ताजे पानी से भरी।

शाम को, ताजगी और खुशी से, उन्होंने अपनी यात्रा जारी की। उन्होंने रात में यात्रा की और दिन की गर्मी के समय आराम किया। अंत में, एक सुबह मार्गदर्शक ने कहा, हम जल्द ही अपनी यात्रा के अंत तक पहुँच जाएँगे।

आदमी यह सुनकर बहुत खुश थे, लंबी यात्रा के बाद थक गए थे और ऊँटों को आराम की आवश्यकता थी।

उस बड़ी रात के बाद अब्दुल ने कहा, आग की लकड़ी और अधिकांश पानी फेंक दो। इससे ऊँटों का बोझ हल्का होगा। कल तक हम शहर पहुँच जाएँगे।

जब शाम को कारवाँ शुरू हुआ, मार्गदर्शक हमेशा की तरह आगे बढ़ रहा था। लेकिन थोड़ी देर बाद, कई राते जागने के बाद वह सो गया। पूरी रात यात्रा की, जब मार्गदर्शक जागा और आखिरी सितारे को देखा, तो उसने महसूस किया कि वे गलत दिशा में जा रहे थे।

''रुको!'' वह चिल्लाया। ''जब मैं सो गया था ऊँट जरूर मुड़ गए। हम उस जगह पर है जहाँ से हमने कल शुरुआत की थी।''

सभी यह समाचार सुनते ही स्तब्ध रह गए। उन्होंने पहले ही पानी और आग जलाने की लकड़ी फेंक दिया था और अब पीने के लिए पानी और आग जलाने के लिए लकड़ी नहीं थी। आदमियों ने टेंट को फैलाया और उसके नीचे लेट गए, और बोले, लकड़ी और पानी चला गया। हम खो गए हैं।

लेकिन अब्दुल ने खुद से कहा, ''यह आराम करने का समय नहीं है। मुझे पानी खोजना होगा। अगर मैं निराशा की ओर गया, सब खत्म हो जाएगा।''

वह तंबू से दूर जमीन को करीब से देखने लगा। वह चलता गया और चलता गया। आखिर में उसने घास की झाड़ी देखी।

''उसने सोचा कि रेत के नीचे कही पानी होगा, या यह घास यहाँ नहीं होनी चाहिए।'' वह वापस तंबू की ओर भागा और चिल्लाया ''जल्दी से आओ! मुझे पानी मिल गया। एक कुल्हाड़ी और एक कुदाल ले आओ।''

आदमी उठे और उसके साथ स्थान की ओर दौड़े जहाँ घास उग रही थी। उन्होंने रेत में खोदना शुरू किया और जल्द ही चट्टान से टकरा गए।

अब्दुल छेद में कूद गया और अपने कान को चट्टान के पस रख दिया।

''पानी! पानी!'' वह चिल्लाया। मुझे बड़ी चट्टानों के नीचे पानी के चलने की आवाज सुनाई दे रही है। हमें निराश नहीं होना चाहिए।''

तब अपने सिर के ऊपर से कुल्हाड़ी उठाते हुए एक भारी झटका मारा। बार-बार उसने चट्टान पर प्रहार किया। अंत में चट्टान टूट गई और एक पानी की भाप, क्रिस्टल की तरह साफ हो गई, जिससे लगभग पूरा देड हो गया। इससे पहले कि व्यापारी इससे बाहर कूद सके।

लोग खुशी से झूम उठे। उन्होंने उत्सुकता से पानी पिया, और फिर ऊँटों को झरने तक लाए। फिर उन्होंने एक खंभा बनाया जिस पर उन्होंने एक झंडा फहराया, ताकि अन्य व्यापारियों को कुँआ मिल जाए।

शाम को उन्होंने फिर से अपनी यात्रा शुरु की और अगले दिन शहर पहुँच गए।

Comprehension

A. 1. (a)

Grammar and Activity

A. 1. (a)

18 : Alexander and Puru

प्राचीन काल में आधुनिक यूनान को यूनान के नाम से जाना जाता था। यूनान के पड़ोस में, मैसिडोनिया का राज्य था जिस पर राजा फिलिप का शासन था। फिलिप एक बहुत शक्तिशाली शासक था और उसने पूर सूबे को नियंत्रित कर रखा था। फिलिप का एलेक्जेंडर नामक एक बेटा था। वह फिलिप की मृत्यु के बाद 20 वर्ष की आयु में मैसेडोनिया के सिंहासन पर बैठा।

महान दार्शनिक, अरस्तू भी यूनान से था। एलेक्जेंडर के पास उनके उपदेशक या गुरु के रूप में अरस्तू था। सिकंदर ने अपनी शिक्षा एक महान शिक्षक और विचारक के हाथों प्राप्त की। वह अपने बचपन से बहुत महत्वाकांक्षी था, और उनके पास पूरी दुनिया को विजय प्राप्त करने का सपना था।

इसका मतलब बहुत विनाश और रक्तपात होगा। एलेक्जेंडर इसे जानता था, लेकिन इसने उसे अन्य राज्यों पर जीत के लिए अपने अभियान पर शुरू होने से नहीं रोका। अरस्तु की शिक्षाएँ इस संबंध में बहुत मददगार साबित नहीं हुई।

एलेक्जेंडर ने सिंहासन पर कब्जा करने के बाद पहले दो साल बिताए, दुनिया पर विजय प्राप्त करने के लिए अपने संकल्प की योजना बनाई। इसके बाद उन्होंने परसिया (वर्तमान में ईरान) की ओर प्रस्थान किया। 30000 की एक सेना का नेतृत्व किया जिसमें आदमी, घुड़सवार और 5000 सिपाही थे। एलेक्जेंडर ने अन्ततः चार वर्ष तक चले युद्ध को जीता। उसने अगली बार अफगानिस्तान पर विजय प्राप्त की। उस समय, भारत दूध और शहद के देश के रूप में जाना जाता था। यह अत्यंत धनी और समृद्ध था। एलेक्जेंडर ने अगली बार भारत को जीतने की इच्दा व्यक्त की। लेकिन उनके कमांडर के चीफ ने उन्हें चेतावनी दी कि भारत को जीतना उनके लिए आसान नहीं होगा।

एलेक्जेंडर के कमांडर ने उन्हें बताया कि भारत में 'गणराज्य' स्वयं लोगों द्वारा शासित है। लोग बहुत स्वाभिमानी और वीर हैं। उन्हें जीतना मुश्किल है।

एलेक्जेंडर को इन सब का कोई दुख नहीं था। उसने एक बड़ी सेना के साथ भारत की ओर मार्च किया। उन्होंने भारत के रास्ते पर सभी क्षेत्रों को जीत लिया। वह अंत में सिंधु नदी के तट पर पहुँचे। वहाँ से थोड़ी दूर पर तक्षशिला शहर था। जो सीखने की एक महान स्थान के रूप में प्रसिद्ध था। तक्षशिला भारत का प्रवेश द्वारा था। एलेक्जेंडर ने वहाँ अपना डेरा डाला और सिंधु नदी में स्थित राज्यों को उसने आत्मसर्पण का संदेश दिया।

तक्षशिला के राजा ने खुद को सिकंदर के हवाले कर दिया। राजा पुरु ने झेलम और चिनाब नदियों के आस-पास के क्षेत्र पर शासन किया। सिकंदर के दूत राजा पुरू के दरबार में पहुँचे। उनका संदेश स्पष्ट था। यदि राजा पुरु ने हार नहीं मान ली और स्वयं को आत्मसमर्पण कर दिय तो पूरा सम्मान दिया जाएगा, यदि ऐसा नहीं किया तो उसे युद्ध का सामना करना पड़ेगा।

''संदेशवाहक, राजा पुरु ने कहा, हम युद्ध के लिए तैयार हैं।''

केकायस के राजा, संदेशवाहक ने कहा, ''याद रखो सम्राट कभी हार नहीं मानते। अंत में वे हमेशा जीतते हैं। आप एक बड़ी चुनौती की बात कर रहे हैं।

हमें जीत या हार की परवाह नहीं। हम खुद आत्मसर्पण करने के बजाय मरना पसंद करते हैं।

यह राजा पुरु का उत्तर था। राजा को प्रजा केकेय क्षेत्र के लोगों पर बहुत विश्वास था।

सिकंदर ने युद्ध की पूरी तैयारी कर ली। जब राजा पुरु ने आत्मसमर्पण करने से इंकार कर दिया। राजा पुरु भी तैयार हो गए। गर्मियों का मौसम था और झेलम नदी उफान पर थी, क्योंकि बर्फ पिघल चुकी थी। रात में भारी बारिश के बाद, नदी पार करना अब मुश्किल था। एलेक्जेंडर ने नीचे की ओर नदी के पार एक आश्चर्यजनक हमले में अपनी सेना का नेतृत्व किया।

राजा पुरु की सेना ने एक महान लड़ाई लड़ी। लेकिन उनके रथ के पहिए कीचड़ में फँस गए। सिकंदर की सेना हाथियों पर सवार थी। केकय की सेना का बड़ा नुकसान हुआ, लेकिन वे बाहदुरी से लड़े। राजा पुरु स्वयं घायल हो गए। इस महत्वपूर्ण समय में राजा पुरु का राजा अम्भी ने पीछा किया। राजा पुरु ने राजा पर हमला करने के लिए अपना भाला उठाया, लेकिन सिकंदर के सैनिक ने राजा पुरु को पकड़ लिया।

एलेक्जेंडर ने कहा, मैंने कई लड़ाइयाँ लड़ी हैं और कई क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की है। कभी भी कोई ऐसे राजा के रूप में कोई सामने नहीं आया जितने बहादुर और वीर आप हैं। मुझे बताइए आपके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए।

तुम मुझे एक राजा के रूप में मानो और वैसा ही व्यवहार करो जैसा किसी अन्य राजा के साथ करोगे। राजा पुरु ने गरिमा के साथ कहा।

पुरु की आवाज में स्वाभिमान था। इससे सिकंदर प्रसन्न हुआ। उसने पुरु को मुक्त कर दिया और उसे उसका राज्य वापस दे दिया।

सिकंदर ने पुरु से मुठभेड़ के बाद भी अपना जुलूस जारी रखा। लेकिन उसे अपनी महत्वाकांशा कायम करना भारी पड़ गया। 'गणराज्य' के कुछ लोगों ने उसके साने आत्मसमर्पण कर दिया, लेकिन बाकी लोगों ने एकजुट होकर लड़ाई लड़ी। ऐसे मज़बूत विपक्ष के खिलाफ लड़ने के लिए सिकंदर की सेनाओं ने अपना उत्साह खो दिया।

उन्होंने अपने घरों से दूर एक लंबा समय बिताया था। उन्होंने लौटने की इच्छा व्यक्त की। सिकंदर ने महसूस किया कि दुनिया का विजेता बनने की उसकी महत्वाकांक्षा अधूरी रह जाएगी। उन्हें इस पर गहरी निराशा हुई और उन्होंने अपनी सेना का पीछा करने का प्रयास किया। लेकिन आखिरकार उसे वापस लौटना पड़ा। 36 वर्ष की आयु में ईराक के वर्तमान बेबीलॉन में रास्तम में मलेरिया बुखार से उसकी मृत्यु हो गई।

Comprehension

A. **1.** (b) **2.** (c) **3.** (d) **4.** (b) **5.** (c)

B. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (F) **5.** (T)

C. **1.** Alexander was the son of king Philip, the ruler of the state of Macedonia laid in Yunan. His dreams were of being a conquerer of the whole world. **2.** Alexander spent the first two years after occupying the throne, planning his campaign to conquer the world. **3.** King Puru said to the messenger of Alexander that they were ready for war. **4.** Aristotle was a great philosopher of Yunan. He was a great teacher and thinker also. Alexander had Aristotle as his guru. **5.** Persia, present day Iran, was the country Alexander conquered first and it took four years to win the war. **6.** Alexander died of Malaria fever on his way back in Babylon, present day Iraq, at the age of thirty-six.

Grammar and Activity

A. **1.** (a)

English Class–7

1 : The Shadow of the Buddha

डाकू नेता एक मजबूत और भयंकर दिखने वाला आदमी है। एक ककर्श आवाज़ है और खंजर रखता है।

डाकू एक

डाकू दो

अन्य डाकू पगड़ी के साथ भयंकर पुरुष हैं। वे चाकू और कुदाल लेकर चलते हैं।

चीन के ह्वेनसांग बौद्ध भिक्षु जो भारत में तीर्थयात्री हैं।

दृश्य 1 : जंगल, सुबह

डाकुओं का एक गिरोह एक डकैती की साजिश रच रहा है।

पहला डाकू : एक आदमी इस रास्ते से आ रहा है।

दूसरा डाकू : अच्छा! छिप जाओ।

सभी डाकू पेड़ों के पीछे छिप जाते हैं। जल्द ही ह ह्वेनसांग ने अपने घोड़े की बागडोर सौंप दी।

ह्वेनसांग : (गाना गाते हुए) ओम मणि पदमे हम। कमल में गहना करने के लिए जय हो! ओम मणि पदम हम।

अचानक डाकुओं का नेता और डाकू एक पेड़ के पीछे से प्रकट होकर उसका रास्ता रोक लेते हैं।

डाकू नेता : रुको!

ह्वेनसांग ने डाकुओं को शांति से देखा।

ह्वेनसांग : कमल के मणि की जाय हो!

डाकू नेता : अह?

डाकुओं ने एक दूसरे को हक्का बक्का होकर देखा।

पहला डाकू : (जोर से) अपनी भाषा में एक भव्य शीर्षक होना चाहिए। शायद वह यही सोचता है कि आप एक राजा हैं।

ह्वेनसांग : अच्छा दिन है, मेरे दोस्त

डाकू नेता : मुझे लगता है कि यह एक अच्छा दिन है कि मैंने तुम्हे पकड़ लिया। मुझे बताओं तुम कौन हो और कहाँ जा रहे हो?

ह्वेनसांग : मेरा नाम ह्वेनसांग हैं। मैं एक देश से दसरे देश के लिए एक बौद्ध यात्री हूँ। मैं पवित्र शास्त्र की खोज में बुद्ध की भूमि पर आया हूँ।

डाकू नेता : (उत्सुकता से) क्या तुम मुझसे डरते नहीं? क्या तुम जानते हो कि मैं कौन हूँ?

ह्वेनसांग : मुझे डर क्यों होना चाहिए? तुम मेरे जैसे व्यक्ति हो।

डाकू : (हँसते हुए) अरे नहीं, तुम्हारी तरह नहीं! तुम सबकी तरह नहीं! तुम एक साधू हो और मैं एक डाकू हूँ। वास्तव में मैं इस जंगल में डाकुओं का राजा हूँ।

डाकू सीटी बजाता है और उसका सारा गिरोह अपने स्थानों से निकल आता है और ह्वेनसांग को घेर लेता है। डाकू उसके घोड़े तक चलता है और ह्वेनसांग का बैग खोजने लगता है।

डाकू : तुमने देखा ये मेरे आदमी हैं। यदि मैं एक शब्द भी कहूँ तो ये तुम्हे मार देंगे। क्या तुम अब भी यही कहोगे कि मैं तुम्हारे जैसा व्यक्ति हूँ?

ह्वेनसांग : तुम सही हो। मैं चायना का केवल एक गरीब आदमी हूँ। आप की तरह मैं धन की तलाश कर रहा हूँ, लेकिन मैं जो धन चाहता हूँ वो एक पवित्र ग्रंथ है। आप भी धन की तलाश करते हैं, लेकिन आप नहीं जानते कि सच्चा धन आपके चारों ओर है, क्योंकि आप बुद्ध की भूमि में रहते हैं। तुम उस भूमि पर चलते हो जहाँ बुद्ध चलते थे।

दूसरा डाकू : यहाँ कुछ भी नहीं है। केवल पानी की बोतल, मोती और लेखन सामग्री है। खाना भी नहीं है। क्या मैं उसे मार डालूँ?

डाकू नेता : नहीं इस पुरुष ने मुझ में रुचि ली है, अद्भुत!

ह्वेनसांग : आप मेरा घोड़ा ले सकते हैं। यह आपके लिए का हो सकता है, लेकिन यदि आप इसे ले जाते हैं तो यह मुझे मेरी यात्रा को धीमा कर देगा।

डाकू नेता : हाँ, मैं इसे ले सकता था। लेकिन मैं ऐसा नहीं करूँगा। आज रात तुम डाकुओं के राजा के मेहमान हो। हमारे साथ खाओ और पियो। मैं आपकी यात्रा की कहानी सुनना चाहता हूँ। कल, आप अपने रास्ते पुन: जा सकते हैं।

दृश्य 2 : जंगल, रात

पेड़ की ऊँचाई पर एक उल्लू की आवाज़ आ रही है।

डाकू नेता और दो डाकू एक लकड़ी पर बैठे हैं और बात कर रहे हैं।

दूसरा डाकू : वह एक बच्चे की तरह सो रहा है, क्या हमें अब उसे नहीं मारना चाहिए?

डाकू नेता : मैंने बहुत हत्याएँ की हैं! बौद्ध भिक्षु वास्तव में एक बच्चे की तरह है। उसे भरोसा है कि हम किसी की हत्या नहीं कर सकते।

दूसरा डाकू : खैर, मैं केवल उसके घोड़े के बारे में सोंच रहा था और वह विदेशी वस्त्र पहने हुए है जो कि एक बहुत अच्छा और गर्म है।

डाकू नेता : नहीं, हमे उसे मारना नहीं चाहिए। लेकिन मेरे पास एक बेहतर विचार है। हम उसके साथ कुछ माज करेंगे। तुम जानते हो कि तारा-सेब पेड़ द्वारा गुफा?

दूसरा डाकू : आपका मतलब है कि बदबूदार गुफाओं से जो गीदड़ उपयोग करते हैं।

डाकू नेता : (हँसते हुए) वह यह सोंचता है कि इसमें से प्रत्येक भूमि पवित्र है, सिर्फ इसलिए कि बुद्ध यहाँ एक बार एक समय रहते थे। इसलिए हम उसे वहाँ ले जाएँगे और उसे एक कहानी सुनाएँगे।

दृश्य 3 : एक बड़ी गुफा

डाकू नेता और ह्वेनसांग बड़ी गुफा के अंदर हैं। ह्वेनसांग आश्चर्य से उसके बारे में देखता हुआ। कुछ डाकुओं ने गंध से बचने के लिए अपनी नाक को पकड़ रखा है।

डाकू नेता : यह प्रसिद्ध बौद्ध गुफा है जिसके बारे में मैं आपको बता रहा

था। क्या आप बौद्ध की पवित्र उपस्थिति महसूस नहीं कर सकते।

ह्वेनसांग : (उत्सुकता से) हाँ, हाँ! मैं कर सकता हूँ।

डाकू नेता : (अपने गिरोह पर झल्लाते हुए) यह कहता है कि आज भी बुद्ध की मृत्यु की इतने साल बाद उनकी छाया समय-समय पर गुफा की दीवार पर दिखाई देती है।

ह्वेनसांग : कितने दयालु हो कि तुम मुझे इस आश्चर्यजनक गुफा में ले आए। ओह! यदि मैं केवल प्रबुद्ध की छाया को ही देख लूँ तो पर्याप्त भाग्यशाली हो सकता हूँ। मुझे यहाँ लाने के लिए आपको धन्यवाद! मैं उनके पवित्र स्थान में प्रार्थना करूँगा। मैं बैठ जाऊँगा और

ह्वेनसांग ने फर्श पर बैठ कर अपने पैरों को पार किया और वर्णन करना शुरू किया। डाकू थोड़ा दूर जाते हैं और एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते हैं। जल्द ही वे अपनी नाक पकड़नी छोड़ देते हैं और आश्चर्य में उनके बारे में देखते हैं।

ह्वेनसांग : बुद्ध शणम् गच्छामि। मैं बुद्ध की शरण लेता हूँ।

पहला डाकू : (हैरान होकर) क्या.... वह मीठी सुगंध क्या है?

डाकू नेता : (फुसफुसाते हुए) हश! चलो सब बैठ जाते हैं।

डाकू ह्वेनसांग के पीछे बैठ गए।

ह्वेनसांग : ओह बुद्ध! मेरे पापों को मत देखो, क्योंकि वे बहुत हैं। इसके बजाय अपने दया और अपने ज्ञान की आवश्यकता को देखो।

डाकुओं की आहट से, बैठे हुए बुद्ध एक बड़ी गहरी छाया दीवार के पार फैल गई। ह्वेनसांग छाया की ओर झुका। एक क्षण पश्चात् सभी डाकू भी सम्मान में झुक गए। वे छाया को बुद्ध की निशानी समझे। पृष्ठभूमि में समझा जा सकता है 'बुद्धम् शरणम् गच्छामि। मैं बुद्ध की शण लेता हूँ।

दृश्य 4 : गुफा

छाया चली गई। ह्वेनसांग मुस्काए और गुफा से जाने को तैयार है। सभी डाकू सिर झुकाए और हाथ जोड़कर खड़े होते हैं।

डाकू नेता : चीन के महान संत, कृपया हमें क्षमा करें। हमें वास्तव में खेद है। इस दिन से हम डकैती और हत्या करना छोड़ देंगे।, और उसक तरह से रहेंगे जैसे आपने हमें सिखाया है— दूसरों का भला करना। आपके जाने से पहले कृपया हमें आशीर्वाद दें।

ह्वेनसांग : बुद्ध आप सभी को आशीर्वाद देते हैं और आपका मार्गदर्शन करते हैं। जैसे आपने मुझे यह गुफा दिखाई मुझे उम्मीद है कि आप अन्य यात्रियों को इसके दर्शन कराएँगे।

डाकू नेता : हम करेंगे। अब से हम इस स्थान को अपने संरक्षण में रखेंगे और तीर्थ यात्रियों को इसके दर्शन कराएँगे।

अब उसने पवित्र ग्रंथों को ढूँढ़ लिया है और चीन लौट रहा है। कृपया यहाँ एक बार और आए और हमारे साथ बुद्ध के शिक्षण को साझा करें।

ह्वेनसांग : फिर से मिलने पर खुशी होगी; मेरे भाइयो।

ह्वेनसांग डाकुओं की ओर झुकते हैं और अपनी हथेलियों को उठाकर उन्हे प्रणाम करते हैं।

Comprehension

A. **1.** (b) China **2.** (b) Buddhist scriptures **3.** (a) jackals **4.** (a) an innocent and trusty **5.** (d) shadow

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (F)

C. **1.** Hiuen Tsang was as Buddhist monk from China and a pilgrim in India. He had a monk's shaven head, a calm look and a gentle voice. He wore a maroon rob. He was reciting the holy words of Buddhism. He was seemed to be a calm and fearless monk. **2.** Hiuen Tsang was not frightened on meeting the bandits because the thought that they were the men like him. **3.** The bandits carried weapons to harm the people as the Bandit leader pointed a dagger at Hiuen Tsang. **4.** The Bandit Leader thought an idea to trouble Hiuen Tsang by taking him into the cave that jackals use. **5.** When the bandits saw the shadow of Buddha realy, their behaviour was changed. They had changed completely as the Bandit leader said that they gave up robbery and murder, and lived in the way that Hiuen Tsang had taught them–doing good to others.

Grammar and Activity

A. holy—cave, shaven—head, large—scriptures, dark—shadow, grand—title, foreign—robe, sweet—smell, folded—hands, Buddhist—monk, gruff—voice

B. **2.** Work hard otherwise you will not pass. **3.** Don't go out otherwise you will get wet in rain. **4.** Complete your home- work otherwise teacher will be angry. **5.** Don't make a noise otherwise mother will be angry.

2 : The Story of Baisakhi

यह बसंत का समय था और गुरूगोदिं सिंह ने बैसाखी के उत्सव के लिए अपने अनुयायियों को एक साथ बुलाया था। बसंत ऋतु के फूलों की गंध हवा में भर गई। वहाँ पर एक बड़ा तम्बू स्थापित किया गया।

तभी अचानक लोग शांत हो गए, जब गुरु गोविंद सिंह तम्बू के सामने खड़े होकर अपने हाथ में तलवार लिए उनकी ओर चल पड़े। हर कोई उम्मीद से इंतजार कर रहा था।

''क्या तुम में से कोई है जो अपना जीवन भगवान और गुरू के लिए समर्पित कर दे?'' वह रो पड़ा उसके पीछे भीड़ को देखकर चौकाने वाला विराम था; कोई नहीं बोला।''

क्या तुममें से कोई है जो अपना जीवन भगवान और गुरू के लिए समर्पित कर दे? उनकी आवाज इस बार जोर-जोर से बज रही थी।

भीड़ में लोग अविश्वास से एक दूसरे को देखने लगे। उन्होंने एक-दूसरे से पूछा। निश्चित रूप से वह गंभीर नहीं है''

''गुरू ने प्रतीक्षा की। इसके बाद एक आदमी भीड़ में से आगे बढ़ा। उसका नाम दयाराम था। मैं स्वेच्छा से अपने देवता और गुरू के लिए अपना जीवन समर्पित करूँगा। उन्होंने गुरू को देखकर कहा।

''मेरे साथ आओ'', गुरू ने उत्तर दिया और उसे तंबू में ले गए। देख रहे लोग अपनी साँसों को आयोजित कर रहे थे। अचानक एक जोश, फिर एक धमाका। गुरु गोविंद सिंह भीड़ के पास वापस आए और तलवास को हवामें

उठाए हुए। ऐसा लग रहा था कि जैसे खून का बहाव टपक रहा हो। वे सब देख रहे थे, स्तब्ध रह गए थे।

अगला कौन होगा? वह चिल्लाए।

इससे कौन रता है? गुरू ऐसा क्यों कर रहे थे?

मैं स्वेच्छा से भगवान और गुरू के लिए अपना जीवन सर्पित करूँगा भीड़ से एक दूसरी आवाज ने कहा। आदमी ने आगे कदम रखा।

गुरू उसे तंबू में ले गए। इसके बाद उन्हें तवार के हवा में चलने की पुन: आवाज सुनाई दी। एक बार पुन: गुरू तलवार लेकर वापस आए। एक बार फिर गुरू ने अपनी तलवार से जाहिर किया कि वे खून से लथपथ है।

गुरू ने लोगों से तीन बार और भयानक सवाल पूछा। हर बार एक स्वयंसेवक सामने आया था। गुरू उसके साथ तंबू में गायब हो गए थे। और फिर अकेले लोगों के पास लौट आए। हर बार जब भीड़ को एक भयंकर आवाज सुनाई देती तो जान पड़ता कि खूनी तलवार की तरह कैसा लगता है। लोग देख रहे थे कि बहुत से लोग डर के मारे भागने लगे। एक बार फिर गुरू तलवार लेकर वापस आए और खून से तर हुए।

अचानक गुरू की आवाज भयानक रोने के स्वर में सुनी जा सकती थी। ''रुको! मत जाओ।'' तुम्हें दिखाने के लिए मेरे पास कुछ है। गुरू तंबू में गायब हो गए और कुछ मिनटों बाद वह पाँच आदमियों के साथ लौटे। उनके बाल बड़े करीने से पगड़ियों में बँधे हुए थे। भीड़ अविश्वास के साथ हाँफ रही थी। ये आदमी जिंदा कैसे हो सकते हैं।

गुरू बोले, इन पाँचों व्यक्तियों के सिवा आप सभी व्यक्तियों पर विश्वास बहुत कम था। इनहोने एक विशिष्ट प्रकार का शौर्य दिखाया। मैं इन लोगों को पाँच धन्य कहता हूँ।

गुरू ने अपने बगल में खड़े लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा, मैं चाहता हूँ कि सभी सिख बहादुर और निडर हो जैसे ये थे। हम खालसा नामक एक एक भाईचारे का निर्माण करेंगे। सभी समान होंगे और हम सभी एक ही नारा साझा करेंगे। सिख पुरुष सिंह (जिसका अर्थ है शेर) कहा जाएगा और सिख महिलाओं को कौर (जिसका अर्थ है राजकुमारी) कहा जाएगा। हम विशेष चिह्न पहनेगे ताकि लोग जान सके कि हम सिख हैं। हम अपने बालों को बिना काटे, बाँध कर एक छोटे कंघे से अपनी पगड़ी में ढकेगे। अपनी कलाई में हम एक इस्पात का कंगन पहनेगे। क्योंकि इस्पात बल और साहस है। इसलिए हम कमजोरों और खुद को बचाने के लिए तलवार उठाएँगे। हम विशेष पतलून पहनेगे ताकि हम आसानी से अपने घोड़ों की सवारी कर सकें। हम समान रूप से रहना, एकसाथ काम करना और खेलना सीखेंगे। हमारे विशेष रूप से हमेशा ध्यान देंगे कि हम क्या करते हैं।

तब गुरू ने लोगों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने अमृत नामक मीठे पानी का कटोरा लिया और उसे एक छोटी तलवार से उभारा। पाँच आदमियों को पानी पीने के लिए दिया और अपने सिर पर छिड़क दिया। ऐसा करते समय उन्होंने नए परिवास खालसा को सदस्य बनाया। कहा जाता है कि दिन के अंत तक 20,000 से अधिक लोग खालसा पंथ के सदस्य बन गए थे।

Comprehension

A. **1.** (a) celebrate Baisakhi **2.** (b) spring time **3.** (d) front **4.** (c) same **5.** (b) 20,000

B. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (T)

C. **1.** Guru Gobind Singh had collected all his followers together for the festival of Baisakhi. **2.** The people were shocked because Guru Gobind Singh said to them, "Is there anyone among you who would lay down his life for God and his Guru ?" Besides, people were waiting for something good. So, listening this, there was a shocked pause. **3.** When the people heard the sounds inside the tent and saw what looked like a blood-stained sword, they thought that Guru Gobind Singh had killed all five men. **4.** The people began to run away in fear because each time they heard a terrible noise and saw the blood-stained sword in Guru's hand and thinking that Guru had killed all five men. **5.** Guru wished to impart a lesson in his followers as, "I want all Sikhs to be brave and fearless like these five persons. We will form a brotherhood called the Khalsa." **6.** In the last, Guru showed the people all five men, their hair were neatly tied in turbans.

Grammar and Activity

A. but, or, and, but, or, but

B. **1.** Rehaan went to New York with John. **2.** Bring the table without breaking it. **3.** Marry went to Church with George. **4.** Do this work without delay. **5.** Sit here without making a noise.

B. Ed-ul-Fitr is the most important festival of Muslims. It comes in the end of the holy month of Ramjan. In the month of Ramzan, Muslims keep fast from down to dusk, say prayer and read the Quran. Next day to Ramzan, Eid is celebrated. Muslim Devotees wear new clothes and lines up for namaz of Eid. After the namaz of Eid, everyone greets each other and sweets are distributed and exchanged.

3 : William Tell

बताते हैं कि विलियम एक दयालु आदमी था। वह लंबा और ताकतवर था। उनकी नजर में एक उज्जवल उल्लास था। वह स्विटजरलैंड में झील के किनारे सिति अलडॉर्फ में रहता था। वह पास के पर्वतों में से एक था। देश में वह सर्वोत्तम योद्धा था और एक कुश नाविक भी। वह अपनी शूटिंग और नौकायन के लिए स्थानीय लोगों में लोकप्रिया था।

स्विस हमेशा एक स्वतंत्र प्रेमी राष्ट्र रहा है लेकिन उस समय वे ऑस्ट्रिया के ड्यूक के निर्दयी शासन में थे। उसने स्विस पर शासन करने के लिए गेस्लर नामक एक राज्यपाल नियुक्त किया था। गेस्लर एक दुष्ट तानाशाह था। देश के लोग उकसे अत्याचार से तंग आ चुके थे। उसने सबके जीवन को नरक बना दिया। उन्हें बड़े कर का भुगतान करना होता और हर तरह के अपमान को सहन करना पड़ता था।

लेकिन गेस्लर विलियम से डरता था क्योंकि वह एक मात्र आदमी था जो उसके खिलाफ खड़ा था। विलियम एक साहसी और आजादी से प्यार करने वाला आदमी था। उसको कोई डर नहीं था लेकिन वह अपने बेटे के कारण गेस्लर से झगड़ा नहीं करना चाहता था। इसलिए वह पहाड़ों में रहता था।

ऑस्ट्रिया के ड्यूक की टोपी बाजार में चौराहे पर एक ऊँचे खंभे पर रखी

गई थी। सभी को टोपी के पास से गुजरने पर झुककर सलाम करना पड़ता था। सैनिकों ने लोगों को टोपी की ओर झुकने के लिए खड़ा किया। एक दिन, विलियम अपने बेटे के साथ बाजार गया। वह टोपी के सामने लोगों को झुके हुए देखकर दंग रह गया। तभी एक सैनिक उसके पास आया और टोपी के आगे सिर झुकाने को कहा।

''सलामी दो!'' उसने विलियम को आदेश दिया।

''मैं किसी व्यक्ति की खाली टोपी के लिए नहीं झुकता'', विलियम ने साहसपूर्ण उत्तर दिया। साथ ही सिर ऊँचा करके वह अपने बेटे के साथ चौराहे पर घूमता रहा ।

और ज्यादा सैनिकों ने विलियम टेल को घेर लिया और आदेश दिया कि ''ड्यूक की टोपी को सलाम करो अन्यथा हम तुम्हे गिरफ्तार करेंगे।''

मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है, तुम मुझे कैसे गिरफ्तार कर सकते हो? विलियम ने उत्तर दिया। इसी बीच दोनों ओर भीड़ जमा हो गई। कुछ भीड़ विलियम के पास जमा हो गई जो विलियम के पक्ष में थी।

यदि विलियम कुछ भी नहीं करना चाहता तो कोई उससे ऐसा नहीं करवा सकता, उनमें से एक दर्शक ने कहा।

सैनिकों को अपमान महसूस हुआ। वे क्रोधित हो गए और विलियम टेल को गिरफ्तार कर लिया और उन्हे ड्यूक द्वारा नियुक्त राज्यपाल गेस्लर के पास ले गए। ''विलियम ने टोपी को सिर झुकाने से इंकार कर दिया और गर्व से गुजर रहा था।'' उन्होंने बताया। और यह दूसरों को भी अपमानित करने के लिए उकसा रहा था।

यह सही नही है। विरोध किया टेल।

टेल को गिरफ्तार होते हुए देखकर गेस्लर को खुशी हुई। अब वह उसे उसके बचे बाकी जीवन तक के लिए बंद कर देगा। उसे उसके खिलाफ लोगों का नेतृत्व करने का अवसर कभी नहीं मिलेगा। उसने विलियम को अहंकार से देखा। गेस्लर के बिना डर के विलियम सीधा खड़ा था। इससे गेस्लर बहुत क्रोधित हुआ। वह चाहता था कि वह उससे डरे और दया की भीख माँगे।

फिर बताओ टेल का बेटा आगे आया और उसने अपने पिता का हाथ पकड़ लिया।

गेस्लर ने दंडित करने के लिए दुष्ट योजना बनाई। उसने लड़के का हाथ पकड़ा।

उसने कहा, कृपया मेरे बेटे को नुकसान न पहुँचाएँ, वह निर्दोष है।

गेस्लर ने निर्दयता से हँसते हुए कहा, ''मैं उसे कोई नुकसान नहीं पहुँचाऊँगा। यदि इसे कोई नुकसान पहुँचाएगा तो वो आप होंगे।

उसने सैनिकों आदेश दिया कि लड़के को कुछ दूरी पर पेड़ से बाँध दिया जाए। और उसके सिर पर एक सेब रख दिया गया।

मैंने सुना है कि आप एक बहुत ही कुशल निशानेबाज हैं। मैं तुम्हारी योग्यता की परीक्षा लेना चाहता हूँ। यदि आप इस सेब को दो सौ कदमों की दूरी से दो टुकड़ों में काट दें तो मैं आपका जीवन बख्श दूँगा। गेस्लर ने हँसते हुए कहा।

टेल अपने बेटे को अपनी जीवन से ज्यादा प्यार करता था। मैं ऐसा मौका कैसे ले सकता हूँ, जो मेरे बेटे को मार दे। मेरे बेटे की जान जोखिम में डालने की तुलना में मेरी बाकी जिंदगी जेल में बिताना बेहतर होगा। उसने सोचा।

गेस्लर उल्लास के साथ मुस्करा रहा था, जब उसने विलियम का दुखी चेहरा देखा।

मैं शूट नहीं करना चाहता; आप मुझे मार दे। टेल ने कहा।

''लेकिन पहले हम लड़के की गर्दन तोड़ देंगे।'' क्रूर तानाशाह ने कहा। तुम अपने बेटे को अपनी आँखों के सामने मरता देखोगे।

टेल की आँखों में गुस्से की चमक थी।

''मुझे धुनष दो'', उसने कहा। उसने अपने तरकश से दो बाण निकाले ओर एक अपनी बेल्ट में अटका लिया। उसने सिर झुकाकर क्षण भर के लिए प्रार्थना की, सिर उठाया और लक्ष्य बाधा। दर्शकों ने अपनी साँसे रोक ली।

तीर निकला और सेब को दो टुकड़ों में विभाजित कर पेड़ की गहराई में दफर कर दिया।

अगले क्षण लोगों ने सेब को गिरते देखा एक टुकड़ा एक ओर और दूसरा टुकड़ा दूसरी ओर। गेस्लर बहुत परेशान था।

गेस्लर ने कहा, बहुत अच्छा निशाना था। लेकिन मुझे बताओं तुमने दो तीर क्यों लिए और एक अपनी बेल्ट में क्यों लगाया।

विलियम ने कहा, यदि मैं पहला लक्ष्य चूक जाता तो दूसरे से तुम्हारे काले दिल को भेद देता।

गेस्लर यह सुनकर बहुत क्रोधित हुआ। उसने सैनिकों को आदेश दिया कि वे उसे झील के पार कुसंदितमहल में ले जाया जाए और महल के नीचे तहखाने में कुत्तों और भेड़ियों को डाल दो।

टेल को चैन से बाँधकर नाव से ले जाया जाने लगा। टेल ने अपने बेटे को घर जाकर इंतजार करने के लिए इशारा किया।

सैनिकों ने झील को पार करने के लिए नाव को घुमाया। लेकिन जेसे ही नाव गहरे पानी में पहुँची, तुफान फूट पड़ा और उसने अपना रास्ता निकाल लिया। ''केवल विलियम टेल ही नाव को चला सकता है'', नाविक चिल्लाया। सैनिकों ने उसकी जंजीरे खोल दी और नाव चलाने को कहा।

विलियम टेल ने जल्दी से नाव को नियंत्रण में लिया। लेकिन झील को पार करने के स्थान पर नाव को घुमाया और किनारे की ओर चल दिया।

टेल नाव को एक दाँतेदार चट्टान पर लाया, दूसरे ही क्षण नौका दो टुकड़ों में टूट गई। टेल ने सैनिक से भरी हुई धुनष बाण को पकड़ा और नाव से बाहर छलाँग लगाकर चट्टानों पर कूदा और भाग गया।

टेल सड़क के किनारे छिप गया और प्रतीक्षा करने लगा। कुछ समय बाद गेस्लर उसी मार्ग से घोड़े पर सवार होकर उसे ढूढने आया। टेल, जो उसकी प्रतीक्षा कर रहा था, उसने अपना धनुष उठाया और तीर छोड़ा। गेस्लर मर गया और घोड़े से गिर गया।

तब विलियम टेल ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ विद्रोह किया। उन्होंने अत्याचारी लोगों को हरा दिया और उन्हें अपने देश से निकाल दिया। एक बार फिर स्विस राष्ट्र स्वतंत्र था।

Comprehension

A. **1.** (b) **2.** (c) **3.** (b) **4.** (a) **5.** (c)

B. 1. (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (F) **5.** (T)

C.

Column 'A'	***Column 'B'***
1. William Tell	Skillful bowman
2. Aldorf	Switzerland
3. Gessler	Wicked tyrant
4. The Swiss	Peace loving nation
5. Jagged	Rock

D. **1.** William Tell was a kind and gentle man. He was the best bowman in the country and also a skilful sailor. He lived in the lakeside town of Aldorf in Switzerland. His home was among the mountains nearby. **2.** The people of the country were fed-up with Gessler because he was a wicked tyrant who had made their lives like hell. Under his rule, people had to pay heavy taxes and tolerate all sort of humiliations. **3.** Gessler was afraid of William Tell because he was the only man who stood against him. **4.** William was a self-respected person. He never bowed before anything which was wrong in his opinion. Therefore, he refused to salute the hat. **5.** Gessler ordered his soldiers to tie William's son to a tree at some distance and place an apple on his head. He told William that if he could cut the apple into two pieces he would spare his life. William took two arrows because if he missed his aim with the first, he would have sent the second to pierce Gessler's black heart. **6.** Tell was put in chains and was being taken to the Kussandit Castle across the lake. Suddenly, a storm broke out and the boat went off its course. Since Tell was a skillful sailor, the soldiers asked him to control the boat. Tell took control and instead of going to the other side, crashed the boat to a jagged rock. As the boat broke and overturned, Tell grabbed a loaded cross bow from a soldier and escaped from the sinking boat. Meanwhile, Gessler came that way, riding on his horse in search for Tell and Tell shot an arrow killing Gessler.

Grammar and Activity

A. **1.** The **poor** boy was begging from door to door.

2. We saw a **fat** hen sitting on the wall.

3. The knife is **blunt**, you cannot cut anything with it.

4. The **weary** traveller was resting under a tree.

5. The **beautiful** scenery of the Kashmir valley attracts tourists from all over the world.

4 : Flying Machine

यांत्रिकी पक्षी!

कितना बेतुका

अजीब-सा जीव

दमकल कर्मी

आसमान में झाड़ू लगाता

मीलों ऊँचा

महान पंख फैलाए

आपको क्या कहा जान चाहिए?

एक राक्षस पतंग लाया

या सहायक पक्षी

विशाल अंडा देना

जिसनसे तुम्हे जन्म दिया?

तुम्हारा घोंसला कहा है?

एक बरगद के पेड़ में

या कुछ लोहे की शाखा

हम कभी देख नहीं सकते?

तुम क्यों नहीं गाते

जैसा कि आप अपनी यात्रा में उड़ते हैं।

तुम कराहना और रोना

यद्यपि कुछ शैतान

आपको कोड़े से मारता है।

आदमी ने चमका दिया

अपने लोहे के पंखों को

तुम बेवकूफ हो, तुम अंधे हो;

एक बांध में पकड़े हुए

अपने लोहे के पिंजरे में

तारों की कठपुतली की तरह।

क्या दुखद भाग्य!

कोई स्वाद नहीं, कोई मधुर नहीं

तुम्हारी कोई आवाज नहीं

सारा दिन, सारी रात।

आप अपने दाँतों को कुतर सकते हैं

और टावर एक बेहोश की तरह,

लेकिन हम डरे हुए नहीं है

हम अवहेलना करते है।

आप लोगों को ले जाएँ

अपनी पीठ पर

रात और दिन के माध्यम से

हम छोटे पक्षी है

आपको सलाम लेकिन

दूरी से।

Comprehension

A. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (F) **4.** (F) **5.** (T) **6.** (F)

B. **1.** A bird is speaking the lines in the poem as the last stanza of the poem shows :

"You carry people
On your back
Through night and day :
We little birds
Salute you but
From far away."

2. The mechanical bird makes whine (a high and long unpleasant sound) and snivel (the low purring noise of the engine) types of sound. No, they are not pleasant sounds. **3.** The mechanical bird is a weird creature. It is a fire-eater. Its great wings sprawled. It is like a monster kite or an adjutant bird. **4.** The bird feels sorry for the mechanical bird because it has a sad fate. It tastes no savour, no sweet. It has no voice of its own and it is hedged in by men all day and all night. **5.** Actually, man control the mechanical bird like a puppet on string. Because the mechanical bird is dumb and blind so man has tamed its iron wings and caught it in a bind in its iron cage.

Grammar and Activity

A. **1.** absurd **2.** whips **3.** high **4.** hedged **5.** called **6.** defiant **7.** see **8.** lay

B. **1.** He is very **weak** so he cannot run. A **week** has seven days.

2. We should **raise** our voice. You should not lose your senses in **rage**. **3.** She could not **hear** my speech.; She has come **here** to take food. **4.** Keep **quiet** otherwise the teacher will be angry.; I am **quite** well here. **5.** His **suit** was dismissed by the judge.; I have booked **suite** in the hotel.

5 : Freedom

मि० परसेल भूत में विश्वास नहीं करते थे। फिर भी उसनसे दोनों कबूतरों को खरीदा था और उसके तुरंत बाद यह विचित्र कार्य उसे भुलाने के लिए छोड़ दिया। जैसे उसके दिवंगत ग्राहक के पीछे वहाँ मौत की बासी गंध लंगड़ा था।

परसेल एक छोटा या उधम मचाने वाला आदमी, लाल गाल और एक तंग, तरबूज पेट में बड़ी-बड़ी काँच से उनकी आखों में इतना बड़ा था कि वे एक बुद्धिमान ओर जननांग उल्लू का रूप धारण कर सके। वह मेरे स्वामित्व और पालतू जानवरों की दुकान का आयोजन किया। उसने बिल्लियों और कुत्तों और बंदरों को बेच दिया। उन्होंने मछली के खाने और पक्षी के बीज में भोजन किया जो बीमार कैनरी के लिए निर्धारित उपचार थे। उनहोंन अपने को एक पेशेवर व्यक्ति के रूप में माना।

आंदोलन का एक निरंतर हलचल उसकी नीरस दुकान में व्याप्त, फुसफसाया धूर्त जंगली; चिड़ियों, चीप्स और अचानक चीख छोट-छोटे पैर उन्मत हल्को में घूमते रहे।

अलमारियों के पार जीवन की इस अंतहीन झिलमिलाहट को स्पादित किया गया था। जहाँ सीमित माँस की बदबू आ रही थी। लेकिन जिन ग्राहकों ने आकर कहा।

ये सुंदर नहीं है उस छोटी-सी को देखो वे मधुर है।

और मि० परसेल खुद मुस्कराएँगे और हाथ रगड़कर सिर से उठा लेगे।

हर सुबह जब उनकी दुकान खोलने की चर्चा पूरी हो जाती थी। तब उनके प्रोपराइटर के अनुसार, काउंटर के पीछे एक ऊँची स्टूल पर पर्च की रिवाज के अनुसार सुबह के कागज, को उजागर करे और दिन के समाचार को हजम करे जब वे पढ़ते है तो वह खिन्न, भूभंग और दर्पण की दृष्टि से उसकी भंगिमा उतारता हुआ गंभीर करार में सिर हिला देता था।

अब तो वे रमातुर और घटिया किस्म के विज्ञापन पढ़ने वालो की मोटी मोटी रकम भी पढ़ रहे थे। हवा उच्च, प्लेट ग्लास खिड़यिों के खिलाफ भगाया सर्दी के मौसम में फिल्माया गया। धुआँ और हवा मटमैले बादलों से भरी पड़ी थी। वह अपना रोज का काम कर चुकने के बाद एक बार फिर स्टूल पर चढ़ गया। उसने अपने चश्मे को समायोजित किया और दिन की सुर्खियों में एक सच्चे न्यायधीश के लिए निष्पक्ष हवा के साथ नजर रखी। स्केटिंग करने वाले पाँव, चहकती और चीखत हुए और मियाऊ करना, जीवन की नरम उन्मत हलचल, उसके चारो ओर अभी तक कापना। अभी तक मि० पार्सल ने सुना अब और नहीं कि उसने एक परिचित घड़ी की नीरस बात सुनी।

दरवाजे पर एक घंटी थी, जो जब भी कोई ग्राहक प्रवेश करता था। हालाकि सुबह मैं पहली बार मि० परसेल को याद कर सकता था। यह फोन नहीं कर सकता था। बस उसे देखा और वहाँ एक अजनबी था जो दरवाजे के भतर बिलकुल खड़ा था। मानो उसे अचानक हवा लग गई हो।

दुकानदार ने अपनी मल को सरका दिया। पहले क्षण से वह सहज रूप से, अनुचित रूप से जानता था किन्तु उसनसे बड़ी चतुराई से अपने हाथों को सहलाया ओर फिर मुस्कराकर सिर हिलाया।

आदमी के चमकदार जूते आगे की ओर चींचीं करे। उनका सूट सबसे खराब फिटिंग का था, लेकिन फिर भी नया था। एक ग्रे पीलापन उसकी रुप को दबाता था। वह चुपचाप एक झलकता था और बालों में उग आया था। एक पल के लिए परसेल की अनदेखी करते हुए उससने अस्पष्ट दुकान के चारो ओर अपनी टकटकी लगाई।

''अगली सुबह'', दुकानदार को स्वेच्छा से बताया। उसने अपने पेट के दोनों हाथों को दबाते हुए गले से लगयाया और मुस्काया मैं अखबार को देख रहा हूँ कि हम एक शांत तस्वीर में हैं। अब यह क्या था, आप चाहते थे?''

एक पुरुष पारसेल को धीमे से घूरने लगा, जैसे अभी उसे उसकी उपस्थिति का आभास हो गया हो। उसने कहा, ''मैं पिंजरे में कुछ करना चाहता हूँ।''

''एक पिंजरे में कुछ?'' मि० परसेल थोड़ी उलझन में था, ''तुम्हारा मतलब कुछ पालतू जानवर से है?''

मैंने देखा! उसनसे दुकानदार को जल्दी से जगाया, पर उसे विश्वास नहीं

हुआ। उसकी आँखे गंभीरता से संकुचित हो गई और उसनसे अपने होंठ को पीछे किया। अब मुझे सोचने दो। सफेद चूहा, शायद? मेरे पस कुछ बहुत अच्छा सफेद चूहा है।

नहीं, आदमी ने कहा, चूहा नही। पंखों सहित कुछ है जो उड़ता है।

''एक पक्षी!'' मि० परसेल चिल्लाए।

एक चिड़िया, ठीक है ''ग्राहक ने एक संदेहित पिंजरे में अचानक इशारा किया सिमें दो बर्फीली पक्षी थे। कबूतर? उन लोगों के लिए कितना?

पाँच-पचास, शीघ्र उत्तर आया, और एक बहुत ही उचित मूल्य। वे एक अच्छी जोड़ी। स्पष्ट रूप से कर्कश आदमी था। उसनसे झिझक से पाँच डॉलर का बिल का उत्पादन किया। मैं इन पक्षियों को चाहता हूँ। लेकिन यह सब मुझे मिल गया है। केवल पाँच डॉलर में।''

मानसिक रूप से मि० परसेल ने तुरंत गणना की, जिससे उनहें बताया गया कि वह पचास प्रतिशत की कमी से ही सही मुनाफा कमा सकते हैं। वह इसी हँसी से मुस्काया।

''मेरे प्रिय आदमी, यदि आप उन्हें बुरी तरह से चाहते है, तो आप निश्चित रूप से उन्हें पाँच डॉलर के लिए रख सकते हैं।''

मैं उन्हें दे दूँगा। उसने काउंटर में उसके पाँच डॉलर रखा। मि० पारसेल ने टिपटो पर रखा, पिंजरे को खाली कर दिया और उसे अपने ग्राहक को दे दिया। आदमी ने उसके सिर को एक ओर उठाया, दुकान की भीड़ बढ़ी। ''क्या शोर,'' वह जोर से बोला। यह आपको नहीं मिलता?''

''शोर? क्या शोर?'' मि० परसेल ने आश्चर्य से देखा। वह कुछ असामन्य नहीं सुन सकता था।

ग्राहक ने देखा। मेरा मतलब है यह सब बंदी सामान। आप पागल की चला रहे, यह नहीं है?

मि० परसेल वापस आकर्षित किया था। वह आदमी पागल था या नशे में था। उसने जल्दी से कहा, ''हाँ, हाँ, निश्चित ही। मुझे ऐसा लगता है। ''सुनो!'' घूरती हुई आँखें और करीब आ गई। आपको मेरे लिए पाँच डॉलर बनाने में कितना समय लगेगा?''

व्यापारी उसे दुकान से बाहर का आदेश देना चाहता था। लेकिन अजीब बता है, वह नहीं कर सका। उसने स्वयं को कर्तव्य के साथ पूछते हुए सुना, ''क्यों, क्यों, कब तक यह आपको ले गया?''

दूसरे हँस पड़े। दस साल कठोर श्रम पर। पाँच डॉलर कमाने के लिए दस साल।

पाँच, यह सबसे अच्छा था। पारसेल ने उसे हास्य करने का फैसला किया। मेरा, मेरा दस साल। वह निश्चित रूप से लंबा समय था।

वे तुम्हे पाँचा डॉलर दे देते है, आदमी हँसे और एक सस्ते सूट के साथ, और फिर से पकड़े जाने के लिए नहीं।

मि० पारसेल माथे से पसीना आ रहा था। अब अपने कबूतरों की देखभाल और भोजन के बारे में मैं सलाह दूँगा ....''

''घृणित रूप से!'' नीच आदमी चारों ओर झुका, और दुकान से अचानक पीछा किया। पारसेल अचानक रात के साथ आँहे भरी। वह खिड़की के लिए मटक कर और बाहर देखा। बस अपने अजीब ग्राहक के बाहर की ओर रुके थे। वह पिंजरे के कंधे के ऊपर पकड़ रहा था। उसकी खरीद पर घूम रहा था। उसने एक पिंजरा खोला और भीतर घुसा। वह हवा में फेंक दिया। फिर वे हवा में उड़ने वाली गेंदों की तरह ऊपर उठे और सर्दी के धूसर धुएँ में खो गए। क्षणभर के लिए मुक्तिदाता चुप हो गया। और उसने उनकी प्रतीक्षा की और देखा। उसने पिंजरे को गिरा दिया। अपना एक निर्थक, थककर उसने पतलून की जेबों में दोनों हाथ फैला दिए। अपना सिर नीचे लटका लिया और भिड़ गया। व्यापारी के माथे की परेशानी से दबाया गया था। इतना विह्ल होता है कि वह आदमी अपने कबूतरों को कम कीतत पर ऐसे ही रहने देना चाहता था। और फिर सक्रियता दिखाते हुए पलटा, ''अब क्यों'' मि० पारसेल बड़बड़ाया, ''क्या उसने ऐसा किया?'' उन्हें स्पष्ट रूप से अपमानित महसूस हुआ।

Comprehension

A. **1.** (c) dove **2.** (b) the stranger **3.** (d) five **4.** (d) insulted **5.** (b) small, fussy

B. **1.** (F) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (F) **5.** (F) **6.** (T)

C. **1.** Mr Purcell was a small, fussy man, red cheeks and a tight, melon stomach. He owned and conducted a pet shop. He sold cats and dogs and monkeys; he dealt in fish food and bird seed, prescribed remedies for ailing canaries, and displayed on his shelves long rows of ornate and gilded. It was his daily routine at the shop. **2.** Mr Purcell was a very busy man because he delt in many things. As : he sold cats and dogs and monkeys, he dealt in fish food and bird seed, prescribed remedies for ailing canaries, etc. **3.** The stranger who entered the shop was wearing the shiny shoes. His suit was cheap ill-fitting but obviously new. A gray pallor deadened his pinched features. He had a shuttling glance and close-cropped hair. He wanted something in a cage. **4.** No; the man was not interested in the care and feeding of the doves he bought, because he wanted to set them free. **5.** Freedom is man's most precious possession. It is very important to everyone. It has its special meaning to a person who has passed his time in a prison. It is well-appreciated by a person who has been denied freedom for some time. **6.** The man sat free the doves. The reason for his strange behaviour was that he had passed his ten years in the jail. So, he knew the importance of freedom.

Grammar and Activity

A. **1.** dangerous **2.** humourous **3.** virtuous **4.** famous **5.** hazardous

B. **1.** conducted, conducted **2.** Leave, left **3.** ring, rung **4.** sang, sung **5.** write, written

C. **1.** I bought a pair of doves for 5 dollars. **2.** She sold her bicycle for Rs 100. **3.** He will not play for he is weak. **4.** She cannot run fast for she is fat. **5.** He cannot by his books for he is poor.

D. **1.** I do not believe in ghosts. **2.** Mr Purcell owned and conducted a pet shop. **3.** Mahesh was proud of his wife. **4.** I am lover of truth. **5.** Freedom is important

for everyone.

6 : A Golden Bowl

एक समय की बात है जब सेरी के राज्य में बोधिसत्व, जो बर्तन और पेन खीरदते और बेचते थे, को सेरीवन कहा जाता था। बर्तन और पेन के दूसरे विक्रेता की कंपनी में एक लालची आदमी निकला। दोनों की सड़के विभाजित कर वे अपने ही जिले की गलियों में अपने-अपने बर्तन और पेन बचेने निकल पड़े।

अब शहर में ये एक गरीब परिवार रहता था जो एक बार अमीर था। अभी परिवार में दो लोग थे। एक जवान लड़की और उसकी दादी। जो जीविका चलाने के लिए कार्य करती थी। उनके धर में पुराने बर्तनों और पुराने बर्तनों में पड़ी सोने की कढ़ाही जो लंबे समय से उपयोग में नहीं आ रही थी। इतनी गंदी लग रही थी कि दोनों को यह मालूम नहीं था कि यह सोने की बनी हुई है। लालची विक्रेता उनके दरवाजे से चिल्लाते हुए गुजरा ''अपने पुराने बर्तनों से नए बर्तन बदल लो।'' जब लड़की ने उसकी आवाज सुनी तो उसने अपनी दादी से कहा ''चलो एक नई थाली खरीदते हैं, दादी माँ! वहाँ एक आदमी है जो बर्तन बेच रहा है।''

''हम बहुत गरीब हैं बदले में हमें क्या मिलेगा?'' बूढ़ी औरत ने कहा।

क्यों, यह गंदा कटोरा जिसे हम प्रयोग नहीं करते। थाली के लिए कटोरे को बदल देते हैं, लड़की ने कहा। बूढ़ी औरत और लड़की दोनों ही कटोरे से छुटकारा पाना चाहते थे।

इसलिए बूढ़ी औरत ने विक्रेता को बुलाया और उसे कटोरा देते हुए कहा, युवा आदमी ''इस कटोरे को ले लो और इसके बदले में एक थाली मेरी पोती को दे दो।''

विक्रेता ने कटोरे को अपने हाथ में लिया और संदेहपूर्वक, यह सोने का है, तली पर सूई से एक लाइन खींची। वह जानता था कि उसका संदेह सही था। कटोरा शुद्ध सोने से बना था। वह सोचने लगा कि कटोरा कही से न मिलेगा वह ऐसा ढोंग कर रहा था कि वह बेकार है और तिरस्कार करते हुए उसे जमीन पर फेंक दिया। सीट से उठकर घर से बाहर निकल गया। बच्ची विक्रेता की अशिष्टता से दुखी थी और बुढ़िया समझ नहीं पा रही थी कि वह इतना रुष्ट क्यों हो गया। उसने ऐसा अपमानजनक व्यवहार क्यों किया।

दूसरे दिन जिस दिन दोनों विक्रेताओं के बीच सहमति हो गई थी। दोनों उसी जिले में अपने बर्तन और कढ़ाही बेचने को तैयार होकर चले गए। जिसमें दूसरे दिन पहले वाले गया।

विक्रेता उसी सड़क पर आया और उसी घर के पास आवाज लगाते हुए गुजरा, ''अपने पुराने बर्तनों से नए बदल लो।''

एक बार फिर जवान लड़की ने अपनी दादी से उसे एक नई प्लेट लेने का आग्रह किया। बूढ़ी औरत ने कहा, ''प्यारी बच्ची, तुम्हे याद नहीं है कि कल विक्रेता ने कितना निराश किया था? क्या तुम्हे याद नहीं है कि उसने घृणा से कटोरा कैसे जमीन पर फेंक दिया था? हम इस नए विक्रेता को बुलाकर आग्रह करेंगे।''

वह विक्रेता बहुत कठोर था, लेकिन यह एक सज्जन दिखता है। संभवत: यह कटोरा ले लेगा, लड़की ने कहा।

पोती की उत्सुकता देखते हुए बूढ़ी औरत ने सेरीवान को बुलाया। वह घर में आया और उन्होंने कटोरा उसके हाथ में रख दिया। वह बहुत आश्चर्य में था कि यह सोने का बना था।

क्या आप वास्तव में इसे बदलना चाहती हैं, बूढ़ी माँ? उसने हिचकिचाहट में पूछा।

साहस के साथ युवा लड़की ने कहा, ''क्या तु इसे बदलकर एक प्लेट दोगे?''

बूढ़ी माँ, तुम्हारा कटोरा शुद्ध सोने का बना है और बहुत अधिक पैसे का है। मेरे पास इतना अधिक धन नहीं है।

दोनों औरतें यह सुनकर आश्चर्य में थी। ''मेरे बेटे, एक विक्रेता जो कल आया था उसने कटोरे को बेकार कहा और इसे जमीन पर फेंक दिया। यह तुम्हारा स्पर्श था जिससे यह सोने में परिवर्तित हो गया। इसे ले लो। हमें कुछ भी आप बदले में दे दो और अपने रास्ते जाओ।''

उसने सभी बर्तनों को उन्हें दे दिया, और पाँच सौ चाँदी के सिक्के दिए। उसने अपना तराजू, बैग और आठ चाँदी के सिक्के रखकर कटोरा लेकर वह नदी के किनारे पहुँचा, उसे नाव मिल गई और उसने आठ सिक्के नाविक को नदी पार कराने के दिए।

जल्दी ही उसने दो स्त्रियों को छोड़ा, लालची विक्रेता उनके पास फिर आया, और बेबसी से कहा, ''कटोरा लाओ मैं उसके बदले कुछ दे दूँगा।''

उसके ढोंग पर बूढ़ी औरत ने गुस्सा करते हुए कहा, तुमने कहा था कटोरा मेरे लिए बेकार है। आज हमारे यहाँ एक ईमानदार विक्रेता था जिसने यह बताया कि कटोरा सोने का बना है और हमें पाँच सौ चाँदी के सिक्के तथा अपने सारे बर्तन दे दिए हैं।''

अपनी हानि पर पछतावा करते हुए, लालची विक्रेता चिल्लाया, ''उसने मुझे उस लाभ का धोखा दिया। मैने वह कटोरा खो दिया है।'' वह दुख और निराशा से इतना भरा था और इतना परेशान था कि खुद पर से नियंत्रण खो बैठा। उसने अपनी छाती पीटी, अपना पैसा और सामान उतार फेंका, अपने कपड़े फाड़ डाले और चिल्लाया, ''मैं घृणित आदमी से बदला लूँगा! उसने मेरी योजना में हस्तक्षेप क्यों किया?''

दोनों महिलाएँ उसके पागलन को देखकर चौंक गईं, लेकिन उसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकी।

वह नदी के किनारे सेरीवान के पीछे दौड़ा। पहले से ही नदी पार करते हुए नाविका को वापस आने के लिए उग्रता से चिल्लाया। सेरीवान ने नाव वाले को ऐसा नहीं करने के लिए कहा।

नाव को असहाय रूप से देखते हुए, उसके ईर्ष्या और घृणा से भरे दलि देखकर, विक्रेता निर्भय सेरीवान को अपमानित करते हुए चिल्लाया, जो बोधिसत्व था। उसकी धमकियों का कोई मतलब नहीं था और पूरे उत्साह के साथ उसका दिल फट गया और वह मृत हो गया।

Comprehension

A. **1.** (b) her grandmother **2.** (c) five hundred **3.** (b) riverside **4.** (a) gold **5.** (b) to see his rudeness

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (F) **5.** (T) **6.** (T)

C. **1.** Serivan sold pots and pans. **2.** The woman did not

know that the bowl was made of gold because the bowl having been long out of use and looked so dirty. **3.** The girl described Serivan as: "That seller was rude, but this one (Serivan) looks gentle.'' **4.** The other seller lose control over himself because he had lost the bowl. **5.** Serivan gave the women all the pots he had and five hundred silver coins in exchange. **6.** Serivan has been described as 'fearless' because he was the Bodhisattva.

Grammar and Activity

A. **1.** Scornfully **2.** Scratches **3.** Suspecting **4.** Annoyed **5.** Impatiently **6.** Cheated **7.** Jealousy **8.** Disgust

B. presently, deeply, innocently, delightfully, particularly, inadequately, hopelessly, depressingly, tranquilly, ridiculously, differently, doubtfully, miserably, possively

C. **1.** Though he is sick yet he walks fast. **2.** I have hardly any spare time today but I will attand the meeting. **3.** The problem is difficult yet I will solve it. **4.** Ravi is very poor but he is honest.

D. Dear Smita,

I am well here and think you so. I am informing you about strange incident recently happen.

One day a pot-seller came to our street. You know it very well that now I am living a very poor life with my grandmother who is the only family member with me. We have an old and dirty bowl among our pots and pans, which was of no use. I asked my grandmother to exchange the bowl for a new plate. My grandmother called the pot-seller in and asked him to exchange the bowl. Really the bowl was made of gold but we both didn't know it. Thinking that he would get the bowl for nothing, the pot-seller pretended that it was useless and scornfully threw it on the ground, rose from his seat and went out of the house. His behaviour was very rude.

Next day, an another pot-seller came to our street. I again urged my grandmother to get me a new plate. As my grandmother said that it was impossible, I told her that the first seller was rude but this one looked gentle and it is likely that he would take the bowl. My grandmother called the second seller in. He checked the bowl and told us that it was made of gold. He gave us all the pots he had and five hundred silver coins in exchange. How gentle and honest he was !

Waiting for your answer.

Sincerely yours,

Ankita

7 : My Greatest Olympic Prize

1936 का गर्मियों का मौसम था। ओलंपिक खेलों को बर्लिन में आयोजित किया जा रहा था। एडॉल्फ हिटलर ने बचपन में जोर देकर कहा कि उनके कलाकार मास्टर रेस के सदस्य थे, राष्ट्रवादी भावना काफी बढ़ रही थी।

मैं भी इन सब के बारे में चिंतित नहीं था। मैं पिछले छह सालों से अपने आप को प्रशिक्षित, पसीने से भरा और अनुशासित किया था। जब मैं नौका पर सवार हो रहा था केवल यही सोच सकता था कि मैं अपने घर उन स्वर्ण पदकों में से एक-दो को अपने साथ ले जा रहा था। विशेष रूप से लंबी कूद पर मेरी आँखे थीं। एक वर्ष पहले मैंने 20 फीट 8.5 इंच का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। सभी को मेरी ओलंपिक उत्सव के जीतने की उम्मीद थी।

मेरे लिए यह आश्चर्यजनक था। जब लंबी छलांग के परीक्षण के लिए समय आया, मैंने देखना शुरु किया। एक लंबा लड़का लगभग 26 फीट तक अपने अभ्यास पर कूदा। वह लूज लंबे जर्मन था। मुझे बताया गया कि हिटलर ने उन्हें छिपा रखा था। जाहिर है उम्मीद है कि वह कूद जीत जाएगा।

मैं विचार करता था कि अगर बहुत समय जीत गए तो यह नाजिों, आर्यन श्रेष्ठता सिद्धांत में कुछ नया समर्थन जोड़ देगा। आखिरकार मैं नीग्रो हूँ। हिटलर के तीरके पर थोड़ा सा नाराज हूँ। मैं वहाँ बाहर जाने के लिए निर्धारित किया गया था और वास्तव में डेर फ्यूहरर और उसकी मास्टर रेस दिखा रहा था कि कौन बेहतर था और कौन नहीं।

एक नाराज एथलीट एक एथलीट है जो गलती कर देगा, क्योंकि कोई भी कोच आपको बताएगा मुझे कोई आपत्ति नहीं थी। मेरी तीन उत्तीर्ण कूद के पहले मैं कई इंच से छलांग के लिए टेक ऑफ बोर्ड से परे कई इंच से उछला। दूसरी कूद पर मैं भी बदतर था। इसके लिए क्या में 3000 मील की दूरी पर आया था? मैंने विचार किया परीक्षण में असफल रहने के लिए और खुद को बेवकूफ बनाने के लिए?''

गड्ढे से कुछ गज दूर चलते हुए मैंने घृणा से जमीन पर लात मारी। अचानक मैंने अपने कंधों पर हाथ महसूस किया।

वह पले प्रयास पर फाइनल के लिए आसानी से योग्य थे। उसने मुझे हाथ मिलाने का प्रस्ताव दिया।

''जैसी ओवेन्स मैं लूज लंबा हूँ। मुझे नहीं लगात कि हम मिल हैं। वह अच्छी तरह से अंग्रेजी बोलते हैं, यद्यपि यह एक जर्मन मुडे थे।

''आपसे मिलकर खुशी हुई।'' मैंने कहा। अपनी घबराहट को छिपाने की कोशिश कर रहा हूँ, मैंने कहा, ''आप कैसे हैं?''

''मैं ठीक हूँ सवाल है कि आप कैसे हैं?''

मैंने पूछा कि आपका क्या मतलब है?

उसने कहा कि आपको कोई समस्या है उन्होंने कहा, ''आपको अपनी आँखों के साथ अर्हता प्राप्त करने में सक्षम होना चाहिए।''

''मुझ पर विश्वास करो, मुझे पता है, मैंने उसे बताया और किसी को यह कहना अच्छा लगा।

अगले कुछ मिनट तक हमने एक साथ बातें की, मुझे लंबे समय तक नहीं काह कि मुझे परेशान कर रहा था, लेकिन वह मेरे गुस्से को समझने के लिए चिंतित थे। यद्यपि वह नाजी युवा संचलन में प्रशिक्षित किए गए थे।

यद्यपि आर्यन विश्वास नहीं करता था— वर्चस्व का व्यवसाय, जितना मैंने किया था उससे अधिकन नहीं। हम इस तथ्य पर हंस रहे थे कि वे शारीरिक

रूप से एक श्रेष्ठ प्रजाति के थे। एक इंच से भी लंबे बाल उनके शरीर का ढाँचा दुबला था, साफ नीली आँखें, साफ बाल और काफी आकर्षक चेहरा। अंत में देखकर, मैं शांत हो गया, उसने जाने को इशारा किया।

उसने कहा, ''देखो, तुम बोर्ड के पीछे एक लाइन क्यों नहीं खींचते और वहाँ से अपना टेकऑफ करने का लक्ष्य रखो। आप निश्चित रूप से मूर्ख नहीं बनोगे। और निश्चय ही योग्यता प्रापत करने के लिए पर्यापत रूप से कूदना चाहिए। यदि आप पहले परीक्षण में नहीं हुए तो इससे क्या फर्क पड़ता है? कल क्या मायने रखता है।

लगता था, सारा तनाव मेरे शरीर से उतर गया। आत्मविश्वास से मैंने एक लाइन को बोर्ड के पीछे एक पूरा पैर खींचा, और वहाँ से कूद गया। मैं लगभग एक फुट के योग्य हूँ।

उस रात मैं उनका धन्यवाद करने के लिए ओलंपिक गाँव में लूज लंबे कमरे में गया। मुझे पता है कि अगर ये उसके लिए नहीं किया गया था। मैं शायद अगले दिन फाइनल की कूद में नहीं होगा। हम उसके घर में बैठते और दौड़-दौड़ के बारे में दो घंटे तक बात करते रहे।

अंतत: जाने के लिए उठ गया, हम दोनों जानते है कि एक वास्तविक दोस्ती बन चुकी है। लूज अगले दिन स्टेडियम के लिए बाहर जाएगा अगर वह मुझे हरा सकता है। लेकिन मुझे पता था कि वह मुझसे अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहता था। भले ही उसका मतलब जी से हो।

जैसा कि हुआ, लूज ने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। ऐसा करने में, उसने मुझे एक चोटी के प्रदर्शन पर धकेल दिया। मुझे याद है कि मेरे अंतिम कूदने के तत्काल दीप पर जिसने 26 फुट 5 इंच का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया था। वह मेरी तरफ था उसने मुझे बधाई दी। इस तथ्य के बावजूद कि हिटलर ने हम पर ध्यान दिया .... सौ गज दूर नहीं खड़ा लूज मेरा हाथ जोर से हिला कर रख दिया।

मेरे पास जितने भी स्वर्ण पदक और कप हैं। मैं इन्हे पिघला सकता हूँ और वे 24 कैरेट पर नहीं चढ़ेंगे।

इस बात का भी एहसास है कि लूज आधुनिक ओलंपिक खेल के संस्थापक पियरे डी कौबर्टन का एक बहतरीन उदाहरण था। जब उन्होंने कहा था। तो उन्हें ध्यान में रखना चाहिए था। लेकिन ओलंपिक खेल में भाग लेना महत्वपूर्ण नहीं है।

Comprehension

A. **1.** (c) fighting well **2.** (b) taking part **3.** (c) mistakes **4.** (d) 26 feet **5.** (a) Luz Long

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (T) **6.** (F)

C. **1.** In the summer of 1936, the Olympic Games were being held in Berlin. **2.** It was expected of Jesse Owens to win the Olympic event, long-jump, easily because a year before he had set the world record of 26 feet 8.5 inches. **3.** Jesse Owens felt the hand of the Luz Long on his shoulder. It signified a friendship among them. **4.** On the success of Jesse Owens in the finals, Luz Long congratulated him and shook his hand hard. **5.** On the first of Jesse Owens' three qualifying jumps, he leaped from several inches beyond the take-off board for a no-jump. **6.** The important thing in the Olympic Games is not winning but taking part.

Grammar and Activity

B. **1.** jester, jesting **2.** player, playing **3.** cutter, cutting **4.** rider, riding **5.** speaker, speaking **6.** writer, writing **7.** fighter, fighting **8.** runner, running

C. **1.** Climbing the Everest is difficult because it is the highest peak of the world. **2.** Eskimos live in igloos because they can save themselves from the severe cold of Polar regions in them. **3.** Primitive people lived in caves because they didn't know making of home or any shelter. **4.** We should plant trees because they give us oxygen to live and provide other things to live a beautiful life. **5.** Some people lived in caves because they didn't know making of home or any shelter.

D. **1.** Raman could not win the race in spite of he ran fast. **2.** John passed by working hard. **3.** Heena stood first by studing day and night. **4.** She still hopes to be successful in spite of she is ill. **5.** He wanted to be a successful person by working hard.

8 : The Village Blacksmith

फैला हुआ बलूत के पेड़ के नीचे

गाँव का लोहार खड़ा है,

लोहार, वह एक शक्तिशाली आदमी है,

बड़े और बलवान हाथों के साथ,

और उसकी भुजाओं की माँसपेशियाँ,

लोहे के बैड की तरह मजबूत होते हैं।

उसके काले और कुरकुरे और लंबे बाल हैं,

उसका चेहरा टैन जैसा है

उसका माथा इमानदारी के पसीने से गीला है,

वह कमाता है जो भी कमा सकता है

और पूरे संसार को अपने चेहरे में देखता है

क्यों कि वहकिसी मनुष्य का मालिक नहीं है।

सप्ताह में, सप्ताह बाद, रात से सुबह तक,

तुम उसकी धौंकनी सुन सकते हो

आप उसे अपने भारी स्लेज की सिलाई करते

हुए सुन सकते हो,

गाँव की घंटियाँ बजाने वाले गिरजाघर के कर्मचारी की तरह,

जब शाम का सूरज कम हो,

मापा हुआ हरा और धीमी गति से।

और विद्यालय से घर आने वाले बच्चे,

खुले दरवाजे से देखो,

वे धधकती हुई भट्टी को देखना पसंद करते हैं,

और धमाकेदार दहाड़ सुनते हैं;

और उड़ने वाली चिंगारी को पकड़े

जैसे गेहूँ कटे भूसा से।

Comprehension

A. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (F) **5.** (F) **6.** (T)

B. **1.** The blacksmith works under a spreading chestnut tree. **2.** The blacksmith works from morning till night throughout the week. **3.** The blacksmith is a mighty man with large and muscular hands. The muscles of his strong arms are as strong as iron bands. His hair are stiff curls, black and long. His face is brown and brows are wet with sweet. **4.** We can hear blacksmith swing his heavy sledge like a man who is ringing the village bell. **5.** Children look in at the open door because they love to see the flaming forge, like to hear the bellows roar and catch the burning sparks that fly.

Grammar and Activity

A. **1.** low **2.** hands **3.** door **4.** blow **5.** stands **6.** floor **7.** tan **8.** face

B. **1.** I daily **pray** to God.; She fell a **prey** to my wrath.

2. You must **see** the Taj.; The sailor has gone to the **sea**.

3. The **sole** of my shoes is good.; The **soul** of a man comes in the light.

4. Some boys are reading.; Ishaan can do this **sum**.

9 : Thomas Alva Edison

थॉमस एल्वा एडिसन अमेरिका के एक महान वैज्ञानिक थे। अपनी बाल्यावस्था से, उन्हें प्रश्न पूछने का शौक था। वह जब तक संतुष्ट नहीं होते थे जब तक उन्हें सही उत्तर नहीं मिल जाता। टेलीग्राम और इलेक्ट्रानिक बल्ब उनके महान आविष्कार थे।

एडीसन संसार के महान वैज्ञानिक में से एक थे। उनका जन्म 11 जनवरी 1847 को मिलन ओहियो (यू०एस०ए०) में हुआ था। वह अमेरिका में सैक्युएल का सातवाँ बच्चा था। उन पर कनाडाई सरकार को उखाड़ फेकने की साजिश रचने का आरोप था। हालांकि, वह अपनी पत्नी और बच्चों की तस्करी करने के लिए भेजा जा सकता था।

अपने बचपन में भी एडीसन को प्रयोग करना पसंद था। उन्हें सवाल पूछने का शौक था। यहाँ उनके बचपन के बारे में कुछ कहानियाँ दी गई हैं। एक छोटे बच्चे के रूप में, एडीसन को हमेशा यह जानने की जिज्ञासा थी कि चीजे कैसे की जाती हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं की थी। लेकिन उनका विचार कुछ हट कर करने का था। वह केवल तीन महीनों के लिए उपलब्ध रहे और बाद में कोई विद्यालय नहीं गए। ग्यारह वर्ष की उम्र में उन्होंने अमेरिकन राज्य के मिचिगेन के ट्रेन में अखबार बेचने वाले लड़के की नौकरी मिल गई। उन्होंने अपने प्रयोग को जारी रखने के लिए कुछ धन कमाया।

जल्द ही उन्हें रेलवे अधिकारियों ने एक सामान के डिब्बे के एक हिस्से को प्रयोगशाला में बदलने की अनुमति दी। ट्रेन डेट्रोइट में यार्ड में रुकी थी। संस्करण डेट्राइट पब्लिक प्रयोगशाला में प्रयोग करने के लिए अपना अधिकांश समय समर्पित किया।

एडीसन ने अपना अखबार बनाने का फैसला किया।

उन्होंने एक पुराना प्रिटिंग प्रेस खरीदा। उन्होंने इसे रेलवे बैगन में स्थापित किया उन्होंने अपने अखबार की संख्याओं को संपादित और मुद्रित किया और अधिक पैसा कमाया।

जब वह 15 साल के थे, तो उनके साथ दुर्घटना हुई जिसने उनके कैरियर को प्रभावित किया। उन्हें उनके प्रेस और प्रयोगशाला के साथ ट्रेन से बाहर कर दिया गया।

एडीसन दृढ़ संकल्प और भाग्यशाली व्यक्ति था। उन्हें जल्द ही टेलीग्राफ ऑरेटर की नौकरी मिल गई। लेकिन खाली समय में वे हमेशा प्रयोग और शोध करते रहे। कुछ ही समय में वह देश के सर्वश्रेष्ठ टेलीग्राफिस्ट बन गए। लेकिन दुर्भाग्य के रूप में यह पहला सफल प्रयोग होगा। उसे अपनी पहली नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। कई महीनों तक शहर में न्यू जर्सी में एक कारखाना खोला। यहाँ भी उन्होंने कड़ी मेहनत की और कम से कम वह अपने आविष्कारों में सफल रहे। उन्होंने एक दैघ टेलीग्राफ प्रणाली का आविष्कार किया जिसमें दो संदेश भेजे जा सकते थे। विपरीत दिशा में एक ही तार पर। तब उन्होंने अपने सिस्टम में सुधान के लिए कड़ी मेहनत की। वह चौगुनी टेलीग्राफी करने में सफल हुए।

एक बार वह एक दोस्त के साथ रह रहे थे। उनका दोस्त एक कंपनी में काम कर रहा था। कंपनी के पास न्यूयॉर्क की टिकट टेप सेवा का कारोबार था। उस कंपनी में उनके पास एक महत्वपूर्ण मशीन थी। एक दिन अचानक मशीन रुक गई। एडीसन उस समय वहाँ थे। इंजीनियर्स यहाँ और दौड़े। उन्होंने इसे बहुत कम समय में ठीक कर दिया। कंपनी के प्रबंधक ने एडीसन को पसंद किया और उसे अच्छी नौकरी दी। एडीसन ने अपना कर्ज चुकाया और अपने प्रयोगशाला में सुधार किया।

कुछ समय बाद उन्होंने अपनी कार्यशाला स्थापित की और अपनी खुद की टिकर-टेप मशीनों का निर्माण किया। व्यापार उसके लिए एक बड़ी सफलता थी। हालांकि, उन्होंने अपने प्रयोगों के साथ जारी रखा।

विज्ञान के क्षेत्र में उनकी सफलता ने उनहें मेनलो पार्क के विशेषज्ञ नाम से एक के बाद एक अद्भुत आविष्कार किया। मेनोलो पार्क में ही तो उसने अपने ग्रामोफोन, बिजली की रोशनी और एक व्यवहारिक टेलीफोन का आविष्कार किया। एडीसनस का अद्भुत अविष्कार बिजली की रोशनी का था।

Comprehension

A. **1.** (b) an American **2.** (c) doing experiments **3.** (c) newspaper boy **4.** (d) fifteen **5.** (b) 84

B. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (F) **6.** (T)

A. **1.** Edison was a great American scientist. In his childhood, he was fond of asking questions. **2.** Edison invented a duplex telegraph system and then developed quadruplex telegraphy. He installed his workshop and manufactured his own ticker-tape

machine. He invented gramophone, the electric light and a practical telephone. A train journey in 1885 gave him the idea of inventing the kinetoscope, the forerunner of the modern motion-picture camera and the projector. **3.** The success in the field of science got Edison the name 'The Wizard of Menlo Park'. **4.** Edison joined the railways because he got a job of a newspaper boy in a train in the American state of Michigan. He did so to earn some money to continue experiments. **5.** Edison made the world happy by his inventions like gramophone, electric bulb, telephone, etc. **6.** Edison decided to produce his own newspaper to earn more money for his experiments.

Grammar and Activity

A. **1.** corner-Place **2.** here-Place **3.** then-Time **4.** anywhere-Place **5.** well-Manner **6.** afterwards-Manner **7.** now-Time

B. **1.** He sold his house to pay his debts. **2.** I want a chair to sit on. **3.** It is our duty to respect our teachers. **4.** I have four books to study. **5.** He is too poor to buy his books.

C. Do yourself.

10 : Tom Sawyer

टॉम करहाया। उसे दीवार को सफेदी करना पड़ता था जबकि उसके सभी दोस्त खेल रहे थे। नाश्ते के बाद, ऑटी पॉली, अपने ने अपने चेहरे को पक्का और निश्चय कर दिया, टॉम को पुताई की एक बाल्टी दी और एक लंबे हेंडिल वाला ब्रुश दिया और उसे बाहर भेज दिया।

टॉम ने दीवार का संरक्षण किया। तीस गज चौड़ी, नौ फुट ऊँची। उसने एक बेकार छुट्टी के विचार के साथ गहरी आँह भरी और काम शुरू कर दिया।

लेकिन टॉम की ऊर्जा नहीं खोई। उसने आनंद के लिए विचार शुरू किया जो उसने दिन के लिए योजना बनाई थी और दुखी महसूस करता था। सोचताथा कि दूसरे सभी प्रकार के स्मरणीय अभियानों पर जाएँगे और उनके काम करने का मजाक उड़ाएँगे। उन्होने अपनी सांसारिक संपत्ति की जाँच की और महसूस किया कि उनके बाधित होने का मतलब है कि हम आजादी के आधे घंटे खरीदने के लिए अपर्याप्त है लेकिन फ्लैश उस पर फट गया।

वह मुस्काया और अपना ब्रुश उठाकर एक छोटे से काम को शुरू किया। बेन रोजर्स के द्वारा आया था। वह लड़का था। सभी लड़को से दूर, जिसका वह उपहास कर रहा था। बेन की चाल इस बात का सबूत थी किउसका दिल हल्का था। वह एक सेब खा रहा था और मिसीसिपी की यात्रा करने वाले स्टीमर का उपयोग करा। वह एक नाव थी और कप्तान और इंजन घटिया सम्मिलित थे।

टॉम ने स्टीमर पर कोई ध्यान नहीं दिया और पुताई करते गए। टॉम को देखकर बेन रुक गया। एक पल शुरू किया, और तब कहा, ''हईया! तुम्हे दंडित किया।

कोई उत्तर नहीं। टॉम ने एक कलाकर की आँख से अपने काम का सर्वेक्षण किया। बेन आया ओर उसके पास खड़ा हो गया। टॉम अपने काम पर अटक गया। यद्यपि उसका मुँह सेब के पानी से भरा था।

बेन ने कहा, ''हेल्लो पुराने बच्चू, हुँह तुम्हे काम मिल गया।''

बेन! क्यों यह तुम हो, ''मैंने तुम्हे नोटिस नहीं किया। मैं तैराकी को जा रहा हूँ। क्या तुम नहीं चाहते हो कि आओ? लेकिन निश्चित रूप से तुम काम कर रहे हो।''

टॉम ने थोड़ी देर के लिए बेन पर विचार किया और फिर कहा, ''आप इसे काम कहते हैं। ठीक है, यह हो सकता है। मुझे पता है कि यह मुझे सूट करता है।''

''ओह, अब छोड़ो भी। आपको मुझे ये बताने का यह मतलब नहीं है कि आप इसे पसंद करेंगे।''

''कितनी बार एक लड़के को दीवार को पुताई करने का मौका मिलता है?''

जो चीजों को एक अलग प्रकाश में डालते हैं। बेन ने टॉम को देखा कि कलात्मक रूप से अपने ब्रुश को आगे और पीछे चलाया। उपस्थिति में उसने कहा, थोड़ी पुताई मुझे करने दो।''

टॉम थोड़ा विचार किया और सहमति के बारे में कुछ विचार किया लेकिन फिर उसने अपना मन बदल दिया।

''नहीं'', टॉम ने दृढ़ता से कहा, मैं डरा हूँ मैं नहीं दे सकता। ऑटी पॉली बहुत व्यक्तिगत हैं। एक हजार में मुश्किल से एक लड़ा है, दो हजार भी हो सकता, जो इस तरह करना है, वह कर सकता है।

''ओह! चलो छोड़ो! बस मुझे करने दो'', बेन ने ईमानदारी से कहा।

''बेन मैं चाहता हूँ ईमानदारी से, ऑटी पॉली विशेष हैं।

जिम यह करना चाहता था और ऐसा किया। लेकिन उनहें नहीं जाने देती। यदि आप बाड़ और कुछ से निपटने के लिए जहाँ यह हुआ था।

अरे टॉम! मैं सावधानी से करूँगा। कृपया मुझे कोशिश करने दो। बल्कि मैं तुम्हे अपना सेब दे दूँगा।''

टॉम ने संकोच करने का नाटक किया। फिर उसके चेहरे पर एक संदिग्ध भाव के साथ जो उसके आंतरिक उल्लास को नकाबपोश कर दिया; उसने बेन को ब्रश दे दिया। उनकी योजना में अगला कदम अन्य निर्देशों को फँसाना था। सामाग्री की कोई कमी नहीं थी। पास से गुजर रहे लड़को ने सहकर्मी को रोक लेकिन सफेदी के लिए ठहर गए। टॉम जल्द ही से रोलिंग कर रहा था। उन्होंने एक पतंग, एक धागे में एक मृत चूहा, बारह पत्थर, मेढ़क के बच्चों का जोड़ा, एक चाबी ताला और अन्य चीजों की मेजबानी नहीं करेगा। एकत्र किया था। उसने काम नहीं किया लेकिन जल्द ही दीवार के पास उस पर पुताई की तीन पर्त थीं।

Comprehension

A. **1.** (b) Tom **2.** (b) dead sister's son **3.** (b) punishment **4.** (a) an apple 5. (d) with his friends

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (F)

C. **1.** Tom came sadly out of the house because he had to whitewash the fence while all his friends were out playing. **2.** Tom had to whitewash the fence as ordered by Aunt Polly. **3.** First, Tom denied other boys to permit to whitewash the fence as it was an

important work. Then, according to his plan, he allowed them to whitewash in exchange of their things. Thus he saved himself from whitewashing the fence. **4.** These words are used about Ben Rogers because he was eating an apple and impersonating a steamer travelling down the Mississippi. So he seemed like a boat and captain and engine bells combined. **5.** When Tom said to Ben, "How does a boy get a chance to whitewash a fence", and Ben watched Tom artistically swept his brush back and forth, he requested Tom to let him whitewash the fence. **6.** We think that Aunt Polly was not successful in punishing Tom because Tom was so clever that he took his work done by others.

Grammar and Activity

A. **1.** (i) cheerful (ii) cheerless **2.** (i) useless (ii) useful **3.** (i) shameless (ii) shameful **4.** (i) powerful (ii) powerless **5.** (i) thoughtful (ii) thoughtless

B. **1.** to equalise **2.** to blaken **3.** to test **4.** to seal **5.** to civilize **6.** to lengthen **7.** to whiten **8.** to anger

C. Do yourself.

D. Do yourself.

11 : The Painting Contest

लोगों का कहना था कि सलीम देश में महान चित्रकार था। वह चित्रित चित्रों को ऐसे चित्रित करता था कि जैसे जीवित कोई विश्वास नहीं करेगा कि वे केवल चित्र थे।

धरती के राजा ने कहा, कि हमें उसके काम की एक प्रदर्शनी लगानी चाहिए। वजीर को छोड़कर सभी सहमत हुए। यदि आपने रहीम के कामको देखा, मेरे महाराज तो सलीम को सबसे महान कलाकार नहीं बुलाएँगे, वजीर ने कहा।

राजा ने दोनों चित्रकारों को उनके सामने आने का आदेश दिया। उनके बीच एक प्रतियोगिता कराई जाए, ''उसने कहा जब वे आए, न्याय के बाद निश्चय कर सकते हैं कि दोनों में से कौन महान है और उसे इनाम देंगे।'' और जब वे चले गए

''आप में से प्रत्येक के पास एक महीना होगा जिसमें एक चित्र बनाना होगा और प्रत्येक को एक शिल्पशाला में कार्य करना होगा; उस समय कोई भी शिल्पशाला में प्रवेश नहीं करेगा। महीने के अंत में आपके कार्य की एक प्रदर्शनी लगेगी और आपके न्यायाधीश यह निर्णय करेगें कि आपमें से कौन महान है? क्या आप इन शर्तों से सहमत हैं?

कलाकारों ने कहा कि उन्होंने किया। उन्हें शिल्पशाला की ओर ले जाया गया और उन्हें अपना काम शुरू करने को कहा। महीने के अंत में राजा न्यायाधीशों और उनकी अदालत के साथ उनके काम को देखने गए।

वे पहले सलीम की चित्रशाला में गए। एक पर्दे से अपनी तस्वीर को देखने से छिपा दिया। राजा के एक संकेत से, सलीम ने उसे एक तरफ कर दिया और उसे अपने चित्र को दिखाया– रंग-बिरंगे फूलों से भरा हुआ एक बगीचा, यह इतना जीवित था कि लोग विश्वास नहीं कर सके कि यह केवल एक चित्र है।

लेकिन वास्तविक आश्चर्य जब हुआ जब सलीम ने खिड़की खोली। मधुमक्खियों का झुंड उड़ गया। वे फूलों पर बैठ गई थी। वे चित्रित फूल उनहें वास्तविक लगे।

दरबारियों ने आश्चर्य और प्रसन्नता से चिल्लाया निश्चय ही कोई महान है, तब सलीम से उन्होंने कहा, ''बहुत सारी मधुमक्खियाँ चित्रित फूलों से धोखे में आ गई हैं।'' तब राजा ने हैरान और प्रसन्न होकर घोषण करने लगा कि सलीम पुरस्कार जीत चुका है, वजीन ने उन्हें याद दिलाया कि अभी तक रहीम का काम नहीं देखा है।

''तुम सही हो, राजा ने उत्तर दिया'', यद्यपि मैं कल्पना नहीं कर सकता कि कोई सलीम से बेहतर कर सकता है जिसने मधुमक्खियों को मूर्ख बनया है।

वे रहीम की चित्रशाला में गए। राजा एक रेशमी पर्दे के सामने खड़ा हुआ था जो सिलवटों में गिरता था और लोग उसके पीछे लेट जाते थे। वे पर्दा खोल कर देखना चाहते थे।

रहीम इस पर्दे के पीछे क्या आश्चर्य था? एक परिदृश्य? एक रुपचित्र? ज्यामितीय आकृतियों का नया डिजाइन?

पर्दा खोलो! राजा ने आदेश दिया। लेकिन पर्दा वहीं रुका था और रहीम भी। वह अपने स्थान से नहीं हिले।

हम किसका इंतजार कर रहे हैं? राजा ने पूछा उनकी नजर रहीम पर थी जिसके चेहरे में मध्यम सी मुस्कान थी।

''अच्छा'', राजा ने कहा, ''सामने से यह पर्दा क्यों नहीं हटाया? क्या यह एक मजाक है जो तुम हमारे साथ कर रहे हो?''

रहीम ने शान्ति से उत्तर दिया, यह मजाक नहीं महाराज, पर्दा अपने आप में एक चित्र है। यह सब कोई पर्दा नहीं है। यह केवल एक पर्दे का चित्र है।

एक क्षण के लिए पूरी तरह मौन रहा और उसके बाद राजा जोर से हँस पड़ा। वह इसलिए हँसा ''यदि सलीम ने मधुमक्खियों को धोखा दिया तो रहीम ने शाही अदालत में सभी लोगों को मूर्ख बनाया है। शिक्षित न्यायाधीश सहित।''

और तब वहाँ उन्होंने आदेश दिया कि दोनों कलाकारों को पुरस्कृत किया जाए उन्होंने कहा, ''दोनों को समान रूप से पुरस्कार प्राप्त होने चाहिए।''

Comprehension

A. **1.** (b) Raheem **2.** (a) one month **3.** (b) courtiers **4.** (c) Raheem **5.** (b) Vazir

B. **1.** (F) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (T)

C. **1.** People said Saleem was the greatest painter in the land. **2.** The king commanded both the artist to appear before him to let a contest between them so that the judges can decide who is the greater. **3.** Vazir said to the king, "Your Majesty, if you have had seen Raheem's work, you would not call Saleem the greatest artist." **4.** The conditions of the contest decided by the king were as : "Each of you will have a studio to work in; no one will enter your studio during the period. At the end of the month there will be an exhibition of your work and the judges will

decide which of you is greater.'' **5.** A garden, full of flowers that bloomed, was made by Saleem in his painting. A swarm of bees flew towards Saleem's painting because bees took the painted flowers to be real. **6.** Both the artists won the contest because, according to the king, "If Saleem has deceived the bees, Raheem has fooled all the people of the royal court, including the learned judges. So they both deserve the prize equally.''

Grammar and Activity

A. **1.** most of **2.** most of **3.** more of, more of **4.** most of.

B. **1.** The honest Vazir was happy. **2.** I bought a brown shirt yesterday. **3.** I met a fat man. **4.** An old man was going to the airport. **5.** Surdas was a blind poet.

C. Do yourself.

D. Do yourself.

12 : The Way Through the Woods

उन्होंने जंगल के रास्ते को लकड़ियों से बंद कर दिया

सत्तर वर्ष पहले।

मौसम और बारिश ने इसे पूर्ववत कर दिय है

और अब आपको कभी पता नहीं चलेगा

एक बार एक सड़क थी- लकड़ियों से गुजरती हुई

इससे पहले कि वे पेड़ लगाते

और पतले प्रकार के पौधे

केवल देखभाल करने वाला देखता है

वह जहाँ अँगूठी-कबूतरों के बच्चे हैं,

और रीछ आसानी से घूमते हैं

एक बार एक सड़क थी- जंगल के रास्ते।

फिर भी, यदि तुम जंगल में प्रवेश करते हो

गर्मियों की एक शाम देर से

जब रात में हवा ठंडी होती है

एक प्रकार की मछली छल्ले को खींचती है

जहाँ ऊदबिलाव अपने साथी को सीटी देता है,

(वे जंगल में पुरुषों से नहीं डरते, क्योंकि

वे बहुत कम देखते हैं।)

तुम घोड़े के पैरों की आवाज सुनोगे।

जैसे ओस के किनारे एक फूँक मारना,

के माध्यम से लगातार कर सकते है

एकांत में धुँधला,

हालाँकि वे पूरी तरह से जगते थे

जंगलों में पुरानी सड़क खो गई....

लेकिन जंगलों के माध्यम से वह कोई सड़क नहीं है।

Comprehension

A. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (F) **5.** (F) **6.** (T)

B. **1.** A road is hidden in the woods. **2.** The animals fear not men in the woods, because they see so few. **3.** There was the road through the woods seventy years ago. **4.** We might hear the beat of a horse's feet in the woods. **5.** If we will enter the woods of a summer evening late then we will find the trout-ringed pools where the otter whistles his mate. **6.** Yes; we like the poem because : (i) It shows the fearlessness of the animals in the woods. (ii) It shows the importance of trees.

Grammar and Activity

A. **1.** laughing, laughed **2.** stopping, stopped **3.** boiling, boiled **4.** fixing, fixed **5.** hitting, hit **6.** fattening, fattened **7.** boxing, boxed **8.** paying, paid **9.** catching, caught **10.** chatting, chatted **11.** posting, posted **12.** trapping, trapped **13.** shipping, shipped **14.** joining, joined

B. a

13 : Ulysses and Polyphemus

बहुत-बहुत समय पहले, कई यूनानी योद्धा रहते थे। यूलिसिस उनके से एक था। एक बार यूनानियों ने ट्राय पर हमला किया। ट्रोजन युद्ध बारह साल तक चला। इसके समाप्त हो जाने के बाद यूलिसिस और उसके बहादुर सिपाहियों ने ट्राय को छोड़ दिया। वे इथाका के लिए रवाना हुए जो उनकी मातृभूमि थी। एक भारी तूफान से अपने जहाज को समुद्र से बहुत-दूर भेज दिया और उनका रास्ता खो गया।

कई दिनों के बाद, वे साइक्लोप्स के देश में पहुँचे। साइक्लोप्स विशाल दिग्गज थे। उनमें से प्रत्येक के माथे के बीच में केवल एक आँख थी। वे गुफाओं में रहते थे ओर बकरियाँ और भेड़ें जो खच्चर जितनी बड़ी थीं।

यूलीसिस और उसके साथी इस देश में घूते रहे जब तक एक दिन वे पोलीफेमस की गुफा में नहीं आए और उसके सामने बैठ गए। पॉलीफेमस दोपहर को अपनी भेड़ों के साथ आया और उन्हे गुफा के अंदर भेज दिया।

उसने यूलिसिस और उसके साथियों को देखा और चिल्लाया, ''तुम कौन हो?'' यूलिसिस ने उत्तर दिया, ''हम यूनानी हैं और ट्रॉय से आए हैं।'' वह लंबी हँसी हँसा और उनसे गुफा में जाने को कहा।

वे विशालकाय गुफा में आए, जैसे ही वे अंदर आए पॉलीफेमस ने गुफा के मुँह पर एक बड़ा-सा पत्थर रख दिया। अब वे गुफा से बाहर नहीं निकल सकते थे। पॉलीफेमस ने दो यूनानियों को मार डाला और उनका खून पिया, माँस खाया और उनकी हड्डियों को चबाया। अगली सुबह उसने पत्थर हटाया और जैसे ही उसकी भेड़े गुफा से बाहर निकली उसने पत्थर को फिर से रख दिया।

वह प्रत्येक रात को दो यूनानियों को खाता और यूलिसिस और उसके साथी बहुत दुखी थे। एक शाम यूलिसिस ने विशालकाय को कुछ मदिरा पीने को

दी। वह बहुत खुश हुआ और यूलिसिस से पूछा इसका क्या नाम है? यूलिसिस ने उत्तर दिया कि यह कोई आदमी नहीं है। विशालकाय उसके हास्य नाम को सनुकर हँसा। उसने कहा, ''बहुत अच्छा, कोई आदमी नहीं, मैं तुम्हे अंत में मारूँगा।''

जब जब विशालकाय गहरी नींद में था, यूलिसिस ने लकड़ी के एक छोर को जलाया और विशालकाय की आँख में डाल दिया। वह जाग गया और दर्द से चिल्लाया, दूसरे साइक्लोप्स गुफा के बाहर आए और चिल्लाए, पॉलीफेमस, ''क्या मामला है?'' पॉलीफेमस फिर से चिल्लाया किसी आदमी ने मुझे चोट पहुँचाई। उन्होंने सोचा कि वह नशे में है और वे चले गए।

पॉलीफेमस अंधा हो गया था। वह गुफा में यूनानियों में से किसी को पकड़ नहीं सका। उन्होंने अपने आप को भेड़ों के पेटों से बाँध लिया। दूसरे दिन पॉलीफेमस ने अपनी भेड़ों को गुफा से बाहर निकाल दिया और उसके मुँह पर बैठ गया। उसने प्रतीक्षा की।

''मैं अब आपमें से किसी को नहीं मारूँगा। तुम अपने देश को वापस जा सकते हो'' उसने कहा। लेकिन कोई उत्तर नहीं आया, यूलिसिस और उसके आदमी पहले से ही इथिका के लिए रवाना हो चुके थे।

Comprehension

A. **1.** (b) Ulysses **2.** (a) night **3.** (c) No-man **4.** (d) blind **5.** (a) mules

B. **1.** (F) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (F) **5.** (T) **6.** (T)

C. **1.** The Cyclops were huge giants. Each of them had only one eye in the middle of the forehead. They lived in caves and reared goats and sheep which were as big as mules. **2.** Polyphemus was the leader of Cyclops who lived in a big cave with his sheep. **3.** Polyphemus killed two of the Greeks and drank their blood. Then, while the other Greeks watched, he ate the flesh and chewed their bones. **4.** Ulysses was a Greek warrior. When the Polyphemus was fast asleep, Ulysses burnt one end of a huge log of wood and thrust it into his eye. Then, each of them tied himself to the stomach of a sheep of Polyphemus. Next morning, when Polyphemus drove his sheep out of the cave they all also came out with them and sailed for Ithaca. Thus Ulysses saved his companions from Polyphemus. **5.** Trojan war was the war among the Greeks and Troy. This was continued for twelve years.

Grammar and Activity

A. **2.** impatient **3.** kind **4.** calmlessly **5.** old **6.** inflated **7.** impossible

B. **1.** as long as **2.** as beautiful as **3.** as fast as **4.** as soon as **5.** as bright as **6.** as grim as

C. **1.** What a wonderful trick the magician has performed! **2.** What a strange looking creature in the park! **3.** How my sister has lost my pen! **4.** How I had forgotten to wish my mother on her birthday! **5.** What a beautiful dress!

D. **1.** Shivaji, the great, was a king. **2.** Maharana Pratap, a great warrior, was the king of Mewar. **3.** Ankur, a famous lawyer, is very handsome and smart. **4.** New Delhi, the capital of India, is a big city. **5.** Surdas, a great poet, was blind.

E. Do yourself.

14 : The Many Forms of Vishnu

मनु वैवास्वत, जिनके पिता सूर्य के देवता थे, को पृथ्वी पर सभी प्रकार के जीवों से भरने के लिए भेजा गया था।

एक दिन, मनु नदी में अपने आप को धो रहे थे कि हाथों में एक छोटी से मछली देखी।

''अरे मुझे बचाओं, मनु!'' छोटी मछली ने उससे विनती की। ''तुम जानते हो बड़ी मछली छोटी मछली को खाती है और तुम देख सकते हो कि मैं कितनी छोटी हूँ। क्या मुझे इस नदी में रहने का मौका है?''

वह सही है, मनु ने सोचा। उसने छोटी मछली को निकाल लिया और एक जार में डाल दिया। और तुरंत ही मत्स्या नाम की मछली बढ़ने लगी।

जल्द ही वह इतनी बड़ी हो गई कि मनु को उसके तैरने के लिए खाई खोदनी पड़ी। और उसके बाद मत्स्या खाई के लिए भी बड़ी हो गई।

''अब तुम्हे मुझे समुद्र में ले जाना चाहिए,'' मत्स्या ने कहा। ''मैं हवाँ खतरे से मुक्त हो जाऊँगा।''

इसलिए मनु मछली को समुद्र में ले गए। किंतु जब वह उसको आज़ाद करने वाले ही थे तो मत्स्या ने कहा, ''मैं तुम्हें एक बात बता देना चाहता हूँ, मनु। एक बड़ी बाढ़ आ रही है।''

''एक बाढ़?'' मनु ने कहा। ''कब?''

जल्द ही, ''मछली ने कहा, ''एक साल में जब ये आती है तो पूरी दुनिया में बाढ़ आएगी। इसलिए इस वर्ष तैयार रहना। अब एक जहाज का निर्माण शुरू करो और मुझसे प्रार्थना करो। जब पानी बढ़ने लगेगा, जहाज पर जाओ और मैं तुम्हे बचाने आऊँगा।''

मनु ने मत्स्य को धन्यवाद दिया, और उसे तैरते हुए देखा। ''यह कोई साधारण मछली नहीं थी,'' उसने अपने आप से कहा।

उस दिन से मनु ने एक जहाज बनाना शुरू किया। प्रत्येक शाम उसने मत्स्य मछली से प्रार्थना की। और ठीक एक वर्ष बाद मत्स्या ने कहा था, बाढ़ आई।

''अरे, महान मत्स्य!'' मनु ने कहा, और वे जहाज पर सवार होकर दौड़े। तूफान का गर्जन और बारिश की मार और समुद्र जहाज पर मनु के चारों ओर घूमने लगा।

''तुम्हारा धन्यवाद, मत्स्या, मुझे तूफान से बचाने के लिए मनु चिल्लाया। तब उसनसे देखा तूफान की गर्जन गरजती हुईपानी का ढेर एक क्षण के लिए शांत हो रहा है और तभी मत्स्या प्रकट हुई। अब वह एक बड़ी मछली थी।

उसने मनु को बुलाया और कहा कि मेरी सींगों को रस्सी से बाँध दो।

मनु ने यह सब किया और मत्स्य ने समुद्र में तैरना शुरू किया, जहाज को पीछे से खींचना शुरू किया। जल्दी ही मत्स्य, मनु के जहाज के अलावा कोई चीज नहीं थी।

कई वर्षों तक आकाश में तैर गया और कभी नहीं थका और अंत में उत्तरी

पहाड़ी पर आए जिसे हेमवत कहते थे। यह इतना ऊँचा है कि बाढ़ का पानी आधी ऊँचाई तक पहुँचेगा। मनु ने मत्स्य से कहा इस प्रतिष्ठित पर्वत हेमवतसे बाँध लो। जब बाढ़ नीचे चली जाए, तु सुरक्षित जमीन पर आ जाओगे। अब मुझे तुम्हे आशीर्वाद अवश्य देना चाहिए और अंतिम विदाई बोली क्योंकि तुम मुझे फिर नहीं देखोगे।

मनु ने देखा।

उससे पूछा, ''तुम कौन हो?''

''मैं विष्णु हूँ, रखवाला'', मत्सय ने कहा। ''मैं तुम्हे बचाने के लिए और बाढ़ से बचाने के लिए एक मछली के रूप में दिखाई दिया। क्योंकि तुम्हें एक काम को पूरा करने के लिए संरक्षित किया गया है। मनु पृथ्वी को नए प्राणियों के साथ भरण पोषण आपका काम है क्योंकि बाढ़ से बचने वालों में से एक ही है।

इसक बाद मत्स्य गायब हो गई और मनु को एक नए पौधे, पशु और जीव-जंतु के प्रारंभ के लिए अकेला छोड़ गए।

Comprehension

A. **1.** (b) Vishnu **2.** (c) horn **3.** (a) golden **4.** (c) ocean **5.** (d) ship.

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (F) **6.** (F)

C. **1.** The little fish begged Manu to save him because big fish eats little fish, and he was very small. **2.** 'That was no ordinary fish...' said Manu to himself because he had told Manu some strange things. **3.** In exactly one year as Matsya had said, the flood came. "Oh great Matsya !" exclaimed Manu, and he hurried on board his ship. Matsya appeared. He was now a huge fish with a single horn and golden scales. "Tie one of your ropes to my horn, Manu,'' he called. Manu did so, and Matsya began to swim out to sea, pulling the ship behind him. For several years, Matsya swam and never tired. And, at last, he came to the mountain in the north called Hemavat. "Tie yourself in this noble mountain Hemavat,'' said Matsya to Manu. "When the flood dies down, you will come safely down to ground.'' Thus, Manu was saved. **4.** Matsya's last words, before he disappeard into the ocean, were, "A great flood is coming. Soon, in one year, when it comes, it will flood the whole world.'' Yes, his words came true. **5.** Manu was saved by Matsya because he had been preserved to carry out a task. His task was to fill the earth with new creatures, since he was the only one to survive the flood. **6.** Yes, there is a connection between Vishnu's title (The Preserver) and the role he plays in the story because the preserved Manu to fill the earth with new creatures.

Grammar and Activity

A. **2.** You **must not hang** your clothes outside the window. **3.** You **must bring** in guests after visiting hours. **4.** You **must come on** time for breakfast. **5.** You **must not make** any noise during study hours. **6.** You **must keep** the room neat and clean.

B. **1.** I have a watch which gives correct time. **2.** I met an old man who gave me a gift. **3.** She has a parrot which talks the whole day. **4.** I met a girl who told me a story. **5.** Yesterday a man came to me who was my old friend.

C. Do yourself.

15 : The Fountain

धूप में,

प्रकाश से भरा

ऊपर नीचे जाती और चमकाती

सुबह से रात तक।

चंद्रमा के प्रकाश में,

बर्फ से अधिक सफेद

जैसे लहराते हुए फूल

जब हवा चली!

तारों की चमक में

फुहारों में दौड़ना

आधी रात को खुश

दिन प्रतिदिन खुश

कभी गति में,

खुशी से और प्रसन्नता से,

अभी भी चढ़ रहा है,

कभी भी न थके हुए;

सभी बुनकरों की खुशी,

अब तक की सबसे अच्छी भाप,

ऊपर या नीचे की ओर

तुम्हारी गति को विश्राम दो

प्रकृति से भरा हुआ

कुछ भी नहीं कर सकता है।

हर क्षण बदल दिया,

कभी एक ही;

निरंतर आकांक्षी,

निरंतर सामग्री,

अँधेरा या धूप,

आपका तत्व;

शानदार फव्वारे!

मेरे दिल को हो

ताजा, परिवर्तन, निरंतर

आपकी तरह ऊपर की ओर।

Comprehension

A. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (F) **5.** (T) **6.** (F)

B. **1.** The fountain leaps and flashes from morning till night. **2.** The fountain looks whiter then snow, in the moonlight. **3.** The qualities of fountain are as : It leaps and fleshes from morning till night. I looks whiter than snow, in the moonlight. It waves like a flower when the winds blow. It seems happy all the time. It looks every time cheerful and untired; etc. **4.** The qualities of the fountain the poet wishes to have are freshness, changefulness, constancy and going upward every time. **5.** The fountain never feel tired because it remains ever in motion and seems ever happy and cheerful. **6.** The fountain looks all the time happy and cheerful.

Grammar and Activity

A. **1.** there **2.** road **3.** tired **4.** ideal **5.** lack **6.** principle

B. **1.** weary **2.** upward **3.** free **4.** dissatisfy **5.** ceaseless **6.** inefficient

C. Do yourself.

D. 'The Fountain' is a very inspiring poem. In the poem, the poet describes the fountain in three different subjects : ever in motion but never a weary; upward or downward, motion thy rest; changes every moment, ever the same. The poet wishes to learn the qualities of freshness, changefulness, fitness, consistency and aspiring from the fountain.

16 : Mystery of the Missing Jewels

एक दिन इंस्पेक्टर गौतम अपने दफ्तर में बैठे थे। दो दिन बीत चुके थे और कोई शिकायत नहीं थी। वह कुछ न करने से ऊबना शुरू हो रहे थे कि अचानक फोन की घंटी बजी।

उसने कहा, इंस्पेक्टर गौतम बोल रहा हूँ।''

दूसरे छोर के अंत पर एक बैचेन आवाज ने कहा, ''इंस्पेक्टर गौतम मेरा नाम मधु वर्मा है। मैं रिपोर्ट करना चाहती हूँ कि मेरे घर में चोरी हो गई है। किसी ने मेरे जेवर चुरा लिए।''

इंस्पेक्टर गौतम अपने एक कांस्टेबल भोपाल सिंह के साथ तुरंत मधु वर्मा के घर पहुँचे।

जब वे घर पर पहुँचे, श्रीमती मधु वर्मा ने कहा, ''इंस्पेक्टर, मेरे जेवर भारी लोहे के बक्से में थे जो कि स्टोररूम में सुरक्षित था। जैसा कि आप देख सकते हैं। यह स्टोररूम मेरे बेडरूम से जुड़ा हुआ है। मैं कुछ खरीदारी करने के लिए कुछ घंटों के लिए बाहर गई थी। जब मैं वापस आई, मैं अपने गहनों को गायब पाकर हैरान थी।

''क्या तुम्हे यकीन है, तुमने घर से बाहर जाने से पहले खिड़की और कमरा बंद किया था?'' इंस्पेक्टर गौतम ने मधु से सवाल पूछा।

''निश्चय ही, मैं हमेशा ऐसा ही करती हूँ'', उसने कहा।

इंस्पेक्टर गौतम चीजों का पता लगाने कमरे में गए और सब कुछ गड़बड़ पाया।

''आपको कैसे लगता है कि गहने चोरी हो गए?'' भोपाल सिंह से पूछा।

''आप इस तरह निष्कर्ष पर नहीं जा सकते। आइए पहले तथ्यों को एकत्र करें इंस्पेक्टर ने कुछ डाँटते हुए कहा। उन्होंने अपनी डायरी निकाली और महत्वपूर्ण तथ्यों को लिखना प्रारंभ किया। साथ ही उन्होंने भोपाल सिंह को भी मामले का विवरण लिखने को कहा।

अब भोपाल सिंह ने पुन: इंस्पेक्टर गौतम से पूछा, ''आपको कैसे लगता है कि चोर ने गहने चुरा लिए? क्या आपको लगता है कि वे बाहर की खिड़की से ले गया?''

''नहीं बिल्कुल नहीं'', इंस्पेक्टर ने उत्तर दिया, ''तुम देखो, भोपाल सिंह यहाँ तक कि सबसे शानदार डकैती या चोरी मे भी चोर हमेशा कुछ सुराग छोड़ देता है। खिड़की अंदर की ओर से खुलती है, न कि बाहर से। मैं इसे सुरक्षित रूप से कह सकता हूँ क्योंकि अगर कोई बाहर से आया था, तो उसे अंदर जाने के लिए उस खिड़की के शीशे को तोड़ना होगा और मैंने कोई शीशा टूटा नहीं देखा।''

इंस्पेक्टर कुछ और निरीक्षण करता है। वह देखने के लिए बाहर जाता है यदि वह कुछ और सुराग हो सकते हैं।

''मेरे विचार में इंस्पेक्टर आप सही हो, उसी तरह गहने चोरी हो गए होंगे। लेकिन हम चोर को कैसे पकड़े?'' भोपाल सिंह ने एक और प्रश्न पूछा।

इंस्पेक्टर गौतम ने कहा, श्रीमती मधु वर्मा से पता करो कि उन्होंने उस दिन किस-किस से और किस उद्देश्य से मुलाकता की थी। उन सभी लोगों को ढूँढो और उन सभी को पुलिस स्टेशन ले आओ।

यहाँ श्रीमती मधु वर्मा के द्वारा दी गई जानकारी है—

- श्रीमती टीना शर्मा (पड़ोसी) एक पार्टी में आमंत्रित करने आई थीं।
- एक विक्रेता ने उन्हें गैस लाइटर बेचने आया था।
- धोबी कपड़े धोने के लिए इकट्ठे करने आया था।
- जानकी बर्तन बेचने आई थी।
- रोशनलाल (टीवी इंजीनियर) टीवी सही करने आया था।
- धीरन (मदारी) बंदरों के लिए कुछ दान एकत्र करने के लिए आया था।

इंस्पेक्टर गौतम के आदेशानुसार, सभी संदिग्ध व्यक्ति थाने में मौजूद थे। तब उन्होंने एक-एक करके उनसे पूछताछ की। जाँच के दौरान कांस्टेबल भोपाल सिंह ने उनकी सहायता की।

हमेशा की तरह भोपाल सिंह ने एक बार फिर इंस्पेक्टर के भाव को देखा और कहा ''क्या आपने सोचा है सर, इनमें से कोई अपराधी हो सकता है?''

''नहीं इन लोगों में से कोई भी नहीं।''

क्यों नहीं भोपाल ने पूछा।

इंस्पेक्टर गौतम ने मुश्किलों में सोचा अचानक खुश हुआ और कहा, ''मुझे पता है कि गहने का चोर कौन है?''

भोपाल सिंह ने खुशी से पूछा, ''कौन है सर?''

भोपाल सिंह यह चोरी एक आदमी ने नहीं की यह दो का काम है और अपराध वहाँ खड़े हैं। वे वो लोग हैं जिन्होंने गहने चुराए।

सर आप कैसे सोचते हैं कि उन्होंने ऐसा किया?'' भोपाल सिंह फिर से पूछने में मदद नहीं कर सका।

''तुम देखो, भोपाल'' इंस्पेक्टर गौतम ने समझाया, बंदर बुद्धिमान होते हैं ओर उन्हें आसानी से प्रशिक्षित किया जा सकता है। बंदर पेड़ पर चढ़ा ओर छत पर पहुँचने वाली शाखा से उछलकर छत पर पहुँचा। वह बेडरूम में गया और एक पत्थर हटा दिया और तब खिड़की खोली, खिड़की से भीतर घ्ुासा और स्टोररूम को बिखेरा और बक्से को तोड़ा, गहने लिए और जल्दी से खिड़की से भाग गया।

इंस्पेक्टर ने चोर को कैसे पकड़ा। जल्दी ही इंस्पेक्टर ने घोषण की ''वे चोर है', बंदर आदमी के पीछे घूमे और भागने की कोशिश की। लेकिन इंस्पेक्टर गौतम ने उसे पकड़ लिया।

Comprehension

A. **1.** (a) careful **2.** (b) gas lighters **3.** (a) office **4.** (c) thoughtful decisive **5.** (c) monkey and Dhiren

B. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (F)

C. **1.** Madhu Verma was a complainant to police. She wanted to report that someone had stolen her jewels from her house. **2.** Roshan Lal, a TV engineer, came to Madhu Verma's house to set TV right. **3.** We can say that Mrs Madhu Verma kept her jewels safely as the jewels were in the heavy iron box that was safely kept in the storeroom which was attached to her bedroom. **4.** Dhiren was a monkey show man. He had come to Madhu Verma's house for collecting some alms for the monkeys. **5.** Yes, we are agree with Inspector Gautam that the window had been opened from inside, because, according to inspector Gautam, if someone had come from outside, he would have to break the window panes to get in and he don't see any pane broken. **6.** Suddenly Inspector Gautam sprang up with joy because he had become sure about who was the jewel thief.

Grammar and Activity

A. **1.** Incapable, unreasonable, indirect, unable, unlikely, unplease, impossible, independent, disobey, disagree

B. **1.** into **2.** on **3.** behind **4.** for **5.** at

C. a

17 : Sympathy

मैं दु:ख में लेटा, गहरी परेशानी में;

मेरा दुख एक घमंडी आदमी ने सुना;

उसे ठंड लगती दिखाई दे रही थी, उसने

मुझे सोना दिया,

लेकिन एक शब्द नहीं।

मेरे दुख से गुजरता-मैंने उसे

वापस स्वीकृत किया।

उसने मुझे सोना दिया;

फिर वह सीधा खड़ा हुआ और मेरा

धन्यवादा किया।

और उसकी दान पर आशीर्वाद कहा

मैं दुख और दर्द में, दुख में पड़ता हूँ।

एक गरीब आदमी मेरे रास्ते से गुजरा;

उसने मेरा सिर बाँध दिया, उसने मुझे रोटी दी,

वह मुझे रात दिन देखता था।

मैं उसे फिर से कैसे चुकाऊँगा,

सभी के लिए उसने मेरे साथ किया?

ओह, सोना महान है, लेकिन अधिक दूर है।

क्या स्वर्गीय सहानुभूति है।

Comprehension

A. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (F)

B. **1.** The theme of the poem is 'Sympathy'. **2.** The state of the poet when the proud man helped him was that, he was laid in sorrow and he was in great distress. **3.** The poor man bound poet's head, gave him bread and watched him night and day. **4.** The poor man's help is greater than gold because the proud man's gold can be return but poor man's sympathy cannot be returned as sympathy is a heavenly thing that cannot be returned. **5.** The poen cannot repay what he owes to the poor man. **6.** We learn from this poem that gold is great, but sympathy is far greater because it is a heavenly thing.

Grammar and Activity

A. **1.** gold **2.** again **3.** back **4.** me **5.** day **6.** bread **7.** sympathy **8.** thank

B. **1.** The **site** of the building is good.; The **sight** is attractive. **2.** Belts are tied round the **waist**.; Do not **waste** your time. **3.** The **sale** of this book is going up.; She could not **sail** against the waves.

C. **1.** hour **2.** calm **3.** worm **4.** light **5.** debt **6.** could **7.** knife **8.** Iron **9.** know **10.** receipt **11.** walk **12.** honest **13.** grandmother **14.** knock **15.** foreign **16.** power

D. We learn from this poem that, if someone helps us with money, it can be returned with thanks because it is a worldly thing. But, if someone helps us with sympathy, it cannot be returned because it is a heavenly thing. So sympathy is greater than money.

18 : Birdwatcher

मैं स्कूल नहीं जा रहा हूँ, मैं इससे नफरत करता हूँ!'' चिल्लाया साइकिल और घर से बाहर दौड़ा।

साइकिल ग्यारह वर्षीय एक जानकार था, जो कक्षा में होने में नापसंद था। बल्कि उन्हें तो पेड़ चढ़ने और पक्षियों के घोंसले पर झाँकने का शौक था।

आज साइकिल के माता-पिता श्रीमती और श्रीमान फिशचर साइरिल के व्यवहार को लेकर काफी शर्मिंदा थे क्योंकि उन्होंने डॉ० गोपाल राव के सामने एक दृश्य बनाया था जो उनके साथ रह रहे थे।

डा० राव न्यूजीलैंड से भारत में पक्षियों पर व्याख्यान देने के लिए आए थे। मैं माफी चाहता हूँ डॉ० राव श्रीमती फिश्चर ने दुखी होकर कहा, ''साइरिल पेड़ों पर चढ़ने और घोंसले में झाँकना इतना पसंद करता है कि स्कूल नहीं जाना चाहता।''

आह मैं समझता हूँ, डॉ० राव ने मुस्कराकर कहा।

शाम को जब मि० फिश्चर काम पर थे और श्रीमती फिश्चर रसोईघर में थी तो डॉ० राव और साइरिल साथ-साथ चाय पी रहे थे।

डॉ० राव ने कहा, ''साइरिल मैंने सुना है कि तुम पक्षियों के शौकीन हो।'' स्वादिष्ट केक के टुकड़े विशेष रूप से श्रीमती फिश्चर के द्वारा पकाए जाते हैं। साइरिल मुस्कुराया।

क्या आप जानते हैं, मैं भी पक्षियों को प्यार करता हूँ और जब मैं तुम्हारी उम्र का था तब स्कूल जाने से नफरत करता था? डॉ० राव ने कहा।

साइरिल चकित था। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि डॉ० राव जैसे बूढ़े व्यक्ति को कभी पक्षी के घोंसले में झाँकना पसंद आया होगा। लेकिन जैसा कि डॉ० राव ने अपने बचपन के साहस की बात की उसका अविश्वास सराहनीय हो गया।

चाय के बाद डॉ० राव साइरिल को अपने कमरे में ले गए और उसे पक्षियों की कई पुस्तकें दिखाई। साइरिल ने लंबे समय तक सुंदर चित्रों को देखा।

अचानक उसने रोना छोड़ दिया, ''ओह मैंने यह पक्षी देखा है।''

''असंभव'', डॉ० राव ने कहा। ये किताबें दुर्लभ पक्षियों को दिखाती हैं और आप उनमें से कोई भी यहाँ नहीं देखोगे।

लेकिन साइरिल को यकीन था कि उसनसे चिड़िया को देखा था; वास्तव में उनमें से एक जोड़ा। अंकल! मैंने उन्हें देखा है। मैंने उनके घोंसले को एिक विशाल ओक के पेड़ में देखा है।''

डॉ० राव साइरिल के पास टहलते हुए गए और उसने जो पुस्तक पकड़ी थी उस पर नज़र डाली। एक बार फिर उसने अपना सिर हिलाकर कहा, ''मुझे यकीन है कि आप गलती कर रहे हैं, साइरिल। चैथम द्वीप का ब्लैक रॉबिन सबसे दुर्लभ पक्षियों में से एक है। आप उनमें से किसी को यहाँ नहीं देख सकते।

साइरिल ने जोर देकर कहा कि उसने कोई गलती नहीं की। दुर्लभ या साधारण, उसने निश्चित रूप से उनमें से दो को देखा है।

डॉ० राव ने कहा, तब तो क्या तुम वे मुझे दिखा सकते हो?

''हाँ, अभी, यदि आप चाहते हो।''

डॉ० राव ने झटपट अपना कोट पहना और दूरबीन निकालकर कमरे से बाहर निकल गए। साइरिल उनके पीछे था।

डॉ० राव ओक के पेड़ तक जाते समय दुर्लभ पक्षियों की बात करते रहे। जैसे ही वे उस पेड़ के पास थे साइरिल ने उत्साह से कहा, वहाँ यह घोंसला है।

डॉ० राव ने ऊपर देखा तो उन्होंने कंच के आकार का घोंसला बड़ी सफाई से शाखाओं काँटों में यू लिपटा देखा। उसने तुरंत अपनी दूरबीन निकालकर लेंस से घोंसले में देखा।

मुझे आशा है कि आपके काले रॉबिन पहले से ही सेवानिवृत्त नहीं हुए हैं। डॉ० राव ने कहा, उनकी आँखें घोंसले से चिपकी रहती हैं।

अँधेरा हो रहा है सभी पक्षी अपने घोंसले में लौट रहे थे।

अचानक डॉ० राव बुदबुदाए, ''शशत:! शान्त रहना। यहाँ एक आता है।'' देखो मैंने तुम्हें नहीं बताया? उनमें से दो हैं। साइरल चिल्लाया।

डॉ० राव ने चुपचाप पक्षियों को देखा और वे अपने घोंसले में वापस चले गए। वह विचारशील लग रहा था। ''आप सही हो, साइरिल, लेकिन कल सुबह फिर से आते हैं।''

दूसरे दिन डॉ० राव के अतिरिक्त उनकी दूरबीन उनके साथ थी।

जल्द ही दिन निकला और चिड़ियों ने अपने घोंसले से बाहर आना शुरू किया। काले पक्षी भी बाहर निकल आए। डॉ० राव और साइरिल ने तुरंत अपनी दूरबीन वहाँ केंद्रित की। उसके बाद डॉ० राव उत्तेजनापूर्वक चिल्लाए, ''हुर्रे, साइरिल! वे वास्तव में ब्लैक रॉबिन हैं। अब पेड़ पर जल्दी से चढ़े और घोंसले को देखा।''

साइरिल ऊपर चढ़ गया। ''अंकल यहाँ दो अंडे हैं'', वह पेड़ की ऊँचाई से चिल्लाया।

डॉ० राव ने खुशी से मुस्काए। उन्होंने साइरिल को दूसरे पेड़ पर चढ़ने को कहा। घोंसले में झाँका ओर प्रत्येक अंडों की संख्या को गिना। उन्होंने साइरिल के निष्कर्षों को अपनी मोटी डायरी में नोट किया।

कुछ मिनट बाद डॉ० राव ने कहा, ''साइरिल, तुम्हे पक्षियो को बचाने में मेरी मदद करनी चाहिए।

''पक्षियों को बचाओ?''

''हाँ! क्या अभी हमने चैथम द्वीप में काले रॉबिन को देखा है। उनमें से केवल पाँच, तीन मादा और दो नर जीवित हैं। वे मंगेर द्वीप पर हैं। न्यूजीलैंड के पूर्वखुद को छोड़ दिया, पक्षियों को बिना गुणा किया मर जाएगा और फिर पृथ्वी पर और अधिक काले रॉबिन नहीं होंगे।''

''क्या हमारे काले रॉबिन भी मर जाएँगे?'' साइरिल ने उत्सुकता से पूछा।

''नहीं हम उन्हें मरने नहीं देंगे। हम उन्हें बचा लेंगे।

''लेकिन कैसे?''

हम उनके अंडे चुरा लेंगे और दूसरे घोंसले में उनके अंडों के साथ रख देंगे। काले रॉबिन ताजे जोड़े के अंडे देंगे। इस तरह से हम हर मौसम में अंडों की संख्या को दो गुना कर सकते हैं।''

''क्या हम अब अंडे चोरी कर सकते हैं?'' साइरिल ने उत्सुकता से पूछा।

''हाँ! लेकिन हमें बेहद सावधान रहना होगा। खाली हाथों का प्रयोग बहुत जोखिम होगा क्योंकि अंडे बहुत छोटे और नाजुक होते हैं और नम और कंगे हाथ अंडों के छिद्रों से सीधे अंडों में बैक्टीरिया डाल सकते हैं।''

डॉ० राव ने अपने झोले से अनेक लेख निकाले। उससे साइरिल ने अपने हाथ धोए और उन्हें सुखए इसके बाद, उसनसे उसे किसी तरह चम्मच और एक छोटा कंटेनर दिया, दोनों एक कीटाणुनाशक में घुल गए।

अंतत: उन्होंने अपनी डायरी की सहायता से साइरिल को दो चहचहाने वाले घोंसले दिखाए जिससे वे काले रॉबिन के अंडे हस्तांतरित कर सके। साइरिल ने निर्देशों का पालन किया और उसने दोनों ही घोंसलो में एक-एक अंडा स्थानांतरित कर दिया। दो पेड़ों में निशान थे।

''अब हमें ब्लैक रॉबिन का घोंसला नीचे खींचना होगा,'' डॉ० राव ने कहा, ''केवल ब्लैक रॉबिन ने नए घोंसले का निर्माण किया और उसमें नए अंडे दिए।'' साइरिल तेजी से दौड़ा और कप के आकार के छोटे से घोंसले को नीचे खींचा। मैं इसे एक स्मारिका के रूप में रखने जा रहा हूँ। उसने डॉ० राव से कहा।

वापस जाते समय डॉ० राव ने कहा, इस प्रयोग को सफल बनाने के लिए साइरिल आपको कड़ी महनत करनी होगी। बेशक, मेरे कुछ दोस्त जल्द ही आएँगे और पड़ाव डालेंगे। आप उनकी मदद करेंगे, आप नहीं करेंगे?''

हाँ, साइरिल ने कहा, निश्चय ही मैं ब्लैक रॉबिन्स को बचाने में मदद करूँगा।''

''हमने इस मौसम के लिए पर्याप्त किया है,'' डॉ० राव ने समझाया, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे तीन या चार बार अंडे रख सकते हैं, लेकिन हमें उन्हें थकाना नहीं चाहिए।''

डॉ० राव ने मि० और मिसेज़ फिश्चर को बताया कि अद्‌भुत कार्य के बारे में साइरिल पृथ्वी पर सबसे दुर्लभ पक्षी में से एक को संरक्षित करने के लिए कार्य कर रहा है।

वे सुखद आश्चर्यचकित हुए जब अखबार के पेज पर साइरिल की तस्वीर छपी हुई देखी। अखबार के एि लेख में कहा गया है कि उन्होंने अपने गाँव के दो दुर्लभ पक्षियों को देखा, उनके अंडे स्थानांतरित किए और उनकी देखभाल की, और उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप दुनिया में और अधिक ब्लैक रॉबिन्स होंगे।

उस रात श्रीमती फिश्चर ने अपनी मेज पर साइरिल को अध्ययन करते हुए पया।

''साइरिल! वह आश्चर्यचकित थीं। तुम भूगोल का अध्ययन कर रहे हो?''

''आपको आश्चर्य चकित होने की आवश्यकता नहीं है, मम्मा,'' साइरिल ने उत्तर दिया। ''यदि मैं भूगोल का अध्ययन नहीं करता और स्कूल नहीं जाता तो मैं पक्षियों का विशेषज्ञ कैसे बन सकता हूँ?''

Comprehension

A. **1.** (b) coat **2.** (c) eleven **3.** (a) tea **4.** (b) Cyril **5.** (a) give lectures on birds

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (F)

C. **1.** Cyril was a wilful, eleven-year-old boy, who disliked being in classroom. What he liked doing instead was to climb trees and to peep into birds' nests. His parents were embarassed at his behaviour because he had created a scene in front of Dr Gopal Rao, who was staying with them. **2.** Cyril was startled when he came to know that Dr Rao hated going to school as he couldn't believe that an old man like Dr Rao could have ever liked to peep into a bird's nest. **3.** Cyril and Dr Rao shared the common interest of studing the birds. **4.** Dr Rao was anxious to save the black robins because they were the rare birds. He planned to double the number of eggs by trick as he said to Cyril, "We'll steal their eggs and put them with the eggs in other nests. The black robins will than lay a fresh set of eggs. This way we can double the number of eggs every season.'' **5.** Cyril suddenly took an interest in geography because, if he didn't study geography and didn't go to school, how could he became an expert on birds. **6.** Mr and Mrs Fischer were pleasantly surprised when they saw Cyril's photograph splashed across the page of a newspaper.

Grammar and Activity

A. **1.** painter **2.** bowler **3.** wrestler **4.** manager **5.** rider **6.** governor **7.** runner **8.** employer **9.** collector **10.** instructor

B. homeless, harmless, jobless, shameless, thankless, merciless, useless, worthless

C. **1.** He is ill so he will not play today. **2.** He has slept because he was tired. **3.** He did not speak because he was angry with me. **4.** We were late so we missed our train. **5.** He is a doctor so he cannot make buildings.

English Class–8

1 : Three Days to See

मैंने अक्सर यह सोचा है कि यदि हर आदमी अपने आरंभिक व्यस्क जीवन में कुछ दिनों लिए दृष्टिहीन और बहरे को सता रहा हो तो वह वरदान हो सकता है। अंधेरा उसे अधिक प्रशंसनीय बना देगा और चुपपी उसे ध्वनि की खुशियाँ सिखा देगी। मैं देख नहीं पा रहा हूँ कि मुझे केवल स्पर्श से आनंद लेने वाली सैकड़ों चीज मिल गई हैं। मैं एक पत्ती के नाजुक समरूपता महसूस करता हूँ। मैं अपने हाथों को प्यार से चिकनी त्वचा के बारे में पारित कर देता हूँ। सिल्वर वर्च या किसी देवदार के खुरदुरे, झबरा छाल। बसंत ऋतु में मैं एक कली की तलाश में पेड़ों के वृक्षों को छूता हूँ। जो सर्दी की नींद के बाद प्रकृति में जागृति का पहला संकेत है। कभी-कभी मैं बहुत भाग्यशाली हूँ; मैं एक छोटे से पेड़ पर धीरे से अपना हाथ रखता हूँ और पूरे गीत में एक पक्षी के खुश तरकश को महसूस करता है।

कभी कभी मेरा दिल इन सब चीजों को को देखने की लालसा से रोता है। अगर मैं केवल स्पर्श से इतना आनंद प्रापत कर सकता हूँ, तो दृष्टि से कितना अधिक सौंदर्य प्रदीप्त होगा और मैंने कल्पना की है कि क्या मुझे यह देखना पसंद है कि मुझे अपनी आँखों का उपयोग मिला ह ै या नहीं, तो तीन दिन से कहो।

मुझे इस अवधि को तीन भागों में विभाजित करना चाहिए। पहले दिन मुझे

उन लोगों को देखना चाहिए जिनकी दयालुता और सुहानुभूति न मेरी जिंदगी जीने लाया बना दी है।

मैं नहीं जानता कि एक दोस्त के दिल में देखने के लिए कि 'आत्मा की खिड़की' आँख के माध्यम से है। मैं केवल अपनी उँगलियों के माध्यम से चेहरे की रूपरेखा देख सकता हूँ। मैं अपने दोस्तों को उनके चेहरे की भावना से जानता हूँ। अगले दिन मुझे क्रोधित के साथ उठना चाहिए और रोमांचकारी चमत्कार देखना चाहिए। जिसके द्वारा रात दिन में तब्दील हो जाती है। मुझे उस भव्य दृश्य-पटल का विस्मय देखना चाहिए जिससे सूर्य पृथ्वी को नींद से जगा सके। आज मुझे अतीत तथा वर्तमान विश्व के उतावली दर्शन के लिए समर्पित होना चाहिए। वहाँ मेरी आँखों से पृथ्वी के पशुओं का उनके परिवेश में चित्रण दिखाई देता है। डाइनोसौरों और मसोरों की विशालकाय शवों जो मनुष्य थे। मनुष्य के सामने अपने छोटे स्तर और ताकतवर दिमाग से जीव-जंतुओं पर विजय प्राप्त करते थे।

अगली सुबह मुझे फिर से सुबह की शुभकामनाएँ देनी चाहिए, नई खुशी, सुंदरता के नए खुलासे खोजने के लिए उत्सुक होना चाहिए। आज यह तीसरा दिन, मैं पुरुषों की भीड़ के बीच, जीवन के व्यवसाय के बारे में, काम की दुनिया में बिताऊँगा शहर मेरा गंतव्य बन जाता है।

सबसे पहले मैं एक व्यस्त कोने में खड़ा हूँ, केवल लोगों को देख रही हूँ, उन्हें देखते हुए उनके दैनिक जीवन के बारे में कुछ समझने की कोशिश करती हूँ। मैं मुस्कुराता हूँ, और मै खुश हूँ। मैं गंभीर दृढ़ संकल्प देख रहा हूँ, और मुझे गर्व है। मैं पीड़ा देख रहा हूँ और मैं दयालु हूँ।

आधी रात को स्थाई रात मेरे ऊपर फिर बंद हो जाती है। स्वभाविक है कि इन तीन दिनों में केवल इतना ही नहीं देखना है जितना मैं देखना चाहता था। तभी जब अंधेरा छा गया होता और मुझे पता चलता कि मैंने आदृश्य कितना बचा रखा है।

मैं जो अंधा हूँ, उन लोगों को एक संकेत दे सकता है जो देख सकते हैं अपनी आँखों का प्रयोग कर जैसे कल आप अंधे हो जाएँगे और यही तरीका आपके अन्य इंद्रियों पर भी लागू किया जा सकता है। उस संगीत को सुने, एक पक्षी का गीत एक आर्केस्टा की जबरदस्त तंत्रियाँ, मानों कल तुम बहरे हो। प्रत्येक वस्तु को स्पर्श करे जैसे कल तुम्हारा स्पर्श अर्थ असफल हो जाएगा। फूल और परफ्यूम सूँघे, हर निवाले का स्वाद चखकर चख लें जैसे कल तुम फिर कभी गंध और स्वाद नहीं पा सकते हो। हर अर्थ का सबसे अधिक आनंद और सौंदर्य के सभी पहलुओं में महिमा, जिसे विश्व अनेक संबंधों के माध्यम से आपको प्रकट करता है, जिसे प्रकृति ने प्रदान किया है। लेकिन सभी इंद्रियों के मुझे यकीन है कि दृष्टि सबसे हर्षजनक होना चाहिए।

Comprehension

A. **1.** (b) hundreds **2.** (a) three **3.** (c) sight **4.** (b) blind, deaf **5.** (b) five.

B. **1.** (F) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (F) **6.** (T)

C. **1.** The writer, who can not see, finds hundreds of things to interest her through mere touch. She feels the delicate symmetry of a leaf. She passes her hands lovingly about the smooth skin of a silver birch or the rough shaggy bark of a pine. In spring, She touches the branches of trees hopefully in search of a bud, the first sign of awakening Nature after her winter's sleep. Occasionally, she is very fortunate; she places her hand gently on a small tree and feel the happy quiver of a bird in full song. **2.** The writer says that it would be a blessing if everyone were struck blind and deaf once in their life time because, according to writer, darkness would make him more appreciative of sight; and silence would teach him the joys of sound. **3.** If writer were given the eyes for just three days, then in this period she wants to do with her eyes as : (i) On the first day, she would want to see the people whose kindness and companionship have made her life worth seeing. (ii) The next day, she would arise with the dawn and see the thrilling miracle by which night is transformed into day. This day she would devote to a hasty glimpse of the world, past and present. She would want to see the pageant of man's progress, and so she would go to the museums. There her eyes would see the condensed history of the earth-animals and the races of men pictured in their native environment; gigantic carcasses of dinosaurs and mastrodoms that roamed the earth before man appeared. (iii) On the third day, in the morning, she would again greet the dawn. Then, she would spend this day in the workaday world. The city would become her destination. First, she would stand at a busy corner, merely looking at people, trying by sight of them to understand something of their daily lives. She would see smiles and be happy. She would see serious determination, and be proud. She would see suffering, and be compassionate. **4.** We think the writer divides her 'three days to see' in the way she does because at times, her heart cries out with loging to see all those things that she imagines to see. We think that the second day of the three days she would enjoy the most. **5.** The writer wants to give one hint to the people who can see that they should use their eyes as if tomorrow they would be stricken blind, and the same method could be applied to their other senses.

Grammar and Activity

A. **1.** taste **2.** feel **3.** see **4.** hear **5.** smell

B. Darkness—Companionship, Silence—laughter, Magnificent panorama—Sorrow

C. **1.** It was so dark that Sir William could see nothing. **2.** My house is so big that I can accomodate sixty guests. **3.** Mr John was so cruel that he did not know mercy. **4.** He was so old that he could not run fast. **5.** Mrs Bush is so poor that she cannot buy costly dresses.

D. Do yourself.

2 : This is Jody's Fawn

जोडी ने अपने विचारों को फोन में वापस जाने की अनुमति दी। वह अपने दिमाग से इसे बाहर नहीं रख सका। उसने इसे अपने सपनों में अपनी बाँहों

में रखा था। वह मेज से फिसल गया और अपने पिता के बेड की ओर गया। किंतु आँखे अभी तक अंधेरा में थी और स्पष्ट थी लेकिन शिष्य अभी भी अंधेरे में और पतले थी। जोडी ने कहा, पा ''तुम कैसा महसूस कर रहे हो?''

''बस ठीक, बेटा। पुरानी मौत कहीं और चली गई है। लेकिन यह एक करीबी डाढ़ी नहीं थी।'' मैं सहमत हूँ पैनी ने कहा, ''मुझे तुम पर गर्व है, बेटा, जस तरह से अपने अपना सिर रखा था और जो आवश्यक था वही किया।''

''पा''

''हाँ बेटा!''

''पा, क्या आप मृगी और पीले रंग वाली को स्मरण करते हैं?'' मैं उन्हें कभी नहीं भूल सकता। गरीब हो सकता है कि फॉन अभी भी वहाँ मौजूद हो। हो सकता है वह भूखा हो और बहुत डरा हुआ हो।

''मुझे ऐसा लगता है।''

''पा मैं एक बड़ा लड़का हूँ अब और दूध पीने की कोई आवश्यकता नहीं है। मैं क्यों न जाऊँ और देखूँ कि मुझे फॉन मिल सकत है या नहीं?''

''और इसे यहाँ ले आए?''

''और इसे बढ़ाए।''

पैनी चुपचाप अधिकतम हद तक लेटा रहा।

''बेटे, तुम मुझे अंदर ले चलो।''

''मैं इसे आगे बढ़ाने में ज्यादा समय नहीं लूँगा, पा। यह जल्दी ही पत्ते और बलूत का फल खाना शुरू कर देंगे।

''तुम अपनी उम्र के लड़को से ज्यादा स्मार्ट हो।'' ''हमने उसकी माँ को उठाया और उसमें कोई दोष नहीं था।''

''निश्चित रूप से यह इसे भूखा, छोड़ने के लिए कृतहन लगता है। बेटा मैं तुम्हे 'नहीं' नहीं कह सकता। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक और दिन देखने के लिए जिऊँगा।''

''क्या मैं मिल व्हील के साथ वापस जा सकता हूँ और देख सकता हूँ कि क्या मैं इसे पा सकता हूँ। ''अपनी माँ को बताओ कि मैंने कहा तुम जा सकते हो।''

वह वापिस मेज की ओर जाकर बैठ गया।उसकी माँ सभी के लिए कॉफी डाल रही थी।

उसने कहा, ''माँ, पा ने कहा कि मै फॉन को वापस ला सकता हूँ।''

उसने कॉफी के बर्तन को बीच-हवा में पकड़ा।

''क्या फॉन?''

''हमने पीले रंग वाली मृगी को मार डाला। हमें मृगी के जिगर के जहर को निकालना है ओर बचाना है पा।''

वह हाँफने लगी।

''ठीक है, दया के लिए''

''पा कहते हैं कि इसे भूखा छोड़ना कृतघ्न होगा।''

डॉक विल्सन ने कहा, यह सही है, मेम। संसार में कोई भी कॉफी फ्री नहीं आता। लड़के का अधिकार और उसके पिता का अधिकार।''

चक्की का पहिया कहता है, ''चलो भाई वह मेरे साथ मेरे पीछे सवारी कर सकता है। मैं इसमें तुम्हारी मदद करूँगा।''

वह असहाय पॉट में बैठ गया। ''अच्छा, यदि ाप इसे अपना दूध दे देगे हमें इसे खिलाने के लिए और कुछ नहीं मिला है।

चक्की के पहिये ने कहा, ''चलो भाई। हमे सवारी करनी पड़ती है।''

मा बास्टर ने उत्सुकता से पूछा, आप लंबे समय तक नहीं जा पाएँगे।

जॉडी ने कहा, निश्चय ही मै रात के भोजन से पहले आ जाऊँगा।'' चक्की के पहिये ने घोड़े पर सवार होकर जॉडी को पीछे खींच लिया।

उसने चक्की के पहिए से कहा, ''क्या तुम्हारे विचार में हल्के पीले रंग वाला अभी तक वहाँ है? क्या तुम मेरी मदद करोगी?

''यदि वह जीवित है तो हम उसे ढूँढ़ लेगे। वह एक है तुम कैसे जानते है?''

सभी निशान एक पंक्ति में थे। एक मृगी हल्के पीले रंग पर, पा ने कहा, निशान मार्ग में सभी जगह है...''

जोडी ने मृगी पर अपने विचरों की खुद को हवाले कर दिया। उन्होंने परिव्यक्त समाशोधन पारित कर दिया। उसने कहा, ''चक्की के पहिए, उत्तर की ओर काटो। यहाँ था कि पा को साँप ने काट लिया और डो की मार डाला और मैंने फॉन को देखा।''

अचानक जोडी उसके साथ चक्की पकड़ने को तैयार नहीं था। यदि फॉन मर गया था, अथवा नहीं मिल सका, तो उसकी निराशा नहीं दिख सकी। यदि फॉन वहाँ होता तो दोनों की मुलाकात इतनी प्यारी और रहस्यपूर्ण होती कि इस बात को सह भी नहीं सकते थे। उसने कहा, ''यह अब बहुत दूर नहीं है लेकिन झाड़ी घोड़े के लिए बहुत मोटी है। मैं इसे पैदान ले जाता हूँ।''

''लेकिन मैं तुम्हे छोड़ने से डरता हूँ, लड़के। यदि आप कही खो गए या आपके शरीर में साँप ने काट लिया हो?''

मैं देखीाल करूँगा। फॉन को खोजन में हो सकता है लंबा समय लगे, यदि वह भटक गया हो। मुझे यही दाँयी ओर छोड़ दो।''

''ठीक है, लेकिन आप इसे अब आसान करते हैं। वहाँ और वहाँ। वह एक लंबा सहनशील देवदार है।''

''इतना लंबा।''

''इतना लंबा, चक्की के पहिए। मै आभारी हूँ।''

उसने खुरों की आवाज के खत्म होने का इंतजार किया और दाईं ओर मुडा। झाड़ी अभी भी थी। सिर्फ उसकी खुद की टहनियों की आवाज खामोशी के पार थी। यदि वह उसकी दिशा को भूल जाता, तो उसे तुरंत आश्चर्य होता।

तभी एक बाज किस्म का उसके सामने उखड़ा हुआ और हवा में फड़फड़ा गया। वह ओक के पेड़ के नीचे समाशोधन में आया था। बाजर्ड मृगी के शव के चारों ओर एक गोले में बैठे थे। उन्होंने अपनी लंबी लंबी गर्दन पर सिर घुमाया और उस पर हाथ फेरा। उसने उन पर अपना कड़ा फेंक दिया और वे एक बगल के पेड़ में उड़ गए। रेत में बिल्ली के बड़े-बड़े निशान

दिखाई दिए लेकिन बड़ी बिल्लियों ने ताजे कत्ल किए थे और उन्होंने कैरी पक्षी को मृगी को छोड़ दिया।

जहाँ उन्होंने फॉन को देखा था उस स्थान पर घास को छोड़ा था। यह संभव नहीं था कि केवल कल ही था। फॉन वहाँ नहीं था। उसका घेरा घिरा हुआ था, वहाँ कोई आवाज नहीं थी, न कोई संकेत था। बजार्ड अपने पंख फैलाए जल्दी ही अपने कारोबार में लौट आए। वह उस स्थान पर लौट आया जहाँ फॉन आया था। रात की बारिश ने बिल्ली और बकतरों के अलावा सभी पटरियों को धोया था।

उनके सामने की ओर की गतिविधियों ने उन्हें चौंका दिया और वह पीछे से गिर गए। फॉन ने अपना चेहरा उनके पास उठा लिया उसने अपना सिर तरह-तरह से घुमा दिया। कंपन्न में कहीं स्पंदन लग रहा था। यह बढ़ने या चलाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। जॉडी अपने आप पर विश्वास नहीं किया। उसने फुसफुसाया, ''यह मैं हूँ।''

फॉन ने उसकी नाक उछाली और उसे सुगंध दी। उसने एक हाथ आगे बढ़ाया और नरम गरदन पर रख दिया। वह स्पर्श लालायित था। वह सभी चौकों पर आगे बढ़ने तक वह बगल में था। उसने अपने शरीर के चारों ओर हथियार डाल दिए। एक हल्का सा आक्षेप उसके ऊपर से गुजरा लेकिन वह नहीं हिला।

उसने धीरे-धीरे उसके दोनों तरफ घुमाया जैसे फॉन चीनी हिरण था और वह इसे तोड़ दिया। इसकी त्वचा बहुत नरम थी। यह चिकना और साफ था और गोंद की मीठी खुशबू थी। वह धीरे-धीरे सतह से उछलते हुए उठा। उसकी टाँगे ढीली लटक रही थी। आश्चर्य की बात यह थी कि उनकी बाँह के नीचे जितनी ऊँचाई हो सके उतनी ऊँचाई तक उसे फहरा जाना पड़ा।

उसे डर था कि माँ की तीखी नजर और सूँघने से वह चिढ़ जाएगा। उन्होंने समाशोधन को छोटा कर दिया और झाड़ी में अपना रास्ता धक्का दिया। उनके बोझ को तोड़ना कठिन था। झाड़ियों में फँसे फॉन पैर पकड़े हुए थे और वह स्वतंत्रता से अपना जीवन नहीं जी सके। उसने अपने चेहरे को लताओं से ढकने की कोशिश की। उसके सिर ने अपनी प्रगति के साथ झुकाया। उनका हृदय इस तरह अपनी स्वीकृति के चमत्कार से टकरात हुआ राह पर आया और वे उतनी तेजीसे चलते रहे जितनी तेजी से चलते, जब तक वे सड़क घर को अंतर्विभाजित नहीं कर सके। वह अब विश्राम करने के लिए रुक गया और अपनी लटकती टांगों पर छौनो को नीचे गिरा दिया। मैं उन पर निर्भर था।

उसने कहा, मुग्ध, ''मैं अपनी साँस लेने के बाद आपको ले जाऊँगा।''

उसने अपने पिता से यह कहते हुए याद किया कि अगर पहली मृगी को लेकर जाना होता तो फॉन उसका पीछा करेगा। वह धीरे-धीरे चलने लगा। फॉन ने उसके पीछे देखा। वह फिर से आया और सहलाने लगा। उसने कुछ बुदबुदाते हुए कदम उठाए और डाँटकर रोने लगे। वह उसके पीछे चलने को तैयार था। वह उसका था। यह उसका अपना था। वह अपने आनंद के साथ हल्के से उसे पुचकारना चाहते थे, दौड़ने के लिए, और उसके साथ दौड़ने के लिए, उसे आने के लिए कहने के लिए। वह इसे डरने की हिम्मत नहीं की।

उसने उसे उठाया और अपने दो हाथों पर उसे अपने सामने ले गया। उसे लग रहा था कि वह बिना प्रयास किए चला गया। उसकी बाँहों में दर्द होने लगा और फिर से रोकना पड़ा। चलते-चलते एकदम उसके पीछे-पीछे चल दिया। उसने थोड़ी दूर ही चलने दिया फिर इसे उठाया। दूरी घर की कुछ भी न थी। वह दिन-भर, रात-भर चलता और उसे चलाता रहा। वह पसीने से गीला था, लेकिन एक हल्की हवा चली सुबह के माध्यम से उड़ा।

उसे ठंडा आकाश एक नीला चीन कप में बसंत के पानी के रूप में स्पष्ट था। वह समाशोधन के लिए आया था। वह कुंडी से फंस गया और अंतत: उसे प्रबंधित करने के लिए फॉन को सेट करने के कलिए बाध्य हो गया। तब उसे एक विचार आया। वह घर में, पैनी के बेडरू में, उसके पीछे चलने वाले फॉन के साथ लेकिन वह कदमों से ठिठक गया। उसने उसे उठाया और अपने पिता के साथ गया। पैनी अपनी आँखे बंद करके लेट गया।

जॉडी ने कहा, ''पा! देखों! पेनी ने उसका सिर घुमा दिया। जॉडी उनके पास खड़ा था। फॉन उसके खिलाफ कर्कशता से खड़ा था। ऐसा लग रहा था कि लड़के की आँखे फव्वारे की तरह चमकीली थी। उसने कहा, ''मुझे खुशी है कि तुमने उसे पया है।''

तब जॉडी रसोई में गया फॉन उसे बाद लड़खड़ाया। रसोईघर में सुबह के दूध का एक पैन सुरक्षित था। उसने क्रीम को एक जग में उड़ेला। उसने एक तुम्बे में दूध को डाला। उसने यह फॉन के लिए किया था। दूध को सूँघते हुए वह अचानक से उठ गया। उसने इसे फर्श पर फैलने से अनिश्चित रूप से बचाया। इस लौकी में दूध का कुछ भी नहीं बन सकता।

उसने दूध में अपनी उँगलियों को डुबो दिया और फॉन का नरम गीले में डाल दिया। उसने लालच से चूसा। जब उसने उन्हे वापस ले लिया, तो यह बुरी तरह झुलसाया और उसका पीछा किया। उसने अपनी उँगलियाँ पुन: डुबोई और जैसा कि फॉन ने उसे चूसा, उन्होंने उन्हे धीरे-धीरे दूध लिया। फॉन उठा, चूसा और सूँघा। इस पर मुहर लगी है कि यह अधीर रूप से छोटे खुर है। जब तक वह अपनी उँगलियों को दूध के स्तर से नीचे रखता था। तब तक फॉन सामग्री थी। इसने अपनी आँखें स्वप्निल रूप से बंद कर दी। यह महसूस करना परमानंद था कि यह उसके हाथ के खिलाफ जीभ है। यह आगे और पीछे छोटी पूँछ है। दूध का अंतिम झाग और दुर्गंध के चक्कर में गायब हो गया।

Comprehension

A. **1.** (iii) Coffee **2.** (ii) dinner **3.** (i) spring **4.** (i) drink milk **5.** (iii) Mill-wheel.

B. **1.** (F) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (T) **6.** (T)

C. **1.** Penny Baxter allowed Jody to go find the fawn and raise it because the fawn was belonged to the doe they killed to draw out the poison. So they should not be ungreatful to leave the fawn to starve. **2.** When Doc Wilson said, "Nothing in the world ever comes quite free," he meant that no one comes in the world itself alone, it comes in the world due its mother, as the fawn. **3.** Jody bring the fawn back home sometimes in his lap, and sometimes allowing it to walk a little distance. At last, in front of his house, he picked the fawn up and went to his father. **4.** When Jody accepted the responsibility of looking after the fawn, he fed it with milk in an interesting way. He dipped his fingers into the milk and thrust them into

the fawn's soft wet mouth. It sucked greedily. He dipped his fingers again and as the fawn sucked, he lowered them slowly into the milk. As long as he held his fingers below the level of the milk, the fawn was content. **5.** When Jody's mother hears that he is going to bring the fawn home, she holds her coffee pot in mid-air and ask, "What fawn ?'' And when Jody tells her, "The fawn belonging to the doe we killed,'' she gasps and said, "Well, for pity sake." **6.** The fawn didn't follow Jody up the steps as he had thought it would because the fawn balked and thus refused to climb.

Grammar and Activity

A. **1.** Penny asked his son if he really want that. **2.** He asked Mill-wheel if he thought the fawn was there. **3.** He asked Mill-wheel if he would help him to find him. **4.** Mill-wheel asked if he rode back with him. **5.** He said if that was up there that Pa got bitten by the snake.

B. **1.** many **2.** much **3.** much **4.** many **5.** many

C. Do yourself.

3 : Taro's Reward

तारो नाम का एक युवा लकड़हारा अपने माँ-बाप के साथ एक निर्जन पहाड़ी पर रहता था। दिन भर वह जंगल में लकड़ी काटता रहता यद्यपि उसने कड़ी मेहनत की, फिर भी उसने बहुत कम पैसा कमाया। इससे वह उदास हो गया क्योंकि वह एक विचारशील बेटा था। और अपने माता-पिता को यह सब कुछ देना चाहता था जिसकी उन्हें आवश्यकता थी।

एक शाम जब तारो और उसके माता-पिता अपनी झोंपड़ी के एक कोने में बैठे थे, तेज हवा बहने लगी। झोंपड़ी की दरारों में से वहाँ से बाहर निकला अचानक तारो के पिता ने कहा, ''मेरा मानना है कि मेरे लिए एक कप था, यह गर्म होगा। मैं और मेरे पुराने दिल अच्छा करते हैं।''

इससे तारो पहले से कही ज्यादा दुखी हो गया क्योंकि खातिर दिल का दर्द पीने के लिए बहुत महँगा था। मैं अधिक धन कैसे कमाऊँ? उन्होंने अपने-आप से पूछा, मेरे इस गरीब बूढ़े पिता के लिए थोड़ी-सी क्या जररुत है? उन्होंने पहले से अधिक कठोर श्रम करने का निश्चय किया।

अगली सुबह जल्दी से जल्दी तारों बिस्तर से कूदा और जंगल की तरफ चल दिया। जैसे ही सूरज चढ़ने लगा, काटा, काटा, काटा और काटा और जल्द ही वह इतना गर्म हो गया कि उसे जैकेट उतारनी पड़ी। उसका मुँह सूख गया और उसका चेहरा पसीने से भीग गया। मेरे गरीब बूढ़े पिता! लड़के ने सोचा, ''यदि वह केवल उतना ही गर्म था जितना मैं! इसके साथ ही उसने बूढ़े आदमी की हड्डियों को गरम करने के लिए अतिरिक्त धन की खरीद के बारे में सोचते हुए उसने और तेजी से काटना शुरू किया।

तब अचानक तारो ने काटना बंद किया। वह आवाज क्या सुनाई दी? यह हो सकता है, क्या यह संभवत: पानी में बढ़ रहा है? तारो को जंगल के उस हिस्से में कभी भी कोई नदी देखते या सुनते हुए याद नहीं आ रहा था। वह प्यासा था। कुल्हाड़ी अपने हाथों से बाहर निकल गई और वह ध्वनि की दिशा में भाग गया।

तारो ने एक सुंदर छोटा झरना एक चट्टान के पीछे छिपा देखा जहाँ पानी बहता था। वहाँ घुटनों पर घुटना टेककर उसने कुछ हाथ उठाया और अपने होंठो पर रख दिया पानी था क्या? या फिर कुछ और? उन्होंने उस स्वाद को बार-बार चखा और अब यह स्वादिष्ट भी था।

तारो जल्द ही उस घड़े को अपने साथ भर लिया और घर लौट अया। बूढ़ा आदमी खुशी से झूम उठा। केवल एक घूंट पीने के बाद वह थरथरा गया ओर बीच-बीच में नृत्य करने लगा।

उस दोपहर एक पड़ोसी एक यात्रा के रुक गया। तारो के पिता ने विनम्रता से उसे एक कप खातिर पेशकश की। महिला ने इसे लालच से पियसा और बूढ़े आदमी को धन्यवाद किया। तारो ने उसे झरने का जादू बताया। उसको स्वादिष्ट पेय के लिए धन्यवाद देते हुए वे रा को जल्दी-जल्दी चल पड़ी और सारी कहानी गाँव भर में फैल गई। प्रत्येक व्यक्ति ने जलप्रपात की कथा सुनी और जलपान किया। एक घंटे से भी कम समय में घड़ा खाली था।

अगली सुबह तारो सुबह से पहले भी काम के लिए शुरू कर दिया था। वह अपने साथ सबसे बड़ा घड़ा ले गया। जब वह वहाँ पहुँचा तो उसने देखा कि उसके सारे पड़ोसियों को आश्चर्य हुआ। वे घड़े, मर्तबान, बाल्टियाँ ले जा रहे थे। जो कुछ भी वे जादू की खातिर पा सकते थे। फिर गाँव का एक जीव झरने के नीचे बैठकर पानी पीने लगा। वह बार-बार पीता रहा और गुस्से से चिल्लाया, ''पानी! पानी के अलावा कुछ नहीं। दूसरों ने भी कोशिश की, लेकिन खातिर नहीं, केवल ठंडा पानी था।

हमे धोखा दिया गया है। ''गाँव वालो ने चिल्लाकर कहा, तारो कहाँ है? हमें इस झरने में डूबने दो। लेकिन तारो इतना बुद्धिमान था कि एक चट्टान के पीछे फिसलते-फिसलते निकल पड़े कि हालत कैसी होती जा रही है। वह कही नहीं पाया जा सकता था।

लोग क्रोध और निराशा में बड़बड़ाते हुए जगह-जगह एक-एक करके चले जाते। अपने छिपने के स्थान से तारो बाहर आया। यह सच था, उसने सोचा क्या यह सपना था? एक बार फिर उसने अपने हाथों में थोड़ा सा तरल पकड़ा और अपने होंठो पर रख दिया। इसका एक ही कारण था विचारशील बेटे का जादू झरना स्वादिष्ट कर दिया। बाकी सभी को केवल ठंडे पानी ही दिया जाता था।

तारो और उसके जादू का झरना जापान के सम्राट तक पहुँच गया। उसने एक छोटे लकड़हारे को बुलवाया और उसे तुरंत इतने अच्छे और दयावान होने के कारण बीस स्वर्ण भेंट की। तो तारो ने बाद में शहर में सुंदर फव्वारा का नाम दिया। सम्राट ने कहा, यह बात सभी बच्चों को माता-पिता के सम्मान और आज्ञा पालन के लिए प्रोत्साहित करना था।

Comprehension

A. **1.** (c) forest **2.** (b) sake **3.** (c) twenty **4.** (a) pitcher **5.** (c) cold water

B. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (F) **6.** (T)

C. **1.** Taro was a young woodcutter. He wanted to give his old parents everything they needed. **2.** Taro run in the direction of the stream because he was thirsty. **3.** After drinking sake, Taro's father stopped shivering and did a little dance to show his happiness. **4.** The

waterfall gave sake to Taro because he was a thoughtful son, and water to others because they were greedy. **5.** The villagers want to drown Taro because they thought that they had tricked by Taro as they found only cold water in the waterfall, not sake. **6.** The Emperor of Japan rewarded Taro for having been so good and kind.

Grammar and Activity

A. **2.** The teacher has a sore throat, he has been teaching for two hours. **3.** Madhulika is anxious, she has been waiting for exam result. **4.** Ravi and Kunal look annoyed, they have been arguing. **5.** Prajwal's shoes are dirty, he has been playing in the mud. **6.** The boys are tired, they have been working hard.

B. **1.** Ishaan has been repairing his bicycle since morning. **2.** Vibhuti has been reading a book for an hour. **3.** Mom has been cooking for three hours. **4.** Akash has been writing a story for two hours. **5.** Anuj and Suneet have been talking on phone for an hour.

C. Do yourself.

D. Do yourself.

4 : Mama's Hands

मैंने आपको अपने हाथ लाइन में छिपाए देखा,

उस महिला मेले के पीछे,

मैंने भी देखा, उसकी देखभाल से नरम और सफेद बेदाग।

लेकिन माँ, मैं कहता हूँ

यह आप की तरह काम करने के लिए कोई

अपमान नहीं है, और वह तुम्हारी तरह

जीवन जी रहा था और उसके भी हाथ

तुम्हारी तरह के होते हैं।

लेकिन उसके हाथ कभी लकड़ी में नहीं घुसे हैं,

या भगवान की अच्छी धरती में काम किया है।

उन्होंने भारी मात्रा में संग्रह के लिए कड़वे ठंड

या कटी हुई बर्फ महसूस नहीं की है।

उन्होंने कभी बीमार लोगों को नहीं लगाया है,

या घोड़े के हुक को पहना है।

उन्होंने एक बछड़े को, या खलिहान में पानी

भरा हुआ नहीं दिखाया।

उन्होंने शायद कभी नीले जींस को मरम्मत नहीं किया,

या रफू को गर्म मोजा पहना था।

उन्होंने एक युवा को कभी नहीं छुआ है

न ही एक फटे हुए सिर को सहलाया,

हाथों से इतना धीरे मुड़ा हुआ,

अपने बिस्तर के बगल में सारी रात।

उन्होंने रसोई के फर्श को कभी भी रगड़ा नहीं है

और बर्तन में रोज खाना नहीं बनाया है।

उन्होंने उन हाथों से मार्गदर्शन नहीं किया है।

एक बच्चा जिसने रास्ता खो दिया।

उन्होंने प्यार के हाथ से आकार के

एक क्रिसमस उपहार कभी नहीं बनाया है,

वे सेब नहीं उड़ा सकते है

न ही सब्जियाँ उन्होंने डिब्बाबंद करी है।

उन्होंने छाला या घट्टो को दिखाने के

लिए कभी नहीं पहना है

क्योंकि उन्होंने दूसरों के लिए क्या किया,

और दयालुता मुझे पता है।

इसलिए आपने देखा, मेरी प्यारी माँ

तुम्हारा प्यार का हाथ है।

और मैं शर्त लगाता है कि जब वह

आपको ऊपर से स्वागत करता है तो

प्रभु ध्यान देगा।

Comprehension

A. **1.** ✓ **2.** ✓ **3.** ✓ **6.** ✓ **7.** ✓ **8.** ✓ **9.** ✓

B. **1.** We think the poet is proud of his mother because his mother has the hands of love and she does all the works of home with them. **2.** The poet's mother hides her hands because they are rough, calloused and chapped because of all the work she does around the house. **3.** The fair lady's hands never guided a child who's lost his way. **4.** "So you see, my dearest Mama yours are hands of love,'' the poet say so, because his mother does all the work around the house due to her love for her family members. **5.** The hands of other ladies are different from poet's Mama's hands as they are soft and white, very clean and tidy because they do not take care for others. **6.** 'Mama's Hands' represent a mother whose heart is full of love for her family members and, so she does all the work around the house, for them.

Grammar and Activity

A. **1.** unfull **2.** incredible **3.** illegal **4.** inaudible **5.** unsuccessful **6.** unusual **7.** invisible **8.** non-violent

B. **1.** hurried **2.** stopped **3.** pitied **4.** lied **5.** giving **6.** laughed **7.** posted **8.** trapped

5 : Sound Sensations from Evelyn

Glennie

भूमिगत ट्रेन प्लेटफार्म पर स्थिति के लिए भीड़ के घंटे भीड़द्य इस बीच आने वाली गाड़ी का कंपन्न। यह उसका पहला दिन था। लंदन की प्रतिष्ठित रॉयल अकादमी में और स्कॉटिश फार्म से किसी भी किशोर के लिए पर्याप्त चुनौती पूर्ण था। लेकिन इस आकांक्षी संगीतकार को सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। वह गहराई से बहरी थी।

एवालिन ग्लेनरी की सुनवाई का नुकसान धीरे से उसकी माँ को याद है जब कि आठ साल की एवलिन पियानो बजाने का इंतजार कर रही थी। तो कुछ गड़बड़ हो गई थी जिसका नाम वे बजाते थे ओर वह उससे हिल नहीं गई थी। मैंने अचानक अहसास किया कि उसने नहीं सुना था। इशोबेल ग्लेनिन कहते हैं कुछ समय से एवलिन ने अपने दोस्तो और शिक्षकों से अपनी बढ़ते बहरेपन को छिपाने में कामयाब रहे। लेकिन जब वे ग्यारह वर्ष की थी तब तक उनके अंक बिगड़ गए थे और उनकी प्रधानाध्यापक ने अपने माता-पिता से आग्रह किया कि वह उन्हे किसी विशेषज्ञ के पास ले जाएँ। उस समय यह पता चला कि क्रमिक तंत्रिका क्षति के कारण उनका श्रवण गंभीर रूप से बाधिन हुआ था। उन्हें यह सलाह दी गई कि उसे श्रवण यंत्र दिया जाए और बहिरों के स्कूल भेजा जाए। एलविन कहते हैं, ''सब कुछ अचानक काला दिख रहा था।''

लेकिन एवलिन ने हार नहीं मानी। वह एक सामान्य जीवन बिताने और संगीत में रुचि बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प थी। एक दिन उसने एक लड़की को जोलोफोन खेलते देखा और फैसला किया कि वह इसे भी खेलना चाहते थे। ज्यादातर शिक्षकों ने उन्हें हतोत्साहित किया, लेकिन तालवादक रॉय ने उनकी क्षमता को देखा। उन्होंने दो बड़े नाटकों को अलग-अलग स्वरों में मिलाया। ''अपने कानो के माध्यम से मत सुनो, वह कहेंगे इसे किसी अन्य तरीके से समझने की कोशिश करो।'' एवालिन कहते है, ''अचानक मझे एहसास हो गया कि मै कमर से ऊपर और नीचे से नीचे वाले ढील को महसूस कर सकता था।'' इस अभ्यास को बार-बार दोहराया गया और शीघ्र ही एवलिन को पता चल गया कि अपने शरीर के विभिन्न भागों में कुछ तथ्यों की समझ सकती है। मैंने अपने दिमाग और शरीर को ध्वनि और कंपन खेलने के लिए सीखा था।'' बाकी सरासर दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत थी।

उस समय से उसने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा था। वह यूनाइटेड किंगडम में एक युवक आर्केस्ट्रा की मदद से गई थी और जब वह सोलह वर्ष की थी तब तक उसने संगीत का रॉयल अकादमी में ऑडीशन के लिए एक और रन बनाए। अकादमी में ऑडीशन के लिए एक ओर रन बनाए। अकादमी के इतिहास में सर्वोच्च अंक आर्केस्ट्रा के कार्य से वह धीरे-धीरे एकल प्रदर्शन में आ गई। तीन साल के अपने पाठ्यक्रम के अंत में, उन्होंने शीर्ष पुरस्कारों पर कब्जा कोई भी वीर उपलब्धि का संकेत स्वीकार नहीं करेगा। ''यदि आप कड़ी मेहनत करते है और जानते है कि आप कहाँ जा रहे है तो आप वहाँ पहुँचेगे।'' और वे दुनिया के सबसे माँग के बाद के करीब 1000 उपकरणों पर अधिकार रखती है, और एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम बनाती है।

यह सुनवाई के बिना इतनी आसानी से ईवालिन समारोह देखने के लिए पेचीदा है। हमारी दो घंटे की चर्चा में उसने कभी भी एक शब्द नहीं गवाँ दिया, जंगली दाढ़ी वाले पुरुष मुझे परेशान करते हैं, वह हँसे। यह सिर्फ होठ नहीं देख रहा है, यह पूरे चेहरे और विशेष रूप से आँखे।'' वह एक स्कॉटिश लिस्ट के साथ निर्दोष बोलती है वे कहती है ''मेरी बातचीत से स्पष्ट है क्योंकि मै ग्यारह वर्ष की उम्र तब सुन सकता था। लेकिन वह यह नही समझाता कि उसने किस तरह फ्रांसीसी और मास्टर बुनियादी जापानी सीखने में कामयाब रहे।

संगीत के लिए, वह बताती है, कि यह मेरे शरीर के हर हिस्से के माध्यम से डालता है। यह त्वचा में अनुभव कराती है, मेरे गालो की हड्डियाँ और यहाँ तक कि मेरे बालों में, जब वह जाइलोफोन खेलती है, वह यह महसूस कर सकती है कि स्टिक उसकी उँगलियों के पोरों में चली जाती है। ढोल के सहारे से वह अपने शरीर में गूँज की गूँज को महसूस कर सकती है। लकड़ी के चबूतरे पर वह अपने जूते उतार देती है ताकि कंपन उसके नंगे पैरों से होकर आ जाए।

आश्चर्य की बात नहीं एवलिन अपने दर्शकों को प्रसन्न करते हैं। 1991 में उन्हे शाही फिलहारवादी सोसाइटी के पुरस्कार के प्रतिष्ठित सोलोवादक नियुक्त हुए। मास्टर तालवादक जेम्सब्लेड कहते हैं, ''भगवान ने उसे सुनवाई ले सकते है लेकिन उन्होने उसे वापस कुछ असाधारण दिया है। जो हम सुनते हैं, वह महसूस करती है। हममें से से किसी से भी ज्यादा गहरी। यही कारण है कि वह इतनी खूबसूरती से संगीत व्यक्त करती है।

एवलिन कबूल करती है कि वह एक काम के आदी है। मुझे बस काम करना है। शास्त्रीय संगीतकारों की तुलना में कठिन अवसर लेकिन पुरस्कार बहुत बड़ा है। नियमित संगीत गोष्ठियों के अलावा एवलिन यहाँ जोलो और अस्पतालों में मुफ्त संगीत कार्यक्रम भी देते हैं। यह युवा संगीतकारों के लिए कक्षाओं को उच्च प्राथमिकता भी देती है। बर्न बच्चों के लिए बीथोवेन फंड के एन रिमलिन का कहना है, ''वह बहरे बच्चों के लिए बीथोवेन फंड के एन रिमालिन का कहना है। ''वह बहरे बच्चों के लिए चमकती प्रेरणा है। वे देखते है कि कही नहीं है वे नहीं जा सकते।

''एवलिन ग्लेनी ने पहले ही अपनी उम्र में दो बार से अधिक लोगों को पूरा किया है। उसनसे ऑर्केस्ट्रा के आगे प्रहार किया और बताया कि यह चलता-फिरता है। उन्होंने अपंगो को प्रेरणा दी है, वे लोग जो उनको देखते हैं और कहते हैं, यदि वे ऐसा कर सकती है तो मैं कर सकती हूँ।'' और उन्होंने करोड़ों लोगों को अगर आनंद भी दिया है।

Comprehension

A. **1.** (ii) London **2.** (iii) seventeen **3.** (iii) eleven **4.** (i) young **5.** (iv) xylophone.

B. **1.** (F) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (F) **5.** (F) **6.** (T)

A. **1.** Evelyn Glennie lost her hearing capacity from the age of eight years, gradually. **2.** Master percussionist James Blades said about Evelyn Glennie, "God may have taken her hearing but He has given her back something extraordinary. What we hear, she feels far more deeply than any of us. That is why she expresses music so beautifully." **3.** Evelyn Glennie toured the United Kingdom with a youth archestra, and by the time she was sixteen, she had decided to make music her life. She auditioned for the Royal Academy of Music and scored one of the highest

marks in the history of the academy. She gradually moved from archestral work to solo performances. At the end of her three-year course, she had captured most of the top awards. **4.** Ron Forbes was a percussionist. He helped Evelyn Glennie in such a way that, he began by tuning two large drums to different notes. Forbes repeated the exercise, and soon Evelyn discovered that she could sense certain notes in different parts of her body. **5.** While Evelyn Glennie was deaf, she sense the music in a strange way. When she plays the xylophone, she can sense the sound passing up the stick into her fingertips. By leaning against the drums, she can feel the resonances flowing into her body. On a wooden platform, she removed her shoes so that the vibrations pass through her bare feet and up her legs. **6.** Evelyn Glennie has already accomplished more than most people twice her age. She has brought percussion to the front of the orchestra and demonstrated that it can be very moving. She has given inspiration to those who are handicapped. In 1991, she was presented with the Royal Philharmonic Society's prestigious Soloist of the Year Award.

Grammar and Activity

A. **2.** The coffee is too strong to my liking. **3.** Raman was too busy to talk to me. **4.** She has too many students in the class to give individual attention. **5.** The professor spoke slowly enough to be understood by the foreign student. **6.** The car is large enough to be seated six people comfortably. **7.** None of the mangoes is ripe enough to be eaten by us. **8.** He was too proud to apologize.

B. Do yourself.

6 : Dal Delight

सादिक अपने पिता के खाने के स्टाल में बैठा था, लखनऊ की एक छोटी सी गली में, बिरयानी की एक थाली से उड़ते हुए ब्रुश, जब उसने देखा कि एक रेशम में एक आदमी अचकन में एक घोड़े से उतर रहा है, उसके दरवाजे पर। दो सेवकों ने उस आदमी का पीछा किया।

देखों अमीर क्या वह यहाँ आ रहे हैं? सादिक ने आश्चर्य किया।

सादिक के पिता मौहम्मद कादिर ने कबाब को देखा, वह फ्राई हो रहे थे, जैसे ही एक बूढ़े ने आकर कहा, नवाब हसन आली आ चुके हैं। रेशम में आदमी ने प्रवेश किया और अपने छोटे से दुकान को देखा।

मैंने सुना है कि आप एक प्रसिद्ध कुक, मौहम्मद कादिर है। उन्होंने एक उबाऊ आवाज में कहा।

मुझे नए व्यंजन चखना पसंद है। तुमने क्या अच्छा बनाया है?

''दाल'' सादिक के पिता ने कहा और कबाब को तला है। ''दाल? केवल दाल'' नवाब ने आश्चर्य से कहा। कादिर ने शांतिपूर्वक कहा कि मैं बिरयानी और कोरमा और तरह-तरह के व्यंजन बना सकता हूँ लेकिन आपने मुझसे पूछा कि सबसे अच्छा व्यंजन मैं क्या बनाता हूँ।

''लेकिन दाल! वह बहुत उत्साहवर्धक नहीं लगता। मेरे मित्र आपके खाना पकाने की बहुत प्रशंसा कर रहे थे। मुझे कुछ अद्‌भुत नए व्यंजन की उम्मीद थी।''

लेकिन आपने बनी दाल को नहीं चखा।''

''ठीक है मैं इसे चखूँगा।''

मुझे दो। अभी यह तैयार नहीं है।

''क्या?'' नवाब ने क्रोध में कहा।

मैं केवल अपने दाल शाी उरु को क्रम में बना देता हूँ। कादिर ने कहा, ''मैं एक विशेष मसाला का उपयोग करता हूँ। इस बनाने में एक दिन लगता है यदि मैं आपके सम्मान में चाहता हूँ, मैं इसे कल दोपहर के खाने में बना दूँगा।

नवाब हसन अली अनिच्छा से सहमत हो गए। मैं पास में ही रहता हूँ। तुम इसे कल मेरे घर ला सकते हो।

कादिर ने कहा, श्रीमान कृपया मुझे माफ करें, यह संभव नहीं है। सादिक ने अपने आप को झुकाया। उसके पिता हमेशा की तरह मुश्किल हो रहे थे। उसके अब्बाजान ने बहुत से ग्राहकों को खो दिया था क्योंकि वे उधम मचाते थे। नवाब अमीर लग रहा था।

नवाब हसन अली ऐसे कठोर कुक से कभी नहीं मिले थे, लेकिन वह भी खुश थे। कादिर, अब समस्या क्या है?

हुजूर मेरी दाल का आनंद लेने के लए आपको मेरी दुकान पर आना होगा। इसे काफी जल्दी खाया जाना है। इसलिए एक बार मैं आपको बुला लूँगा।''

''वास्तव में? क्या मैं देरी से आया हूँ?''

''मैं दाल को फेंक दूँगा या गरीबों को दे दूँगा। कादिर ने उत्तर दिया।

नवाब हसन अली ने उसका सिर हिलाया। अच्छा, उसने सोचा, ''चलो अपनी दा को चखाओ, शायद यह मुसीबत के लायक हो जाएगा।''

''कल जब तुम तैयार कर लो तो मुझे बुलाना,'' यह कहकर स्टाल से चले गए।

सादिक ने राहत की साँस ली। वह चिंतित था कि नवाब का रवैया बिगड़ जाएगा और चला जाएगा। सादिक को पता था कि अगर नवाब ने पकवान को पसंद किया तो उन्हे पुरस्कार देगा। उसके पिता के पास लगभग सबकुछ अदम्य था। सादिक अपन पिता से डरता था। जब मौहम्मद कादिर गुस्सा हो गए तो पड़ोसियों ने कहा, कौए कुछ दूर उड़े और गली के कुत्ते पेड़ों के पीछे छिप गए। यह भाग्यशाली था कि नवाब अच्दे मनोदशा में था और सभी कादिर की स्थितियों पर सहमत था।

शाम को सादिक अपने पिता के साथ बाजार में दाल शाही उड़ी के लिए सामग्री खरीदने गया। हाँ, सबसे अच्छा करना ही होगा। उड़द दाल के हर दाने को बिल्कुल भी पूर्ण होना था, कोई भी टूटी न हो। दालचीनी, बड़ी इलायची, धनिया, जीरा, लौंग, लहसुन फली, प्याज, अदरक और हल्दी उच्च गुणवत्ता का। सुगंधित खुशबू के लिए केसर और दूध। चटनी के लिए कुरकुरे हरे पुदीने के पत्ते।

''शुभ संध्या, कादिर मेरे मित्र!'' नवाब हसन अली के साथ आए एक सहायक ने सब्जियों की दुकान पर उन्हें बधाई दी। खरीददारी किस प्रकार

चल रही है दाल शाही उड़द?''

''शुभ संध्या,'' कादिर ने कहा। वह अनावश्यक बात करना पसंद नहीं करता था।

सादिक आदमी पर मुस्कराया। ''तुम्हारे नवाब साहब खाना पसंद करते हैं,'' उन्होंने कहा।

''आह! वह नहीं है आदमी हँसे। यह उसका सबसे बड़ा शौक है। अगर वह व्यंजन पसंद करता है तो शानदार इनाम देता है।''

''वास्तव में?'' सादिक ने उत्साहित होकर पूछा। उसने क्या दिया है?

एक बार जब वह अमीनाबाद में एक व्यंजन से प्रसन्न हुआ तो उसने कुक का एक नई दुकान खरीद कर दी।

''एक पूरी दुकान! सादिक ने चौड़ी आँख करते हुए कहा, कादिर उसे बुला रहे थे तो सादिक को जाना पड़ा, लेकिन घर के रास्ते में वह अपने पिता के लिए इनाम का सपना देखता रहा। वह जानता था कि उसके पिता के दाल शाही उड़द उतना ही अच्छा था जिना कि एक बौर कुक तैयार कर सकता था।

अगली सुबह जल्दी, सादिक ने अपने पिता के साथ काम की तैयारी की। उसने सभी मसालों से एक विभिन्न मसाला तैयार किया।

जब सब कुछ तैयार हो चुका था, दाल एक छोटे से बर्तन में धीरे-धीरे बुलबुले आ रहे थे, आटे की नरम गेंदों और रोटियों में थपकी देने के लिए तैयार, एक मिट्टी के कटोरे में ठंडा रायता। कादिर अपने बेटे की ओर घूमा। ''जाओ और नवाब को बुला लाओं, दोपहर का खाना तैयार है।''

सादिक नवाब के महल की तरफ दौड़ा। वह पेटिंग तक पहुँचा। मैं नवाब साहब को दोपहर के भोजन के लिए बुलाने आया हूँ। उसने सेवकों से कहा, दाल तैयार है।''

छत पर जाओ। नवाब साहब वहाँ पतंग उड़ा रहे हैं। सादिक सीढ़ियों से छत पर दौड़ा। नवाब और उसके मित्र पतंग उड़ा रहे थे। सादिक हसन अली के पास गया और डरते हुए कहा, ''नवाब साहब, दाल तैयार है। मेरे पिता आपको बुला रहे हैं।''

हसन अली ने सादिक को देखा। ''कौन?'' उसे देखते ही याद आया, ''अरे हाँ दाल''

उसका एक मित्र हँसा। हसन दाल भूल गया। तुम्हारी पतंग खतरे में हैं। हरी पतंग कटने में है।

हसन अली अपनी पतंग को जल्दी से खींचा। बस तुम रुको, हरी पतंग! मैं तुमसे मिलूँगा!'' वह चिल्लाया। ''नवाब....'' सादिक ने कहा, अपने पिता के गुस्से के बारे में चिंतित। हाँ, हाँ परेशान न हो हसन अली ने कहा, अपने पिता को प्रतीक्षा करने को कहो। आप देख नहीं सकते हैं मेरी पतंग खरते में है?

''लेकिन दाल .... '' सादिक ने छोड़ दिया और दुखी होकर चला गया।

उसके सारे सपने धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे थे। वह अपने पिता के गुस्से को जानता था। जैसे ही कादिर ने यह सुना कि नवाब उसकी दाल चखने के जगह पतंग उड़ा रहा है, यह सुनकर वह बहुत क्रोधित हुआ और उसने दाल को छोड़ दिया। वे इनाम के बारे में भूल गया। सादिक रोने की तरह उदास था।

घर पहुँचकर उसने देखा नवाब ऊपर पतंग उड़ा रहा था और उसका दोस्त अमन अपनी छत से पतंग उड़ा रहा था।

अचानक एक अद्‌भुत विचार सादिक के दिमाग में आया। वह अमन की छत पर दौड़ा। ''अमन मेरी तरफ आओ! देखों नीली और चाँदी पतंग? इसे काटो जल्दी!''

''जरूर, कोई समस्या नहीं,'' अमन ने मुस्कुराते हुए कहा। वह पतंग उड़ाने में महारथी है। उन्होंने ग्राउंड ग्लास की परत से एक विशेष धागा बनाया जो किसी भी चीज को काट सकता था।

सदिक नवाब के घर वापस दौड़ा। वह सीढ़ियों पर दौड़ा और छत पर पहुँच गया। जैसे ही अमन ने अपनी पतंग को नवाब की पतंग के ऊपर रखा, अमन ने तेज बल से खींचा। ''अरे नहीं!'' हसन अली निराशा से कराह रहे थे क्योंकि उनकी पतंग जमीन की ओर जा रही थी।

''नवाब साहब'' सादिक आया है, खाने के लिए प्रतीक्षा कर रहा है। दाल स्वादिष्ट है।''

''अरे हाँ, हाँ'' नवाब को अचानक दाल याद आ गई। अब पतंग चली गई, चलो चलें और खाएँ।

सादिक उनकी ओर दौड़ा, उसका हृदय घबराहट से कंपित हो रहा था। ''ओह अल्लाह,'' उसने प्रार्थना की, ''मेरे पिता का क्रोध मत खोना। कृपया इसमें ज्यादा देरी मत करना।

नवा और उसके मित्र दुकान के सबसे अच्छे कमरे में घुस गए। जैसे ही वे दरी पर बैठे कादिर दाल के साथ आया और सादिक उसके पीछे घी लगी हुई गर्म रोटी लेकर आया।

सादिक ने अपनी साँस रोकी जैसे ही नवाब हसन ने एक रोटी का टुकड़ा तोड़ा, शाही उड़द की दाल में डुबोया और मुँह में रखा, धीरे से चबाया और तब अपनी आँखे बंद की। ''आह!'' उसने धीरे से कहा। सादिक ने अपनी साँस छोड़ी।

नवाब ने रोटी का दूसरा टुकड़ा दाल में डुबोया, इसके साथ कुछ रायता निकला और इसे परोसा और कहा, ''कादिर तुम्हारी शाही उड़द की दाल वास्तव में स्वर्गीय है! मैंने इससे स्वादिष्ट कभी कुछ नहीं खाया। तुम इनाम के लायक हो। मुझे बताओ तुम क्या पसंद करोगे?''

पहले उस दिन के लिए मौहम्मद कादिर मुस्कुराया। ''हुजूर मैं एक बहुत बड़ा खाने का स्टॉल चाहूँगा। मस्जिद के पास।''

''पक्का! हसन अली ने कहा। उसने अपने दासों में से एक को बुलाया। नौकर झुका और कादिर के हाथों में पैसे से भरा एक थैल दिया। यह आपकी नई दुकान के लिए पर्याप्त होना चाहिए। नवाब हसन अली ने कहा। ''अब मुझे कुछ और शाही उड़द दाल और रोटी दे दो।''

अपने पिता, नवाब और उनके मेहमानों की सेवा देख रहे सादिक ने खुद को समझाया। अब वे भी अमीर होंगे। बाद में, वह अपने पिता को बताता था कि उसने नवाब को समय पर आने के लिए कैसे धोखा दिया। उसके पिता हँसे और उसको कुछ पैसे दिए। इसके साथ, वह और अमन बाजार से पतंग, लट्टू और कुछ मिठाई भी ले सकते थे।

जैसा कि नवाब हसन अली ने खाया और खाया, सदिक मुस्कुराया और मुस्कुरया।

Comprehension

A. **1.** (c) Sadiq **2.** (c) his friends **3.** (b) rude **4.** (a) Qadir **5.** (d) dal shahi urad

B. **1.** (F) **2.** (F) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (T) **6.** (T)

A. **1.** The man in silk was Nawab Hasan Ali. He came to Qadir's shop because he wanted to taste Qadir's best dish. **2.** When Sadiq went to fetch Nawab, he was flying kites. **3.** One of the helpers who had come with Nawab Hasan Ali greeted Qadir at the vegetable shop. He asked from Qadir how the shopping for the dal shahi urad was going. **4.** Sadiq requested his friend, Aman, to cut the Nawab's kite to fetch him to his shop. **5.** After tasting the dal shahi urad, Nawab told Qadir that his dal shahi urad was truly heavenly because he had never tasted anything better than that. **6.** Nawab gave a bag full of money in Qadir's hand as a reward for his tasteful dal shahi urad.

Grammar and Activity

A. **1.** somewhat casual **2.** Almost every morning **3.** really dramatically **4.** a right turn **5.** at the far end **6.** pretty clearly **7.** Through the plain glass window

B. **1.** hottest **2.** dearer **3.** richest **4.** better **5.** prettier **6.** colder

7 : A Heritage of Trees

मैंने एक आदमी को देखा

आज एक पेड़ पर हमला करो

सड़क मैसूर से

ऊटी

इसके साथ लगभग बीस मील की दूरी पर

वहाँ तुम दुखद स्थिति देखोगे

सज्जन पेड़ का क्रम

विक्रत: शाखाएँ चीरती हुई

आसाधारण अपनी

Comprehension

A. **1.** (F) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (T) **6.** (F) **7.** (T) **8.** (T)

B. **1.** Here 'attack' means to cut down. The man was 'attacking' the tree by cutting down its branches from their trunk untimely. **2.** Poet saw a man attacking the tree in the road from Mysore to Ooty. **3.** The words in the poem that tell us that the poet admires the trees are : noble trees, royal patronage, more peaceful shadow, heritage. **4.** We mean 'the calmness of trees' by the phrase 'more peaceful shade'. This shade is in the jungle. **5.** Poet feels that trees have been misused or hurt by men because the men enjoy them, cut them up to make fires to kook their food, but don't look after them. **6.** The message poet wants to give to readers of this poem is 'Save Trees'.

Grammar and Activity

A. **1.** (e) **2.** (h) **3.** (a) **4.** (g) **5.** (b) **6.** (d) **7.** (f) **8.** (c)

B. Do yourself.

C. Do yourself.

8 : Ranji's Wonderful Bat

विकेट कीपर चिल्लाया ''कितना अच्छा!'' उसनसे गेंद को अपने दस्ताने में उठाया।

कैसे है वह! क्षेत्ररक्षक।

''कैसे?'' तेज गेंदबाज ने गुर्राया और अम्पायर को झुकाया।

''आउट!'' अम्पायर ने कहा। स्कूल की टीम के कप्तान सूरज मैदान से काफी दूर हटकरऔजार शेड तक चल रहे थे।

स्कोर चार विकेट पर तिरपन था। दूसरा साठ रन विजय के लिए बनाने थे। सिर्फ एक बल्लेबाज अच्छा बचा था। बाकी सभी गेंदबाज थे जो बहुत रन नहीं बना सकते थे।

यह रणजी की बारी थी। वह टीम में सबसे कम उम्र के सदस्यों में था। केवल ग्यारह लेकिन मजबूत और साहसी था। रणजी गेंदबाज का सामना करने के लिए तैयार था।

तेज चमकदार लाला गेंद की रफ्तार उसी की तरफ थी। अंत में रणजी उसी समय गेंद को उछाल कर वापस गेंदबाज के पास ले जाने में सफल हो गया, लेकिन अंतिम क्षण गेंद को अपनी दाईं ओर या बगल से गेंद फेंकने की सोंची। गेंद हवा में उछली, घास को चीरती हुई तेजी से निकली और रणजी को अपनी पैड पर मारले लगी।

अम्पायर ने उँगली उठाई ''आउट ङसने कहा। और रणी के अपनी बारी उपकरण शेड में वापस आने की थी। यह मैच विजिटिं टीम या दृश्य टीम के द्वारा जीता गया था।

''ध्यान दो,'' सूरज ने कहा आप वापिस रणजी, अगली बार तुम अच्दा प्रर्शन करोगे। लेकिन उनका विकेट कोच अधिक सख्त था। आपको अगले खेल में ज्यार रन बनाने होंगे, उन्होंने रणजी से कहा या आप अपनी जगह खो दोगे।''

अन्य खिलाड़ियों से बचने के लिए रणजी धीरे से चला वह बहुत परेशान था। वह नियमित रूप से इतनी मेहनत और अभ्यास करते रहे पर जब कोई महत्वपूर्ण खेल आया तो वह सफल नहीं हो पाया।

घर के रास्ते में उन्हें श्री कुमार की खेल की दुकान के पास करना पड़ा। वे अपने मालिक से बाते करना पसंद करते थे या तलवारों के खेल, क्रिकेट के गेंद, बैडमिंटन के रैकेट, हॉकी की डंडियों और विभिन्न आकारों की गेंदो पर नजर गड़ाए थे।

श्री कुमार एक बार राज्य के खिलाड़ी थे और उन्होंने फिर से तंजानिया के मैच में एक शतक जड़ा था।

लेकिन यह एक दिन था जब उसे रुकने का मन हनीं था। दूसरी तरफ उसने

देखा और सड़क पार करने वाल था। जब श्री कुमार की आवाज ने उसे रोक दिया। नमस्ते, रणजी! तुम इतने दुखी क्यों दिखाई दे रहे हो? आज खेल हार गए?

जैसे ही वह दुकान के अंदर आया, रणजी ने बेहतर महसूस किया। ''हाँ, हम मैच हार गए।''

मि० कुमार ने कहा, कोई बात नहीं। ''हारे बिना हम क्या करेंगे? खैर, तुमने कितने रन बनाएँ?''

मि० कुमार ने कहा, कोई बात नहीं। ''हारे बिना हम क्या करेंगे? खैर, तुमने कितने रन बनाए?''

बिल्कुल नहीं। एक बड़ा गोल अंडा मैंने अपने पिछले तीन मैचों में एक अच्छा स्कोर नहीं बनाया है। रणजी ने कहा। यदि अगले खेल में कुछ नहीं किया गया तो उन्हें टीम से हटा दिया जाएगा।

''ठीक है, हम ऐसा नहीं कर सकते है मि० कुमार ने कहा।''

''इसके विषय में कुछ करना होगा।''

रणजी ने कहा बस ''मै तो अशुभ हूँ।''

हो सकता है। लेकिन उस स्थिति में तुम्हारा भाग्य बदल जाए। श्री कुमार ने कई पुराने क्रिकेट बल्लेबाजों को बारीकी से देखा और कुछ ही मिनटों बाद उन्होंने कहा, ''ओह!'' उसने एक को उठाया और रणजी के पास रखा। ''यह है!'' उसने कहा। यह मेरे सारे पुराने बल्लों में से भाग्यशाली है। इस बल्ले से मैंने एक शतक बनाया है।

उन्होंने इसे रणजी तक आयोजित किया और विस्मय और प्रसन्नता के साथ उस पर आश्चर्य हुआ। ''क्या इसे वास्तव में तुमने बल्ले से शतक बनाया? उसने पूछा।

मि० कुमार ने कहा, ''यह है।'' हो सकता है इससे तुम भी शतक बना लो।

रणजी ने शनिवार के मैच के इंतजार में घबराया हुआ सप्ताह बिताया।

कोकी, अगले दरवाजे में लड़की मैदान में गेंदबाजी के लिए थी। कोकी ने शांतिपूर्वक गेंदबाजी की।

आखिरी शनिवार को उज्जवल और धूप को पहुँचे क्रिकेट के लिए बिल्कुल सही। सूरज ने ऑस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया।

सलामी बल्लेबाजों ने बिना किसी और के तीस रन बनाए। तब तेज गेंदबाज आए और तुरंत खेल में परिवर्तन कर दिया। वे दो विकेट पर एक ओवर में गिर गए और स्कोर दो विकेट का था। सूरज ने कुछ तेजी में रन बनाए और फिर भी वह विकेट के पीछे फँसे स्पिनरों में से किसी के हाथ पड़ गए और यह रणजी की बारी थी।

वह विकेट के लिए धीमी गति से चला गया। गेंदबाज ने शार्ट रन लिया फिर गेंद रणजी की तरफ घुमा दी।

और फिर रणजी के हाथ के माध्यम से रोमांच के रूप में वह गेंद बल्ले से लगी महसूस हुई।

क्रैक! रणजी के बल्ले के बीच से अच्छी तरह गेंद टपककर असहाय गेंदबाज के पास पहुँची और वहाँ से निकली। चार रन।

और वह केवल शुरुआत थी और रणजी को पता था कि स्ट्रोक खेलना शुरू कर दिया। उन्होंने सभी क्षेत्ररक्षकों को मैदान के सभी कोनों में फैलने को भेज दिया। दोपहर के भोजन के 20 मिनट बाद सूरज पारी बंद कर देता है, तो रणी पचास-साठ के साथ बाहर नहीं थे और रणजी ने स्कूल का मैच जीत लिया।

अपने घर के रास्ते पर, रणजी श्री कुमार की दुकान पर रुक गए।

हम जीत गए! उसने कहा। और मैंने अट्ठावन बनाए, मेरा सर्वोच्च अंक अब तक का है। यह भाग्यशाली बल्ला है।

''इसलिए मैंने तुमसे कहा था'' मि० कुमार ने गर्मजोशी से हाथ मिलाकर कहा। ''बड़े स्कोर होंगे।''

रणजी उच्च आत्माओं में घर चला गया। वह इतना प्रसन्न हुआ कि उसने जमुना मिठाई की दुकान पर आकर कोकी के लिए लड्डू खरीदे। वह क्रिकेट के लिए ज्यादा परवाह नहीं करती थी। वह लड्डू के बारे में पागल थी।

श्री कुमार सही था कि यह केवल बल्ले के साथ रणजी की सफलता की शुरुआत थी। उन्होंने अगले खेल में 40 रन बनाए, रणजी ने और रन बनाए, लेकिन वे काफी लापरवा हो गए। और विकेटकीपर द्वारा खुद को स्टंप कर दिया। इसके बाद जो मैच हुआ वह दो दिवसीय मैच और रणजी जो अब तीन नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे। पैंतालीस रन बनाते हैं।

हर कोई उसके कोच, उनके कप्तान सूरज और श्री कुमार से खुश था। लेकिन कोई नहीं जानता था उस भाग्यशाली बल्ले के बारे में।

यह रणजी और श्री कुमार के बीच एक रहस्य था।

एक शाम मैदान पर खेल के बाद रणजी ने एक बस घर को पकड़ने का फैसला किया।

वह लिविंग रूम में था, बस एक कप चाय पीने लगे जब कोकी चले गए और पहली बात उसने कहा, ''रणजी तुम्हारा बल्ला कहाँ है?'' ''ओह, नहीं! मैंने उसे बस में ही छोड़ दिया!'' रणजी चिल्लाया। मैं इसे कभी वापस नहीं पाऊँगा।

बल्ला हमेशा के लिए खो गया था और रणजी की टीम शनिवार को क्रिकेट के मौसम में अपने आखिरी और सबसे महत्वपूर्ण मैच खेल रही थी। क्योंकि अगले दिन दिल्ली की एक पब्लिक स्कूल टीम के सामने वह छोटी सी श्री कुमार की दुकान पर बेहद उदास दिख रही थी।

क्या मामला है? मि० कुमार ने पूछा। रणजी ने कहा कि मैंने बल्ला खो दिया।

मि० कुमार ने पहले थोड़ा चिंतित देखा, फिर उन्होंने मुस्कुराकर कहा, ''आप अभी भी सभी रन बना सकते है जो आप चाहते हैं।

रणजी ने कहा, लेकिन मेरे पास अब बल्ला नहीं है। ''कोई भी बल्लेबाज करेगा,'' मि० कुमार ने कहा। एक बल्ले में जादू होता है, जब बल्लेबाज का जादू होता है। तुम्हे आत्मविश्वास की जरुरत थी, न कि बल्ले की। और विश्वास करके कि बल्ला भाग्यशाली था, आपको अपना विश्वास मिल गया।

''क्या विश्वास है?'' रणजी ने यह पूछा, यह उसके लिए एक नया शब्द था।

मि० कुमार ने कहा, आत्मविश्वास जानते हैं कि आप अच्छे हैं।''

और मैं बल्ले के बिना भी अच्छा हो सकता हूँ?

''नि:संदेह! आप हमेशा अच्छे रहे अगर आपको याद है तो आप रन बना लेगें।''

शनिवार को, रणजी सूरज से एक बल्ला उधार लेकर विकेट पर चले गए।

सूरज की टीम ने पहला विकेट गवाँ दिया। जब बोर्ड पर केवल दो रन ही हुए।

रणजी इस स्तर परचले गए दिल्ली के प्रारंभिक गेंदबाज दिल्ली के कुछ तेज गेंदबाज को भेज रहे थे उसे रणजी ने देखा।

पहली गेंद बहुत तेज थी। जल्दी से, रणजी वापस गए और सीमा पर कड़ी मेहनत की।

एक छक्का! हर कोई खड़ा हुआ और खुश हुआ। और यह केवल रणजी की पारी की शानदार शुरुआत थी। मैंच एक ड्रा था लेकिन रणजी के पिचहत्तर थे। घर लौटते समय उसने एक दर्जन लड्डू खरीदे।

छ: कोकी के लिए और छ: मि० कुमार के लिए।

Comprehension

A. **1.** (b) thirty **2.** (a) fifty-eight **3.** (d) Ranji **4.** (c) state **5.** (b) a dozon.

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (F)

A. **1.** Ranji was upset after the game because he had been trying so hard and practising so regularly, but when an important game came along, he failed to make a big score. **2.** Mr Kumar had been a state player once, and had scored a century in a match againt Tanzania, and now he was the owner of a Sports Shop. His voice stopped Ranji because he said to him, "Hello, Ranji ! Why are you looking so sad ? Lost the game today ?'' Hearing this, Ranji stopped. **3.** Mr Kumar began looking closely at a number of old cricket bats because he wanted to pick out the luckiest bat for Ranji. **4.** One evening after a game on the maidan, Ranji decided to catch a bus home. When he reached the home, Koki asked about his bat. At this he realised that he had left it on the bus home, and thus it was lost. **6.** After the last match of the season, Ranji bought a dozon laddoos. Six for Koki and six for Mr Kumar.

Grammar and Activity

A. **1.** This is the young man who saved the child from drowning. **2.** This is the dog which follows John and Peter wherever they go. **3.** This is a small home where the famous poet lived as a young boy. **4.** This is the evening peak hour when most people drive home from work. **5.** These are poor people who deserve our help.

B. Do yourself.

C. Do yourself.

9 : The Cross Tusker

दूसरे दिन शिकारी के अंतिम दिन शिकारी प्रकाश के साथ साफ-साफ दिखाई देने के लिए निकलते। जंगल के वार्डन चंद्रन ने कल शाम के उस रास्ते से निकलते हुए कदम-दर-कदम हाथी पर नजर रखना शुरू कर दिया। व अपने मित्र डॉ० रमेश और वन रक्षक को चोट नहीं पहुँचाना चाते थे, इसलिए उन्होंने उनसे सुरक्षित दूरी पर चलने को कहा।

निशाना सादे और पालन करना आसान था। लेकिन चंद्रन को बहुत सावधान रहना पड़ा। से न केवल जानवर का पीछा करना था बल्कि उसके बारे में बार-बार देखना भी पड़ता था क्योंकि यह पता नहीं था कि हत्यारा हाथी कहाँ तक प्रतीक्षा कर रहा था। इसलिए प्रगति भी धीमी रही।

रास्ते में सिर्फ एक बार ही मछलियाँ खाना खते रहना मुश्किल हो गया था। जब चंद्रन अंत में उसके साथ पकड़ा गया, यह दोपहर थी। जानवर जमीन को साफ करके बहुत कुछ सूखी, घुटने तक ऊँची घास खिल रहा था। वार्डन ने वायु की जाँच कर ली कि उसकी खुशबू तस्करतक नहीं जा रही थी। कुछ मुट्ठी भर मृत पत्तों को तोड़कर हवा में फेंक दिया और गिरने की दिशा का निरीक्षण किया। संतुष्ट, वह घास के मैदान के किनारे एक पेड़ के पीछे बैठा था और इंतजार करता था कि वह पशु के पक्ष में आगे बढ़। पर हाथी ने आगे बढ़ने का कोई चिह्न नहीं दिखाया। परछाइयाँ लंबी होने लगी थी। चंद्रन अब तक इंतजार नहीं कर सके।

वह उठ गया और उसकी अचेत बंदूक की जाँच की। बंदूक की आवाज ज्यादा नहीं थी इसलिए गोली चलाने के बाद वह छिप सकता था। वह अपने दिल की धड़कन सुन सकता था और सोंच रहा था। कि क्या वह अपनी बंदूक को स्थिर रख सकेगा। जब वह शिकार की सीमा में पहुँचा तो उसने घोड़े के नीचे छिप कर बंदूक रख दी, इसी उद्देश्य से गाली चला दी।

क्रॉस टस्कर दूसरी ओर मुँह किए हुए था। गोली उसके कंधे के पीछे मांसल बिंदु से

वह उछलकर दौड़ने लगा। हत्यारे हाथी ने उसे देखा और पीछा किया/ यह एक घातक मूक और दृढ़ संकल्प का पीछा था। जंगल के कोने में भी आदमी के लिए कई बाधाएँ हैं। पर जैसे-जैसे चंद्रन किसी बाधा से बचने के लिए दौड़ता गया। वैसे वैसे हाथी पर सवार होता गया। लेकिन उन्हें सभी एक साथ सावधान रहना पड़ा। एक गलत कदम एक ठोकर उसे उसके जीवन में भारी पड़ सकता है।

यक एक करीबी दौड़ थी। हाथी उसके पीछे गरजती थी। चंद्रन का सौभाग्य था कि वे जंगल की पटरी पर आ गए और वह हाथी से आगे बढ़ने में सफल हो गया। लेकिन कब तक वह सोंच रहा था। हत्यारे ने अपनी गति बढ़ा दी, लेकिन शिकारी बहुत तेजी से थका रहा था। टस्कर नजदीक आ गए और अपनी सूँड़ उठाकर वार्डन पर प्रहार करने लगा। लेकिन अचानक दवा ने प्रभाव किया। सूँड़ धीरे से नीचे आ गई। यह अस्थिर हो गया और ठोकर खाई और गिर गई।

हाथी के गिरने को सुना, चंद्रन रुक गया। जब टस्कर उठ नहीं पाया तो उसने सीटी बजाई और डॉ० रमेश ने आवाज सुनी और वह भाग गया। हाथी फैला हुआ था। वह दृश्य अत्यंत भयावह था। उन्होंने उसकी गहरी भारी श्वास सुनी। इस बात का संकेत है कि हाथी शातिकर प्रभाव में था। शिकारी लोग सावधानी से वहीं पहुँचे।

डॉ० ने कुछ परीक्षण किए ताकि यह सुनिश्चित किया जाए कि हाथी गहरी नींद में था जिससे उसे आपरेशन की अनुमति मिल गई।

सौभाग्य से शिकारियों के लिए विदूषक इस प्रकार गिर गया था कि उनके घाव को खोल दिया गया था। घाव गहरा था। जब डॉ० रमेश ने उसे खोल दिया। खून और मवाद फूटकर उसके कपड़े छिड़क गए। ''गरीब साथी पीड़ा में हो गया होगा,'' डॉ० ने कहा।

''कोई आश्चर्य नहीं कि वह हत्यारा बन गया,'' वार्डन बड़बड़ाया।

डॉ० ने घाव की जाँच करते हुए तीन टुकड़े काट कर वार्डन को दे दिए। चंद्रन ने धीमी गुस्सा स्वर में कहा, ''यह किसी कृषक का काम है जिसकी फसल दुषक से अधिक शौकीन नहीं है।''

डॉ० रमेश ने घाव साफ किया और अच्छी मात्रा में एंटीबायोटिक दवाओं को डाला और उसे सिला। जिस प्रकार हाथी पर जागने के कोई चिह्न थे। उसने शामक औषधि दे दी। तब शिकारियों ने कुछ दूर से कुछ दूर तक देखा।

कुछ समय बाद गिरे हुए टस्कर ने हड़कंप मचा दिया। तब वह धीरे-धीरे खड़ा हुआ। जब वह उन लोगों की तरफ मुड़ा तो उन्होंने देखा कि उसका दंत-दाग उसके भारी पसतन के बीच टूट गया है। एक बार हाथी का दर्द खत्म हो गया था। ऐसा लगता था कि एक भारी भार उठाया गया था। इसे किसी भी अधिक मानव फसलों पर निर्भर होने की आवश्यकता नहीं थी।

टस्कर ने दोनों व्यक्तियों को देखा, लेकिन उन्होंने हमला करने का प्रयास नहीं किया। जब उसने अपनी सूँड़ उठा ली और सरक कर उसमें हाथ लिा दिया तो लोग सोचने लगे क्या हाथी ''धन्यवाद तुम्हे!'' कहने की सोच रहा है।

Comprehension

A. **1.** (b) shoulder **2.** (c) Chandran's **3.** (a) The warden **4.** (c) three **5.** (d) last

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (F) **5.** (F)

A. **1.** Chandran was the Wildlife Warden. He picked up the trail for tracking the elephant, step by step. **2.** Chandran's progress was slow, while he was searching the elephant, because he had not only to follow the animal but also to look about him every now and then, as there was no knowing where the killer elephant would be lying in wait. **3.** Chandran used a stun gun and not a regular gun because it did not make much noise, and he hoped he could lie hidden after firing the shot, until the drug took effect. **4.** We think the hunters were not happy to find the cause of the elephant's wound. This is because, it was the work of some cultivator and this wound had maddened the elephant. **5.** After the elephant became unsteady and fell, Dr Ramesh probed deep into the elephant's wound and dug out three pieces of lead. Then he cleaned the wound, poured in a good quantity of antibiotics, dressed it, and stitched it up. **6.** We think the elephant was glad, besides one of its tusks had broken off, because it was now free to swing its trunk in any direction and did not need to depend on man-grown crops any more.

Grammar and Activity

A. **1.** incorrect **2.** invisible **3.** discourteous **4.** disunited **5.** disapproving **6.** unable **7.** non-violent **8.** disrespectful

B. **1.** would **2.** should **3.** should **4.** should **5.** would

C. Do yourself.

10 : Granny's Tree Climbing

एम एस में मैटर नहीं है

Comprehension

A. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (F) **6.** (T)

B. **1.** We think the speaker is right in calling his grandmother a genious. We think so, because she was specialist in climbing the trees. **2.** When grandmother was old, she wished for a house in a tree top. **3.** "One day she'd have a terrible fall," the poet said so, because his grandmother was old enough to climb a tree. **4.** We think Granny didn't enjoy her time in bed because, for her, it was like a brief season in hell. **5.** The poet says, "My dad knew his duties." He says so, because his dad was obedient to his mother. On this occasion, his dad's duty was to fulfil the order of his mother. Yes, he carry it out well as the following words in the poem indicate : "With my expert assistance, he soon finished the chore : Made her a tree house with windows and a door." **6.** We think Granny enjoyed herself in her new house as the poet tells : "She sits there in state (like a queen) and drinks sherry with me, Upholding her right to reside in a tree."

Grammar and Activity

A. **1.** desire **2.** ascend **3.** tired **4.** withdraw **5.** lough **6.** silent **7.** murmur **8.** result

B. **1.** weary **2.** sad **3.** wild **4.** old **5.** upward **6.** discontented **7.** inefficient **8.** new

11 : Pinocchio

एक बार गेप्टो नाम का एक पुराना कठपुतली निर्माता रहता था। उसके कोई बच्चा नहीं था लेकिन उनकी लड़के के पिता बनने की तीव्र इच्छा थी।

एक दिन वह एक कठपुतली नक्काशी कर रहा था। उसनसे अपने दिमाग से एक छोटे बेटे को चित्रित किया जैसा कि वह पसंद करता था। आश्चर्यजनक, पुतली जिंदा हो जाती है। गेप्टो बहुत खुश हो गया और उसका नाम पिनोचियो रखा। गेप्टो ने स्मार्ट लड़के की पोशाक पहनाई।

अगली सुबह गेप्टो ने अपना ही एक कोट बेच दिया ताकि पिनोचियो गेप्टो की किताब व पेंसिल की व्यवस्था कर पाए। गेप्टो ने उसे चूक कर स्कूल के लिए अलविदा कहा।

विद्यालय के रास्ते में, पिनोचियो एक कठपुतली शो देखने रुका। ''मैं नृत्य कर सकता हूँ और उन कठपुतलियों से बेहतर कर गा सकता हूँ। मुझे तार की जरुरत नहीं है। दावाकिया पिनोचियो ने। वह मंच पर चढ़ गया। उसने नाच और गाना किया। भीड़ ने पिनोचियो को बहुत पसंद किया और सिक्के फेंकते हुए तालियाँ बजाई। उसने सारे सिक्के इकट्ठे किए और बहुत खुश

हुआ। तभी वह एक लँगड़ी लोमड़ी और अंधी बिल्ली से मिला। जो यह जानती थी कि पिनोचियो के पास पैसा है, वे उसके मित्र होने का बहाना बनाते है। हमारे साथ आओ, हम आपको इन ताँबे के सिक्कों को सोने में बदलने के लिए सिखाएँगे और तुम और अधिक धनी हो जाओगे। चुपके से बिल्ली को मजबूत किया।

हाँ मैं अमीर बनना चाहता हूँ पिनोचियो ने उत्सुकता से कहा। ''शानदार! तुम इस जादुई पेड़ के नीचे छेद में सिक्के रख सकते हो। दो घंटे के भीतर, ये सोने के सिक्कों में बदल जाएँगे, लोमड़ी ने एक पेड़ की ओर इशारा करते हुए कहा। ''चलो अब रात को खाने के लिए सराय में चलों,'' चालाक बिल्ली ने हस्तक्षेप किया।

रात के खाने के बाद, लोमड़ी और बिल्ली जो वास्तव में लँगड़े और अंधे नहीं थे, जल्दी से चुपचाप निकल गए।

वे पेड़ के पीछे दिप गए, पिनोचियो के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे। बाद में पिनोचियो ने सिक्के खोदे और उस पर हमला कर दिया। हमे अपना धन दो। ''हमे अपना धन दो।'' उन्होंने पिनोचियो को आदेश दिया। लेकिन पिनोचियो ने अपने दाँतों के बीच थैली को पकड़ लिया और उनका विरोध किया। अब वे उस पर दहाड़े, ''अपना धन हमें दो।''

पिनोचियो के बगीचे की परी, जो नीले रंग की पोशाक में थी, ने अपने कुत्ते को आदेश दिया, रुफस लोमड़ी और बिल्ली का पीछा करो। उसने रुफस से पिनोचियो को अपने महल में लाने के लिए कहा।

कृपया बैठ जाओ, उसने पिनोचियो से कहा, ''आप कौन हो'' पिनोचियो ने पूछा।

मैं आपका शुभचिंतक हूँ, अब जो कुछ मैं पूछता हूँ उसका सही उत्तर दे दो। निडर स्वर में परी ने उत्तर दिया, ''आप आज स्कूल क्यों नहीं गए? उसने पूछा।'' मैंने पिनोचियो को उत्तर दिया जैसे ही उसने उत्तर दिया, उसकी नाक पेड़ की शाखा की तरह दिखी, वह चिल्लाया ''मेरी नाक पर क्या हो रहा है?''

जब भी आप झूठ बोलेंगे, तुम्हारी नाक बढ़ेगी जब आप सत्य बोलेंगे तो यह सिकुढ़ जाएगी। नीली परी ने कहा, पिनोचियो आप एक असली लड़के बन सकते हैं यदि आप बहादुर, ईमानदार और उदार होना सीखे। अब घर जाओ, परी ने बताया अगली सुबह, वह स्कूल चला गया। वहाँ एक विचित्र और उसके दोस्तो से मिले जो मजेदार थे। हमारे साथ आओ, विकली और उसके दोस्तों ने कहा, हम आश्चर्यजनक खेल, सुंदर कैंडीज और सर्कस वाले स्थान को जानते हैं।

लड़को को नहीं पता था कि अगर कोई बुरा था तो वे गधे में बदल जाएँगे और सर्कस के लिए प्रशिक्षित होंगे। शीघ्र ही लड़के गधे में बदलने लगे।

बुरे लड़के के साथ यही होता है, सर्कस मास्टर के रूप में उसने उन्हें एक हूप के माध्यम से कूदने के लिए बनाया। पिनोचियो केवल गधे के कान पैर और पूँछ को विकसित कर सकता था। क्योंकि वह लकड़ी से बना था। सर्कस के मालिक ने उन्हें समुद्र में फेंक दिया। उसी समय उनके एक मित्र बच गए और उन्होंने सब कुछ गेप्टो को बता दिया। तुरंत ही गेप्टो ने एक नाव ली और उन्हें खोजने गया। दुर्भाग्य से बड़े व्हेल ने पिनोचियो को निगल लिया और इस बात का अफसोस जाहिर किया। उन्हें एहसास हुआ कि उसे पिता उसे बहुत प्यार करते हैं और वह रोने लगा और वह अपने पिता को वापिस चाहता था। उसी समय उसी व्हेल ने उसे निगल लिया। पिनोचियो व्हेल के पेट में पहुँचा और उसने गेप्टो को पाया। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगा लिया। पिनोचियो ने शपथ ली जो उसके पिता ने साथ थी और व्हेल के गले में गुदगुदी करते थे। इससे व्हेल को जोर से खाँसी आ गई। इसके साथ, पिनोचियो और उसके पिता को व्हेल के मँह से निकाल दिया।

पिनोचियो ने अपने बेहोश पिता के हाथ को कसकर पकड़ा और उसे समुद्र तट तक खींच लाया।

मृत गेप्टो सोच रहा था, पिनोचियो के आंसुओं के लिए उसकी मौत के लिए खुद को दोष दे रहा था। लेकिन नीली परी उड़ते हुए आई और बूढ़े आदमी को छुआ। गेप्टो ने अपनी आँखे खोली और पिनोचियो खुशहाल लड़का बन गया। घर में अंत में, गेप्टो ने पिनोचियो को अपने बिस्तर पर लिटा दिया और कहा, पिनोचियो आज तुग बहादुर ईमानदार और शालीन थे।

अगली सुबह गेप्टो ने देखा पिनोचियो एक असली लड़का बन गया वे खुश हुआ और खुश रहने लगे।

Comprehension

A. **1.** (b) himself **2.** (c) puppet show **3.** (a) Geppetto **4.** (c) puppet **5.** (d) donkeys

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (T) **6.** (T)

C. **1.** Geppetto was an old puppet maker. He had a strong desire to become a father of a boy. **2.** Geppetto sold his only coat so that he could arrange the book and pencils for Pinocchio. **3.** Pinocchio put his coins in the hole under the magic tree because a lame fox and a blind cat said to him, "You can put coins in that hole, under that magic tree. Within two hours, these coins will turn into gold coins.'' **4.** Geppetto took a boat to search his son Pinocchio, who was thrown into sea by the circus master. **5.** Pinocchio took oar which was with his father and tickled the whale's throat with it. This made the whale to cough loudly. With it, Pinocchio and his father were thrown out of the whale's mouth. **6.** The blue fairy came flying and touched the old man. Geppetto opened his eyes and Pinocchio became the happiest boy. Home at last Geppetto tucked Pinocchio into his bed and told, "Pinocchio, today you were brave, honest and generous.'' Next morning, Geppetto saw that Pinocchio has become a real boy.

Grammar and Activity

A. **1. Eating :** Swallow, gobble up, gulp, chew, munch
2. Speaking : hiss, screem, whisper, murmur, howl
3. Walking : stroll, limp, lumber, skip, slink

B. **1.** giving **2.** taking **3.** rising **4.** running **5.** sleeping **6.** stopping **7.** admitting **8.** eating

C. Do yourself.

12 : The Judgement Seat of Vikramaditya

हम सभी विक्रमादित्य के नाम से परिचित हैं। उनका राज्य हमारे देश के इतिहास में एक युगांतकारी घटना है। विक्रम संवत् उसकी उत्पत्ति का कारण है। यह आश्चर्य की बात है कि हम उनके जीवन के बारे में निश्चित रूप से कुछ नहीं जानते लेकिन उन्हें न्याय और ज्ञान से प्रेम था। उन्होंने अपनी जनता को पूर्ण न्याय प्रदान किया और विद्वानों को उनके दरबार में इकट्ठा किया।

विक्रमादित्य ने कभी धोखा नहीं दिया। उन्होंने कभी भी गलत व्यक्ति को दंड नहीं दिया। अपराधी जब उनके पास आए तो वह काँप उठा, क्योंकि वे जानते थे कि उनकी इस आँख से उनकी इस आँख से उनके अपराध का पता लग जाता है और जो लोग उनके पास कठिन समस्याएँ लेकर आते थे, वे उन सबको हल करने के तरीके से हमेशा ही संतुष्ट हो जाते। इसलिए जब कभी किसी न्यायाधीश ने उनके निर्णय की अत्यंत कुशलता को सुनाया तो उसके बारे में कहा गया, ''आह! वह विक्रमादित्य के न्यायिक सीट पर बैठे होंगे।

क्या किसी ने कभी विक्रमादित्य के निर्णय सीट को देखा है? शायद नहीं; क्योंकि सीट किसी भी अधिक मौजूद नहीं है। मैं आपको बताता हूँ कि कैसे गायब हो गया।

विक्रमादित्य की मृत्यु के बाद उज्जैन के लोग, जो कालांतर में उज्जैन के लोग थे, उन्हें भूल गए। उसके महल और उसका किला बर्बाद हो गया था। टूटे-फूटे ढेर, घास, धूल पेड़ों से ढके हुए ढेर मवेशियों को खिलाने के लिए चारागाह बन गए थे। गाँव के लोग चारागाह में अपनी गायों को चराने भेजा करते थे। पशु-चरवाहों की देखरेख में जाते और शाम को लौटते नहीं। जब लौटने का समय आया, तो एक गडरियो लड़के ने तो चारागाह के किनारे से आवाज की और अपने झुंड के साथ-साथ सारे जानवर उसके चारों ओर इकट्ठे हो जाते और फिर अपने घरों की ओर मुड़ जाते।

उज्जैन के बारे में गाँवों के चरवाहों वहाँ बहुत से लोग थे और लंबे समय से चरवाहों में वे मजे के लिए पर्याप्त समय निकाल लेते थे। एक दिन उन्हें एक खेल का मैदान मिला और वह कितनी आनंददायक थी। पेड़ों के नीचे की जमीन खुरदुरी और असमान थी। वहाँ एक महान पत्थर के सिरों पर नजर रखी गई और बीच में हरे-भरे टीले थे, जो एक न्यायाधीश के आसनस के सामान लगते थे।

अंत में लड़को में से एक ने सोचा और खुद उस पर बैठा। मैं कहता हूँ यार! वह रो पड़ा। मैं न्यायाधीश हूँ और तुम मेरे सामने अपने सारे मामले ला सकते हो, और तब उन्होंने अपने चेहरे को सीधा कर दिया और न्यायाधीश की भूमिका निभाने के लिए गंभीर हो गए।

लोगों ने मजाक देखा और आपस में फुसफुसाकर तुरंत कुछ झगड़ा किया और उसके सामने प्रकट हुआ। प्रत्येक समूह ने उनके पक्ष में कहा कि एक निश्चित क्षेत्र उनका है। दूसरा वर्ग यह कह रहा है कि ऐसा नहीं है आदि/ वे सभी चाहते थे कि वे विवाद सुलझाने के लिए।

लेकिन अब, अचानक, एक अजीब बात अपने आप को महसूस कर रही थी। उस लड़के मे जो उस टील पर बैठने से पहले आम दिखाई दे रहा था। अब वह कितना अलग दिख रहा था। वह बहादुर और गंभीर हो गया था। और उसकी टोन और शैली इतनी अजीब और प्रभावशाली थी कि बाकी के लड़के थोड़ा डरे हुए थे। फिर भी उन्हें लगा कि यह एक मजेदार बात है। और यह घटना घंटो घंटो तक चलती रही, वह जज की सीट पर बैठे शिकायतों को सुनते हुए और उसी गुरुत्व से वाक्य को सुनाते हुए जब तक लौटने का वक्त नहीं आया। फिर वह नीचे कूदकर किसी ग्वाले के समान हो गया।

तब से यह चरवाहा इतना प्रसिद्ध था कि सभी जटिल विवाद उसके सामने होत थे। और हमेशा इसी प्रकार होता था। लोग ज्ञान और न्याय के लिए उनके पास आएँगे और वह उन्हें सच्चाई दिखाएगा। जब वह अपनी सीट से नीचे आया, तो वह दूसरे लड़कों से अलग नहीं होगा।

धीरे-धीरे देहाती क्षेत्रों में खबर फैल गई गाँव के प्रौढ़ स्त्री-पुरुष इस तरह के विवादों को ग्वाल बालक के दरबार में ले जाते और उन्हें ऐसा निर्णय मिलता कि दोनों पक्ष समझे और संतोष से चले जाते।

अब राजा ने जो उज्जैन से बहुत दूर रहते थे। यह कहानी सुनी तो, ''अच्छा'', उसने कहा, ''वह लड़का निश्चय ही विक्रमादित्य के न्यायाधीश की पीठ पर बैठा होगा। राजाओं का अनुमान सही था, क्योंकि चारो ओर के मैदानों के खंडहर विक्रमादित्य के महल थे। यदि उस टीले पर बैठे यह ऊँचे स्तर के गडरिये लड़के को विवेक और न्याय का पता लगाने दो। मैं भी उसी पर बैठूँगा और सबके मामलों को सुनूगा। तब विक्रमादित्य की भावना भी मुझ पर उतर जाएगी और मैं हमेशा एक न्यायपूर्ण राजा बनूँगा।

तो हुकुम और फावड़े के साथ जिस घास कुडी में लड़के खेला करते थे। उसे उलट दिया गया। और उस लड़के को जोकि स्वयं निर्मित न्यायाधीश था, वह दुखी था। उन्होंने महसूस किया कि उसके लिए कुछ प्रिय था जो लिया जा रहा था।

आखिरकार कुछ हुआ। उन्होंने इस गोले को खोल दिया और पाया कि काले संगमरमर का पत्थर पच्चीस स्वर्गदूतों के हाथों और पंखों पर लगा था। निश्चय ही यह विक्रमादित्य के न्यायाधीश की पीठ थी।

बड़ी प्रसन्नता के साथ इसे शहर में लाया गया और न्याय के कक्ष में रख दिया गया। राजा ने अपने लोगों को तीन दिन की प्रार्थना करने का आदेश दिया और घोषणा की कि चौथे दिन वह सार्वजनिक रूप से सिंहासन चढ़ेगा।

अंत में महाकाल का आगमन हुआ और राजा को बैठने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। लंबे हाल से गुजरते हुए, राज्य के न्यायाधीश और पुजारी आए। राजा के बाद इसके बाद जब वे निर्णय के आसन पर पहुँचे तो दोनों पंक्तियाँ छोड़कर राजा ने आगे बढ़कर सीधे संगमरमर के पत्थर पर झुका। जब राजा सिंहासन पर बैठने वाला था तो स्वर्गदूतों में से एक बोलने लगा। ''रुको,'' उसने कहा, क्या आप सोंचते हैं कि आप विक्रमादित्य के निर्णय सीट पर बैठने योग्य हैं? क्या आपने उन राज्यों पर शासन करने की कभी इच्छा नही की जो आपकी खुद की नही थी? कुछ देर तक राजा उत्तर का विचार नहीं कर सका। वह जानता था कि उसका जीवन अन्यायपूर्ण था। कुछ देर चुप रहने के बाद वह बोला उसने कहा, ''मैं योग्य नहीं हूँ'' और तुम तीन दिन तक सब्र करो और भगवान से अर्ज करो कि ऐ मेरे पाले वाले तू अपने को बख्श दे ताकि आप अपने आप को शुद्ध कर सकें और सिंहासन पर बैठने के योग्य हो सकें। इन शब्दों के साथ इसने अपने पंख फैलाए और उड़ गए।

राजा ने अपने आप को तैयार किया— प्रार्थना के साथ और उपवास के साथ

फिर से आने के लिए और न्याय-सीट पर विक्रमादित्य बैठे। इस बार फिर ऐसा ही हुआ। एक और फरिशता ने उससे पूछा, क्या वह कभी औरों की दौलत रखने की इच्छा नहीं रखता? राजा ने स्वीकार किया कि उसने ऐसा किया था और इसलिए वह न्यायाधीश के आसन पर बैठने योग्य नहीं थे।

इस प्रकार जब भी राजा सिंहान पर बैठने की कोशिश करता तो उसे एक दूत ने पूछा और उसे वापस जाना पड़ा। यह सिलसिला तब तक चलता रहा जब तक कि केवल एक ही देवदूत पत्थर के टुकड़े को टिकाए रह गया। राजा बहुत विश्वास के साथ सिंहासन के पास गया क्योंकि उसे इस अपने स्थान पर रहने का विश्वास था।

परंतु जैसे ही वह बैठने के निकट आया, अंतिम देवदूत ने कहा, ''क्या तुम दिल से पूरी तरह पवित्र हो, हे राज? क्या आपका दिल छोटे बच्चे की तरह शुद्ध है? यदि हाँ, तो तुम बैठने के योग्य हो।

''नही'' राजा ने धीमे से कहा, ''नहीं, मैं इस लायक नहीं हूँ।'' अगर इन शब्दों में देवदूत उड़कर उसके सिर पर पत्थर लिए आकाश में आ गया।

इसी प्रकार विक्रमादित्य का न्याय-पीठ धरती से सदा के लिए गायब हो गया।

Comprehension

A. **1.** (d) a justice king **2.** (d) stone **3.** (a) Ujjain **4.** (a) ruined **5.** (a) justice and learning

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (T) **5.** (F) **6.** (F)

C. **1.** Vikramaditya was the king of Ujjain in India. The guilty trembled before him for they knew that his eyes would look straight into the guilt. **2.** After the death of Vikramaditya, his palace and fortress were ruined. **3.** The village boys found a playground in the pastures. **4.** The village boys found the following changes in the boy who sat on the green mound : The boy who appeared so common before he sat down on the mound, looked so different now. He had become brave and serious and his tone and mannar were so strange and impressive that the rest of the boys were a little frightened. **5.** The king of Ujjain decided to dug out the judgement seat of Vikramaditya and then to sit on it to hear all the cases. **6.** The last angel said to the king, "Are you, then, perfectly pure in heart, O King ? Is your heart as pure as that of a little child ? If so, you are indeed worthy to sit on this seat.'' The king's reply was : "No, no, I am not worthy.''

Grammar and Activity

A. **1.** assertive **2.** imperative **3.** interrogative **4.** exclamatory **5.** optative **6.** Interrogative **7.** assertive **8.** assertive **9.** imperative **10.** optative

B. Do yourself.

C. Do yourself.

13 : The Psalm of LIfe

असली जीवन है! जीवन एक व्यय है!

और कब्र यह लक्ष्य नहीं है

''धूल तू कला, धूल में लौट आए''

क्या यह आत्मा की बात नहीं है।

आनंद नहीं, और दुख नही,

क्या हमारी किस्मत का अंत अथवा रास्ता है;

लेकिन कार्य करने के लिए प्रत्येक कल

हमे आज की ुलना में आगे पाता है।

दुनिया के युद्ध के व्यापक क्षेत्र में,

जीवन के दृंद में अस्थायी मूक जानवरों की तरह नहीं

संघर्ष में एक नायक बनो।

चलो फिर, उठो और करो,

किसी भी भाग्य के लिए दिल से;

अभी भी भाग्य प्राप्त करना, अभी भी पीछा करना,

श्रम करना और प्रतीक्षा करना सीखें।

महापुरुषों का जीवन हमें याद दिलाता है,

हम अपने जीवन को उत्कृष्ट बना सकते हैं,

और विदा होकर हमारे पीछे चले आओ,

समय की रेत पर पैरों के निशान।

पैरो के निशाल, कि शायद एक और

नौकायन जीवन का एकमात्र मुख्य

एक पूर्वजन्म और जलपोत भाई

देखकर फिर से दिल थाम लेंगे।

विश्वास नहीं भविष्य लेकिन सुखद!

मृत अतीत को दफनाने दो यह मर चुका है!

अभिनय, जीवित वर्तमान में अभिनय!

दिन के भीतर, और भगवान ओ सिर!

Comprehension

A. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (F) **5.** (T) **6.** (T)

B. **1.** Life is real and earnest. The grave is not its goal. **2.** We should have the aim of life to act that each tomorrow find us further than today. **3.** The main quality of the soul is that; it is not spoken by soul : "Dust thou art, to dust returnest.'' **4.** Life is like a temporary camping ground because human is mortal. After all, he had to go away after death. He lives temporarily in this world. **5.** We should learn to labour hare and wait for results. **6.** Life is compared to the battle-field because there are conflicts at every step of life to survive.

Grammar and Activity

A. unclean, uneducated, improper, disagree, distrusted, unknown, incomplete, uncommon, immature, unexpected, unallowed, unheard,

unofficial, unthoughtful, uncomfortable

B. branch–bough, gift–present, outcome–result, quiet–silent, whisper–murmur, undaunted–undeterred, chore–task, assistance–help, reside–live

C. Do yourself.

14 : The Gift of the Magi

एक डॉलर और सत्तासी। बस यही था। और साठ पैसे का पैसा पैनियो में था। पैनीज ने किराने वाले और सब्जी वाले और कसाई से सौदेबाजी करके एक-दो को बचाया। तीन बार डेला ने इसे गिना एक डॉलर और सतासी सिक्के। और अगले दिन क्रिसमस होगा।

वह अपने पति के लिए केवल एक डॉलर और सतासी सेंट के साथ क्रिसमस का उपहार नहीं खरीद सकी। स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं था लेकिन जर्जर थोड़ा सोफे पर रोना औररोना। इसलिए डेना ने किया, जो याद दिलाता है कि जीवन सिसकियों से बना है, मनमुटाव से बना है, और मुस्कुराता है साथ ही नाक सिकोड़ना से प्रधानता से।

डेला ने रोना समाप्त कर दिया। और पाउडर गाल में रगड़ा। वह खिड़की के पास खड़ी थी और एक भूरे रंग की बिल्ली पर एक भूरे रंग के पिछले आंगन में एक भूरे रंग की बाड़ पर चलते हुए बाहर देखा। कल क्रिसमस का दिन होगा, उसके पास केवल एक डॉलर और सतासी सेंट सिक्के थे जिससे हर एक पैसे की बचत कर रही थी, इस परिणाम के साथ बीस डॉलर एक सप्ताह दूर नहीं जाते थे। खर्च की तुलना में वह अधिक था। वे हमेशा एक डॉलर और सतासी सिक्के है जो जिम, उनके जिम के लिए उपहार खरीदने के लिए थे। कई खुशहाल घंटे उसने अपने लिए कुछ अच्छा करने की योजना बनाई थी। जिम के स्वामित्व में होने के सम्मान के लायक होने के करीब कुछ और दुर्लभ था।

कमरे की खिड़कियों के बीच एक लंबा ग्लास था। अचानक वह खिड़की से घूमता हुआ और ग्लास से पहले खड़ा हो गया। उसी आँखे चमकदार चमक रही थी, लेकिन भीतर उसका चेहरा ने बीस सेकेंड के भीतर अपना रंग खो दिया था। तेजी से उसने अपने बालों को नीचे खींचा और इसे अपनी पूरी लंबाई में गिरने दिया।

अब जेम्स डिलिंगहम युवा वर्ग के दो संग्रह थे जिसमें दोनों को बड़ा गर्व था। एक जिम के सोने की घड़ी थी, जो उसके पिता और उनके दादाजी की थी। दूसरा डेला का बाल था।

अब अव्यवसाी में सुंदर बाल उसके बाल में गिरने लगे। यह उसके घुटने के नीचे आ गई और उसके लिए लगभग कपड़ा बना लिया और उसके बाद उसने इसे फिर से घबराहट और जल्दी से किया। एक बार जब वह एक मिनट के लिए फाड़ती, तो खड़ी हो जाती जब गर्म लाल कालीन पर दो छींटे जाती।

उसके पुराने भूरे रंग के जैकेट चला गया। वह अपनी पुरानी भूरी-सी टोपी से स्कर्ट घुमाती गई और उसकी आँखों में अब भी चमकदार चमक थी। जहाँ वह बाहर नीचे सीढ़ियो जो सड़क के लिए थी लहराने लगी।

जहाँ उसनसे साइन पढ़ना बंद कर दिया भी सोफ्रिनी सभी प्रकार के बाल समान। ''एक उड़ान में डेला भागा और पुटपटाता हुआ इकट्ठ हो गया।

डेला ने पूछा, ''क्या तुम मेरे बाल खरीद लोगे? अपनी टोपी उतारो, मेडम ने कहा, और चलो अपने बाल की ओर देखो।''

''बीस डॉलर,'' मैडम ने कहा, एक अभ्यास हाथ से द्रव्यमान उठाना।

डेला ने कहा, ''यह मुझे जल्दी दे दो।''

ओह, और अगले दो घंटे गुलाबी पंखों से फिसल गए। जल्द ही उसकी जेब में बीस डॉलर के साथ, वह जैम के वर्तमान के लिए दुकानों को तोड़ रही थी। यह पिछली बार पाया। यह निश्चित रूप से जिम के लिए बनाया गया था और कोई और नहीं। किसी भी दुकानों में ऐसा कोई अन्य नहीं था। यह एक प्लेटिनम एक ओबी शृंखला का सरल और विशुद्ध डिजाइन था। जिसमें सभी अच्छी चीजों के साथ इसका मूल्य अर्जित किया जाना चाहिए यह कभी घड़ी के योग्य था जैसे ही उसने देखा कि वह जानती थी कि यह जिम का होना चाहिए। यह उसके जैसा था।

शांति और मूल्य उन्होंने उसके लिए इक्कीस डॉलर ले लिए और वह सतासी सिक्के लेकर घर दौड़ी। अपनी घड़ी के साथ जंजीर को देखते हुए जिम अपनी कंपनी के बारे में पूरी तरह से चिंतित हो सकता था। शानदार घड़ी के रूप में वह पुराने पट्टे के कारण जिस पट्टे का वह प्रयोग करते थे, उसे ध्यानपूर्वक देख रहे थे।

डेला जब अपने घर पहुँची तो उसके नशे में विवेक और विवेक के लिए थोड़ा सा रास्ता दिखाया। उन्होंने अपने कर्लिंग आयरन को निकाला और गैस की आलोकित किया और उदारता द्वारा बनाई गई क्षतियों की मरम्मत में काम करने के लिए गई जो प्रेम में और भी बढ़ गई, जो हमेशा बहुत बड़ा काम है। प्रिय मित्र-एक बहुत बड़ा काम है।

चालीस मिनट में ही उसका सिर छोटे-छोटे घुँघराले बालों से ढका हुआ था। जो कि उसे एक टूटे-फूटे स्कूल के लड़के की तरह अद्भुत ढंग से दिखलाता था। उसने लंबे समय तक दर्पण में उसके प्रतिबिंब को सावधानीसे और गंभीर रूप से देखा।

यदि जिम मुझे नहीं मारता, ''उसने खुद से कहा, इससे पहले कि वह मुझ पर एक-दूसरे नजर डाले। उन्होंने कहा, मैं एक कोनी आइलैंड कोरस लड़की की तरह दिखती हूँ।'' लेकिन वह क्या कर सकता है ओह! मैं एक डॉलर और सतासी सिक्के के साथ क्या करूँगा?

सात बजे कॉफी बनी और मटमैले चूल्हे के पीछे चॉप पकाने के लिए तैयार हो गया।

जिम को कभी देर नहीं हुई थी। डेला ने ठगी चैन को अपने हाथ में दुगनी कर दरवाजे के पास मेज की चौखट पर बैठ गई। फिर उसने सीढ़ी पर कदम कदम से पहली उड़ान पर सुना, और वह सिर्फ एक पल के लिए सफेद हो गई। उसकी रोजमर्रा की सरल चीजो के बारे मे थोड़ा चुपचाप प्राथ्रना करने की आदत थी और अब उसने फुसफुसाया, ''भगवान कृपया में मैं अभी भी सुंदर हूँ।''

दरवाजा खुला, और जिम ने अंदर कदम रखा और बंद कर दिया। वह पतला और गंभीर बेचारा लग रहा था। वह केवल बाइस का था ओर एक परिवार के बोझ से दब गया था। उसे नए कोट की जरूरत थी और वह दस्ताने के बिना था।

जिम ने दरवाजे को अंदर सेबंद कर दिया। उसकी आँखे डेला पर रुकी थी

और उनमें जो अभिव्यक्ति वह नहीं पढ़ सकी, इससे उसे डर भी लगता था। कि वह न तो गुस्सा था, न संशय न भय और न ही किसी प्रकार की भावना, जिसके लिए वह तैयार की गई थी। केवल एकट उसके चेहरे पर उस अजीब-सी अभिव्यक्ति के साथ देख रहा था।

डेला मेज से सिकुड़ गई और उसके पास गई। ''जिम, डार्लिंग वह रोई,'' मुझे उस तरफ मत देखो। मैंने अपने बालों को काट दिया और इसे बेच दिया क्योंकि मैं तुम्हे एक उपहार देने के बिना क्रिसमस में नहीं सकता था। यह फिर से बड़ हो जाएँगे। आप बुरा मत मानना। मुझे बस यही करना था। मेरे बाल तेजी से बढ़ते हैं। मेरी क्रिसमस जिम, और चलो खुश रहो। तुम नहीं जाते कि क्या एक अच्छा'' आपने अपने बाल काट लिए हैं?

जिम ने बडी मेहनत से पूछा, मानो वह इस स्तब्ध सत्य तक नहीं पहँचा।

डेला ने काह, ''इसे काटा और बेच दिया।'' ''तुम मुझे पसंद नहीं हो वैसे भी किसी भी तरह? ''मैं मेरे बाल के बिना मैं नहीं हूँ, क्या मै नहीं हूँ?''

जिम ने कमरे की ओर उत्सुकता से देखा। उसने कहा ''तुमने कहा कि तुम्हारे बाल चले गए, एक मुहावरे वाले हवा में।

''आपको इसे देखने की जरूरत नहीं है,'' डेला ने कहा, यह बिक गए हैं, मैं आपको बताती हूँ कि बेचा और चले भी गए।

यह क्रिसमस की पूर्व संध्या है जिम मेरे लिए अच्छा होगा, क्योंकि यह तुम्हारे लिए गए थे। मेरे सिर के बाल गिने जा रहे थे। ''अचानक गंभीर मिठास के साथ वह चला गया, लेकिन वह कभी भी आपके लिए मेरे प्यार को कभी गिन नहीं सकता था। मैं जिम पर चाप डालूँगी क्या?'' ट्रांस से बाहर। जिमक जागने के लिए जल्दी में दिखाई दे रहा था। उसने डेला को बंद कर दिया। आठ डॉलर एक हफ्ते में अथवा एक साल में एक मिलियन क्या विभिन्नता है? एक गणितज्ञ या बुद्धि आपको गलत जवाब देगी। मेगी ने मूल्यवान उपहार लाए लेकिन यह बात उनमें नहीं थी। इस अंधेरे का दवा बाद में प्रकाशित किया जाएगा।

जिम ने अपनी ओवरकोट की जेब से एक पैकेट खींचा और मेज पर फेंक दिया।

उसने कहा डेला, ''कोई गलती मत करना'' इस बारे में। मैं नहीं सोचती कि मेरे बाल मेरे बाल कटवाने में या शेव करने के लिए कोई ऐसी चीज है जिससे मुझे मेरी लड़की की तरह कुछ पसंद नहीं आया। लेकिर अगर आप उस पैकेट को खोल देंगे तो आप देख सकते है कि मुझे क्यों झटका लगा।''

सफेद और फर्तीली उँगलियाँ स्ट्रिंग और पेपर पर टिक जाती है। और तब खुशी और फिर खुशी। उन्माद आँसू में त्वरित बदलाव हुआ। वहाँ रहने के लिए। ''कंघी'' कंघी का सैट जो डेला ने एक चौड़ी खिड़की में लंबे समय तक पूजा की थी। सुंदर कंघे, विशुद्ध कछुआ, जौहरी रिम्स के साथ-बस सुंदर गायब बालों में पहनने के लिए।

वे महँगे कंघे थे, वह जानती थी, और उसके दिल बस तड़पा था.... अब वे उसकी तरह थे। लेकिन जो कपड़ा उनके लिए बनाए गए थे, वे फटे हुए थे।

लेकिन उन्होने उसे अपनी छाती से गले लगाया, और लंबाई में वह मंद चीजों और एक मुस्कान और समलैगिंक के साथ देखने में सक्षम थी। मेरे बाल इतने तेज से बढ़ते है जिम।''

और फिर डेला गीत में गाने वाली बिल्ली की तरह उछलकर रोने लगी, ''ओह, ओह-''

जिम ने अभी तक अपनी सुंदर उपस्थिति नहीं देखी थी। उसने खुली हथेली पर रखा। मंद कीमती धातु की आभा उसके दीप्तिमान और प्रफुल्लित कर देने वाली था।

''क्या यह खूबसूरती नहीं है जिम? मैंने इसे खोजने के लिए शहर भर में शिकार किया। अब आपको उस समय को सौ बार देखना होगा। मुझे अपनी घड़ी दे। मैं जानना चाहता हूँ कि यह कैसे दिखता है।''

पालन करने के बजाय जिम नीचे की ओर झुका गया। और उसके सिर पर हाथ रखा और मुस्कुराया।

''डेला,'' ने उससे कहा, ''चलो हमारे क्रिसमस का उपहार रख दे और उसे कुछ समय के लिए रख दे। वे अभी इस्तेमाल करने के लिए बहुत अच्छे हैं। इस समय मैंने आपके कंघे खरीदने के लिए इस घड़ी को बेच दिया। अब मान लो कि तुम चाप्स के ऊपर डाल रहे हो।

मैगी, जैसा कि आप जानते हो बुद्धिमान पुरुष उन्होंने क्रिसमस उपहार बुद्धिमान होने की कला का आविष्कार किया, उनके उपहार निश्चित रूप से बुद्धिमान थे और यहाँ मैने एक फ्लैट में दो मूर्ख बच्चों के बारे में आपको बताया है जिन्होंने बड़ी बुद्धिमानी से एक-दूसरे के लिए उनके घर के सबसे बड़े खजाने की बलि दी। लेकिन इन दिनों के सबसे बुद्धिमान लोगों को अंतिम शब्द में यह कहन चाहिए कि जो उपहार देते है जैसे कि वे बुद्धिमान होते हैं, वे हर जगह सबसे बुद्धिमान होते हैं। वे मैगी है।

Comprehension

A. **1.** (a) wise **2.** (c) seven **3.** (b) platinum **4.** (d) eighty-seven **5.** (c) one dollar and eighty-seven cents

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (T) **4.** (F) **5.** (F) **6.** (T)

C. **1.** Della wanted to buy a present for Jim, her husband, on the Christmas Eve. She did it by selling off her hair. **2.** The two precious possessions of Della and Jim were Della's hair and Jim's gold watch, respectively. **3.** Della bought a platinum fob chain. She bought this peculiar gift because she thought that with that chain on his watch, Jim might be properly anxious about the time in any company. **4.** Jim was shocked when he saw Della without her hair because he brought combs for her hair as Christmas gift. **5.** Jim return home late that evening because he had to buy Christmas gife for his wife, Della. He looked at his wife with an strange expression. It was not anger, nor surprise, nor disapproval, nor horror, nor any of the sentiments that she had been prepared for. He simply stared at her fixedly with that peculiar expression on his face. **6.** Jim asked Della to put their gifts away a while because, according to Jim, they were too nice to use just at that time. As Jim had sold his watch to get the money to buy her combs and Della had sold her hair to buy his chain.

Grammar and Activity

A. **1.** solitude, solitary **2.** delicious, delicacy

3. comfortable, comfort **4.** glorious, glory **5.** enterprising, enterprise

B.

	1st form	2nd form	3rd form
1.	shine	shone	shone
2.	shoot	shot	shot
3.	love	loved	loved
4.	read	read	read
5.	swear	swore	sworn

15 : From a Hamlet to the Rashtrapati Bhavan

बचपन में अवुल पाकिर ज़ैनुलआबेदीन अब्दुल कलाम को सीगल उड़ान के आकर्षण का स्मरण है। उड़ानके मामले में रुचि केकारण पहले उन्होंने वैमानिक इंजीनियरिंग में उपाधि प्राप्त की और अंतत: भारत में निर्देशित मिसइलों के विकास की निगरानी की।

अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के द्वीप नगर रामेश्वरम में हुआ। उनके पिता नाव के मालिक थे, जिन्होंने अपने बेटे के स्कूल की फीस का भुगतान करने के लिए नौकाओं को किराए पर दिया था। अब्दुल कलाम ने रामेश्वरम प्रामरी स्कूल में अध्ययन किया और युवा बालक के रूप में रामनाथपुरम के स्वर्टज हाईस्कूल में परिवार की आय बढ़ाने के लिए अखबारों को वितरित करने में मदद की।

विज्ञान में स्नातक होने के बाद उन्होंने तिरुची के सेंट जोसेफ कॉलेज से मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी में वैमानिक इंजीनियरिंग में प्रवेशकिया। 1958 में कलाम ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ) में हिस्सा लिया। बाद में 1962 में वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और उपग्रह प्रक्षेपण यान टीम 1963 में चले गए। लगभग बीस वर्षों तक वहाँ कार्य करने के बाद 1982 में वह (डी आर डी ओ) के निदेशक के तौर पर वापस लौटे और उन्होंने निर्देशित मिसइल विकास कार्यक्रम का दायित्व संभाल लिया। 1992 में उन्हें केंद्रीय रक्षा मंत्री का वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया। एक वैज्ञानिक के रूप में उनका मुकुट 1998 में आया जब उन्होंने भारत का पहला परमाणु पीरक्षण किया।

डॉ० कलाम ने अपनी उपलब्धियों और अपने कैरियर के बारे में लिखा है।

मैं अपने कैरियर में चार मील के पत्थर देखता हूँ। प्रथम बीस वर्ष मैंने इसरो में बिताए जहाँ मुझे भारत के प्रथम उपग्रह प्रक्षेपण यान के परियोजना निदेशक के रूप में SLV3 में कार्य करने का अवसर मिला। जबकि हमने उपग्रह रोहिणी को लॉन्च किया था। इन वर्षों का बड़ा महत्व था।

दूसरा मील का पत्थर तब था जब मैं डी आर डी ओ में लौटा और मुझे भारत के निर्देशित प्रक्षेपास्त्र कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसन मिला। दूसरी बार जब अग्नि मिसाइल यह दूसरी बार परमानंद था जब 1994 में अग्नि मिसाइल ने अपनी मिशन आवश्यकताओं को पूरा किया।

तीसरा मील का पत्थर उस समय आया जब 1 और 13 मई को परमाणु परीक्षण के दौरान डी आर डी ओ ने मिलकर काम किया। परमाणु परीक्षणों में मेरी टीम के साथ भाग लेने के आनंद ने जो विश्व को साबित करता है कि भारत इसे विशाल बना सकता है, कि हम विकासशील देश नहीं रह गए है, मुझे एक भारतीय होने पर गर्व महसूस हुआ। वास्तव में भारतीय वैज्ञानिकों ने अग्नि मिसाइल में फिर से प्रवेश करने के लिए कार्बन-कार्बन नामक एक बहुत ही हल्के पदार्थ का निर्माण किया है। और इस पर गर्व करने योग्य बात है।

मेरा चौथा मील का पत्थर उस समय आया जब किसी दिन निजाम आयुर्विज्ञान संस्थान, हैदराबाद के अस्थि रोग विशेषज्ञ मेरी प्रयोगशाला में गए। उन्होंने मिसाइलों के निर्माण के लिए इस्तेमाल की गई सामग्री को उठा लिया और इतना हल्का पाया कि उन्होने मुझे उसके मरीज दिखाए। ये नन्ही लड़कियाँ और लड़के थे जिनका वजन तीन किलोग्राम से भी अधिक भारी धात्विक कैलिपर होता था और वे अपने पैरों को खींचते रहते थे। उसने मुझे बताया, कृपया मेरे रोगियों के दर्द को दूर करो। तीन हफ्तों में हमने फर्स्ट रिक्रियात्मक ऑर्थोसिस, 300 ग्राम कैलिपर पर छोड़ा और उन्हें आर्थोपेडिक सेंटर में ले गया। यहाँ दी गई बच्चे की विश्वास हनीं कर सकते उनकी आँखे होने से तीनों के आसपास खींचे उनके पैरों पर किलोग्राम भार, वे अब स्थानांतरित कर सकते है चारो ओर आसानी से उनके साथ माँ-बाप दोनो के दिल में आँखो में आँसू थे।

एक सच्चे देशभक्त डॉ० कलाम को उनके देश में गर्व है। उनके पास अपने देश और देशवासियों के लिए महान सपने और दृष्टांत है। अपने कई व्याख्यानों में और लेखन में उनका गहन योगदान था। उनके देश के लिए भावनाएँ पारदर्शी है। अपने एक भाषण में उन्होंने कहा—

मेरे तीन स्वप्न भारत के लिए हैं। हमारे इतिहस के 3000 वर्षों में, विश्व भर के लोगों ने हम पर आक्रमण किया। हमारी भूमियो पर कब्जा किया तााि हमारे मस्तिष्क पर विजय प्राप्त की। उन्होंने हमें लूट लिया है और हमारा क्या था। फिर भी हमने यह काम किसी और देश के साथ नहीं किया है। हमने किसी का भी जीत नही ली है हमने उनकी भूमि नहीं कब्जाई है, उनकी संस्कृति, उनके इतिहास और उन पर अपनी जीवन पद्धति को लागू करने की कोशिश नहीं की। क्यों? क्योंकि इसलिए हम लोगों की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं। इसलिए मेरी पहली कल्पना है कि हमे अपनी स्वतंत्रता की रक्षा, पोषण और निर्माण करना चाहिए। यदि हम भारत के लिए स्वतंत्र नहीं है तो कोई भी हमारा सम्मान नहीं कर सकता।

भारत के लिए मेरी दूसरी दृष्टि विकास है। हम पचास वर्षों से एक विकासशील राष्ट्र रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम अपने आपको एक विकसित राष्ट्र के रूप में देखें। हम जीडीपी के मामले में दुनिया के शीर्ष पाँच देशों में से हैं। हमारे गरीबी के स्तर गिर रहे हैं। हमारी उपलब्धियों को आज विश्व स्तर पर मान्यतस दी जा रही है। फिर भी खुद को एक विकसित राष्ट्र आत्मनिर्भर और आत्मनिर्भर के रूप मे देखने के लिए हमारे पास आत्मविश्वास की कमी है।

मेरे पास एक तीसरी दृष्टि है मै भारत को दुनिया के लिए खड़ा देखना चाहता हूँ। मेरा विश्वास है कि जब तक भारत दुनिया के सामने खड़ा नहीं होता, तब तक कोई भी हमारा सम्मान नहीं करेगा। शक्ति को हम केवल सैन्य शक्ति के रूप में ही नहीं, आर्थिक शक्ति के रूप में भी बल देते हैं, दोनों को साथ-साथ चलते रहना है। यह तीन महान के साथ काम करने के लिए मेरा सौभाग्य था। मन अंतरिक्ष विभाग के डॉ० विक्रमसाराभाई, प्रोफेसर सतीश धवन, उनके बाद डॉ० ब्रह्म प्रकाश जो न्यूक्लीय पदार्थ के पिता थे उनके उत्तराधिकारी हुए। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूँ।

डॉ० कलाम के शानदार जीवन में भारत में विज्ञान और प्रोद्योगिक के क्षेत्र में उनके महान योगदान के लिए अनेक पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। 1981 में उन्हें वहाँ का सम्मान दिया गया। पद्मभूषण और 1997 में सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के साथ भारत रत्न भी दिया गया।

तमिलनाडु के एक छोटे-से गाँव के वैज्ञानिकों ने 25 जुलाई 2002 को भारत के राष्ट्रपति पद के रूप में अपने सर्वोच्च पद में स्थान प्राप्त कर लिया था।

Comprehension

A. **1.** (c) 15 October 1931 **2.** (b) St. Joseph's College **3.** (b) Padma Bhushan **4.** (c) third **5.** (b) 1962

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (F) **5.** (F) **6.** (T)

C. **1.** Abdul Kalam was the son of a boat owner. As a young boy, he have had to distribute newspapers in order to add to the family income. **2.** The third milestone of the Abdul Kalam's career was when the Department of Atomic Energy and DRDO worked together during the nuclear tests on May 11 and 13, 1998. **3.** Yes; we agree with this statement that Dr Abdul Kalam's childhood was not easy one because, as a young boy he have had to distribute newspapers in order to add to his family income. **4.** The four milestones in Dr Abdul Kalam's career are : The first was the twenty years he spent in ISRO where he was given the opportunity to be the Project Director for India's first satellite lunch vehicle, SLV3. The second milestone was when he returned to DRDO and got a chance to be part of India's guided missile programme. The third milestone was when the Department of Aomic Energy and DRDO worked together during the nuclear tests on May 11 and 13, 1998. The forth milestone was when one day an orthopaedic surgeon from the Nizam Institute of Medical Sciences, Hyderabad, visited his laboratory, and his team made the Floor Reaction Orthosis, 300 gram calipers, for the child patients. We think the fourth milestone gave him the greatest joy. **5.** Dr Kalam has three visions for India. His first vision is 'Freedom'. His second vision is 'Development'. His third vision is he wants to see India stand up to the world. For his third vision of them, he has personally helped to build the India's military power strong. **6.** We want to be the part of the first vision, Freedom, out of three visions Dr Kalam has; because no one will respect us, if we are not free.

Grammar and Activity

A. **1.** He is not only poor but also honest. **2.** He is not only an engineer but also a writer. **3.** History not only tells us about our glorious past but also inspires us to take right decisions. **4.** Nadeem is not only good in sports but also topper of the class. **5.** Mr Bajaj not only travelled to california but also earned a lot of money from his lectures there in Oracle University. **6.** Mrs Kapoor saved not only herself from an accident but also saved the life of her two children.

B. **1.** May **2.** can **3.** can **4.** may **5.** may

C. Do yourself.

16 : The Girl on the Train

मेरे पास रेलगाड़ी में रोहाना तक के डिब्बे थे। और फिर एक लड़की को मिला। जोड़े उसे देख रहे थे शायद उसके माता पिता को। वे उसके आराम के बारे में बड़ी चिंता अनुभव करती थी और उस स्त्री ने लड़की को यह विस्तृत निर्देश दिया था कि किस प्रकार उसे रखा जा सकता है। कद उसे खिड़की से बाहर रखा जा सकता है और अजनबियों से बात करने से कैसे बचाया जा कसता है।

जैसेा कि मैं अंधा था, मैं यह नहीं बता सका कि वह लड़की किसकी तरह दिख रही थी। लेकिन मुझे पता था कि वह चप्पल जिस तरह से उसे अपनी ऊँची एड़ी के जूते पहले लगी थी, उससे उसे चप्पल पहना था। ''क्या आप देहरादून के लिए सभी जा रहे हैं? मैंने उससे पूछा कि ट्रेन स्टेशन से बाहर निकल गई है।

मैं एक अंधेरे कोने में बैठी क्यों कि मेरी आवाज ने उसे चौंका दिया उसनसे थोड़ा विस्मय भाव दिया, और कहा, ''मुझे नहीं पता था कि कोई और यहाँ था।''

अच्छा, अक्सर ऐसा होता है कि अच्छी नजर वाले लोग यह नहीं देख पात कि उनके ासमने क्या सही है। मेरा विचार है कि उनके पास इतना कुछ है कि उनका निरीक्षण करना कठिन है, जब कि लोग नहीं देख पाते वे अपनी इंद्रियों पर कितनी छाप छोड़ जाते हैं।

मैंने कहा, ''मैंने तुम्हे पहले भी नहीं देखा,'' मुझे आश्चर्य है। यदि मुझे उसे रोकने के लिए सक्षम होना चाहिए। तो मैं नहीं देख सकता था। मैंने सोचा बशर्ते मैं अपनी सीट पर रखता हूँ।

यह बहुत मुश्किल नहीं होना चाहिए। लड़की ने कहा, ''मैं सहारपुर में उतर रही हूँ।'' ''मेरी चाची मुझे वहाँ मिल रहीं हैं।''

''तुम कहाँ जा रहे हो?''

''मैंने उत्तर दिया, देहरादून में और फिर मंसूरी से

''ओह तुम भाग्यशाली हो! मैं चाहता हूँ मैं मंसूरी जा रहा था। मुझे पर्वतों से प्यार है विशेष रूप से अक्टूबर में।''

''हाँ, यह सबसे अच्छा समय है,'' मैंने कहा, जब मैं देख सकताथा मेरी यादों को बुला रहा था। कि पहाड़ियाँ जंगली डालियों से ढकी हैं, सूरज स्वादिष्ट है और रात में तुम लट्ठा में आग लगाकर थोड़ी ब्रांडी पी सकते हो। ज्यादातर पर्यटक चले गए है और सड़क शांत और लगभग वीरान है।

वह चुप थी, और मैं आश्चर्य मे था कि यदि मेरे शब्दों ने उसे छू दिया होता तो या उसने कि उसने मुझे रुमानी मूर्ख समझ लिया होता। तब मैंने एक गलती की। मैंने पूछा ''क्या यह बाहर की तरह है?'' यह प्रश्न कुछ अजीब प्रतीत नहीं लग रहा था? लेकिन उसके अगले प्रश्न ने मेरे संदेह को हटा दिया। ''तुम खिड़की से बाहर क्यों नहीं देखते हो?'' उसने स्वाभाविक रूप से पूछा।

मैं आसानी से बर्थ के साथ चला और खिड़की के कगार पर लगा। खिड़की

खुली थी और परिदृश्य का अध्ययन करने का बहाना बनाते हुए मैंने उसका सामना किया।

मेरे दिमाग में देख सकता था टेलीग्राफ पोस्ट चमकती देख रहा था। ''क्या तुमने देखा।'' मैंने उद्यम किया, ''कि जब हम खड़े है पेड़ हिलते दिखाई देते हैं?''

उसने कहा, ''हमेशा ऐसा ही होता है।''

मैं मुड़ा खिड़की से मुड़ा और लड़की का समाना करना पड़ा और थोड़ी देर के लिए मैं शांत रहा था। लेकिन इसके पास एक दिलचस्प चेहरा है जो मैंने टिप्पणी की थी कि कुछ लड़कियाँ चापलूसी का विरोध कर सकती हैं।

वह एक स्पष्ट बजने वाले, की तरह हंसी। उसने कहा कि यह कना अच्छा है।'' मैं लोगों से बाते हुए बहुत थक गया हूँ कि मेरा चेहरा बहुत अच्छा है।

''ओह, तो आपका चेहरा सुंदर है, मैंने सोचा और जोर से मैंने कहा- ''ठीक है, एक दिलचस्प चेहरा भी सुंदर हो सकता है।

''तुम बहुत वीर हो,'' उसने कहा। ''लेकिन आप इतने गंभीर क्यों हो?''

मैंने एकाएक कहा, ''हम जल्द ही आपके स्टेशन पर पहुँच जाएँगे।

अच्छा शुक्र है कि यह एक छोटी यात्रा है। मै दो या तीन घंटे से अधिक समय तक ट्रेन में बैठना सहन नही कर सकता।

फिर भी, मैं लगभग किसी भी लंबाई तक वहाँ बैठने के लिए तैयार था। बस उसकी बात सुनने के लिए। उसकी आवाज में पहाड़ की धारा की चमक थी जैसे ही वह ट्रेन छोड़ गई, वह हमारे संक्षिप्त मुठभेड़ को भूल जाएगी। लेकिन बाकी के यात्रा के लिए साथ रहना होगा और कुछ समय के लिए।

इंजन की सीटी चीखती रही, गाड़ी की एड़ियों ने उनकी आवाज़ बदल दी और लड़की अपनी चीजे इकट्ठा करने के लिए खड़ी हुई। मुझे आश्चर्य है कि क्या उसने उसके बाल जूड़े से पहने थे। या अगर यह उसके कंघों पर ढीली पड़ गई, या आदि ये बहुत छोटे थे।

रेलगाड़ी धीरे-धीरे स्टेशन पर पहुँच गई। बाहर की ओर, बर्तन वाले विक्रेताओं की चिल्लाहट और गाड़ी के दरवाजे के पास एक ऊँचे पैरों वाली महिला की आवाज जो लड़की की चाची थी।

''अलविदा,'' लड़की ने कहा।

वह मेरे बहुत करीब खड़ी थी। इतना करीब कि उसके बालों से इत्र से कष्ट पहुँच रहा था। मैं अपना हाथ बढ़ाकर उसके बालों को छूना चाहता था। लेकिन वह वहाँ से चली गई और वह जो इत्र था, अब वह अकेली खड़ी थी।

दरवाजे के रास्ते में कुछ गड़बड़ी हो गई थी। एक आदमी डिब्बे में घुस आया और उसने क्षमा याचना की तो दरवाजा बंद हो गया और दुनिया फिर से बंद हो गई। मैं अपनी बर्थ में बदल गया। गार्ड ने सीटी बजाई और हम गाड़ी की गति से चल पड़े।

पहिये ने अपना गीत गाया, गाड़ी ने कूच किया और हिला कर रख दिया। मुझे खिड़की मिली और उसके सामने बैठ गया। दिन के उजाले में घूर रही जो मेरे लिए अँधेरा था। एक बार फिर, मेरे पास खेलने के लिए एक खेल और एक नया साथी यात्री था।

मुझे खेद है कि मैं उतना आकर्षक नहीं हूँ जितना एक यात्रा करने वाला साथी जो अभी छोड़ दिया है।

उन्होंने कहा बातचीत करने की कोशिश कर रहा हूँ। वह एक दिलचस्प लड़की थी, मैने कहा। क्या आप मुझे बता सकते हैं- क्या उसने अपने बालों को लंबा या छोटा रखा है? मुझे याद नहीं है, ''उसनसे कहा, मैंने उसकी आँखे देखी, बाल नहीं। वह इतनी सुंदर थी।

Comprehension

A. **1.** (d) October **2.** (b) Saharanpur **3.** (c) blind **4.** (c) landscape **5.** (a) A fellow-traveller **6.** (c) The girl itself.

B. **1.** (T) **2.** (T) **3.** (F) **4.** (F) **5.** (F) **6.** (T)

A. **1.** The girl's parents gave the girl detailed instructions as to where to keep her things, when not to lean out of windows, and how to avoid speaking to strangers. But she didn't follow all the advice. **2.** The man gave the girl the idea that he was able to see by saying to her, "I didn't see you either, at first, but I heard you come in.'' **3.** The man made a mistake when he asked the girl, "What it is like outside ?'' It was a mistake because the girl was blind, but why the man could not notice her blindness. **4.** In order to hide the fact that he was blind, the man told the following lies to girl by saying : (i) "I don't see you either, at first.'' (ii) "Have you noticed that the trees seem to be moving while we seem to be standing still ?'' Yet the man couldn't see anything himself due to his blindness. **5.** We think the boy was interested in the girl because he thought : "As soon as she left the train, she would forget our brief encounter; but it would stay with me for the rest of the journey, and for some time after.'' **6.** No, the girl didn't tell any lies.

Grammar and Activity

A. **1.** Oh ! **2.** most pleasant **3.** imagination **4.** teasing **5.** impressed **6.** mountains

B. **1.** director **2.** procession **3.** disturbance **4.** expectation **5.** stranger **6.** identify **7.** explainer **8.** surveyor

17 : On Killing A Tree

यह एक पेड़ को मारने के लिए बहुत समय लगता है,

चाकू का एक सरल रास्ता नहीं करूँगा।

यह बढ़ गया है

धीरे धीरे पृथ्वी का उपभोग,

बाहर की ओर बढ़ती, भोजन।

इनकी परत पर अवशोषित

सूर्य के प्रकाश, वायु पानी के वर्षो

और उसकी खाल के नीचे से अंकुरित

पत्तियाँ तो है कटाव और काटना।

लेकिन अकेले ही इसे।

इतना ही नहीं करेगा।

इतना दर्द ऐसा नहीं करेगा।

खून वह रहा छाल ठीक हो जाएगा

और जमीन के नजदीक से

हरे रंग की टहनियाँ घुमावदार वृद्धि होगी,

लघु झाड़ी जो फिर से विस्तृत होगी

पूर्व आकार के लिए नहीं,

जड़ को निकालना है

पृथ्वी से बाहर एकरिंग करना

इसे बाँधना है, बाँधना है,

और बाहर खींच लिया

या पूरी तरह से बाहर खींच लिया,

गुफा से निकली,

रेत पेड़ की शक्ति उजागर,

स्रोत, सफेद और गीला,

वह सबसे अधिक संवेदनशील,

छिपा हुआ एक वर्ष तक पृथ्वी के लिए।

तो मामला

कर्कश और सांस लेने में परेशानी

सूर्य और हवा में, भूरा सख्त, घुमा-घुमा और तब यह किया जाता है।

Comprehension

A. **1.** (T) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (T) **5.** (F) **6.** (F)

B. **1.** The root is described as 'white and wet' because it was hidden for years inside the earth like a carcass. **2.** jab, hack, chop. **3.** The poet describes 'boughs' as miniature because they are checked time to time by cutting their fore part. **4.** The following line in the poem suggests that a tree has great strength to bear pain : "It takes much time to kill a tree." **5.** This poem is about conserving trees. Through this poem, the poet wants to give the message to people of not cutting down the trees.

Grammar and Activity

A.

bravery	cowardice
above	below
common	rare
heaven	hell
important	trivial
natural	artificial

B. **1.** receive **2.** courage **3.** skilful **4.** action **5.** gentleman

C. Do yourself.

D. Do yourself.

18 : Socrates

सॉक्रेटस अथेंस में रहते थे। ईसा मसीह का जन्म लगभग चार सौ साल पहले हुआ था। एक लड़के के रूप में वह बदसूरत था। अनुमानित नाप से कम था और उनकी आँखे उभरी हुई थी। उनके पिता एक गरीब पत्थर काटने वाले थे। इसलिए वह हमेशा शबालीन कपड़े पहने हुए थे।

अपने समय के अन्य लड़कों की तरह वह भी स्कूल जाता था। वहाँ सबसे महत्वर्पूा पाठ संगीत और कसरत होती है। उन्होंने कुछ विज्ञान भी सीखा और गणित और तारों के बारे में थोड़ा ही, पर नहीं। लगभग इतना इतिहास और भूगोल जैसे बच्चों को आज सीखना। आज छोटी गर्दन वाला यह अजीब सा प्राणी और सादे चेहरे वाला विचारशील बच्चा था। उसने हर समय अपने साथी को देखा और बहुत कुछ करने की अनुमति देते उसकी सूचनाओं से बचे।

सुकरात के पास कोई बड़ा घर या फर्नीचर नहीं था। जिससे वे धन या सुंदर संपत्ति नहीं चाहते थे। जैसे-जैसे वह बड़ा हुआ उन्होंने शारीरिक सुख और आराम को बहुत महसूस किया। उन्होंने अपना मन उदात्त, सम्मानीय और न्यापूर्ण कामों को सौंपा।

सॉक्रेटस ने शहर के चारों ओर पैदल चलते हुए लोगों से बात की। एथेनियंस अपने परिचित को गलियों में देखने लगे और अपन मित्रों से कहने लगे। सुकरात ये सुकरात है, और उससे बात करे। कुछ समय बाद सॉक्रेटस एक शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध हो गए। वह सड़कों पर घूमते हुए और बाजारों में खड़े होकर उनसे बात कर रहे थे, जिन्होंने उन्हें नमस्कार किया था। श्रोता उनके साथ बहस करने या उसके सवालों के जवाब देने के बाद बहुदा भ्रमित हो जाते थे। सुकरात ने अपने देशवासियों से कहा कि सभी को अपने लिए सोंचना चाहिए। ताकि अपने विवेक का प्रयोग करके वे यह देख सके कि कौन-सा सही, सही, सच्चा और सुंदर है और इस तरह अपने आचरण को खुद आकार दे सकते हैं। वह एथेंस की एक आदर्श राज्य मानना चाहता था। उसने सबको बताया अपने विद्यार्थियों और उनके अनुयायियों से ये तभी संभव है जब हर नागरिक ने अपने दिमाग को शिक्षित किया हो, देखना कि क्या सही और नेक है। उनका विश्वास था कि प्रश्न पूछने पर विचार-विमर्श से उन्हें यह कार्य करने में मदद मिलेगी और वे खुली सड़को पर सदैव उनसे बात कर रहे थे।

सुकरात जब बूढ़े आदमी थे, तो उनकी प्रसिद्धि दूर बहुत से धनी लोगों के घरों ने उनके लिए द्वार खोल दिए क्योंकि लोग उनकी अतिथि पाकर सम्मानित अनुभव करते थे। इसी तरह धीरे-धीरे एक खास किस्म के लड़के उनके आस-पास जमा हो जाते, उनके पीछे-पीछे जाते। इनमें एक युवा 'अरस्तू' था, जो उसकेस्वामी के कहे गए प्रत्येक शब्द को संजोकर रखता था और बाद के वर्षों में वह महान शिक्षक बनकर सुकरात के रूप में विख्यात हो गया।

लेकिन कई लोग इस वृद्ध व्यक्ति को पसंद करते थे और उनकी बुद्धिमत्ता से प्रसन्न थे। फिर भी कुछ लोगों को एक नया और यूनान के अन्य देवताओं को बलि देने से श्रेष्ठ और श्रेष्ठ कार्य कही थे।

एथेंस पर शासन करने वाले लोगों ने सुकरात को उनके सामने पेश होने और उस पर मुकदमा चलाने के लिए बुलाया। उसके दोस्तों ने उससे विनती की थी कि वह भाग जाए, छुप जाए जब तक कि तूफान खत्म न हो जाए।

लेकिन सुकरात किसी कायर की तरह नहीं थे। वह जानते थे कि उसने कोई भी गलत काम नहीं किया है। और वह केवल वही खिता था जिसे वह न्यायपूर्ण, प्रमाणिक और सम्मानीय मानता था और इसलिए वह दरबार गया उनके कपड़े और जूते धूल-धूसरित थे। पर हर कोई जानता था कि एक भव्य हृदय की धड़कने जर्जर कपड़ो से ही होती है।

उसने एक शक्तिशाली और प्रतिष्ठित भाषण दिए थे। एथेनियन से उन्होंने कहा कि उनके जीवन के अंतिम कुछ वर्षों को निकालकर उन्हें कुछ नहीं मिलगा। लेकिन वह अपने विश्वास के अनुसार जो सही है उसके लिए वह कई मौतो को देने के लिए तैयार है।

न्यायाधीशों ने उनकी बात सुनी, उनसे पूछताछ की और उनकी मोत की निंदा की। बूढ़े आदमी ने कोई शिकायत नहीं की। वह अपनी छड़ी पर झुकाई, भीड़ वाले कोर्ट को देखकर प्लेटो और उकसे अन्य छात्रों ने सारे समय कोर्ट में ही बैठा रहता था। उन्होंने कहा, ''किसी भी अच्छे व्यक्ति के साथ कोई अमंगल नहीं हो सकता। न तो जीवन में और न ही मृत्यु के बाद अच्छा हर्ष का होना। मुझे जाना है। मेरे जाने का समय आ गया है और हम अपने रास्ते पर चलते है, मैं मर जाऊँगा और तुम जीवित रहोगे।

तब सैनिक आए और उसे जेल में ले गए। तीनबच्चों के साथ उनकी पत्नी आई। उनके अनेक प्रिय शिष्य भी उनके साथ ही थे। (ये सब बाते) इस सबब से है कि उन लोगों ने खुदा की तरफ से बहुत जल्द बात की लेकिन हर समय उसके दोस्त जानते थे कि सुकरात जल्द ही मर जाएँगे। वे दुखी थे। जैसा कि प्लेटो ने लिखा? ये उस पिता के समान था जिससे हम वंचित कर रहे थे और हम अपनी बाकी की जिंदगी अनाथ के नाम से गुजारने वाले थे।''

सूर्य पेड़ के ऊपर बैठा था उसके बाद वह जेलर आया और सुकरात से मौत की तैयारी करने के लिए कहा।

एथेंस में जब लोगों ने मरने की निंदा की उनहें एक प्याला जहर दिया गया। सॉक्रेटस को यह पता था और उन्होंने जेलर का सिर हिलाया जो उस पर उदासी रूप से कह रहा था। ''सुकरात जिन्हे मैं जानता हूँ कि इस स्थान पर जो सबसे श्रेष्ठ और नम्र है जब मेा दूसरों के लिए जहर पीने को नहीं कहूँगा।'' आँसू फोड़कर वह बाहर निकल गया और एक कप जहर के साथ लौट आया।

सुकरात ने कहा हो सकता है ईश्वर मेरी इस यात्रा को दूसरी दुनिया में ले जाए और प्याले को अपने होंठों से लगा लिया।

उनके शिष्यों ने आँसुओं को बंद रखने की कोशिश की, किंतु एक जोरसे सिसक रहा और इससे दूसरे दुखी हुए और जल्दी ही कमरे में रोने की आवाज आ गई।

सॉक्रेटस अपने हाथों में जहर अधूरे कप के साथ रुक गए। यह अजीब आवाज क्या है? उसने पूछा। मैंने सुना है कि एक आदमी को शांति से मरना चाहिए। आपको रोना नहीं चाहिए। चुप रहो और धैर्य रखो। उसने इधर-उधर देखा, कुछ याद किया ''आलोचना,'' उन्होंने अपने एक शिष्य से फुसफसाकर कहा, ''क्या तुम मुझ पर दया कर सकते हो?'' मुझे चिकित्सा करने के लिए एक मुर्गा देता है क्या आप कर्ज का भुगतान करेंगे?

यह भुगतान किया जाएगा, ''आलोचना में कहा ''क्या कुछ और है?'' वह इंतजार कर रहा था लेकिन इसका कोई उत्तर नहीं था। ''सभी यूनानियों के महान सुकरात मर चुके थे।''

Comprehension

A. **1.** (b) not disturbed **2.** (b) noble heart **3.** (b) four hundred **4.** (b) teacher **5.** (b) prison

B. **1.** (F) **2.** (F) **3.** (T) **4.** (F) **5.** (T) **6.** (T)

C. **1.** Socrates was a great teacher. He was a brave and truthful man. He wanted Athens to be a perfect state. The jailor of Athens called him the noblest, gentlest and the best of all. **2.** Socrates lived in Athens. Afterwards, he became a great teacher of Athens. The most important lessons in his school were music and gymnastics. **3.** System of death sentence in Athens was to give a cup of poison to the guilty to drink. **4.** Before drinking the poision, Socrates said, "I have heard that a man should die in peace. You mustn't cry. Be silent and have patience." **5.** While giving the cup of poison, the jailor express these feelings to Socrates : "You, Socrates, whom I know to be the noblest and gentlest and best of all who ever come to this place, will not be angry with me when I ask you to drink the poison for others, and not I are the guilty cause.'' **6.** Socrates' aim in talking to the people was to teach them to see what was right, just, true and beautiful, and so shape their own conduct.

Grammar and Activity

A. **1.** undersized **2.** shabbily **3.** conduct **4.** treasured

B. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (c) **5.** (f) **6.** (e)

C. **1.** back out **2.** put to **3.** back up **4.** set aside **5.** look into

D. Do yourself.

E. Do yourself.